ANNUAL REPORT
वार्षिक प्रतिवेदन
2020-2021

IIM RANCHI
बहुमुखविकासो गन्तव्यः

भारतीय प्रबन्धन संस्थान राँची
Indian Institute of Management Ranchi

विषय-सूची

1. अध्यक्ष का संदेश :

2. निदेशक का संदेश :

3. संगठन :

- संस्थान :
- बीओजी बैठकें :
- प्रशासन :

4. संस्थान :

- संस्थान :
- मिशन, विजन, मूल मूल्य और प्रतीक चिन्ह् :
- आधारभूत संरचना :
- स्थापना दिवस :

5. शैक्षणिक कार्यक्रम :

- पीजीपी :
- पीजीपी-एचआरएम :
- डाक्टरल प्रोग्राम :
- एग्जीक्यूटिव डाक्टरल प्रोग्राम :
- पीजीईएक्सपी :
- छात्र विनिमय प्रोग्राम :
- दीक्षांत समारोह :

6. एमडीपी, कंसल्टेंसी और इन-कंपनी प्रोग्राम :

7. संकाय और कर्मचारी :

- संकाय :
- अकादमिक परिषद की बैठकें :
- विजिटिंग फैकल्टी :
- कर्मचारी :

8. शोध और प्रकाशन :

9. पुरस्कार, उपलब्धियां और छात्रवृत्ति :

- पुरस्कार/उपलब्धियां :
- छात्रों की उपलब्धियां :
- छात्रवृत्ति :

10. प्रवेश :

- पीजीपी :
- पीजीपी-एचआरएम :
- डॉक्टोरल कार्यक्रम :
- एग्जक्यूटिव डॉक्टोरल प्रोग्राम :

विषय-सूची

11.	**प्लेसमेंट**	:
12.	**आंतरिक शिकायत समिति**	:
13.	**गतिविधियां और कार्यक्रम**	:
	• उत्कृष्टता केंद्र: अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लिडरशिप पॉलिसी एण्ड गवर्नेंस	:
	• उत्कृष्टता केंद्र: बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राईबल अफेयर्स	:
	• यूएनजीसी पीआरएमई	:
	• उन्नत भारत अभियान	:
	• संस्थान गतिविधियां	:
	• छात्र गतिविधियां	:
14.	**सस्थान में दौरा करने वाले प्रतिष्ठित अतिथि**	:
15.	**छात्र समिति और क्लब**	:
16.	**वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए निदेशक की रिपोर्ट**	:
17.	**वार्षिक लेखा विवरण 2020-21**	:
18.	**तुलन पत्र 2020-21**	:
19.	**परिसर के विकास पर संक्षिप्त रिपोर्ट**	:
20.	**रांची के बारे में**	:

अध्यक्ष का संदेश

वर्ष 2020-21 में भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 10 साल पूरे कर लिए हैं। इस वर्ष के दौरान, दुनिया के अधिकांश हिस्सों में एवं हमारे जीवन में काफी सारे बदलाव हुए हैं, जिनका अनुमान शायद ही किसी ने लगाया होगा। अधिक से अधिक उपलब्धियों और उच्च आदर्शों के प्रति हमारी निरंतर आकांक्षा अप्रभावित रही, क्योंकि हमने कोविड-19 महामारी से निपटने के लिए नए तरीकों की तलाश करते हुए शिक्षा और अनुसंधान को अगले स्तर पर ले जाने में प्रयासरत रहे।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान प्रतिष्ठित संस्थान हैं जो प्रतिभाशाली युवा छात्रों को शिक्षा, कौशल प्रदान करते हैं, जो समय के साथ न केवल भारत में बल्कि पूरे विश्व में विभिन्न विश्व स्तरीय संगठनों का संचालन करेंगे। शिक्षा संस्थान ने यकीनन सबसे बड़ी छलांग लगाई और अपने पारंपरिक चाक और ब्लैकबोर्ड से पूरी तरह से डिजिटल वर्चुअल क्लासरूम अनुभव के एक नए प्रारूप में ढल चुका है। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में हमने शिक्षा के बदलते परिदृश्य का ध्यान करते हुए इस तथ्य से सहमत हैं कि छात्रों को बदलाव के अनुकूल होने के लिए प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।

मुझे खुशी है कि महामारी की स्थिति के बावजूद, हमारी नियमित संस्थान की गतिविधियाँ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर होती रहीं। साथ ही हमारे स्थायी परिसर का निर्माण कार्य जारी रहा और हम अपना पहला निर्मित भवन ''संस्थान का सभागार'' तैयार करवा सके।

वर्ष के दौरान हमने 256 एमबीए, 75 एमबीए एचआर, 18 पीएच.डी. और 25 ई.पी.एच.डी. स्कॉलर भर्ती किये। संस्थान ने 4 एमडीपी और 10 कंसल्टेंसी का आयोजन किया है। हमारे कॉलेजों द्वारा पेश किए जाने वाले पाठ्यक्रम न केवल छात्रों को कौशल विकसित करने में सक्षम बनाते हैं बल्कि उन्हें वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर भी लागू करने का प्रशिक्षण देते हैं। शिक्षण, प्रशिक्षण और मूल्यांकन की प्रक्रियाएं प्रौद्योगिकी और वाणिज्य में नवीनतम रुझानों के साथ तालमेल बिठाती हैं।

हमारे पास अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप पॉलिसी एंड गवर्नेंस जैसे उत्कृष्टता केंद्र हैं जो नेतृत्व, नीति और कॉर्पोरेट और राजनीतिक शासन की लाइन में कार्यक्रम आयोजित करके स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण के अनुरूप काम कर रहे हैं। इसका उद्देश्य सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्थानीय प्रशासन को उनकी योजनाओं और नीतियों को लागू करने के लिए पेशेवर परामर्श, सलाह और समर्थन देना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस उत्कृष्ठता केन्द्र का लक्ष्य झारखंड राज्य के अनुरूप हो।

देश में आदिवासी समुदायों के विकास की गतिविधियों के लिए भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में 'बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स' (बीएमसीटीए) की स्थापना की गई है। इस केंद्र के तहत संस्थान ने आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए काम करने के लिए विभिन्न गैर सरकारी संगठनों जैसे कि सीड्स, आशा, और फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी आदि संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है।

मैं सभी संकाय सदस्यों और स्टाफ के सदस्यों और छात्रों को इस वर्ष की कठिन परिस्थितियों के बावजूद उनके जबरदस्त प्रयासों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। संस्थान को निरंतर सहयोग देने के लिए मैं केंद्र और राज्य सरकार का आभारी हूं। हम अपने बोर्ड ऑफ गवर्नर्स से समय-समय पर मिलने वाले समर्थन और मार्गदर्शन की सराहना करते हैं।

मैं अपने सभी हितधारकों से कहना चाहता हूं कि वर्ष के दौरान ऐसे समय आये होंगे कि महामारी की स्थिति के कारण किन्हीं क्षेत्रों में हमने अपनी सेवाओं में समय सीमा की बाध्यता पूरी नहीं की होगी, इसके लिए हम क्षमाप्रार्थी हैं। इन समयों में आपका साथ एवं सहयोग तथा हमारी परिस्थिति को समझने के लिए हम तहे दिल से आभारी हैं।

प्रिय छात्रों आज हम भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों, व्यवसायों, शैक्षणिक संस्थानों, सफल स्टार्ट-अप और यहां तक कि राजनीतिक नेतृत्व के शीर्ष पर हैं। आप आईआईएम रांची में अपनी शिक्षा शुरू कर रहे हैं जो आपको उपरोक्त यात्रा करने में मदद करेगा।

मुझे विश्वास है कि इस यात्रा को करते हुए आप सभी अपने लक्ष्य के शिखर पर पहुंचेंगे। अंत में मैं यह कहना चाहूँगा कि इस संस्थान को जहाँ आपने अध्ययन किया है तथा मातृभूमि जिसने आपको अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने का अवसर दिया है को सदैव स्मरण रखें।

शुभकामनाओं के साथ

• **प्रवीण शंकर पांड्या**

निदेशक का संदेश

मुझे शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है। हालांकि वर्ष 2020 अप्रत्याशित था, सभी के लिए एक परीक्षण वर्ष, दुनिया भर में महामारी कोविड-19 के कारण, इसने राष्ट्रीय और साथ ही वैश्विक प्लेटफार्मों के प्रमुख पहलुओं में अनिश्चितता का परिचय दिया, विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों के लिए। फिर भी, आईआईएम रांची अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास करता रहा।

लॉकडाउन अवधि के दौरान, संस्थान अपने उन्नत भारत अभियान के माध्यम से दिन-प्रतिदिन के आधार पर पके हुए भोजन और सूखे राशन की रसद मानचित्रण के आधार पर आवश्यकता आपूर्ति सुनिश्चित करता रहा। उन्नत भारत अभियान के तहत संस्थान सी एस आर निधियों को बढाने के लिए विभिन्न संगठनो से संपर्क कर एवं प्रत्यक्ष अनुनय कर भूख प्रबंधन के लिए सीधे जिला प्रशासन का समर्थन करने में लगा हुआ था। हमारे छात्रों ने कोविड-19 केस ट्रैकिंग के लिए एक डैशबोर्ड विकसित किया है और भविष्य के लिए आवश्यक कोविड मामलों और बुनियादी ढांचे की संख्या का अनुमान लगाने के लिए एक भविष्य कहने वाला मॉडल भी विकसित किया है जो कोविड अवधि के दौरान बहुत उपयोगी था। सत्र के दौरान शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में मदद करने के लिए प्रौद्योगिकी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

छात्रों के लिए सहयोग और द्विपक्षीय आदान-प्रदान के माध्यम से विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों / प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ वैश्विक संबंध बनाने के एक हिस्से के रूप में, आईआईएम रांची ने फ्रांस, यूएसए, चीन, कनाडा, ग्रीस, थाईलैंड एवं बांग्लादेश में नौ विदेशी संस्थानों / विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है।

संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 53 जर्नल लेख, 6 पुस्तकें और पुस्तक अध्याय, 3 केस 10 पत्रिका / समाचार पत्र लेख, और 21 सम्मेलन पत्र प्रकाशित किए हैं। वर्ष के दौरान आईआईएम रांची समुदाय के भीतर बौद्धिक शक्ति, वैज्ञानिक कौशल और सांस्कृतिक आदान-प्रदान और ज्ञान को जोड़ते हुए तेरह संकाय सदस्य संस्थान में शामिल हुए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुसार परिवर्तनकारी पाठ्यक्रम को शामिल कर छात्रों के समग्र विकास के लिए अगले शैक्षणिक वर्ष से 2 नये कार्यक्रम शुरू करने का निर्णय लिया गया, पहला प्रबंधन के लिए पांच साल का एकीकृत कार्यक्रम (आईपीएम) और दूसरा मास्टर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन इन बिजनेस एनालिटिक्स।

शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों के बीच सहयोगी शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान को बढ़ाने के लिए, आईआईएम रांची ने मार्च 2021 में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), देवघर के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया है। यह समझौता ज्ञापन शिक्षा, अनुसंधान एवं सहयोगात्मक व्यवस्था विकसित करने के लिए सेवा क्षेत्र में सहयोग के लिए अग्रसर है।

संस्थान ने भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई), अहमदाबाद के साथ भी अधिक से अधिक युवाओं को एक उद्यमी कैरियर की ओर उन्मुख करने के लिए हाथ मिलाया है। इस सहयोग के माध्यम से रांची में एक ऊष्मायन केंद्र स्थापित करके एक अनुकूल उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास किया जाएगा जिसमें दोनों संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों के लिए कई कार्यक्रमों की पेशकश की जायेगी।

आदिवासी उत्थान को बढ़ावा देने के लिए झारखंड के माननीय राज्यपाल श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स नामक उत्कृष्टता केंद्र का उद्घाटन किया गया। केंद्र का उद्देश्य जनजातीय मुद्दों और अवसरों के क्षेत्र में हस्तक्षेप परियोजनाओं के साथ-साथ अनुसंधान करना है। केंद्र झारखंड राज्य और पूरे भारत में आदिवासी लोगों के विकास से संबंधित गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने सामरिक प्रबंधन मंच (एसएमएफ) के वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी की थी और 17 राज्यों में फैले 60 विभिन्न संस्थानों से प्रस्तुतियां प्राप्त की थीं। सामरिक प्रबंधन मंच (एसएमएफ) 2020 सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत किए गए पत्रों के परिणाम के रूप में एक पुस्तक प्रकाशित की गयी। यह पुस्तक सामरिक प्रबंधन और उद्यमिता से संबंधित समकालीन प्रथाओं और उद्योग अंतर्दृष्टि पर विषयों के चयन और संकलन के माध्यम से अकादमिक-अभ्यास शून्य को पाटने के लिए संस्थान के दर्शन का प्रतिबिंब और परिणाम है।

संस्थान को (वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर) भारत के माननीय रक्षा मंत्री, श्री राजनाथ सिंह, माननीय उपाध्यक्ष - राज्यसभा, श्री हरिवंश नारायण सिंह और माननीय सांसद सदस्य (लोकसभा) एवं एमडी सूर्य रोशनी लिमिटेड, श्री राजू बिस्ता, जैसे कुछ प्रसिद्ध हस्तियों की मेजबानी करने का अवसर मिला।

स्थायी परिसर का निर्माण कार्य लगातार प्रगति पर है। कोविड के दौरान तमाम बाधाओं के बावजूद हमारे लेखा कार्यालय और परिसर विकास कार्यालय को सबसे पहले स्थायी परिसर में स्थानांतरित किया गया। हमने दिसंबर 2020 में माननीय संसद सदस्य (राज्यसभा), श्री परिमल नथवानी द्वारा अपना पहला भवन यानी स्वामी विवेकानंद सभागार पूरा और उद्घाटन किया। संस्थान एमपीलैड फंड के माध्यम से सभागार के निर्माण को प्रायोजित करने के लिए श्री नथवानी का भी आभारी है।

बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने नियमित रूप से वर्चुअल प्लेटफॉर्म के माध्यम से मिलना जारी रखा और संस्थान की गतिविधियों का मार्गदर्शन और निर्देशन किया। संस्थान के प्रबंधन में उनके समर्थन और सहायता के लिए मैं व्यक्तिगत रूप से बोर्ड का आभारी हूं। मैं आईआईएम रांची के संकाय, कर्मचारियों और छात्रों द्वारा किए गए योगदान को भी रिकॉर्ड में रखना चाहता हूं, जिसके बिना हम यहां तक नहीं पहुंच सकते थे।

• शैलेन्द्र सिंह

संगठन

शासी मंडल (1 अप्रैल, 2020 - 31 मार्च, 2021)

श्री प्रवीण शंकर पंड्या
अध्यक्ष
ईई चौथी मंजिल, रीवा शंकर जेम्स लिमिटेड
भारत डायमंड बोर्स, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स
बांद्रा ईस्ट, मुंबई - 400051

सदस्य

श्री संजय कुमार सिन्हा (42वें बीओजी तक)
संयुक्त सचिव (प्रबंधन एवं भाषा)
उच्च शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री मदन मोहन (43वें बीओजी से)
पदेन सदस्य, एमओई,
एडीजी (सांख्यिकी), उच्च शिक्षा विभाग शिक्षा मंत्रालय,
भारत सरकार, नई दिल्ली

श्री शैलेश कुमार सिंह (प्रधान सचिव)
उच्च, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास विभाग,
झारखण्ड सरकार, रांची

डॉ. हसीत जोशीपुरा
हेड, कॉरपोरेट सेंटर, डेटा सेंटर का इनक्यूबेशन और क्लाउड बिजनेस,
कॉरपोरेट इनोवेशन फंड,
सदस्य, कॉर्पोरेट कार्यकारी समिति

श्री ओम प्रकाश सिंघानिया
निदेशक, सिंघानिया फार्म प्रा. लिमिटेड,
निदेशक, सतना मिनरल्स एंड मेटल्स प्रा. लिमिटेड,
भिलाई - 490020

डॉ. शैलेश अय्यंगर
सदस्य, वैल्यू एक्सेलेरेटर ग्रुप- हेल्थकेयर, गोल्डमैन साक्स प्राइवेट इक्विटी,
अध्यक्ष, नोवेलटेक फीड्स प्राइवेट लिमिटेड
पूर्व एमडी और कंट्री चेयर, सनोफी इंडिया और दक्षिण एशिया

सुश्री गायत्री श्रीराम
प्रबंध निदेशक
यूसीएएल ऑटो प्रा. लिमिटेड,
सीईओ मोबिलट्रेन नॉलेज सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड

श्री रवींद्र वामन प्रभुदेसाई
प्रबंध निदेशक
पीतांबरी ग्रुप
ठाणे, महाराष्ट्र - 400602

आर. संजय सिन्हा
अध्यक्ष, जीसी ग्रुप ऑफ कंपनीज

सुश्री अल्पना परिदा
संस्थापक, तिव्रा वेंचर्स

श्री श्रीकांत प्रभाकर जोशी
सीईओ एवं प्रबंध निदेशक,
एल एंड टी रियल्टी लिमिटेड मुंबई

डॉ सुशील कुमार
प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान,
लखनऊ

डॉ. रेखा सिंघल
प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची

डॉ. प्रदीप कुमार बाला
प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची

प्रो. शैलेंद्र सिंह
निदेशक,भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची
सुचना भवन, ऑड्रे हाउस कैंपस, मेयर्स रोड
रांची - 834008, झारखंड

बोर्ड की बैठकें

1 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 के दौरान चार बोर्ड की बैठकें आयोजित की गईः

क्रमांक संख्या	बोर्ड बैठक सं.	दिनांक	स्थान
1.	42वीं बोर्ड बैठक	12 जून, 2020	रांची
2.	43वीं बोर्ड बैठक	11 सितंबर, 2020	रांची
3.	44वीं बोर्ड बैठक	29 दिसंबर, 2020	रांची
4.	45वीं बोर्ड बैठक	13 मार्च, 2021	रांची

प्रशासन

प्रो. शैलेंद्र सिंह
निर्देशक

प्रो. प्रदीप कुमार बाला
अध्यक्ष, पीजीपी

प्रो. पियाली घोषी
अध्यक्ष, पीजीपी-एचआरएम

प्रो. आनंद
अध्यक्ष, पीजीईएक्सपी

प्रो. टी साई विजय
अध्यक्ष, डॉक्टरेट कार्यक्रम

प्रो. अमित सचान
अध्यक्ष, सीएमडीपी

प्रो गौरव मनोहर मराठे
अध्यक्ष, प्लेसमेंट और पूर्व छात्र

प्रो. अरिंदम मुखर्जी
अध्यक्ष, प्रवेश

प्रो. अर्नब अधिकारी
अध्यक्ष, आईटी

प्रो. सौम्या सरकार
अध्यक्ष, पुस्तकालय

प्रो. नितिन सिंह
अध्यक्ष, सैक

प्रो. शिल्पी ए दासगुप्ता
अध्यक्ष, आईसीसी

डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी
पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री एम. विजयानंद
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

श्री नरोत्तम साहू
वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेवा अधिकारी

श्री सतीश कुमार
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

श्री कृष्णचंद्रन आर एम
कार्यकारी प्रबंधक

श्री आशीष चक्रवर्ती
प्रशासनिक अधिकारी, कार्यक्रम

श्री सैताब सिन्हा
हेड, प्लेसमेंट

श्री शिव प्रताप वर्मा
प्रशासनिक अधिकारी

श्री अजय कुमार
प्रशासनिक अधिकारी

श्री त्रिलोचन कुमार
प्रशासनिक अधिकारी

श्री विकास कुमार
प्रशासनिक अधिकारी

संस्थान

भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची की स्थापना 15 दिसंबर, 2009 को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में तथा झारखण्ड सरकार के समर्थन से प्रतिष्ठित भारतीय प्रबन्धन संस्थान परिवार के नौवें सदस्य के रूप में की गई थी। संस्थान को भारतीय प्रबन्धन संस्थान अधिनियम 2017 द्वारा राष्ट्रीय महत्व का संस्थान का दर्जा दिया गया है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची प्रबंधन के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) के लिए प्रबंधन में पूर्णकालिक दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करता है, जो कि हमारा प्रमुख डिग्री कार्यक्रम है। मानव संसाधन के बढ़ते महत्व और अपरिहार्यता के आधार पर हम पहले भारतीय प्रबन्धन संस्थान है, जो मानव संसाधन प्रबंधन (एमबीए-एचआरएम) में पूर्णकालिक दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम की पेशकश कर रहे हैं। इसके अलावा, हम प्रबंधन में पूर्णकालिक डॉक्टरेट कार्यक्रम (पीएचडी) भी प्रदान करते हैं। हम कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में दो वर्षीय अंशकालिक एग्जीक्यूटिव स्नातकोत्तर कार्यक्रम (एग्जीक्यूटिव एमबीए) एवं एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. प्रदान करते हैं। गैर प्रबंधकीय पेशेवरों को प्रबंधन की अवधारणाओं, सिद्धांत और अभ्यास को सीखने और उनके दिन प्रतिदिन के कार्य परिवेश में इसे लागू करने के लिए, हम सामान्य प्रबंधन (सीपीजीएम), में पंद्रह महीने का सर्टिफिकेट कार्यक्रम भी प्रदान करते हैं। हमारे कार्यक्रम विश्व स्तरीय तरीके से प्रस्तुत किए जाते हैं, जिससे छात्र क्लास अध्यापन के अलावा केस स्टडीज, प्रासंगिक परियोजनाओं और प्रासंगिक शैक्षणिक अनुभव से जुड़ते हैं। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के एमबीए और एमबीए एचआरएम कार्यक्रम देश में बेहद प्रतिष्ठित और उच्च श्रेणी के हैं। कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले छात्रों को एक सघन प्रक्रिया के माध्यम से चुना जाता है, जिसमें कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट), शामिल है, जो देश के शीर्ष प्रतिस्पर्धी प्रवेश परीक्षाओं में से एक है, जिसके बाद लिखित योग्यता परीक्षा (डब्ल्यूएटी) और व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) शामिल है।

2010 में 44 छात्रों के साथ केवल एक कार्यक्रम की शुरुआत से भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने पूर्णकालिक कार्यक्रमों की संख्या और छात्र शक्ति दोनों के मामले में बहुत कम समय में तेजी से विकास किया है। आईआईएम, रांची के संकाय में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के विशिष्ट और अनुभवी प्रोफेसर हैं। उनका लक्ष्य अपने छात्रों की प्रतिभा का पोषण करना और उन्हें सच्चे ज्ञान के साथ मार्गदर्शन करना है। वे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया में सूत्रधार के रूप में कार्य करते हैं। संकाय सदस्य प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में सार्थक शोध में लगे हुए हैं और दुनिया भर में शीर्ष स्तरीय पत्रिकाओं में अपने शोध कार्य को प्रकाशित कर रहे हैं। संकाय सदस्य अकादमिक उत्कृष्टता की खोज में डॉक्टरेट छात्रों का मार्गदर्शन भी करते हैं।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (एबीवीसीएलपीजी) की स्थापना की है। एबीवीसीएलपीजी में हमारा लक्ष्य एक विश्व स्तरीय अनुसंधान केंद्र की स्थापना करना है, जहां हमारा लक्ष्य नीतिगत पेशेवरों को नीति नेतृत्व के रूप में पोषण करना है। हमारा उद्देश्य शासन और संस्थानों के नेतृत्व कौशल, नीति विशेषज्ञता और पेचीदगियों के बीच की खाई को भरना है। हम अपने नीतिगत नेताओं को समानुभूति, निष्पक्षता एवं न्याय, कौशल एवं नेतृत्व की मानसिकता, उद्यमशीलता, नागरिक जुड़ाव एवं सहयोग तथा नीति निर्माण, कार्यान्वयन और विश्लेषण के कार्यात्मक ज्ञान जैसे मूल्यों से लैस करना चाहते हैं।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची में बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स (बीएमसीटीए) की स्थापना की गई है जो देश में जनजातीय समुदायों के विकास के लिए सिफारिशों और गतिविधियों पर काम करता है। केंद्र का उद्देश्य हस्तक्षेप परियोजनाओं के साथ-साथ आदिवासी मुद्दों और अवसरों के क्षेत्र में अनुसंधान करना है। केंद्र झारखण्ड राज्य और पूरे भारत में जनजातीय लोगों के विकास से संबंधित गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची यूएनजीसी - पीआरएमई का हस्ताक्षरकर्ता है। इसने समावेशी, न्यायसंगत और सतत

राष्ट्रीय विकास लक्ष्यों की दृष्टि के लिए प्रबंधन शिक्षा को संवेदनशील बनाने के साथ-साथ सामाजिक और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए यूएनपीआईएमई (यूनाइटेड नेशन प्रिंसिपल्स फॉर रेस्पोसिबल मैनेजमेंट एजुकेशन) के साथ सहयोग किया है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची उन्नत भारत अभियान के तहत 5 गांवों में काम कर रहा है। इन गांवों में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। इनमें मुख्य रूप से गाँव के लोगों के साथ अपनी समस्याओं को जानने के लिए सभी गाँवों, ग्रामसभा का विस्तृत सर्वेक्षण, पीने के पानी के लिए प्राकृतिक जल के स्रोत से गाँव तक जल प्रवाह की व्यवस्था, कृषि और पर्यावरण-पर्यटन का मॉडल, तथा आजीविका के लिए विभिन्न प्रशिक्षण आदि शामिल हैं। भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची के प्रोफेसर और छात्र इन गांवों में सतत विकास के लिए लगातार इन गांवों का दौरा कर रहे हैं।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों / प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग के माध्यम से और छात्रों और शिक्षकों के लिए द्विपक्षीय आदान प्रदान द्वारा वैश्विक संबंध बनाने के लिए, भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची ने विदेशी बिजनेस स्कूलों के साथ साझेदारी की प्रक्रिया शुरू की है। स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम द्वितीय वर्ष के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) के छात्रों के लिए खुला है। छात्र सहयोगी संस्थान में स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत 3 महीने बिताते हैं। सहयोगी संस्थानों के छात्रों को भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची में एक टर्म के लिए नामांकित किया जाता है। अब तक इसने फ्रांस, अमेरिका, चीन, कनाडा, ग्रीस, थाईलैंड और बांग्लादेश में आठ विदेशी संस्थानों/ विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची छोटी और लंबी अवधि के प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) की पेशकश कर रहा हैं, जो लगातार बदलते कारोबारी माहौल और व्यवसाय / पेशेवर अधिकारियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए है। एमडीपी का उद्देश्य संगठनात्मक पदानुक्रम में विभिन्न स्तरों पर काम कर रहे अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के अधिकारियों को प्रासंगिक इनपुट प्रदान करके प्रबंधन प्रणालियों और प्रथाओं को बेहतर बनाने में मदद करना है। प्रतिभागियों को नवीनतम उपकरणों, तकनीकों और कौशल प्रबंधन की विभिन्न धाराओं से अवगत कराया जाता है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची यह सुनिश्चित करने का प्रयास करता है कि छात्र किसी भी संगठन में बने रहने और तरक्की करने के लिए आवश्यक कौशल विकसित करें। परीक्षण और विक्षोभ के दौर से उन्हें उबरने में मदद करने के लिए छात्रों में सही मूल्यों और दृष्टिकोणों को विकसित करने पर भी समान बल दिया जाता है। हम विजेता भावना उत्पन्न करने की दिशा में बहुत ध्यान देते हैं, यही वजह है कि उन्हें सभी प्लेटफार्मों पर मानक प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। साथ ही, हम उभरते हुए रुझानों और डिजिटल मार्केटिंग, एनालिटिक्स, सोशल मीडिया और कॉग्निटिव एनालिटिक्स आदि जैसे क्षेत्रों पर पाठ्यक्रम पढ़ाकर छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करने में भी प्रयास करते हैं।

दृष्टि, लक्ष्य, मूल मंत्र और प्रतीक चिन्ह

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के दृष्टि, लक्ष्य, मूल मंत्र और प्रतीक चिन्ह निम्नलिखित हैं :

लक्ष्य

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची प्रबंधन शिक्षा और शोध में उत्कृष्टता में समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो लोगों, संगठनों और समाज को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है।

दृष्टि

बहुआयामी और समग्र विकास की खोज करना।

मूल मंत्र

व्यक्तिगत और कॉर्पोरेट की सफलता के लिए विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत।

लक्ष्य के दो मुख्य उद्देश्य हैं :

- निजी, सार्वजनिक और सामाजिक क्षेत्रों के पेशेवर प्रबंधकों उद्यमियों और मौजूदा उद्यमों के उभरते प्रबंधक के रूप में योगदान करने वाले नेताओं को शिक्षित और समर्थन करना
- नए ज्ञान और नवाचार को आगे बढ़ाने और नेतृत्व में प्रबंधन सिद्धांत और व्यवहार प्रदान करने के लिए अनुसंधान, प्रकाशन, परामर्श और सलाहकार का कार्य करना।

प्रतीक चिन्ह

हमारे लोगो को ऊपर वर्णित लक्ष्य और मूल मंत्र को प्रतिबिंबित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

IIM RANCHI बहुमुखविकासो गन्तव्यः

लोगो में पक्षी एक कौवा है। हमने कौवे को इसलिए चुना, क्योंकि इसमें संस्थान के लिए कई सकारात्मक लक्षण हैं। कौवा समुदाय निवास में रहने एवं एक-दूसरे से साझा करने और देखभाल करने का प्रतीक है, जो भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के लोकाचार हैं। यह एक हवाई सफाई कर्मी है, जो शवों को खाकर पृथ्वी को साफ करता है। कौवे कई संस्कृतियों में ज्ञान के रखवाले हैं, क्योंकि उनकी गहरी दृष्टि से कुछ भी नहीं बचता है। कौवे बहुत अनुकूलनीय होते हैं और विभिन्न जलवायु परिस्थितियों में रह सकते हैं। इस पक्षी को इस तरह से बनाया गया है कि यह आगे की ओर तीर की तरह दीखता है, उड़ान के लिए सभी को एक साथ ले जाता है (तीन हरे रंग के स्ट्रोक समुदाय का प्रतीक हैं)। संस्कृत के छंद संस्थान के दृष्टिकोण का प्रतीक हैं, जो न केवल स्वयं के लिए, बल्कि समुदाय के लिए भी, सफलता की दिशा में परिवर्तन लाने के रूप में काम करता हैं।

मूलभूत संरचना

कक्षाएँ

शैक्षणिक ब्लॉक में कंप्यूटर, प्रोजेक्टर, आधुनिक साउंड सिस्टम, ओएचपी और अन्य ऑडियो-विजुअल टूल्स, वाई-फाई कनेक्टिविटी आदि से सुसज्जित सौंदर्यशास्त्रीय रूप से दस क्लासरूम तैयार किए गए हैं। बेहतर निगरानी के लिए पूरे परिसर में सीसीटीवी की सुविधा उपलब्ध है।

पुस्तकालय

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के पुस्तकालय को 'एथेनियम - द लर्निंग रिसोर्स सेंटर' के रूप में जाना जाता है। पुस्तकालय नवीन, उत्तरदायी और प्रभावी सेवाओं के माध्यम से शैक्षणिक समुदाय की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पुस्तकालय अपने हाईब्रीड संग्रह के माध्यम से प्रबंधन और संबंधित क्षेत्रों पर अद्यतन संसाधन प्रदान करके अकादमिक समुदाय को सहयोग करता है। इसके वर्त्तमान संग्रहों में 3779 पुस्तकें, 38 प्रिंट पत्र-पत्रिकाएँ और समाचार पत्र, 379 सीडी/डीवीडी, 41 ई-संसाधन (डेटाबेस), 17,000+ ई-जर्नल्स, 2,06,000 + ई-पुस्तकें और 13,00,000+ ई-शोध प्रबंध और थीसिस शामिल हैं। पुस्तकालय कैंपस के साथ- साथ ऑफ-कैंपस पहुंच को सब्सक्राइब किए गए इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों को रिमोट एक्सेस उपयोग की सुविधा प्रदान करती है। पुस्तकालयके गतिविधियों और सेवाओं को वीटीएलएस वर्चुअल लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के साथ स्वचालित किया जाता है, जिन्हें आरएफआईडी टेक्नोलॉजी के साथ एकीकृत किया गया है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची के संस्थागत डिजिटल रिपोजिटरी को भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची अकादमिक समुदाय के बौद्धिक आउटपुट जैसे संकाय प्रकाशन, थीसिस और शोध प्रबंध आदि को एकत्र, संग्रह, संरक्षित और प्रचारित करने के लिए डिजाइन एवं विकसित किया गया है। यह वार्षिक रिपोर्टों, सम्मेलन की कार्यवाही, समाचार की क्लिपिंग, चित्र, वीडियो और संस्थान के अन्य डिजिटल दस्तावेज को भी संरक्षित करेगा।

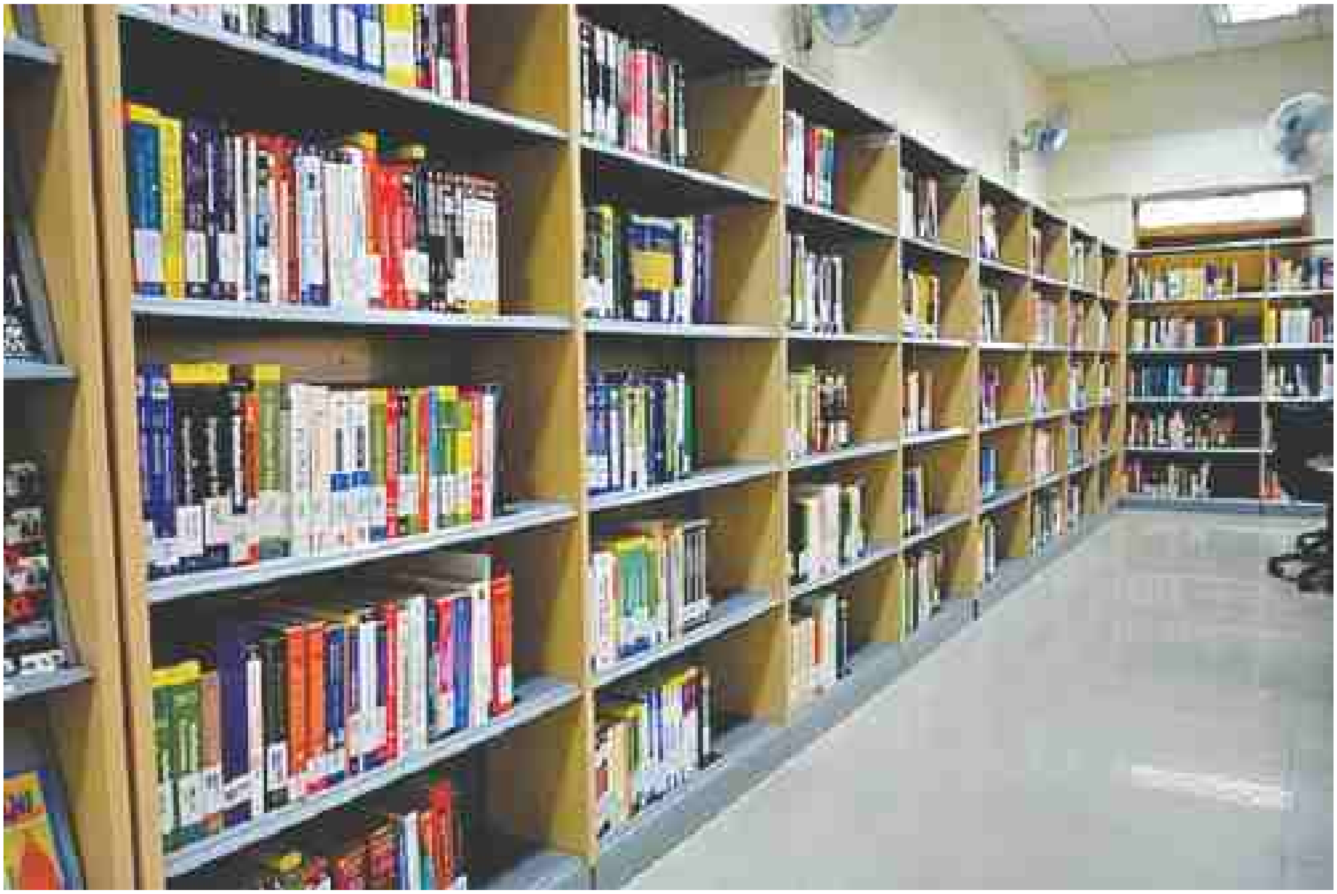

ई-संसाधन

पुस्तकालय विभिन्न रूपों में 41 ई-संसाधनों जैसे ई-पुस्तकें, ई-जर्नल, ई-डेटाबेस, ई-समाचार पत्र और ई-निबंध और थीसिस की सदस्यता लेता है। सदस्यता प्राप्त डेटाबेस में व्यावसायिक समाचार, सामान्य संदर्भ, कंपनी और बाजार अनुसंधान, ग्रंथ सूची डेटाबेस, सांख्यिकीय डेटाबेस और अकादमिक उपयोगकर्ताओं की नवीनतम विद्वानों की जानकारी को पूरा करने के लिए साहित्य की समीक्षा शामिल है।

ई-जर्नल्स

- एबीआई/इन्फॉर्म कंपलीट (प्रोक्वेस्ट)
- बिजनेस सोर्स अल्टीमेट (एब्स्को)
- इकोनोमिक एंड पोलिटिकल वीकली
- इकोलिटू विथ फुल टेक्स्ट (एब्स्को)
- एमराल्ड ई-जर्नल्स
- आईईईई एक्सप्लोर डिजिटल लाइब्रेरी
- इन्फोर्म्स पब्स सूट ऑनलाइन
- जेएसटीओआर
- नेचर
- ऑक्सफोर्ड ई-जर्नल्स
- सायकआर्टिकल्स
- सेज ई-जर्नल्स
- साइंस डायरेक्ट (एल्सेवियर)
- स्प्रिंगर ई-जर्नल्स
- टेलर एंड फ्रांसिस ई-जर्नल्स
- विले ई-जर्नल्स

ई-डेटाबेस

- एसीई इक्विटी
- एसीई नॉलेज पोर्टल
- ब्लूमबर्ग
- सीएमआईई कैपएक्स
- सीएमआईई कंस्यूमर पिरामिड डिएक्स
- सीएमआईई इकोनॉमिक आउटलुक
- सीएमआईई प्रोवेसल डिएक्स
- सीएमआईई प्रोवेसल आईक्यू
- सीएमआईई स्टेट्स ऑफ इंडिया
- क्रिसिल रिसर्च
- एफटी.कॉम
- इनसाइट
- इंस्टिट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट डाटाबेस
- आईएसआई इमर्जिंग मार्किट (इंडिया)
- इंडियास्टैट
- ईपीडब्लूआरएफ इंडिया टाइम सीरीज
- यूरोमॉनिटर पासपोर्ट
- फ्रॉस्ट एंड सुलिवन रिसर्च रिपोर्ट
- लेक्सिस नेक्सिस एकेडमिक
- साउथ एशिया अर्कहाइव
- स्कोपस डेटाबेस

ई बुक्स

- ऑक्सफोर्ड हैंडबुक ऑनलाइन
- प्रोक्वेस्ट ईबुक सेंट्रल
- सेज रिफरेन्सऑनलाइन

ई - शोध प्रबंधन

- प्रोक्वेस्ट शोध प्रबंधन और थीसिस

छात्रावास में रहने वाले छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छात्रावास परिसर में एक पुस्तकालय स्थापित किया गया है।

सूचना प्रौद्योगिकी

सूचना प्रौद्योगिकी उपकरण भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची की कंप्यूटिंग और संचार जरूरतों का ध्यान रखते हैं। 5 रैक माउंटेड सर्वर और 3 ब्लेड सर्वर भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची की वेबसाइट, शैक्षणिक सूचना प्रणाली (एआईएस), एंटी-वायरस सर्वर और अन्य अकादमिक सॉफ्टवेयर्स सहित विभिन्न सर्वर एप्लिकेशन को होस्ट करते हैं। हाल ही में अपग्रेड किया गया सोफोस फायरवॉल घुसपैठ का पता लगाता और रोकथाम करता है, वेब और एप्लिकेशन फिल्टरिंग, गेटवे एंटी-स्पैम चेक इत्यादि को संभालता है। सभी सर्वरों के पास माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सर्वर लाइसेंस और रेडहैट लिनक्स एंटरप्राइज लाइसेंस है। नेटवर्क और प्रिंटिंग सुविधा के साथ स्वतंत्र डेस्कटॉप फैकल्टी/स्टाफ के लिए उपलब्ध हैं। शैक्षणिक सूचना प्रणाली (एआईएस) को सभी शैक्षणिक गतिविधियों के लिए मूडल प्लेटफॉर्म पर एलएमएस-लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम में अपग्रेड किया गया है।

संस्थान में उपयोग किए जाने वाले कुछ प्रमुख शैक्षणिक /अनुसंधान सॉफ्टवेयर टूल्स में एसपीएसएस (सांख्यिकीय डेटा विश्लेषण उपकरण), ब्लूमबर्ग टर्मिनल (वित्त/लेखा डेटा विश्लेषण उपकरण के लिए), टर्निटिन शोधकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त जाने वाला प्लागीएरिस्म टूल्स) और मैटलैब (तकनीकी कंप्यूटिंग के लिए प्रयुक्त) शामिल हैं। संस्थान में माइक्रोसॉफ्ट के विभिन्न संस्करणों का उपयोग करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट वॉल्यूम वार्षिक लाइसेंस समझौता भी है, जिसमें एमएस - ऑफिस, (ओ365, ऑफिस 2016 सहित विभिन्न संस्करण), एमएस - प्रोजेक्ट प्रोफेशनल्स,विंडोज 2016 सर्वर संस्करण आदि शामिल हैं।

मुख्य कार्यालय से हॉस्टल ब्लॉक तक सिंगल - मोड फाइबर ऑप्टिक्स केबल कनेक्शन संस्थान के लिए नेटवर्क बैकबोन के रूप में कार्य करता है। सिस्को 3750 कोर स्विच और वितरण और एक्सेस परतों के लिए अन्य सहायक स्विच आंतरिक नेटवर्क के बुनियादी ढांचे को बनाते हैं। वाई-फाई और वायर्ड लैन (रेलटेल द्वारा प्रदान किया गया 45 एमबीपीएस 1:1इंटरनेट बैंडविड्थ) का एक संयोजन नेटवर्क संसाधनों तक चौबीसों घंटे पहुंच प्रदान करने में मदद करता है। भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क (एनकेएन) का हिस्सा बन गया है -राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) द्वारा कार्यान्वित एक अत्याधुनिक अखिल भारतीय नेटवर्क एनकेएन 1 जीबीपीएस कनेक्टिविटी प्रदान करता है। हॉस्टल ब्लॉक के लिए इंटरनेट सुविधा हमारे मुख्य कार्यालय से रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ) के साथफाइबर ऑप्टिक केबल के माध्यम से सुलभ है।100 एमबीपीएस (1:1) के साथ बीएसएनएल की आईबीडब्ल्यू कनेक्टिविटी दिसंबर'2020 को आईआईएम रांची स्थायी परिसर, पुंदाग में ओएफसी के माध्यम से ऑनलाइन कार्यक्रमों जैसे सेमिनार हॉल उद्घाटन, स्थापना दिवस'2020, गणतंत्र दिवस' 2021, आदि के लिए स्थापित की गई।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की सुविधा भारतीय प्रबन्धन संस्थान राँची मुख्य परिसर में मैनेजमेंट लेवल मीटिंग, फैकल्टी डिस्कशन, एचआर रिक्रूटमेंट, वेंडर/सप्लायर्स के साथ मीटिंग,स्टूडेंट प्लेसमेंट एक्टिविटीज के लिए विभिन्न ज्योग्राफी में उपलब्ध है। इस तरह के रिमोट सेशन के माध्यम से फिजिकल मीटिंग में होने वाले खर्च और समय की बचत होती हैं। संस्थान क्लाउड - आधारित कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं के उपयोग करने को भी बढ़ावा देता है, जिसमें उचित इंटरनेट स्पीड के साथ सिर्फ एक डेस्कटॉप/लैपटॉप की आवश्यकता होती है, ताकि संकाय/छात्र अपने सुविधाजनक स्थान पर दूरस्थ-सत्र कर सकें।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान सुचना भवन परिसर रांची में 40 उपयोगकर्ता क्षमता वाली कंप्यूटर लैब है, जहां छात्र संस्थान के स्वामित्व वाले सभी पंजीकृत शैक्षणिक सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल कर सकते हैं और अकादमिक उद्देश्य के लिए ब्रॉडबैंड सुविधा का भी उपयोग कर सकते हैं।

हाल ही में हॉस्टल में छात्रों के लिए 25 उपयोगकर्ता क्षमता वाली एक कंप्यूटर सेंटर खोली गई है।

छात्रावास

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का छात्र ब्लॉक खेलगाँव के आवासीय ब्लॉक में स्थित है, जो रांची के बाहरी इलाके में स्थित है। शीतल, शांत और सुहावना मौसम, ढेरों हरियाली और शहर के शोर और प्रदूषण से दूर एक शांत माहौल मिलता है, जो इसे छात्र-जीवन के लिए आदर्श है । आवास सुविधा में लड़कियों और लड़कों के लिए अलग-अलग ब्लॉक हैं। ये पूरी तरह से सुसज्जित तीन शयन कक्षों और चार शयनकक्ष का साझा फ्लैटों का मिश्रण हैं। फ्लैटों के सभी कमरे एकल अधिभोग है और इंटरकॉम और वॉयस और डेटा पोर्ट के साथ टेलीफोन, कैंपस लैन और इंटरनेट का सुबिधा उपलब्ध हैं। प्रत्येक कमरे में हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान की जाती हैं प्रत्येक ब्लॉक में एक मेस और एक कैंटीन है। किसी भी चिकित्सा आवश्यकता के लिए चिकित्सा अधिकारी एवं औषधालय की सुबिधा भी उपलब्ध है। इसके अलावा, गंभीर बीमारी के मामले में छात्रों की देखभाल के लिए छात्रावास ने कुछ अस्पतालों के साथ भी समझौता किया है।

कॉमन रूम छात्रों के लिए अनौपचारिक बैठकें आयोजित करने, मिलने-जुलने और आराम करने का केंद्र है। साधारणत: यह वह स्थान है, जहाँ छात्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं को देखा जा सकता है। इसमें दो इनडोर गेम रूम, एक पूरी तरह सुसज्जितसंगीत कक्ष, एक फिटनेस सेंटर और अनौपचारिक बैठकों के लिए एक सम्मेलन कक्ष शामिल हैं।

अपने छात्रों की सुरक्षा निश्चित रूप से भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। छात्र आवासीय ब्लॉकों को निहत्थे गार्ड के द्वारा 24x7 की निगरानी रहती है और कर्मचारियों के अलावा किसी को भी प्रवेश करने की अनुमति नहीं होती है।

स्थापना दिवस

12वां स्थापना दिवस समारोह

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 15 दिसंबर 2020 को अपने नए परिसर में अपना 12वां स्थापना दिवस मनाया। इस समारोह में माननीय श्री. हरिवंश नारायण सिंह, उपसभापति-राज्य सभा मुख्य अतिथि के रूप में श्री राजू बिस्ता, संसद सदस्य और एमडी सूर्य रोशनी लिमिटेड ये सभी इस समारोह के विशिष्ट अतिथि थे। इस अवसर पर श्री प्रवीण शंकर पंड्या-अध्यक्ष, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, आईआईएम रांची, प्रो. शैलेंद्र सिंह-निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची, संकाय, कर्मचारी, छात्र और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्री हरिवंश नारायण सिंह ने रांची शहर से अपने मजबूत संबंध का खुलासा किया क्योंकि यह उनका अपना शहर था। उन्होंने कहा कि झारखंड में असाधारण प्राकृतिक और मानव संसाधन और संस्थान हैं। उन्होंने यह भी बताया कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची जैसे संस्थानों का कर्तव्य है कि वे देश के युवाओं को व्यवसाय प्रबंधकों के रूप में खुद को सीमित करने के बजाय कई क्षेत्रों में नए उद्यम शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करें। उन्होंने भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के दृष्टिकोण के प्रति अत्यधिक सम्मान और प्रशंसा दिखाई। दृष्टि, लक्ष्य, मूल मंत्र और प्रतीक चिन्ह के बारे में उन्होंने कहा कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची झारखंड में काम करने के कई अच्छे अवसर हासिल करेगा क्योंकि आदिवासी संस्कृति बहुत खुली और विस्तृत है।

प्रो. शैलेन्द्र सिंह ने इसकी स्थापना से लेकर अब तक की यात्रा के बारे में और यह कैसे देश का अग्रणी शिक्षण संस्थानों में से एक संस्थान बन गया इस पर बात की। उन्होंने कहा कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची 40 छात्रों, 1 कार्यक्रम और 12 शिक्षकों के साथ शुरू हुआ और भारतीय प्रबन्धन संस्थान बिरादरी 46 संकाय सदस्यों, 5 कार्यक्रमों और 600 से अधिक छात्रों तक बढ़ चुकी है। प्रो. शैलेन्द्र सिंह ने बिजनेस एनालिटिक्स कोर्स के बारे में भी बात की जो जल्द ही शुरू होगा और कहा कि जल्द ही वे 5 साल के एकीकृत प्रबंधन पाठ्यक्रम के साथ आएंगे। उन्होंने संस्थान के सामने आने वाली चुनौतियों और संस्थान के नवीनतम सीमाचिह्न यानी सेमिनार हॉल के उद्घाटन के बारे में उल्लेख किया जो कि संस्थान के स्थायी परिसर का पहला भवन के बारे में था।

श्री राजू बिस्ता ने कहा कि जीवन में नई चीजें सीखने की कोई उम्र नहीं होती। उन्होंने यह भी कहा कि पोस्ट कोविड का अवधि दुनिया के लिए बहुत सारे अवसर लाने जा रही है। उन्होंने माँ की भूमिका की भी सराहना की और यह कहा के एक माँ किसी भी बच्चे के लिए पहली वित्तीय गुरु हैं और हम उनसे बहुत सारे प्रबंधन के पाठ सीख सकते हैं। उन्होंने समय प्रबंधन के बारे में बात की और कहा कि हमें अपने मौजूदा जीवन में महत्व को जोड़ने के लिए योग का अभ्यास करना चाहिए, किताबें पढ़ना चाहिए, डायरी लिखना चाहिए।

श्री प्रवीण शंकर पंड्या ने कहा कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने लगातार उत्तम प्रदर्शन किया है, जबकि उनके पास कोई स्थायी कैंपस नहीं है जो अपने आप में काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा कि छात्र बुद्धिमान हैं और हम उन्हें सही दिशा दे सकते हैं और वे उत्तम प्रदर्शन करेंगे।

संस्थान ने डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी, लाइब्रेरियन, को भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में 10 साल की सेवा पूरी करने पर सम्मानित किया।

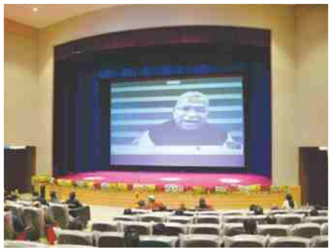

शैक्षणिक कार्यक्रम

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम मैनेजमेंट (एमबीए) की अवधि छः ट्राइमेस्टर की है, जो दो साल में पूरी होती है, जिसमें दो साल के बीच में एक समर प्रोजेक्ट भी होती है। समय-समय पर पाठ्यक्रम की समीक्षा और संशोधन किया जाता है, ताकि यह प्रासंगिक और समकालीन बना रहे।

पीजीपी प्रथम वर्ष में अनिवार्य पाठ्यक्रम शामिल हैं, जो प्रबंधन के सभी कार्यात्मक डोमेन में तीन भागों में बँटा हुआ हैं। प्रथम वर्ष के छात्रों को विपणन प्रबंधन, लेखा और वित्त, अर्थशास्त्र, सूचना प्रणाली एवं व्यवसाय विश्लेषिकी, संचालन प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार एवं मानव संसाधन प्रबंधन और सामरिक प्रबंधन के क्षेत्रों में बुनियादी अवधारणाओं से अवगत कराया जाता है। कार्यक्रम का आधार तैयार करने के लिए मुख्य पाठ्यक्रमों का उद्देश्य प्रासंगिक समझ, वैचारिक ज्ञान, विश्लेषणात्मक कौशल, उपकरण और तकनीक, सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संवेदनशीलता प्रदान करना है।

दूसरे वर्ष में वैकल्पिक पाठ्यक्रम शामिल हैं जो तीन भागों में विभक्त है। वैकल्पिक पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों की गहरी समझ विकसित करने में मदद करते हैं। छात्रों को दूसरे वर्ष में अपनी रुचि के पाठ्यक्रम चुनने की अनुमति है। जो छात्र किसी विषय की गहरी समझ हासिल करना चाहते हैं या किसी संकीर्ण विषय की गहराई से खोज करना चाहते हैं, वे एक संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में स्वतंत्र अध्ययन (सीआईएस) के पाठ्यक्रम का भी अनुसरण कर सकते हैं।

प्रथम वर्ष और द्वितीय वर्ष के बीच, छात्रों को अनिवार्य रूप से एक समर इंटर्नशिप प्रोजेक्ट (एसआईपी) करने की आवश्यकता होती है। पहले वर्ष के अंत में आठ सप्ताह की अवधि के लिए उद्योग में, व्यवसाय प्रबंधन के किसी भी पहलू पर एक छात्र को समर प्रोजेक्ट करने की आवश्यकता होती है।

वर्तमान में एमबीए प्रोग्राम के दो साल के दौरान कुल क्रेडिट में न्यूनतम 111 और अधिकतम 120 क्रेडिट (समर इंटर्नशिप प्रोजेक्ट सहित) की आवश्यकता होती है, एक क्रेडिट 10कक्षा घंटों के बराबर है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का पीजीपी प्रोग्राम छात्रों को स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम (एसटीईपी) और/या अध्ययन यात्राओं के माध्यम से विभिन्न देशों में व्यावसायिक प्रथाओं के बारे में जानने का अवसर प्रदान करता है।

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए 2020-22 बैच)

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
माइक्रोइकोनॉमिक्स	3	मैक्रोइकॉनिक्स	3	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	3
फाइनेंसियल रिपोर्टिंग एंड एनालिसिस	3	मैनेजरियल एकाउंटिंग	3		
		कॉर्पोरेट फाइनेंस	3	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3
माइक्रो ओर्गनइजेशनल बेहेवियर	3	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट-I	1.5	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट-II	3
		मार्केटिंग मैनेजमेंट-II	3		
बिजनेस स्टेटिस्टिक्स	3	ऑपरेशन्स रिसर्च	3	इनफार्मेशन सिस्टम्स	3
मार्केटिंग मैनेजमेंट-I	3	मैक्रो ओर्गनइजेशनल बेहेवियर	3	इंटरप्रीनयोरशीप	3
बिजनेस कम्युनिकेशन-I	1.5			बिजनेस रिसर्च मेथड्स-II	3
बिजनेस एथिक्स	1.5	बिजनेस रेसेरच मेथड्स-I	1.5		
फाइनेंसियल मार्केट्स	1.5			लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ बिजनेस	1.5
मैनेजरियल कंप्यूटिंग	1.5			बिजनेस कम्युनिकेशन-II	1.5
	21.0		21.0		21.0

अप्रैल-मई के महीने में समर इंटर्नशिप (6 क्रेडिट)

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए 2019-21 बैच)

क्रम. सं.	कोर्स का नाम	टर्म	क्रेडिट
एरिया: मार्केटिंग			
1	प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट	IV	3
2	कंज्यूमर बिहेवियर		3
3	सेल्स एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट		3
4	इंटीग्रेटेड मार्केटिंग कम्युनिकेशनस		3
5	मार्केटिंग एनालिसिस	V	3
6	सर्विसेज मार्केटिंग		3
7	बी2बी मार्केटिंग		3
8	स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट मार्केटिंग		3
9	रिटेल मैनेजमेंट		3
10	स्ट्रेटेजिक मार्केटिंग	VI	3
11	डिजिटल मार्केटिंग		3
12	कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट		3
एरिया : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिजनेस एनालिटिक्स			
1	स्ट्रेटजीज फॉर इनफार्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट	IV	3
2	फंडामेंटल्स ऑफ बिजनस एनालीटिक्स एंड इंटेलिजेंस		3
3	डाटा माईनिंग एंड प्रेडीक्टिव एनालीटिक्स		3
4	ई-सर्विस मैनेजमेंट		3
5	मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड मार्केटिंग एनालीटिक्स	V	3
6	सप्लाई चौन एनालीटिक्स		3
7	सोशल मीडिया एंड कोगनिटीव एनालीटिक्स		3
8	मैनेजिंग इनोवेशन इन दी डिजिटल एरा	VI	3
9	न्यूट्रल नेटवर्क एंड डीप लर्निंग		1.5
10	एआई एपलीकेशंन इन बिजनस		1.5
एरिया: स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट			
1	कॉम्पीटेटिव एंड कोआपरेटिव स्ट्रेटेजी (सीसीएस)	IV	3
2	कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी		3
3	एप्लाइड थ्योरी इन स्ट्रेटेजी एंड कम्पटीशन		3
4	स्ट्रेटजीज फॉर इनफार्मेशन सिस्टम मैनेजमेंट		3
5	सिमुलेशन इन स्ट्रेटेजी	V	3
6	स्ट्रेटेजिक एलायंस		3
7	इंडस्ट्री एंड कॉम्पीटेटिव एनालिसिस		3
8	स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट ऑफ इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (एसएमआईटी)		3
9	स्ट्रेटेजिक कंसल्टिंग		3
10	प्राइसिंग स्ट्रेटेजी फॉर डिसिशन मेकिंग		3
11	मैनेजमेंट कंसल्टिंग		3
12	कॉर्पोरेट इंटरप्रीनयोरशीप एंड न्यू वेंचर प्लानिंग	VI	3
13	स्ट्रेटेजिक चेंज एंड ट्रांसफार्मेशन		3
14	मर्जर्स एंड एक्यूजिशन		3
15	कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी एंड गवर्नेंस इन दी ईस्ट एंड दी वेस्ट		3

क्रम. सं.	कोर्स का नाम	टर्म	क्रेडिट
एरिया: ऑपरेशन्स मैनेजमेंट			
1	सप्लाई चौन मैनेजमेंट	IV	3
2	प्रोजेक्ट मैनेजमेंट		3
3	डाटा एनालिसीस फॉर डिसिशन मेकिंग इन बिजनस		3
4	ई – सर्विस मैनेजमेंट		3
5	सर्विस ऑपरेसंस मैनेजमेंट	V	3
6	प्रोक्योरमेंट एंड मैटेरियल्स मैनेजमेंट		3
7	सप्लाई चौन एनालीटिक्स		3
8	डिसिशन मेकिंग टूल्स एंड टेकनिक्स फॉर मैनेजर्स		3
9	ऑपरेसंस एनालीटिक्स	VI	3
10	डायनामिक प्राइसिंग एंड रेवेन्यू मैनेजमेंट		3
11	ऑपरेसंस स्ट्रेटेजी		3
एरिया: इकॉनोमिक्स			
1	इंडिया एंड वर्ल्ड इकॉनमी	IV	3
2	डाटा एंड डिसिशन		3
3	प्राइसिंग स्ट्रेटेजी फॉर डिसिशन मेकिंग	V	3
4	इंटरनेशनल ट्रेड		3
5	मनी, बैंकिंग एंड फाइनेंस	VI	3
6	गेम थ्योरी एंड स्ट्रेटेजिक बिहेवियर		3
एरिया:एकाउंटिंग एंड फाइनेंस			
1	बिजनस वैल्यूएशन	IV	3
2	इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट		3
3	डेरीवेटिव्स		3
4	फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज		3
5	बैंक मैनेजमेंट	V	3
6	प्राइवेट इक्विटी एंड वेंचर कैपिटल		3
7	फाइनेंसियल इकोनोमैट्रिक्स		3
8	कमोडिटी मार्किट एंड डेरीवेटिव्स		3
9	प्रोजेक्ट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस		3
10	मर्जर्स एंड एक्क्युसिसंस	VI	3
11	फाइनेंसियल रिस्क मैनेजमेंट		3
12	फाइनेंसियल एनालीटिक्स		3
एरिया: ओर्गनइजेशनल बेहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट			
1	निगोशिएशन एंड कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट	V	3
2	न्यूरोसाइंस फॉर पर्सनल ग्रोथ	VI	3

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

भारतीय प्रबन्धन संस्थान (आईआईएम) रांची के ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एमबीए-एचआरएम) में प्रमुख स्नातकोत्तर कार्यक्रम दो साल का पूर्णकालिक आवासीय कार्यक्रम है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य मानवीय और विचारशील, संगठनात्मक और समग्र सामाजिक कल्याण के लिए लोगों-विशेषज्ञों को विकसित करना है। यह मजबूत नैतिक और सामाजिक सरोकारों के साथ व्यावसायिक कौशल को एकीकृत करता है। आधुनिक उद्योग लगातार ऐसे प्रबंधकों की तलाश में हैं, जो कार्यात्मक साइलो से ऊपर उठने और व्यापक दृष्टिकोण के साथ नेतृत्व करने में सक्षम हो सकते हैं। यह कार्यक्रम मानव संसाधन पेशेवरों में इस तरह के व्यापक व्यावसायिक दृष्टिकोण को विकसित करने का अपनी तरह का एक प्रयास है। पाठ्यक्रम को हाल ही में एकीकृत, प्रासंगिक और समकालीन बनाने के लिए संशोधित किया गया है। हमने विशेष रूप से ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट से संबंधित एकीकृत कोर पाठ्यक्रम तैयार किए हैं। ये पाठ्यक्रम एक ओर कर्मचारियों के साथ संगठनों की चिंताओं को संतुलित करते हैं और दूसरी ओर ह्यूमन रिसोर्स प्रथाओं का एक व्यवस्थित दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

पोस्ट-पग्रेजुएट प्रोग्राम छह ट्राइमेस्टर तक चलता है, जो दो वर्षो का है, इन दो वर्ष के बीच एक समर प्रोजेक्ट होता है। यह कार्यक्रम छात्रों को किन्हीं दो विषयों के साथ विशेषज्ञ- स्तरीय ज्ञान विकसित करने में सक्षम बनाता है; जेनेरलिस्ट ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट,आर्गेनाईजेशनल डेवलपमेंट और इंडस्ट्रियल रिलेशन । द्वितीय वर्ष में तीन टर्म होते हैं।ये पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को प्रबंधन के कार्यात्मक क्षेत्रों की गहरी समझ विकसित करने में मदद करते हैं। जो छात्र किसी भी विषय की गहरी समझ हासिल करना चाहते हैं या किसी विषय को गहराई से जानना चाहते हैं, वे संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में स्वतंत्र अध्ययन (सीआईएस) का कोर्स भी कर सकते हैं।

कार्यक्रम को भारतीय प्रबन्धन संस्थान बिरादरी के प्रतिष्ठित इन - हाउस और विजिटिंग फैकल्टी सदस्यों एवं अन्य प्रसिद्ध समान - स्तर के संस्थानों और संगठनों के शिक्षाविदों और विशेषज्ञों द्वारा प्रस्तुत किया गया है, जो विभिन्न प्रकार के शैक्षणिक दृष्टिकोणों का उपयोग करके पाठ्यक्रम डिजाइन करने में और कक्षा के दौरान अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हैं। हम भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची में कार्यस्थल की बदलती जरूरतों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए एक एचआर पेशेवर के लिए आवश्यकज्ञान,कौशल और क्षमता प्रदान करने का प्रयास करते हैं। भारतीय प्रबन्धन संस्थान,रांची विभिन्न सामाजिक और व्यावसायिक मुद्दों पर दृष्टिकोण को व्यापक बनाने के लिए सांस्कृतिक, शैक्षिक, अनुभवात्मक और अन्य जन सांख्यिकीय विविधता को प्रोत्साहित करता है। छात्रों को प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट प्रतियोगिताओं में भाग लेने और सक्रिय रूप से कई लाइव उद्योग परियोजनाओं का नेतृत्व करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एमबीए-एचआरएम) में इसके स्नातकोत्तर कार्यक्रम को सोसाइटी फॉरह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएचआरएम) द्वारा स्वीकार किया गया है, जिससे अब इसेह्यूमन रिसोर्स (एचआर) पाठ्यक्रम गाइडबुक और टेम्प्लेट के साथ जोड़ दिया गया है।

दुनिया भर में लगभग 375 शैक्षणिक संस्थानों में 400 से अधिक कार्यक्रमों को एसएचआरएम ने अपने सुझाए गए गाइडों और टेम्पलेट्स के साथ संरेखित किया है। एचआर पाठ्यक्रम गाइडबुक और टेम्प्लेट को एसएचआरएम द्वारा न्यूनतम एचआर सामग्री क्षेत्रों को परिभाषित करने के लिए विकसित किया गया था, जिन्हें पूर्व स्नातक और स्नातक स्तर पर एचआर छात्रों द्वारा अध्ययन किया जाना चाहिए। दिशानिर्देश- 2006 में बनाए गए और 2010, 2013 और 2017 में फिर से मान्य किए गए -विश्वविद्यालय बिजनेस स्कूलों में पढ़ाए जाने वाले मानव संसाधन शिक्षा मानकों को परिभाषित करने के लिए एसएचआरएम की अकादमिक पहल का हिस्सा हैं और विश्वविद्यालयों को इन मानकों का पालन करने वाले डिग्री प्रोग्राम विकसित करने में मदद करते हैं।

एमबीए-एचआरएम के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए-एचआरएम 2020-22 बैच)

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
माइक्रोइकोनॉमिक्स	3.0	मैक्रोइकॉनिक्स	3.0	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	3.0
फाइनेंसियल रिपोर्टिंग एंड कोस्ट मैनेजमेंट	3.0	इंडस्ट्रियल रिलेशन्स	3.0	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3.0
माइक्रो ओर्गनइजेशनल बेहेवियर	3.0	फाइनेंसियल मैनेजमेंट	3.0	ओर्गनइजेशनल डेवलपमेंट एंड चेंज	3.0

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
बिजनेस स्टेटिस्टिक्स	3.0	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट-I	1.5	इनफार्मेशन सिस्टम्स	3.0
मार्केटिंग मैनेजमेंट-I	3.0	मार्केटिंग मैनेजमेंट-II	3.0	इंटरप्रीनयोरशीप	3.0
बिजनेस कम्युनिकेशन-I	1.5	ऑपरेशन्स रिसर्च	3.0	बिजनेस रिसर्च मेथड्स-II	3.0
बिजनेस एथिक्स	1.5	मैक्रो ओर्गनइजेशनल बेहेवियर	3.0	लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ बिजनेस	1.5
हिस्ट्री एंड फलसफा ऑफ ह्यूमन मैनेजमेंट	1.5	बिजनेस रेसेरच मेथड्स-I	1.5	बिजनेस कम्युनिकेशन-II	1.5
मैनेजरियल कंप्यूटिंग	1.5				
	21.0		21.0		21.0
एचआर उद्योग का विजिट, वर्कशॉप और मेंटरशिप (10 सत्र) (नन-क्रेडिट)					
अप्रैल-मई के महीने में समर इंटर्नशिप (6 क्रेडिट)					

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (एमबीए-एचआरएम 2019-21 बैच)

टर्म IV		टर्म V		टर्म VI	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एंड वेलफेयर लेजिस्लेशन्स	3.0	सोशल सिक्योरिटी लेजिस्लेशन्स-I	3.0	सोशल सिक्योरिटी लेजिस्लेशन्स II	3.0
ट्रेनिंग एंड करियर डेवलपमेंट	3.0	ह्यूमन रिसोर्स इन फार्मेशन सिस्टम	3.0	एचआर डिसिशन मेकिंग : इनसाइट्स फ्रॉम न्यूरोसाइंस	3.0
परफॉरमेंस अप्रैजल एंड मैनेजमेंट	3.0	ग्लोबल एचआरएम	3.0	एचआर ब्रांडिंग वैल्यू प्रोपोजिशन	3.0
स्ट्रेटेजिक स्टाफिंग	3.0	कमपेतेनसी मैनेजमेंट	3.0	सस्टेनेबल एचआरएम	3.0
टोटल रिवाड्र्स मैनेजमेंट	3.0	एचर एनालिटिक्स	3.0		
ऑक्यूपेशनल टेस्टिंग एंड मेजरमेंट	3.0				
नेगोटिएशन एंड कनफ्लिक्टमेजरमेंट	3.0	एचआर निबंध - 6 क्रेडिट (6 क्रेडिट कोर्स के बदले में) (न्यूनतम आवश्यकता सीजीपीआईझ 7.0 प्रथम वर्ष के अंत में)			
	21.0		15.0		12.0

डॉक्टरल प्रोग्राम

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के पीएच.डी कार्यक्रम का उद्देश्य बिजनेस स्कूलो/विश्वविद्यालयों या प्रबंधन अनुसंधान संस्थानों या सरकारी क्षेत्रो, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों हेतुस्कॉलर या अनुसंधान पेशेवर तैयार करना या उक्त मामले में किसी भी संगठन के लिए उत्कृष्ट विद्वानों को विकसित करना है, जिन्हें उन्नत विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं की आवश्यकता है। इसके लिए पीएच.डी. कार्यक्रम में उन छात्रों को दाखिला मिलेगा, जिनके पास एक मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि है, जो अत्यधिक अभिप्रेरित हों और जिनके पास मौलिक अनुसंधान करने हेतु बौद्धिक जिज्ञासा हो। उन्हें इस तरह का ज्ञान और अनुसंधान कौशल प्रदान किया जाएगा, जो उन्हें विभिन्न मौजूदा और उभरते हुए प्रबंधन ज्ञान डोमेनकी पर्याप्त गहराई प्रदान करते हुए विशिष्ट शोधकर्ता बना सकते हैं।

पीएच.डी. भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में एक अकादमिक कार्यक्रम है, जिसे पूरा करने के लिए न्यूनतम चार साल की आवश्यकता होती है। छात्रों को पहले दो साल का सघन कोर्सवर्क करना होता हैं, इसके बाद शोध प्रबंध के साथ शोध कार्य को पूरा करने के लिए कम से कम दो साल का समय देना होता है। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम के साथ पाठ्यक्रम का पहला वर्ष सामान्य है, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को प्रबंधन क्षेत्र की व्यापक समझ प्रदान करना है। शोध का दूसरा वर्ष यह सुनिश्चित करना है कि उम्मीदवार अपने ज्ञान क्षेत्र में गहरी समझ विकसित करें और अपने चयनित विशेषज्ञता क्षेत्र में सघन शोध करने की क्षमता विकसित करें। दूसरे वर्ष के अंत में व्यापक परीक्षा का क्षेत्र यह आकलन करने के लिए डिजाइन किया गया है कि उम्मीदवार ने विशेषज्ञता के अपने क्षेत्र में प्रवीणता के अपेक्षित स्तर को प्राप्त किया है या नहीं। बाद के वर्षों में, उम्मीदवार डॉक्टरेट शोध प्रबंध पर काम करता है, जो प्रबंधन के क्षेत्र में एक मूल योगदान होना चाहिए।

कार्यक्रम में भर्ती होने वाले छात्रों को व्यापक वित्तीय सहायता प्राप्त होती है, जिसमें सभी शैक्षणिक और रहने की लागतों को कवर करती है।संस्थान में उत्कृष्ट पुस्तकालय, कंप्यूटिंग और संकाय संसाधन हैं।

छात्र निम्नलिवित विशेषज्ञता के क्षेत्रों में आवेदन कर सकते हैंः-

- एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
- इकोनॉमिक्स
- जनरल मैनेजमेंट (बिजनस कम्युनिकेशन, बिजनस एथिक्सशामिल है)
- इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिजनेस एनालिटिक्स
- मार्केटिंग मैनेजमेंट
- आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर एंडह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- ऑपरेशंस मैनेजमेंट
- स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

एग्जीक्यूटिव डॉक्टरल प्रोग्राम

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. प्रोग्राम कार्य अनुभवी व्यक्तियों के लिए है। इसे नियोक्ता संगठनों की आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ- साथ भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची में प्रतिभागियों को सीखने और शोध में शामिल करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य बिजनेस स्कूलों/ विश्वविद्यालयों या प्रबंधन अनुसंधान संस्थानों या सरकारी, उद्योगों एवं गैर सरकारी संगठनों हेतु स्कॉलर या अनुसंधान पेशेवर तैयार करना या उक्त मामले में किसी भी संगठन के लिए उत्कृष्ट विद्वानों को विकसित करना है, जिन्हें उन्नत विश्लेषणात्मक और अनुसंधान क्षमताओं की आवश्यकता है। इस प्रोग्राम का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र- अनुरूप अनुसंधान और प्रकाशन कौशल के साथ महत्वपूर्ण क्षेत्र में विशेषज्ञ स्तरीय ज्ञानार्जन करके एक स्वायत्त विद्वान विकसित करना है। इसे पूरा करने के लिए एग्जीक्यूटिव पीएच.डी. प्रोग्राम में उन छात्रों को प्रवेश देना चाहते हैं, जिनके पास एक मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि हो, वे अत्यधिक अभिप्रेरित हों और जिनके पास मौलिक शोध करने के लिए बौद्धिक जिज्ञासा हो। उन्हें इस तरह का ज्ञान और अनुसंधान कौशल प्रदान किया जाएगा, जो उन्हें विभिन्न मौजूदा और उभरते हुए प्रबंधन ज्ञान डोमेन की पर्याप्त गहराई करते हुए विशिष्ट शोधकर्ता बना सकता हैं।

छात्र निम्नलिखित विशेषज्ञता के क्षेत्रों में आवेदन कर सकते हैंः

- एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
- इकोनॉमिक्स
- जनरल मैनेजमेंट (बिजनेस कम्युनिकेशन, बिजनेस एथिक्स)

- इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिजनेस एनालिटिक्स
- मार्केटिंग मैनेजमेंट
- ओर्गनइजेशनल बेहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट
- ऑपरेशन्स मैनेजमेंट
- स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

पोस्ट ग्रेजुएट एक्सेकूटिव प्रोग्राम इन मैनेजमेंट

पीजीईएक्सपी, प्रबंधन में एक व्यापक दो वर्षीय स्नातकोत्तर 'डिग्री प्रोग्राम' है। प्रोग्राम हर विषय के उन स्नातकों सीए/सीएस/आईसीडब्ल्यूए/पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है, जिनके पास न्यूनतम 5 वर्षो के कार्य/पेशेवर/उद्यमी होने के अनुभव के साथ स्नातक समकक्ष शैक्षणिक योग्यता हो। झारखंड और पड़ोसी क्षेत्र में कई बड़े सार्वजनिक और निजीक्षेत्र के उपक्रम हैं,जिन्हें अपने कर्मचारियों के प्रबंधकीय कौशल के उन्नयन की आवश्यकता है। राष्ट्रीयकृत बैंक, मीडिया हाउस, राज्य सरकार की यूटिलिटीज आदि अपने उच्च प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में पीजीईएक्सपी कार्यक्रम में दाखिल करने के लिए प्रायोजित करने के लिए का चुन सकते हैं। इसी तरह, सरकार में कार्यरत अधिकारियों के साथ-साथ निजी संस्थाओं के पेशेवरों, सीए, सीएस, आईसीडब्ल्यूए, डॉक्टर, वकील, स्वतंत्र कंसल्टेंट्स और उद्यमी आदि पीजीईएक्सपी कार्यक्रममें अपनी भागीदारी को स्व-प्रायोजित करके कार्यक्रम से लाभ उठा सकते हैं।

प्रोग्राम अत्यधिक प्रतिस्पर्धी और गतिशील वातावरण के लिए प्रतिभागियों को तैयार करता है, जिसमें प्रत्येक प्रबंधक को लोगों के प्रबंधन, वित्त, लेखा, अर्थशास्त्र, बाजार, प्रतिस्पर्धा,गुणवत्ता एवं उत्पादकता आदि की अच्छी समझ रखने की आवश्यकता होती है। प्रोग्राम का उद्देश्य एक इंटरैक्टिव और सहायक सीखने के माहौल में वरिष्ठ प्रबंधन और नेतृत्व की भूमिका के लिए प्रतिभागियों को विकसित करना है। प्रोग्राम को व्यक्ति के साथ - साथ सामूहिक स्तर पर प्रतिभागियों की विकासात्मक जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किया गया है, जिससे अधिगम परिणामों को अधिकतम किया जा सके।

कार्यक्रम के कैलेंडर को कामकाजी व्यक्तियों के कार्य आवश्यकताओं के अनुरूप व्यवस्थित किया गया है। एग्जीक्यूटिव अधिकारियों/पेशेवरों/उद्यमियों के कार्य दिवसों के दौरान उनके कार्य और व्यावसायिक चिंताओं का ध्यान रखते हुए इस प्रोग्राम के लिए सत्र केवल सप्ताह के अंत में आयोजित किये जाते है।

पीजीईएक्सपी के लिए प्रस्तुत पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रम (पीजीएक्सपी 2020-22 बैच)

टर्म I		टर्म II		टर्म III	
कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट	कोर्स	क्रेडिट
माइक्रोइकोनॉमिक्स	3	मैक्रोइकॉनॉमिक्स	3	ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट	3
फाइनेंसियल रिपोर्टिंग एंड एनालिसिस	3	मैनेजरियल एकाउंटिंग	3	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	3
माइक्रो ऑरगैजशनल बेहेवियर	3	कॉर्पोरेट फाइनेंस	3	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट-II	3
बिजनेस स्टेटिस्टिक्स	3	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट-I	1.5	इनफार्मेशन सिस्टम्स	3
मार्केटिंग मैनेजमेंट-I	3	मार्केटिंग मानगेमेटन-II	3	इंटरप्रेनरशिप	3
बिजनेस कम्युनिकेशन-I	1.5	ऑपरेशन्स रिसर्च	3	बिजनेस रिसर्च मेथड्स-II	3
बिजनेस एथिक्स	1.5	मैक्रो ओर्गनइजेशनल बेहेवियर	3	लीगल आस्पेक्ट्स ऑफ बिजनेस	1.5
फाइनेंसियल मार्केट्स	1.5	बिजनेस रिसर्च मेथड्स-I	1.5	बिजनेस कम्युनिकेशन-II	1.5
मैनेजरियल कंप्यूटिंग	1.5				
	21.0		21.0		21.0

द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम (पीजीएक्सपी 2019-21 बैच)

क्रम. सं.	कोर्स का नाम	टर्म	क्रेडिट
एरिया : मार्केटिंग			
1	प्रोडक्ट एंड ब्रांड मैनेजमेंट	IV	3
2	डिजिटल मार्केटिंग	V	3
3	कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट		3
एरिया: इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिजनेस एनालिटिक्स			
1	बिजनेस एनालिटिक्स एंड बिजनेस इंटेलिजेंस	IV	3
2	सप्लाई चौन एनालिटिक्स		3
3	मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड मार्केटिंग एनालिटिक्स	V	3
एरिया : स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट			
1	कॉम्पटीटिव एंड कॉपरेटिव स्ट्रैटजी (सीसीएस)	IV	3
2	कॉर्पोरेट स्ट्रेटजी	IV	3
3	स्ट्रैटेजिक चेंज एंड ट्रांसफॉर्मेशन	V	3
4	इंटरप्रेन्योरशिप	V	3
5	सिमुलेशनस इन स्ट्रेटजी	VI	3
एरिया : ऑपरेशन्स मैनेजमेंट			
1	प्रोजैक्ट मैनेजमेंट	IV	3
2	डिसीजन मेकिंग टूल्स एंड टेकनीक फॉर मैनेजर्स	V	3
3	डेटा एंड डिसीजन		3
4	सर्विस ऑपरेशन्स एंड रेवेन्यू मैनेजमेंट	VI	3
एरिया:इकोनॉमिक्स			
1	बेसिक इकोनॉमेट्रिक्स	IV	3
एरिया:अकॉउटिंग एण्ड फाइनेंस			
1	बिजनेस वैल्यूएशन	IV	3
2	फिक्स्ड इनकम सिक्योरिटीज		3
3	मर्जर्स एंड एक्विजिशन	VI	3
एरिए: ऑर्गनाइजेशन बेहावियर एंड ह्युमन रिसोर्सेस मैनेजमेंट			
1	साइकोमेट्रिक टेस्टिंग	IV	3
2	लीडिंग चेंज	V	3
3	न्यूरोसाइंस फॉर पर्सनल एंड लीडरशीप इफैक्टिवीनस	VI	3

एक क्रेडिट 10 कक्षा संपर्क घंटे के बराबर है। प्रत्येक छात्र को 6 क्रेडिट के बराबर एक प्रमुख शोध परियोजना करना होता है। यह परियोजना ट्राइमेस्टर IV की शुरुआत में शुरू होनी चाहिए और ट्रासमेस्टर VI के अंत तक समाप्त होनी चाहिए।

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों के सहयोग से और छात्रों के लिए द्विपक्षीय आदान-प्रदान के माध्यम से वैश्विक संबंध बनाने के लिए भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 2014 से विदेशी बिजनेस स्कूलों के साथ साझेदारी की प्रक्रिया शुरू की है। अब तक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची ने फ्रांस, अमेरिका, चीन, कनाडा, ग्रीस, थाईलैंड और बांग्लादेश आदि के नौ विदेशी संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन किया हैं।

स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम, प्रबंधन में मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए खुला है। भागीदार संस्थान में स्टूडेंट एक्सचेंज के रूप में छात्र सितंबर से दिसंबर के दौरान 3 महीने का कार्यकाल बिताते हैं।

भागीदार संस्थानों के छात्रों को भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में एक टर्म के लिए नामांकित किया जाता है। ट्यूशन फीस का भुगतान गृह संस्थान में किया जाता है। हालांकि, अन्य खर्च जैसे हवाई किराया, स्थानीय परिवहन, आवास, भोजन, चिकित्सा बीमा, पुस्तक खरीद, आदि व्यक्तिगत छात्र द्वारा वहन किए जाते हैं ।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में, एमबीए 2020-21 बैच के दो छात्र टर्म-V के दौरान स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम में भाग लिया। निम्नलिखित स्टूडेंट वर्ष 2020-21 में अमेरिकन बिजनेस स्कूल गए।

एबीएस पेरिस		
1	M 164-19	एडी गोकुली
2	M 213-19	अनुसूर्या श्री

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 में सहयोगी संस्थानों से कोई छात्र नहीं आये।

नई साझेदारी: इस वर्ष विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ कोई नया गठजोड़ नहीं हुआ है।

हम दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कई संस्थानों के साथ गठजोड़ की व्यवस्था करने का प्रस्ताव रखते हैं ताकि बड़ी संख्या में छात्र हमारी वैश्विक साझेदारी का लाभ उठा सकें।

दीक्षांत समारोह 2020

नौवां वार्षिक दीक्षांत समारोह

नौवां दीक्षांत समारोह भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के स्थायी परिसर में सेमिनार हॉल में वर्चुअल रूप से सोमवार, 28 दिसंबर, 2020 को आयोजित किया गया था। श्री राजनाथ सिंह, माननीय रक्षा मंत्री, भारत सरकार ने इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस कार्यक्रम में अध्यक्ष, निदेशक, संकाय, कर्मचारी, स्नातक छात्र और उनके माता-पिता वस्तुत: जुड़े हुए थे।

प्रो. सिंह, निदेशक ने कहा कि संस्थान ने एमएचआरडी एमओयू के मानदंडों के आधार पर अत्युत्तम प्रदर्शन किया है, और छात्रों ने संस्थान को कई पुरस्कार करीब 60 पुरस्कार, टाटा मोटर, टाटा स्टील, आरबीआई पुरस्कार, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज, उन पुरस्कारों में से कुछ नाम हैं। इंस्टीट्यूट ने एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए 9 एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें ग्रीस, यूएसए, कनाडा, चीन और कई अन्य संस्थान शामिल हैं। उन्होंने अपने शोध और प्रकाशन के लिए संकाय सदस्यों की उपलब्धियों पर भी जोर दिया। इसके अलावा, छात्रों को आभारी होना सीखना चाहिए, अपने माता-पिता, बड़ों को और शिक्षकों को धन्यवाद देना शुरू करें जिन्होंने कई बलिदान दिए हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर ऑफ लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (एबीवीसीएलपीजी) और बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल स्टडीज के माध्यम से प्रभावशाली नीति अनुसंधान करने सहित कई अन्य पहल की हैं, जो आदिवासी समुदायों के बीच कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

श्री प्रवीण शंकर पंड्या ने इस प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय प्रबन्धन संस्थान से स्नातक करने वाले सभी छात्रों को बधाई दी। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची काफी कम समय में विकसित हुआ है। उन्होंने इस बात को जोर देकर कहा कि युवा बुद्धि को उद्यमी बनना चाहिए और छात्रों को अपने लक्ष्य निर्धारित करने और इधर और उधर देखे बिना अपने लक्ष्य की ओर काम करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कोविड-19 ने हमारी गतिविधियों एवं आवागमन को सीमित कर दिया है, और प्रौद्योगिकी ने हमें जुड़े रहने में मदद की है, इस नई खोज के लिए धन्यवाद। प्रेरणा लें और अपनी कल्पना का इस्तेमाल करें। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने विनम्रता, कड़ी मेहनत और ईमानदारी से 11 वर्षों से अपने मूल मंत्र का पालन किया है। यहां के छात्र अति उत्तम कर रहे हैं जो भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची की संस्थागत उत्कृष्टता को दर्शाता है। हमेशा याद रखें कि कोई भी सफलता अंतिम नहीं होती और कोई भी असफलता घातक नहीं होती।

अपने भाषण के दौरान उन्होंने श्रीनिवास रामानुजन, नेल्सन मंडेला, स्टीव जॉब्स, स्वामी विवेकानंद, बौधायन, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, ब्रह्मगुप्त, चरक, सुश्रुत, नागार्जुन और जय सिंह जैसी कई प्रतिष्ठित हस्तियों का उदाहरण दिए। युवा की नई सोच, आविष्कार और विचारों का स्रोत है और भारत सबसे अधिक युवा आबादी वाला देश होने के नाते भविष्य में एक बहुत शक्तिशाली देश बनने की क्षमता रखता है। आईआईएम रांची की युवा प्रतिभाओं को एचएलपी तकनीक के साथ स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने और मजबूत करने में मदद करनी चाहिए ताकि स्थानीय वैश्विक बन सके। कुल मिलाकर हमें शिक्षा के अलावा शोध और समस्या समाधान के तरीकों को विकसित करने पर भी ध्यान देना चाहिए। यह छात्रों, संस्थान और देश के लिए फायदेमंद होगा।

उन्होंने आगे कहा कि बिजनेस लीडर के रूप में, छात्रों का यह कर्तव्य है कि वे यह सुनिश्चित करें कि आपकी कंपनियां उस समाज को भी लाभ प्रदान करें जहां वे काम करती हैं। जबकि सरकार ने चुनिंदा बड़े व्यवसायों के लिए इसे अनिवार्य बनाकर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व खर्च को बढ़ावा देने का प्रयास किया है, वास्तविक अपेक्षा इससे कहीं अधिक है। व्यवसायों को समाज के विकास में स्वेच्छा से योगदान देना चाहिए, जिस तरह से वे सबसे अच्छा कर सकते हैं। अंतिम उद्देश्य बेहतर शिक्षा, पोषण और बेहतर स्वास्थ्य सेवा के माध्यम से देश भर के लाखों लोगों का बेहतर भविष्य है। उन्होंने छात्रों को राष्ट्र के विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया। छात्रों को यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना चाहिए कि भारत की विकास गाथा का लाभ देश के सर्वश्रेष्ठ विचारों के माध्यम से गांवों तक पहुंचे।

उन्होंने कहा कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची एक राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित प्रबंधन संस्थान है, इसकी प्राथमिक जिम्मेदारी संगठनों, सरकार और कॉर्पोरेट दोनों को उनकी दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने में मदद करता है। झारखंड राज्य, जो भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का जलग्रहण क्षेत्र है, जिसमें अपार खनिज संसाधन हैं और यह विभिन्न बड़े, मध्यम और छोटे उद्यमों का आधार है। कई प्रतिष्ठित सार्वजनिक और निजी फर्म, विशेष रूप से बड़े-बड़े उद्योग राज्य में स्थित हैं। उनका मानना है कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची अपने स्वयं के राज्य में इन संगठनों की मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने छात्रों से अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए भी कहा। भ्रम की स्थिति में अपने को इतिहास के सुनहरे पन्नों को भी पढ़ना चाहिए, इसमें सभी सवालों के जवाब हैं और यह ज्ञान से भरा है।

नौवां दीक्षांत समारोह के दौरान, अलग अलग प्रोग्राम से स्नातक करने वाले 272 छात्रों को वस्तुत: डिग्री प्रदान की गई, जैसे:-

एमबीए प्रोग्राम

- परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या -181
- परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या-179
- अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या-02

पदक एंड सर्टिफिकेट विनर्स:

- बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: जसमीत सिंह बिंद्रा
  (रजी. एम022.18)सीजीपीए 9.12(प्रथम स्थान)
- निदेशक पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: हुतांशु कमल
  (रजी.एम092-18), सीजीपीए 8.83 (दूसरा स्थान)
- प्रोग्राम चेयरपर्सन पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: राहुल सिन्हा
  (रजी. एम034-18), सीजीपीए 8.77 (तीसरा स्थान)

एमबीए-एचआरएम कार्यक्रम

- परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या - 67
- परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या-66
- अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या -01

पदक एंड सर्टिफिकेट विनर्स:

- बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: सुरभि सेठी
  (रजी. एच057-18), सीजीपीए 9.22 (प्रथम स्थान)
- निदेशक पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: कनुप्रिया जैन
  (रजी. एच024-18), सीजीपीए 8.85 (दूसरा स्थान)
- प्रोग्राम चेयरपर्सन पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: कोडेडेला हरिथा
  (रजी. एच027-18), सीजीपीए 8.67 (तीसरा स्थान)

पीजीईएक्सपी कार्यक्रम

- परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या - 22
- परीक्षा में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या - 21
- अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या-01

पदक एंड सर्टिफिकेट विनर्स:

- बीओजी अध्यक्ष पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: कौशिक चोपड़ा (रजी0 एक्स013-18), सीजीपीए 9.01 (प्रथम स्थान)
- निदेशक पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: आशीष चोपड़ा (रजी0 एक्स008-18), सीजीपीए 8.93 (दूसरा स्थान)
- प्रोग्राम चेयरपर्सन पदक और योग्यता प्रमाणपत्र: अंकुर मंडल (रजी0 एक्स006-18), सीजीपीए 8.57 (तीसरा स्थान)

पी.एच.डी. कार्यक्रम

- अभिषेक श्रीवास्तव (रजी0 नं0 एफ003-13)
  क्षेत्र: सूचना प्रणाली
  मार्गदर्शक: प्रो. प्रदीप कुमार बाला
- अभिषेक सूर (रजी0 नं0 एफ002-15)
  क्षेत्र: अर्थशास्त्र
  मार्गदर्शक: प्रो. अमरेंदु नंदी
- पूनम प्रसाद (रजी0 नं0 एफ006-15)
  क्षेत्र: लेवा और वित्त
  मार्गदर्शक: प्रो. एन. शिवशंकरन

आईसीएसआई सिग्नेचर अवार्ड-एमबीए प्रोग्राम में उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए जसमीत सिंह बिंद्रा को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

प्रो. आशीष हजेला मेमोरियल अवार्ड-आलोक राज को एमबीए प्रोग्राम में स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट एरिया में उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए प्रदान किया गया।

एमडीपी, कंसल्टेंसी एंड इन-कंपनी प्रोग्राम

एमडीपी

क्रमांक	कंपनी का नाम	कार्यक्रम का शीर्षक	कार्यक्रम की तिथि	कार्यक्रम का संचालक
1	आईसीपी-एनटीपीसी-कोल माइनिंग	नेगोशिएशन एंड कनफ्लिक्ट मैनेजमेंट	25-27 नवंबर, 2020	प्रो. शैलेंद्र सिंह, प्रो. मनीष कुमार, प्रो. रेखा सिंघल, प्रो. तनुश्री दत्ता
2	आईसीपी-यूएनडीपी	ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट	दिसंबर 16-22, 2020	प्रो अर्नब, प्रो. विजया दीक्षित, प्रो. प्रीती रे, प्रो. अमित सचान
3	आईसीपी-फारेस्ट डिपार्टमेंट-02 डेज-कम्युनिकेशन	एमडीपी ऑन कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजीज	मार्च 5-6, 2021	प्रो. शिल्पी, प्रो. अंगशुमान, प्रो . राजीव एरिकाट
4	सीपीजीएम 2020-21	(सर्टिफिकेट प्रोग्राम)	अप्रैल 2020-मार्च 2021	आईआईएम रांची के संकायगन

कंसल्टेंसी

क्रमांक	संगठन/कंपनी का नाम	कार्यक्रम	कार्यक्रम की तिथि	कार्यक्रम का संचालक
1	आईआईटी बॉम्बे	एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम	30 जून, 2020	प्रो. अमित सचान
2	आईआईटी बॉम्बे	एग्जीक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम	8 जनवरी, 2021	प्रो. अमित सचान
3	सुकरातिक्स - बीपीसीएल	कंसल्टेंसी	07.08.2020	प्रो. स्वरूप दत्ता, प्रो. रोहित कुमार
4	भारतीय प्रबन्धन संस्थान सिरमौर	टीचिंग असाइनमेंट	30 अक्टूबर, 2020 से जनवरी 2021 के दूसरे सप्ताह तक	प्रो. अमित सचान
5	भारतीय प्रबन्धन संस्थान सिरमौर	टीचिंग असाइनमेंट	30 अक्टूबर, 2020 से जनवरी 2021 के दूसरे सप्ताह तक	प्रो. अमरेंदु नंदी
6	भारतीय प्रबन्धन संस्थान सिरमौर	टीचिंग असाइनमेंट	26 अक्टूबर, 2020	प्रो. सशाधर बेरा
7	आईआईएफटी कोलकाता	टीचिंग असाइनमेंट	17 नवंबर, 2020	प्रो. सौम्य सरकार
8	भारतीय प्रबन्धन संस्थान विशाखापत्तनम	टीचिंग असाइनमेंट	अप्रैल-मई 2020	प्रो. प्रसेनजित चक्रवर्ती
9	भारतीय प्रबन्धन संस्थान विशाखापत्तनम	टीचिंग असाइनमेंट	दिसंबर 2020-फरवरी 2021	प्रो. प्रसेनजित चक्रवर्ती
10	झारखंड स्किल डेवलपमेंट मिशन	कंसल्टेंसी	जून- सितंबर, 2019	प्रो. पियाली घोष, प्रो. तनु श्रीदत्ता

संकाय और कर्मचारी

मुख्य संकाय

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में संकाय ढाँचे का एक अनूठा संविभाग है जो निपुण मुख्य संकाय और गेस्ट फैकल्टी के मिश्रण को समायोजित करता है। प्रस्तावित संकाय छात्रों को मजबूत सैद्धांतिक पृष्ठभूमि हासिल करने में मदद करता है और दुनिया भर के उद्योग और संस्थानों में व्यावहारिक अनुप्रयोगों और विकास से भी अवगत कराता है।

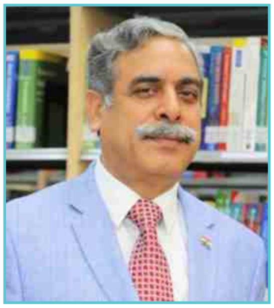

प्रो. शैलेन्द्र सिंह

निदेशक
क्षेत्र: ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. (आर्गेनाइजेशनल बिहेवियर), आईआईटी, कानपुर
एम. ए. (साइकोलॉजी), यूनिवर्सिटी ऑफ इलाहाबाद,
एल. एल. बी., यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली 93

प्रो. आदित्य शंकर मिश्रा

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. (आई. एफ. एच. ई., हैदराबाद),
भी. एस. पी. (सीओबीआई, यूनिवर्सिटी ऑफ टोलेडो, ओएच, यूएसए एमबीए (मार्केटिंग)

प्रो. अमरेंदु नंदी

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : इकोनॉमिक्स
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. (आई. एफ. एच. ई., हैदराबाद),
पीएच. डी. नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर (एनयूएस), सिंगापुर
एम. एससी.,बी. एससी. यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान, इंडिया
(गोल्ड मेडलिस्ट)

प्रो. अंबुज भैरवनाथ आनंद

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिजनस एनालिटिक्स
शैक्षणिक योग्यता:
'फेलो ऑफ आईआईएम, कलकत्ता
बी. टेक., इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, विश्वेश्वरैया नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

प्रो. अमित सचान
एसोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र : ऑपरेशन मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
बी. टेक, आईआईटी, रूड़की, एमडीआई, गुड़गाँव

प्रो. आनंद
एसोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. (आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी, देहरादून, इंडिया),
एमटीपी (देहरादून यूनिवर्सिटी, देहरादून, इंडिया),
भीएसपी (मार्टिन जे. व्हिटमैन एसओएम, सायराक्यूज यूनिवर्सिटी,
न्यू यॉर्क, युएसए)

प्रो. अंगशुमान हजारिका
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: जेनरल मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी. (सारलैंड विश्वविद्यालय, जर्मनी)
एलएलएम (यूरोपा-इंस्टीट्यूट, सारलैंड विश्वविद्यालय)
बी.ए. एलएलबी. (आरजीएनयूएल, पंजाब, भारत)

प्रो. अंकुर झा
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. (आईआईएम, लखनऊ)

प्रो. अनुभव मिश्रा
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
एफपीएम, आईआईएम, लवनऊ,
ई-पीजीपी - आईआईएम, कोज्हीकोड़
बी. टेक. (मैकेनिकल इंजीनियरिंग), आईईटी, लखनऊ

प्रो. अरिंदम मुखर्जी

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिजनस एनालिटिक्स
शैक्षणिक योग्यता:
फेलो (पीएच. डी.)
पीजीडीबीएम, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कलकत्ता
बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग, जादवपुर यूनिवर्सिटी

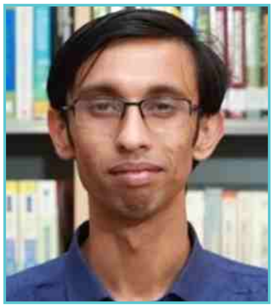

प्रो. अर्नब अधिकारी

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ऑपरेशंस मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
फैलो ऑफ इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ बैनेजमेंट, कलकत्ता
श्इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्गापुर

प्रो. अरुलानंत प्रभु पी एम

सहेयक प्रोफेसर
क्षेत्र: संचालन प्रबंधन
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी. भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
बी टेक अमृता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, कोयंबटूर

प्रो. असित बरन महापात्र

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस
क्षेत्र: ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी.(अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगठ), एडमिनिस्ट्रेशन मैनेजमेंट (जमनालाल बजाज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई)
बी. टेक. (प्रोडक्शन इंजीनियरिंग), बी.आई.टी.एस.
डिप्लोमा इन टोटल क्वालिटी मैनेजमेंट (टीक्यूएम), यूनिवर्सिटी ऑफ स्टिंग, यु. के.
एडवांस्ड डिप्लोमा इन मैनेजमेंट रिसर्च - ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एसोसिएशन, दिल्ली

प्रो. क्लेमेंट काबरल

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईटी), रूड़की
एम. कॉम., महात्मा गाँधी यूनिवर्सिटी, कोहठायम

प्रो. देबजानी घोष
क्षेत्र: ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पोस्टडाक्टरल, जापान सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ साइंस (जेएसपीएस)
इन दी एरिया ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, क्योटो यूनिवर्सिटी, जापान (2015-2017)
पीएच. डी., फकीर मोहन यूनिवर्सिटी

प्रो. दिव्या अग्रवाल
सहेयक प्रोफेसर
क्षेत्र: लेवा और वित्त
शैक्षणिक योग्यता:
पीएचडी - एक्सएलआरआई (व्यवहार वित्त में)
कंपनी सचिव - आईसीएसआई
वित्त और निवेश विश्लेषण स्नातक - दिल्ली विश्वविद्यालय
प्रमाणन: प्रमाणित निवेश अनुसंधान विश्लेषक (CIRA), AIWMI द्वारा
प्रमाणित क्रेडिट अनुसंधान विश्लेषक (CCRA)

प्रो. फैसल मोहम्मद अहसान
सहेयक प्रोफेसर
क्षेत्र: सामरिक प्रबंधन
शैक्षणिक योग्यता:
एफपीएम, भारतीय प्रबंधन संस्थान, लवनऊ
एम.टेक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
बी.टेक, एएमयू, अलीगढ़ (स्वर्ण पदक विजेता)

प्रो. जी. नरेश
एसोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र: लेवा और वित्त
शैक्षणिक योग्यता:
पीडीएफ - चार्लटन कॉलेज ऑफ बिजनेस,
यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाचुसेट्स, यूएसए
पीएच.डी., मद्रास विश्वविद्यालय

प्रो. गौरव मनोहर मराठे
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
फैलो ऑफ मैनेजमेंट, एक्सएलआरआई (आर्गेनाईजेशनल बिहेवियर), 2014
बी. ई., कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, पुणे, पुन यूनिवर्सिटी, (आईटी), 2006

प्रो. कामरान कुद्दुस

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी., इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम), कोलकत्ता
इंटीग्रेटेड एम. एससी., (आईआईटी, खड़गपुर)

प्रो. मनीष कुमार

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ओबी और एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
फेलो ऑफ आईआईएम लखनऊ
बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (वीटीयू, बेलगाम)

प्रो. मयंक ज्योत्सना सोनी

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
एफपीएम (आईआईएम, अहमदाबाद)
एम.कॉम., एपीएस यूनिवर्सिटी, रेवा
बी.कॉम., एपीएस यूनिवर्सिटी,रेवा

प्रो. एन. शिवशंकरण

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी., भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली
एमबीए, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली

प्रो. नितिन सिंह

प्रोफेसर
क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिजनस एनालिटिक्स
शैक्षणिक योग्यता:
फेलो प्रोग्राम इन मैनेजमेंट, आईआईएम, बैंगलोर

प्रो. पियाली घोष
एसोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र: ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी., एमएनएनआईटी इलाहाबाद
एमबीए, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
एमए, सीएसजेएम यूनिवर्सिटी, कानपुर

प्रो. प्रदीप कुमार बाला
प्रोफेसर
क्षेत्र: इनफार्मेशन सिस्टम्स एंड बिजनस एनालिटिक्स
शैक्षणिक योग्यता:
बी. टेक., आईआईटी, खड़गपुर
एम. टेक., आईआईटी, खड़गपुर
पीएच. डी., आईआईटी, खड़गपुर (इंडस्ट्रियल एंड सिस्टम्स इंजीनियरिंग)

प्रो. प्रसेनजित चक्रवर्ती
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक योग्यता:
फेलो (फाइनेंस), आईआईएम, इंदौर
शविजिटिंग रिसर्च स्कॉलर, डीकिन बिजनस स्कुल, डीकिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया
बी. टेक, (इस्ट्रूमेंटेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक्स), जादवपुर यूनिवर्सिटी
(फिजिक्स), जादवपुर यूनिवर्सिटी

प्रो. प्रीति रे
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ऑपरेशंस मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी., आईआईटी, खड़गपुर
एम. टेक., जीआरईटी, गुनुपुर, बीपीयूटी, ओडिशा
बी. टेक., सीईटी, भुवनेधर, बीपीयूटी, ओडिशा

प्रो. राजीव जॉर्ज एरिकाट
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : जनरल मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी., नान्यांग टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर (2016)
एम. फिल., जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली
एमसीजी (कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म), यूनिवर्सिटी ऑफ केरला,
तिरुवनंतपुरम

प्रो. रेखा सिंघल
प्रोफेसर
क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पोस्ट डाक्टरल : वागेनिनगेन यूनिवर्सिटी, दी नीदरलैंड 1999
डी. फिल. : इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, इलाहाबाद 1986
मास्टर इन सायकोलॉँजी, इलाहाबाद यूनिवर्सिटी, 1981 ओबी में विशेषज्ञता सहित

प्रो. रोहित गुप्ता
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ऑपरेशंस मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच, डी. (आईआईएम लखनऊ)
एम. टैक. (आईआईटी धनबाद)

प्रो. रोहित कुमार
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
एग्जीक्यूटिव एजुकेशन ओ पार्टिसिपेंट सेंटर्ड लि फ्रॉम हार्वर्ड बिजनस स्कूल, बोस्टॉन, यूएसए.
पीएच. डी, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ फॉरेन ट्रेड, न्यू
एमबीए, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च, जयपुर
एमएस-इन्सुरेंस, आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी
वी. एससी. (आन), सेंट जेवियर कॉलेज, रांची (इंस्टिट्यूट रैंक होल्डर)

प्रो. साक्षी
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: इकोनॉमिक्स
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. इन इकोनॉमिक्स, डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स साइंस,
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी), कानपुर
मास्टर्स इन इकोनॉमिक्स, बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
बैचलर्स फ्रॉम रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय (आरडीभीभी)

प्रो. संकल्प भट्टाचार्यजी
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: इकोनॉमिक्स
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी. इन इकोनॉमिक्स, कलकत्ता युनिवर्सिटी ऑफ कोलकत्ता

प्रो. सशाधर बेरा
एसोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र: ऑपरेशंस मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
बी. ई. (एनआईटी, दुर्गापुर)
एम. टैक, इन क्वालिटी रिलायबिलिटी एंड ऑपरेशंस रिसर्च (इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टिट्यूट, कोलकत्ता)
पीएच. डी. (आईआईटी बॉम्बे) पीएच, डी. थीसीस में एक्सीलेंस अवार्ड

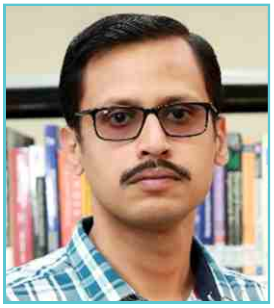

प्रो. सयंतन कुंडू
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक योग्यता:
बी. टैक, (कंप्यूटर इंजीनियरिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ कल्याणी)
एमबीए (आईआईटी खड़गपुर)
फेलो ऑफ आईआईएम कोलकत्ता (फाइनेंस एड कंट्रोल)

प्रो. शिबाशिश चक्रवर्ती
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी., जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकत्ता
एमबीए, सिम्बायोसिस इस्टिट्यूट ऑफ बिजनस मैनेजमेंट, पुणे
एमएससी, इंडियन इस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बाम्बे

प्रो. शिल्पी ए. दासगुप्ता
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: जनरल मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. इन कम्युनिकेशन स्टडीज, आईआईटी खड़गपुर
एम. ए. (इंग्लिश), जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकत्ता
बी. ए. (गोल्ड मेडलिस्ट), जीजीयू सेंट्रल यूनिवर्सिटी, बिलासपुर

प्रो. सौम्य सरकार
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: मर्कटिग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
फेलो (मार्केटिंग), आईआईएम, कोलकत्ता
पीजीडीबीएम, आईआईएम, कोलकत्ता
बी. ई. मेटलर्जिकल, जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकत्ता

प्रो. सुभाश्री मुखर्जी

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी. स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट (भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझीकोड)
बी.टेक इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी (इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी हल्दिया)

प्रो. सुभ्रो सरकार

सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच. डी. (आईआईएम रोहतक)
बी. टैक. (एनआईटी, अगरतला)

प्रो. सुबीर चट्टोपाध्याय

प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस
क्षेत्र: एकाउंटिंग एंड फाइनेंस
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी.इन मैनेजमेंट, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईएसएम), धनबाद
एडवांस्ड डिप्लोमा इन मैनेजमेंट एकाउंटेंसी, आईसीडब्लूएआई (अब आईसीएआई)
कास्ट एंड वर्क्स एकाउंटेंसी, आईसीडब्लूएआई (अब आईसीएआई)
बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग (मैकेनिकल), बी. ई. कॉलेज (अब आईआईईएसटी), शिबपुर

प्रो. सुधांशु शेखर

सहायक प्रेफेसर,
क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी. (आर्नेनाइजेशनल बिहेवियर), आईआईएम कलकत्ता
बी. ई. (कंप्यूटर साइंस), बीआईटी मेसरा, रांची

प्रो. स्वरुप कुमार दत्ता

एससोसिएट प्रोफेसर
क्षेत्र : स्ट्रेटजिक मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
पीएचडी. सेंटर फॉर एनवायरनमेंट प्लानिंग एंड टेक, यूनिवर्सिटी एमबीएम,
भीजीएसओएस, आईआईटी, खड्गपुर
बी. टेक., एनआईटी कालीकट

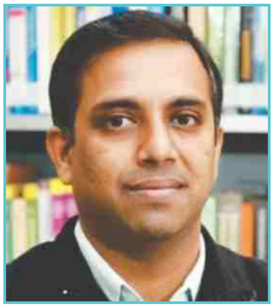

प्रो. टी. साई विजय
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
फेलो (मार्केटिंग) आईआईएम रायपुर
एमबीए, एसएसएसआईएचएल
बी.एससी (ऑनर्स) एसएसएसआईएचएल

प्रो. तनुक्षी दत्ता
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र : ओबी एंड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पीएच.डी (आईआईटी, खड़गपुर)
एम. ए. (गोल्ड मेडेलिस्ट), बी.एच.यू.

प्रो. विजया दीक्षित
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ऑपरेशंस मैनेजमेंट
शैक्षणिक योग्यता:
फेलो, आईआईएम लखनऊ (ऑपरेशंस मैनेजमेंट)
बैचलर इन मरीन इंजीनियरिंग

प्रो. विरजानंद वर्मा
सहायक प्रोफेसर
क्षेत्र: ओबी एण्ड एचआरएम
शैक्षणिक योग्यता:
पीएचडी – मैनेजमेंट, ऑबर्न यूनिवर्सिटी
एमएस – ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑबर्न यूनिवर्सिटी
एमबीए – जनरल मैनेजमेंट, विजीएसओएम, आईआईटी खड़गपुर
बीइ – मैकेनिकल, जादवपुर यूनिवर्सिटी

01 अप्रैल, 2020 से 31 मार्च, 2021 के दौरान फैकल्टी भर्ती

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने फैकल्टी की भर्ती, पुष्टि और पदोन्नति प्रक्रिया की निगरानी के लिए आंतरिक कार्मिक समिति (आईपीसी) का गठन किया है। इस वर्ष, आईपीसी कार्यालय ने निम्नलिवित आठ क्षेत्रों; लेखा और वित्त, अर्थशास्त्र, सामान्य प्रबंधन, सूचना प्रणाली और व्यापार विश्लेषिकी, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार और मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन प्रबंधन और सामरिक प्रबंधन की भर्ती प्रक्रिया आयोजित की है। पांच उम्मीदवारों को भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में (लेखा और वित्त क्षेत्र में 2, क्षेत्र विपणन क्षेत्र में 1, संचालन प्रबंधन क्षेत्र में 1 और सूचना प्रणाली और व्यापार विश्लेषिकी क्षेत्र में 1) संकाय पद की पेशकश की गई थी, जिसमें से निम्नलिखित दो फैकल्टी सदस्य संस्थान में शामिल किये गये है। उपरोक्त दो के अलावा, पांच और संकाय सदस्य संस्थान में शामिल हुए हैं, जिन्हें 01 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 के दौरान फैकल्टी पद की पेशकश की गई है।

01 अप्रैल, 2020 - 31 मार्च, 2021 के दौरान संकाय सदस्य शामिल हुए

क्र. सं.	फैकल्टी का नाम	पद	क्षेत्र	नियुक्ति की तारीख
1	प्रो. फैसल मोहम्मद अहसन	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	04.05.2020
2	प्रो. विराजानंद वर्मा	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	ओबी एंड एचआर	18.05.2020
3	प्रो. सुभाश्री मुखर्जी	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	18.05.2020
4	प्रो. अंगशुमान हजारिका	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	जनरल मैनेजमेंट	15.06.2020
5	प्रो. दिव्या अग्रवाल	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	10.07.2020
6	प्रो. अरुलानंथा प्रभु पी एम	सहायक प्रोफेसर ग्रेड II	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट	14.07.2020
7	प्रो. जी. नरेश	सह - आचार्य	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	28.08.2020

01 अप्रैल, 2020 - 31 मार्च, 2021 के दौरान पदोन्नत/पुष्टि किये गये फैकल्टी मेम्बर्स

क्रम. संख्या	फेकल्टी का नाम	पद	क्षेत्र	पदोन्नत/पुष्टि
1	डॉ. पियाली घोष	सह - आचार्य	ओबी एंड एचआर	पदोन्नत
2	प्रो. आनंद	सह - आचार्य	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	पदोन्नत
3	प्रो. प्रसेनजीत चक्रवर्ती	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	पदोन्नत
4	प्रो. स्वरूप कुमार दत्ता	सह - आचार्य	स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट	पदोन्नत
5	प्रो. प्रीती रे	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट	पदोन्नत
6	प्रो. तनुश्री दत्ता	सह - आचार्य	ओबी एंड एचआर	पदोन्नत
7	प्रो. शिबाशीष चक्रवर्ती	सह - आचार्य	मार्केटिंग	पदोन्नत
8	प्रो. विजया दीक्षित	सह - आचार्य	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट	पदोन्नत
9	प्रो. प्रदीप कुमार बाला	प्रोफेसर	आईएस एंड बीए	पुष्टि
10	प्रो. नितिन सिंह	प्रोफेसर	आईएस एंड बीए और ऑपरेशन्स मैनेजमेंट	पुष्टि
11	प्रो. टाटा साई विजय	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	मार्केटिंग	पुष्टि
12	प्रो. अमित सचान	सह - आचार्य	ऑपरेशन्स मैनेजमेंट	पुष्टि
13	प्रो. आदित्य शंकर मिश्रा	सहायक प्रोफेसर ग्रेड I	मार्केटिंग	पुष्टि

01 अप्रैल, 2020 - 31 मार्च, 2021 के दौरान छोड़ने वाले फैकल्टी मेम्बर्स

क्र. संख्या	फेकल्टी का नाम	पदनाम	क्षेत्र	छोड़ने की तिथि
1	प्रो. अनुभव मिश्रा	सहायक प्रोफेसर	मार्केटिंग	30.04.2020
2	प्रो. एन. शिवशंकरन	सहायक प्रोफेसर	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	09.09.2020
3	प्रो. असित बरन मोहापात्रा	प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस	ओबी एंड एचआर	30.01.2021
4	प्रो. सायंतन कुंडू	सहायक प्रोफेसर	एकाउंटिंग एंड फाइनेंस	24.03.2021

अकादमिक परिषद की बैठकें

क्रम संख्या	एसीएम	दिनांक
1.	एसीएम नं० 47/20	13.04.2020
2.	एसीएम नं० 48/20	08.05.2020
3.	एसीएम नं० 49/20	08.06.2020
4.	एसीएम नं० 50/20	15.06.2020
5.	एसीएम नं० 51/20	14.07.2020
6.	एसीएम नं० 52/20	03.09.2020
7.	एसीएम नं० 53/20	03.11.2020
8.	एसीएम नं० 54/22	03.02.2021
9.	एसीएम नं० 55/21	11.02.2021
10.	एसीएम नं० 56/21	25.03.2021

अतिथि संकाय (विजिटिंग फैकल्टी)

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में वर्ष 2020-21 के लिए पाठ्यक्रम पढ़ाने वाले विजिटिंग फैकल्टी का विवरण निम्नलिखित है।

कार्यक्रम	कोर्स	क्रेडिट	फैकल्टी का नाम	संबद्धता
एमबीए-एचआर	टोटल रिवाड्र्स मैनेजमेंट	3	श्री रेजू मैथ्यू	इंडस्ट्री
			श्री श्रीनाथ श्रीधरनी	इंडस्ट्री
एमबीए-एचआर	एचआर ब्रांडिंग वैल्यू प्रपोजिशन	3	डॉ. हेमांग जुहारी	इंडस्ट्री
एमबीए-एचआर	एचआर एनालिटिक्स	1.5	डॉ. हेमांग जुहारी	इंडस्ट्री
एमबीए-एचआर	इनफार्मेशन सिस्टम्स	3	प्रो. विवेक गुप्ता	भारतीय प्रबन्धन संस्थान लखनऊ
एमबीए-एचआर			प्रो. प्रदीप कुमार	भारतीय प्रबन्धन संस्थान लखनऊ
एमबीए	प्राइवेट इक्विटी एंड वेंचर कैपिटल	3	श्री बीकरम महाजन	इंडस्ट्री

कर्मचारी

पेरोल पर स्टाफ सदस्यों की सूची: 01 अप्रैल, 2020 – 31 मार्च, 2021

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
	नियमित	
1.	डॉ जयंत कुमार त्रिपाठी	पुस्तकालयाध्यक्ष
2.	श्री नरोत्तम साहू	वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी
3.	श्री असिस चक्रवर्ती	प्रशासनिक अधिकारी, कार्यक्रम
4.	श्री शिव प्रताप वर्मा	प्रशासनिक अधिकारी
5.	श्री कृष्णचंद्रन आर एम	कार्यकारी प्रबंधक
6.	डॉ प्रशांत कुमार	स्वास्थ्य अधिकारी
7	श्री अजय कुमार	प्रशासनिक अधिकारी
8	श्री त्रिलोचन कुमार	प्रशासनिक अधिकारी
9	श्री विकास कुमार	प्रशासनिक अधिकारी
10	श्री बालकृष्णन आर.	नेटवर्क इंजीनियर
11	श्री सुरोजीत नमता	वरिष्ठ लेखाकार
12	श्री विकास कुमार	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
13	श्री आलोक कुमार	सहायक प्रशासनिक अधिकारी
14	श्रीमती स्वाति किंडो	निदेशक के सचिव

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
	नियमित	
15	श्री मानस बनर्जी	निजी सहायक
16	श्री जे ज्ञान प्रसाद	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
17	श्री चौधरी आशादीप दास	कार्यालय सहायक
18	श्री सूरज कुमार गुप्ता	कार्यालय सहायक
19	श्री अमित कुमार मल्लिक	कार्यालय सहायक
20	श्री रमेश घोष	कार्यालय सहायक
21	श्री आशीष रंजन	कार्यालय सहायक
22	श्री बिनीत कुमार पाठक	कार्यालय सहायक
23	श्री प्रदीप कुमार	कार्यालय सहायक
24	श्री यशपाल भारद्वाज	कार्यालय सहायक
25	श्री विश्वजीत कुमार	कार्यालय सहायक
26	श्री सुशील कुमार	कार्यालय सहायक
27	श्रीमती सौम्या श्रीवास्तव	लेखाकार
28	श्री मिथिलेश प्रसाद सिंह	लेखाकार
29	श्री अमित कुमार	लेखाकार
30	श्री पंकज कुमार सिंह	कनिष्ठ अभियंता (सिविल)
31	श्री राजन कुमार सिंह	स्टाफ कार चालक ग्रेड I
32	श्री अरुण मल्लिक	मल्टी-टास्किंग स्टाफ
	संविदात्मक	
1.	श्री सैताब सिन्हा	हेड-प्लेसमेंट
2.	श्री सतीश कुमार	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी
3.	श्री नवल कुमार सिंह	कार्यालय सहायक
4.	सुश्री पूजिता सिंह	सामाजिक मीडिया प्रबंधक
5.	श्री बिपिन कुमार	प्रोजेक्ट मैनेजर- कैंपस डेवलपमेंट
6.	श्री एम. विजयानंद	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

01 अप्रैल, 2020-31 मार्च, 2021 के दौरान योगदान देने वाले स्टाफ सदस्य

क्र.सं	स्टाफ का नाम	पदनाम	योगदान की तिथि	नियमित/अनुबंध
1	सुश्री पूजिता सिंह	सामाजिक मीडिया प्रबंधक	12.10.2020	संविदात्मक
2	श्री बिपिन कुमार	प्रोजेक्ट मैनेजर- कैंपस डेवलपमेंट	19.10.2020	संविदात्मक
3	श्री एम. विजयानंद	मुख्य प्रशासनिक अधिकारी	17.11.2020	संविदात्मक

01 अप्रैल, 2020-31 मार्च, 2021 के दौरान स्टाफ सदस्य जिन्होंने संस्थान को छोड़ा

क्रम	स्टाफ का नाम	पदनाम	छोड़ने की तिथि	नियमित/अनुबंध
1.	सुश्री प्राची चितलांगिया	कार्यक्रम विश्लेषक	14.07.2020	संविदात्मक
2.	श्री प्रभुनाथ रावत	परियोजना प्रबंधक-परिसर विकास	15.10.2020	संविदात्मक

शोध एवं प्रकाशन

संकाय सदस्यों ने विभिन्न प्रकाशनों में अपने शोध कार्य को प्रकाशित किए है और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया/प्रस्तुत किया है। अप्रैल 2020-मार्च 2021 के दौरान प्रकाशनों का सारांश नीचे दी गई तालिका में प्रस्तुत किया गया है।

प्रकाशन का प्रकार	प्रकाशनों की संख्या
जर्नल लेख	53
पुस्तकें/पुस्तक अध्याय	6
केस स्टडी	3
पत्रिका / समाचार पत्र लेख	10
सम्मेलन पत्र / प्रस्तुतियाँ	21

जर्नल लेख

विरमानी , एन., **बेरा, एस.** एंड **कुमार, आर.** (2021). आइडेंटिफिकेशन एंड टेस्टिंग ऑफ बेर्रिएर्स टू सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग इन द ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री : ए फोकस ऑन इंडियन एमएसएमइस. *बेंचमार्किंग : एन इंटरनैशनल जर्नल,* 28(3), 857-880. https://doi.org/10.1108/BIJ-08-2020-0413

गोपाल, एन., मातेति, आर. एस., नगुएं, डी., एंड वासुदेवन, जी. (2021). टैक्सस, मिसप्राइजिंग, और द एजेंसी कॉस्ट ऑफ मनेजरियल डिस्क्रेशन? एविडेंस फ्रॉम कॉर्पोरेशन टूरियट कन्वर्सेशन. *रिव्यु ऑफ पेसिफिक बसिं फाइनेंशियल मार्केट्स एंड पॉलिसीज,* 24(1), 215007-1-35. https://doi.org/10.1142/S0219091521500077

राय, ए., **बाला, पी. के.**, **चक्रवर्ती, स.** एंड **दास गुप्ता, एस. ए.** (2021). एक्सप्लोरिंग द इंपैक्ट ऑफ डिफरेंट फैक्टर्स ऑन ब्रांड इक्विटी एंड इंटेंशन टू टेक अप ऑनलाईन कोर्सेस फ्रॉम ई-लर्निंग प्लैटफॉर्म्स. *जरनल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेस,* 59(मार्च), 102351. https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2020.102351

राय, ए., **बाला, पी. के.**, एंड जैन, र. (2021). यूटिलाइजिंग इमोशन स्कोरस फॉरइम्प्रोविंग क्लासीफाइ परफॉरमेंस फॉर प्रेडिक्टिंग कस्टमर्स इंटेंडेड रेटिंग फ्रॉम सोशल मीडिया पोस्ट्स. *बेंचमार्किंग : एन इंटरनेशनल जरनल,* 28(2), 438-464. https://doi.org/10.1108/BIJ-01-2020-0004

मजूमदार, ए., एंड **अधिकारी, ए.** (2021). एन इंटीग्रेटेड टोप्सिस-मूरा बेस्टड परफॉरमेंस इवैल्यूएशन मेथोलॉजी फॉर द सर्विस प्रोवाइडरस इन शेयरिंग ऐकोनॉमी: केस ऑफ एयरबनब सुपेर्होस्ट्स. *बेंचमार्किंग : एन इंटरनेशनल जरनल,* 28(2), https://doi.org/10.1108/BIJ-03-2020-0085

गुप्ता, पी., पराशर, एस., **विजय, टी.एस.**, एंड प्रसाद, सी. (2021). इक्जामिन द इन्फ्लुएंस ऑफ ऐन्टैसडेन्ट्स ऑफ कोयन्टिनोस इंटेंशन टू यूज एन इनफार्मेशन एप: द रोल ऑफ पर्सिवड यूजफूलनेस एंड पर्सिवड इज ऑफ यूज. *इंटरनेशनल जर्नल बिजनेस इनफार्मेशन सिस्टम,* 36(2), 270-287. https://doi.org/10.1504/IJBIS.2021.112829

हजारिका, ए., एंड भारद्वाज, के. (2021). इन्ववेस्टर - स्टेट आर्बिट्रेशन ईस डेड : लॉन्ग लाइव इन्वेस्टर-स्टेट *आर्बिट्रेशन इन इंडिया. इंडियन जर्नल ऑफ आर्बिट्रेशन* लॉ, 9(2), 91.115. http://ijal.in/sites/default/files/Vol9Issue2/5_Investor_State_Arbitration_is_Dead_Long_Live_Investor_State_Arbitration_in_India-AngshumanHazarika_KirtiBhardwaj.pdf

मुरली, एस., त्यागराजन, एस., एंड **गोपाल, एन.** (2021). आयल प्राइस एंड स्टॉक मार्केट इंटरप्ले इन दुबई. *जर्नल ऑफ मैनेजमेंट प्रैक्टिस* 14(1), 107-127. https://doi.org/10.1504/IJMP.2021.111773

संकरण, र., एंड **चक्रबोर्ती, एस.** (2021). व्हाई कस्टमर्स मेक मोबाइल पेमेंट्स? अप्पलईंग ए मीन्स-एन्ड चैन एप्रोच. *मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लानिंग.* 39(1), 109-124. https://doi.org/10.1108/MIP-12-2019-0622

गुप्ता, पी., पराशर, एस., प्रसाद, सी., एंड **विजय, टी.एस.** (2021). रोल ऑफ शॉपिंग ऐप ऐट्रिब्यूट्स इन क्रिएटिंग अर्जेस फॉर इम्पल्स बाइंग: एन एम्पिरिकल इन्वेस्टिंग यूसिंग एसईएम एंड न्यूरल नेटवर्क टेक्निक. *जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स इन ऑर्गनाइजेशन,* 19(1), 43-64. https://doi.org/10.4018/JECO.2021010103

शुक्ला, ए., शिवशंकरन, एन., सिंह, पी., कनगराज, ए., एंड **चक्रवर्ती, एस.** (2021). डू वोमैन डायरेक्टरस इमपेकट दि रिसक एंड रिटर्न आफ इंडियन बैंकस? *आईआईएम कोझीकोड सोसाइटी एंड मैनेजमेंट रिव्यू,* 10(1), 44-65. https://doi.org/10.1177/2277975220938013

रे, ए., एंड **बाला, पी. के.** (2021). यूजर जेनरेटेड कंटेंट फॉर एकसफलोरिंग फैक्टरस एफेकटिंग इंटएनसन टू यूज टरऐवल एनड फूड डिलीवरी सर्विस *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट,* 92(जनवरी), 102730. https://doi.org/10.1016/j.ijhm.2020.102730

तांबे, एस., पटनायक, एस., उपाध्याय, ए.पी., एडगांवकर, ए., **सिंघल, आर.,** बिसारिया, जे., श्रीवास्तव, पी., दाहके, के., हीरालाल, एम.एच., टोफा, डी., तेलहरकर, एस., एडलबडकर, वी., देठे, वी., एंड शेखर, के. (2021). अस्सेस्सिन्ग द सस्टेनेबिलिटी ऑफ बम्बू मैनेजमेंट इन सेंट्रल इंडियन फॉरेस्ट्स. *फॉरेस्ट्स, ट्री एंड लिवेलीहुड्स, 30*(1), 28-46. https://doi.org/10.1080/14728028.2020.1852975

बिस्वास, आई., **अधिकारी, ए.,** एंड बिस्वास, बी. (2020). चौनल कोरडिनेशन आफ ए रिसक-एवरस सपलाई चौन : ए मीन -वैरिएंस एपरोच. *डिसीजन,* 47(4), 415-429. https://doi.org/10.1007/s40622-020-00267-1

कुमार, आर., **सचान, ए.,** एंड **दत्ता, टी.** (2020). इगजामीनिंग दि इमपेकट आफ इ-रिटेलिंग कनवेनियंस डायमेंशस आन बिहेविरल इंटेंशन: दि मिडीयेटिंग रोल आफ सेटिसफेकशन. *जर्नल ऑफ इंटरनेट कॉमर्स,* 19(4), 466-494. https://doi.org/10.1080/15332861.2020.1788367

वर्मा, वी. (2020). दि 'राइट योर नेम' एकटिवटी: एन इनटरोडकटरी कलासरूम एकसरसाइज आन आरगेनाइजेशनल चेंज. *जर्नल ऑफ ऑर्गनाइजेशनल बिहेवियर एजुकेशन.* 13, 131-142. https://www.neilsonjournals.com/JOBE/abstractjobe13varma.html

नंदनकर, एस., एंड **सचान, ए.** (2020). इलेक्ट्रॉनिक प्रोक्योरमेंट एडॉप्शन, यूसेज एंड परफॉर्मेंस: ए लिटरेचर रिव्यू. *जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी मैनेजमेंट.* 11(4), 515-535. https://doi.org/10.1108/JSTPM-02-2020-0031

एरिकैट, आर.जी., एंड लिंग, आर. (2020). वैलयूएबल इनफोरमेशन आन रिसाइकलेबल वेसट: मोबाइल फोनस एनड दि रैशनलाइजेशन आफ दि सकरैप- हैंडलिंग सेक्टर इन मयांमार. *दि इनफार्मेशन सोसायटी,* 36(5), 242-251. https://doi.org/10.1080/01972243.2020.1805248

गणेश, आर., **गोपाल, एन.,** एंड त्यागराजन, एस. (2020). मेनिफेसटिंग ओवरकोनफिडेंस बैस एनड डिसपोजिशन एफेकट इन दि स्टॉक मारकेट. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स,* 19(3), 257-284. https://ijbe.fcu.edu.tw/assets/ijbe/past%20issue/No.19-3/abstract/03.html

धीर, एस., **दत्ता, टी.** एंड **घोष, पी.** (2020). लिंकिंग एम्पलॉय लॉयल्टी विथ जॉब सटिस्फैक्शन यूसिंग पीएलएस एण्ड एसईएम मॉडलिंग. *पर्सनल रिव्यू,* 49(8), 1695-1711 .https://doi.org/10.1108/PR-03-2019-0107

जहन, एस., **अरिकैट, आर.,** एंड झाऊ, म. (2020). न्यु डायनामिक्स ऑफ मल्टीनेशनल माइग्रेशन: चाइनीज एंड इंडियन माइग्रेंट्स इन सिंगापुर एंड लॉस एंगेल्स. *जियोग्राफिकल रिसर्च,* 58(4)365-376. https://doi.org/10.1111/1745-5871.12397

घोष, डी., सेकिगुची, टी., एंड फुजीमोटो, वाई. (2020). साइकोलो देटाचमेंट: ए क्रिएटीविटी पर्सपेक्टिव ऑन द लिंक बिटवीन इंट्रिंसिक मोटिवेशन एंड एम्पलाई एंगेजमेंट. *पर्सनल रिव्यू,* 49(9), 1789-1804. https://doi.org/10.1108/PR-12-2018-0480

दत्ता, एस.के. (2020). हाउ इमर्जिंग मार्केट्स फर्मस लाइक शियाओमी एंड नारायण हरूदयालया उसयूज कोम्पोनोवाशान एप्रोच इनोवेट रूटजर्स *बिजनेस रिव्यू,* 5(3), 310-318. https://rbr.business.rutgers.edu/article/how-emerging-market-firms-xiaomi-and-narayana-hrudayalaya-use-componovation-approach

खारे, ए., दीक्षित, स., एंड **सरकार, एस.**(2020). अंटेसेडेंट्स टू ऑनलाइन ट्रैवल पर्चेस: रोले ऑफ नेटवर्क बेनेफिट्स पिलग्रिमेज पैकेजेज, इंटरेक्टिव, ट्रस्ट एंड कस्टम *रिव्यूज. जरनल ऑफ क्वॉलिटी एसुरंस इन हॉस्पिटालटी एंड टूरिजम,* 21(6),690-715. https://doi.org/10.1080/1528008X.2020.1740133

दीक्षित, वी., वर्मा, पी., एंड राज, पी.(2020). लेवरागिंग टेसित नॉलेजे फॉर शिप्यार्ड फेसिलिटी लेआउट सिलेक्शन यूजिंग फूजी सेट *थेओरी.एक्सपर्ट सिस्टम्स विथ एप्लिकेशन.* 159(Nov),113423. https://doi.org/10.1016/j.eswa.2020.113423

त्रिपाठी, पी., एंड **सिंह, एस.** (2020). वर्क-लाइफ बेनिफिट एंड एम्पलाई वैल-बीइंग : रोल ऑफ पर्सिवेड ऑर्गनाइजेशन सपोर्ट एंड सेल्फ-इफिकेसी. *इंडियन जरनल ऑफ इंडस्ट्रियल रिलेशन,* 56(2), 304-319. http://www.publishingindia.com/ijir/22/work-life-benefits-and-employee-well-being-role-of-perceived-organizational-support-and-self-efficacy/909/6265/

घोष, ए., **कुंडू, एस., घोष, पी.,** एंड **दत्ता, टी.** (2020). मैक्सिमिसिंग प्रॉफिटेबिलिटी ऑफ क्वेटर्नारी सेक्टर ऑर्गेनाइजेशन थराउग वर्कफोस ऑप्टिमाइजेशन. *बेंचमारकिंग: एन इंटरनेशनल जरनल,* 27(10), 2785-2806. https://doi.org/10.1108/BIJ-01-2020-0034

गोपाल, एन, एंड कुमार, के.स.स. (2020). प्रेदिक्टिंग बिटकॉइन प्राइसेज-एन अप्रोच. *इंटरनेशनल जरनल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक फाइनेंस.* 10(1/2),67-78. https://doi.org/10.1504/IJEF.2020.110296

बेहेरा, एर.के., **बाला, पी.के.,** एंड जैन,एर. (2020). ए रूल - बासेड ऑटोमेटेड मशीन लियरनिंग अप्रोच इन द एवल्यूशन ऑफ रिकमेंडर इंजन. *बेंचमर्किंग : एन इंटरनेशनल जरनल,* 27(10,2721-2757. https://doi.org/10.1108/BIJ-01-2020-0051

प्रंजल, पी., एंड **सरकार, एस.** (2020). कॉरपोरेट ब्रांड अलाइनमेंट इन बिजनेस मार्केट्सः ए प्रैक्टिस पर्सपेक्टिव. *मार्केटिंग इंटेलिजेंस एंड प्लैनिंग,* 38(7), 907-920. https://doi.org/10.1108/MIP-10-2019-0539

मांझी, एस. जी., स्नेहव्रत, एस., चौधरी, एस., एंड **मुवर्जी, एस.** (2020). द सिनर्जिस्टिक रोले ऑफ इंडिविजुअल अब्सॉर्ब्टिब कपैसिटिव एंड इंडिविजुअल अम्बीडेक्सटेरिटी इन ओपन इनोवेशनः ए मॉडरेटेड-मेडियाशान मॉडल *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन मैनेजमेंट,* 24(7), 1-30. https://doi.org/10.1142/S1363919620500838

सिंह, एस., वर्मा, ए. एंड मिनाई, एम.एच. (2020). गेस्ट एडिटोरियल:इंडिया राइजिंगः हाउ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट पॉलिसीस एंड प्रैक्टिसेज आर हेल्पिंगशेप द न्यू इंडिया. *पर्सनेल रिव्यु,* 49(7), 1329-1341 https://doi.org/10.1108/PR-10-2020-702

मिनाई, एम.एच., जौहरी, एच., **कुमार, एम., एंड सिंह, एस.** (2020). अनपैकिंग ट्रांस्फॉर्मेशनल लीडरशिप : डायमेंशनल एनालिसिस विथ सयकोलोजी एम्पावरमेंट. *पर्सनेल रिव्यु,* 49(7), 1419.1434 .https://doi.org/10.1108/PR-10-2019-0580

सिंह, एन. (2020). मिटिगेटिंग इकनोमिक लॉसेस ऑफ ऑफ फ्रॉडः डाटा एनालिटिक पर्सपेक्टिव. *वर्ल्ड इकोनॉमिक्स,* 21(3), 111-124. https://www.world-economics journal.com/Journal/Papers/Mitigating%20Economic%20Los323ses%20of%20Fraud.details?ID=808

सिंह, एन. (2020). स्पोर्ट एनालिटिकः ए रिव्यु. द *इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट रिव्यु,* 9(1), 64.69. https://doi.org/10.2991/itmr.k.200831.001

दीक्षित, वी., वर्मा, पी., एंड तिवारी, एम.के. (2020). असेसमेंट ऑफ प्रे एंड पोस्ट-डिजास्टर सप्लाई चैन रेसिलिअन्स बेस्ड ऑन नेटवर्क स्ट्रक्चरल पैरामीटर्स विथ CVaR, एस ए रिस्क मेजर. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ प्रोडक्शन इकोनॉमिक्स,* 227(सीप), 107655. https://doi.org/10.1016/j.ijpe.2020.107655

झा, एस., एंड साहू, एस. (2020). फोरकास्टिंग इन्फ्लेशन फॉर इंडिया विथ द फिलिप्स कर्वेः एविडेंस फ्रॉम इंटरनेट सर्च डाटा. *इकोनॉमिक्स बुलेटिन*. 40(3), 2372-2379. http://www.accessecon.com/Pubs/EB/2020/Volume40/EB-20-V40-I3-P206.pdf

वछरजनी, एम., **सिंह, एस.,** एंड राय, एच. (2020). द मेडिएटिंग रोल ऑफ जस्टिस पर्सेप्शन्स इन द लिंकेज बिटवीन एथिकल लीडरशिप एंड एम्प्लोयी आउटकमसः ए स्टडी ऑफ इंडियन प्रोफेशनल्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन कल्चर एंड बिजनेस मैनेजमेंट,* 20(4), 488.509. https://doi.org/10.1504/IJICBM.2020.108924

गुप्ता, पी., **सचान, ए,** एंड कुमार, आर. (2020). डिफरेंट स्टेजेस ऑफ द इ-सर्विस डिलीवरी सिस्टम प्रोसेस: बिलीफ-ऐटिटूड-इंटेंशन फ्रेमवर्क. *इंटरनॅशनल जर्नल ऑफ रिटेल एंड डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट,* 48(7), 687.706. https://doi.org/10.1108/IJRDM-01-2019-0014

तांबे, एस., पटनायक, एस., उपाध्याय, ए.पी., एडगांवकर, ए., **सिंघल, आर.,** बिसारिया, जे., श्रीवास्तव, पी., हीरालाल, एम.एच., दाहके, के., गावंडे, ए., एंड सुरकर, पी. पी. (2020). एविडेंस-बेस्ड पॉलिसी फॉर बम्बू डेवलपमेंट इन इंडिया: फ्रॉम ''सप्लाई पुश'' टू ''डिमांड पुल्ल''. *फॉरेस्ट पालिसी एंड इकोनॉमिक्सए* 116 (जुलाई), 102187. https://doi.org/10.1016/j.forpol.2020.102187

कुमार, आर., **बाला, पी.के.,** एंड मुखर्जी, एस. (2020). इम्प्रोविंग रिकमेन्डेशन क्वालिटी बय इडेन्टिफ्यिंग मोर सिमिलर नेइबोर इन ए कलोबोरेटिव फिल्टरिंग मैकेनिज्म. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसच,* 38(3). 321.342. https://doi.org/10.1504/IJOR.2020.107532

तिवारी, सी., **भट्टाचार्जी, एस.,** एंड चक्रवर्ती, डी. (2020). इन्वेस्टिगेटिंग रीजनल इनिक्वालिटीज इन इंडिया: आर इंडियन डिस्ट्रिक्ट कन्वर्जिंग? *जनरल ऑफ इंटरनेशनल डेवलपमेंटए* 32(5)ए 684.716. https://doi.org/10.1002/jid.3472

कुमार, आर. (2020). टैलेंट मैनेजमेंट स्ट्रैटेजी: प्रोसेस अर्लीवार्निंग सिगनल्स एंड इंपोर्टेंट कंसीडरेशंस. *इंडियन जर्नल ऑफ ट्रेनिंग एंड डेवलपमेंट* (आईजेटीडी), 50 (1 और 2), 106-111.

श्रीवास्तव, आर. एंड **रे, पी.** (2020). कॉन्ट्रैक्ट चॉइस इन रिटेलर लीड सप्लाई चौन. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड इकोनॉमिक्स,* 19(1), 77-90. http://www.ijbe.org/table%20of%20content/pdf/vol19-1/05.pdf

शेखर, एस., मनोहरन, बी., एंड रक्षित, के. (2020). गोइंग कैशलेस: चेंज इन इंस्टीट्यूशनल लॉजिक एंड कोन्सुम्प्शन प्रैक्टिसेज इन द फेस ऑफ इंस्टीट्यूशनल डिसरूपशन. *जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च,* 114 (जून), 60-79. https://doi.org/10.1016/j.jbusres.2020.04.010

सिंह, एन. (2020). ए नैरेटिव रिव्यू इन सपोर्ट एनालिटिक्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट,* 11(6), 637-648. http://www.iaeme.com/IJM/issues.asp?JType=IJM&VType=11&IType=6

सिन्हा, एस., जवाहर, आई.एम., **घोष, पी.,** एंड मिश्रा, ए. (2020). अस्सेस्सिन्ग एंपलॉयर्स सेटिस्फेक्शन विथ इंडियन इंजीनियरिंग ग्रैजुएट्स यूजिंग एक्सपेक्टेंसी डिस्कंफर्मेशन थ्योरी. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनपावर,* 41(4), 473-489. https://doi.org/10.1108/IJM-04-2019-0185

सेठी, पी., चक्रवर्ती, डी., एंड **भट्टाचार्जी, एस.** (2020). ग्लोबलाइजेशन फाइनेंशियल डेवलपमेंट एंड इकोनामिक ग्रोथ : पर्लिस ऑन द एनवायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी ऑफ इमर्जिंग इकोनामी. *जर्नल ऑफ पॉलिसी मॉडलिंग,* 42(3), 520-535. https://doi.org/10.1016/j.jpolmod.2020.01.007

मराठे, जी.एम., एंड काकानी, आर.के. (2020). रिकॉग्नाइज इनते ट्रांसफॉरमेशनल ट्राइट्स इन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विसेज: आर वी डूइंग राइट? *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन,* 43(7), 587-598. https://doi-org/10-1080/01900692-2019-1644518

कुमार, आर., **बाला, पी.के.,** एंड मुवर्जी, एस. (2020). ए न्यू नेइबोरहुड फॉरमेशन अप्रोच फॉर सॉल्विंग कोल्ड स्टार्ट यूजर प्रॉब्लम इन कोलैबोरेटिव फिल्टरिंग. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड मैनेजमेंट साइंस,* 12(2), 118-141. https://doi-org/10-1504/IJAMS-2020-106734

आनंद, ए., वैद्य, एस.डी., एंड शराहिली, एस.एम. (2020). रोल ऑफ इंटीग्रेशन इन स्केलिंग ऑफ एन इ-गवर्नमेंट प्रोजेक्ट. *ट्रांसफॉर्मिंग गवर्नमेंट: पीपल, प्रोसेस एंड पॉलिसी,* 14(1), 65-80. https://doi-org/10-1108/TG-08-2019&0078

रे, ए., **बाला, पी.के., दासगुप्ता, एस.ए.,** एंड शिवशंकरन, एन. (2020). फैक्टर्स इनफ्लुएंसिंग एडॉप्शन ऑफ ई सर्विसेज इन रूरल इंडिया : पर्सपेक्टिव्स ऑफ कंस्यूमर्स एंड सर्विस प्रोवाइडर्स. *जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च,* 12(2), 215-230. https://doi-org/10-1108/JIBR-11-2018&0295

अधिकारी, ए., बीसी, ए., एंड अवित्तथुर, बी. (2020). कोऑर्डिनेशन मेकैनिज्म रिस्क शेयरिंग एंड रिस्क एवर्जन इन ए फाइव-लेवल टैक्सटाइल सप्लाई चौन अंडर डिमांड एंड सप्लाई अनसर्टेनिटी. *यूरोपियन जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसर्च,* 282(1), 93-107. https://doi-org/10-1016/j-ejor-2019-08-051

पुस्तकें/पुस्तक अध्याय

रे, ए., एंड **बाला, पी.के.** (2021). इनोवेटिव डिस्टीब्यूशन एंड डिलीवरी ऑफ फूड. इन: गलानाकिस, सी.एम. (एड.) *फूड टेक्नोलॉजी डिसरूपशंस* (पीपी. 213-246). अकादमिक प्रेस, लंदन.

आनंद, ए., एंड कुमार, आर. (2020). इन्नोवेशन एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट फिट : केस ऑफ एंड आईटीइस फॉर्म. इन: *एंटरप्रेन्योरशिप एंड रीजनल डेवलपमेंट* (पीपी. 163-175). पालग्रेव मैकमिलन, चाम. https://doi-org/10-1007/978-3-030-45521-7_9

नीरज, के.के., एंड **कुमार, आर.** (2020). टेन क्रिटिकल आस्पेक्ट्स ऑफ स्ट्रैटेजी एंड इनोवेशन.इन: सैमिक एस., और पुनीत, एस, (एड.), *अनलॉकिंग मैनेजमेंट रिसर्च: ए रोड मैप टू फ्यूचर बिजनेस.* (पीपी. 311-318). अन्वेश 2020, निरमा यूनिवर्सिटी, आईएसबीएन 978-81-949561-0-5.

मानस, जे.बी., एंड **कुमार, आर.** (2020). एक्सप्लोरिंग स्ट्रेटेजिक इनोवेशन: प्रेस्क्रिप्टिए एंड एक्सप्लोरेटरी ओप्पोरचुनाटीज. इन: समिक, एस., और पुनीत, एस. (एड.) *अनलॉकिंग मैनेजमेंट रिसर्च: ए रोड मैप टू फ्यूचर बिजनेस.*(पीपी. 319-326) . अन्वेश 2020, निरमा यूनिवर्सिटी, आईएसबीएन 978-81-949561-0-5.

दत्ता, टी. एंड सरकार, एस. (2020). पैटर्न थिंकिंग : अंडरस्टैंडिंग डी माइंड ऑफ द कंस्यूमर. इन: डी. एटली, (एड.), *अनालीजिंग द स्ट्रेटेजिक रोल ऑफ न्यूरोमार्केटिंग एंड कंज्यूमर न्यूरोसाइंस* (पीपी. 127-145). हर्षे, पीए: आईजीआई ग्लोबल. https://doi:10-4018/978-1-7998-3126-6-ch007

कुमार, आर., एंड कुमार, ए. (2020). कोंसेप्टूलाइजिंग कॉर्पोरेट एंटरप्रेन्योरशिप कपाबिलिटी एंड इतस लिंकेज टुवर्ड्स फर्म परफॉरमेंस. इन मैनेजमेंट एसोसिएशन (एड.), *सस्टेनेबल बिजनेस: कॉन्सेप्ट्स, मेथोडोलॉजीज, टूल्स एंड एप्लीकेशन* (पीपी. 1771-1796). आईजीआई ग्लोबल. http://doi:10.4018/978-1-5225-9615-8.ch080

केसेस

अब्राहम, बी., एंड **कुमार, आर.** (2020). डॉ रेड्डीज लेबोरेटरीज लिमिटेड: सर्चिंग इट्स ग्लोरियस डेज. *साउथ एशियन जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट केसेस,* 9(3), 359-374. https://doi.org/10.1177/2277977920959583

कुमार, आर., एंड शुक्ला, ए.के., (2020). डायनामिक डालमिआ: कैन दे डू इट अगेन? *इमर्जिंग इकोनॉमीज केस जर्नल,* 2(1), 34-43. https://doi.org/10.1177/2516604220928787

विजय, टी.एस., पराशर, एस., एंड सहाय, वी. (2020). ओला अक्वायर्ड टैक्सी फॉर स्योर: पोस्ट टेकओवर डाइलेमा. *विकल्प.* 45(1), 42-50. https://doi.org/10.1177/0256090920917052

पत्रिका / समाचार पत्र लेख

रॉय, डी. एंड **नंदी, ए.** (2021, 23 मार्च). चौकिंग द रोड अहेड फॉर ए बैड बैंक. द *हिंदू बिजनेस लाइन.* https://www.thehindubusinessline.com/opinion/chalking-the-road-ahead-for-a-bad-bank/article34134154.ece

नंदी, ए. एंड त्रिपाठी, ए. (2021, फरवरी 12). डिकोडिंग बेयर नीसेसिटीज इंडेक्स: मूव फ्रॉम बारेतो बेसिक *फाइनेंसियल एक्सप्रेस.* https://www.financialexpress.com/opinion/decoding-bare-necessities-index-move-from-bare-to-basic/2193046/

नंदी, ए. एंड **कुंडू, एस.** (2021, 28 जनवरी). बजट शूड सस्टेन ग्रीन शूटर ऑफ रिकवरी. द *हिंदू बिजनेस लाइन.* https://www.thehindubusinessline.com/opinion/budget-should-sustain-green-shoots-of-recovery/article33678203.ece

नंदी, ए. एंड बिंद्रा, जे.एस. (2020, 25 जुलाई). व्हाई इन्टेग्रेटिंग विथ ग्लोबल चेन्स करिसिअल फॉर इंडिया *फाइनेंसियल एक्सप्रेस.* https://www.financialexpress.com/opinion/why-integrating-with-global-value-chains-crucial-for-india/2034458/

सिंह, एस., एंड मिश्रा, ए. (2020, 21 जुलाई). ओपिनियन: थेसाइकोलॉजिकल कास्ट ऑफ कोरोना. *ईटी ब्रांड इक्विटी.* https://brandequity.economictimes.indiatimes.com/news/marketing/opinion-the-psychological-cost-of-corona/77077105

सेन, एन. एंड **नंदी, ए.** (2020, 29 जून). व्हाट एल्स इंडियाश्स मॉडल बीआईटी?. द *हिंदू बिजनेस लाइन.* https://www.thehindubusinessline.com/opinion/what-ails-indias-model-bit/article31939413.ece

नंदी, ए. (2020, 21 मई). इंडिया श्साइलिंग रेमिटेंस: आइमटूरे अस्सेसपालिसी प्रिओरिती एस. *फाइनेंसियल एक्सप्रेस.* https://www.financialexpress.com/opinion/indias-ailing-remittances-time-to-reassess-policy-priorities/1965663/

सोनी, एम.जे. (2020, 14 मई). ओपिनियन इट्स टाइम टू कनेक्ट इन मे अनिन्फुलवायस. कैंपेन इंडिया. https://rb.gy/b00tsl

नंदी, ए. एंड त्रिपाठी, ए. (2020, 3 मई). व्हाई रूरल रेसुर्गंस मैंटर्स बिजनेस स्टैंडर्ड. https://www.business-standard.com/article/opinion/why-rural-resurgence-matters-120050200928_1.html

मिश्रा, ए. (2020, 26 अप्रैल). ओपिनियन : मार्केटिंग इन द टाइम ऑफ कोविड-19. कैंपेन इंडिया. https://www.campaignindia.in/article/opinion-marketing-in-the-time-of-covid-19/459419

सम्मेलन पत्र /प्रस्तुति

गुप्ता, आर. (2020, दिसंबर 28-30). *थ्री जोन एचेलोंस प्लाई चैन स्ट्रैटेजीज फॉर मल्टिपल एफर्ट-डिपेंडेंट डिमांड.* प्रजेन्टेड इन 3rd ICDE एण्ड 14th ISDSI एनुअन कॉन्फेरेंस रायपुर : इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रायपुर, इंडिया.

सिंह, एस.पी., **अधिकारी, ए.,** एंड मजूमदार, ए. (2020, 28-30 दिसंबर). *ए कंबाइंड एमसीडीएम-टेक्स्ट माइनिंग बेस्ड फ्रेमवर्क फॉर परफॉर्मेंस अस्सेसमेंट एण्ड एक्सप्लोरेशन ऑफ डेटार्मिनाइट्स फार थ्री पीएल आग्रेनाइजेशन.* प्रजेंटेड इन 3rd ICDE एण्ड 14th ISDSI एनुअन कोन्फेरेंस, रायपुर: इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रायपुर, इंडिया.

महालक्ष्मी, एस., त्यागराजन, एस., एंड **नरेश, जी.** (2020, 27-29 दिसंबर). *पोलिटिकल इकोनॉमी ऑफ अगरी कमोडिटी ट्रेडिंग डूरिंग पान्डेमिक,* प्रजेन्टेड इन 3rd ICDE एण्ड 14th ISDSI एनुअन कोन्फेरेंस, रायपुर: डिजिटल इकॉनमी, इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रायपुर, इंडिया.

अग्रवाल, डी. (2020, 27-29 दिसंबर). *एक्सामिंग इंडिविजुवल एंड ग्रुप परेफरेंस अंडर अम्बिगुइत्य: इन एक्सपेरिमेंटल एप्रोच,* प्रजेन्टेड इन 14th ISDSI एनुअन कोन्फेरेंस, रायपुर: डिजिटल इकॉनमी, इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रायपुर, इंडिया.

अग्रवाल, डी. (2020, 27-29 दिसंबर). *कंप्लायंस बिहेवियरएमिद्स्ट अम्बिगु औस इन फार्मेशन: एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी इन द कॉन्टेक्स्ट ऑफ कोविड-19* प्रजेंटेड इन द 14th ISDSI एनुअन कोन्फेरेंस, रायपुर: डिजिटल इकॉनमी, इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रायपुर, इंडिया.

जावेद, ए.एफ., **बाला, पी.के.,** एंड **चक्रवर्ती, एस.** (2020, 21-23 दिसंबर). *एनटेरप्रीनिएरशिप-व्हाई अरे फ्रेश मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स रिलक्टेट तो टेक एनटेरप्रीनियनशिप एज दे आर करिअर ओपिनियन* प्रजेंटेड इन द 22 एनुअल कन्वेंशन ऑफ स्ट्रैटजिक मैनेजमेंट फोरम, रांची: इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रांची इंडिया.

साहा, के., एंड **कुमार, आर.** (2020, 21-23 दिसंबर). *अस्सेस्सिन्ग रिलायबिलिटी एंड वैलिडिटी ऑफ ए कंटेंट एडेक्वएट फाइव डिमेन्शनल एंटरप्रेनुरिअल ओरिएंटेशन कंस्ट्रक्ट,* प्रजेंटेड इन द 22 एनुअल कन्वेंशन ऑफ स्ट्रैटजिक मैनेजमेंट फोरम, रांची: इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रांची इंडिया.

केशरबनी, एन.के., एंड **कुमार, आर.** (2020, 21-23 दिसंबर). *एक्सओमी इंडिया : आर दे विनिंग?* प्रजेंटेड इन द 22 एनुअल कन्वेंशन ऑफ स्ट्रैटजिक मैनेजमेंट फोरम, रांची : इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रांची इंडिया.

बोस, पी., एंड **कुमार, आर.** (2020, 21-23 दिसंबर). *ए सिस्टेमेटिक लिटरेचर रिव्यु ऑन मैकेनिज्म फॉर बिल्डिंग सस्टेनेबल बिजनेस इकोसिस्टमस: द रोल ऑफ एक्टर, स्ट्रक्चर एंड स्ट्रैटजी* प्रजेंटेड इन द 22 एनुअल कन्वेंशन ऑफ स्ट्रैटजिक मैनेजमेंट फोरम, रांची : इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रांची इंडिया.

गुप्ता, डी.एंड **कुमार, आर.** (2020, 21-23 दिसंबर). *एन इवोल्यूशन पर्सपेक्टिव ऑफ एन्त्रेपेनेउरिअल इकोसिस्टम एंड एनालिसिस ऑफ ''नेटवर्क सिनर्जिज्म'',* प्रजेंटेड इन द 22 एनुअल कन्वेंशन ऑफ स्ट्रैटजिक मैनेजमेंट फोरम, रांची : इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रांची इंडिया.

कुमारी, एस., एंड **बेरा, एस.** (2020, 14-17 दिसंबर). एन एनालिसिसऑफ डिसिशन टू रेत्रोफित्कोलबेस्डपावर प्लांट विथ कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी हविंग अनसर्टेन पैरामीटर्स. इन 2020 आईईईइ इंटरनेशनल कोंफेरेन्स ऑन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (आईईईएम)(पीपी. 215-219). आईईईई.

राय, पी., एंड **बेरा, एस.** (2020, 14-16 दिसंबर). *ए फ्रेमवर्क फॉर मेजरिंग सप्लाई चैन क्वालिटी फॉर ए हेल्थकेयर आर्गेनाइजेशन.* इन ओएससीएम 2020.

मसाकी, एच., एण्ड **घोष, डी.** (2020, दिसंबर 3-5). डू *टास्क करैक्टरिस्टिक्स एनहान्स अफ्फेक्टिव कमिटमेंट? इट डिपेंडस ऑन अब्यूसिव सुपरविशन.* एकाडमी ऑफ इंटरनेशनल बिजनेस साउथ एशिया रीजनल कांफ्रेंस, हांगकांग, चायना.

आनंद, ए. (2020, दिसंबर). *ट्रस्ट एंड इ-गवर्नमेंट प्रोजेक्ट-एन एक्सप्लोरेटरी स्टडी.* इन इंटरनेशनल वर्किंग कांफ्रेंस ऑन ट्रांसफर एंड डिफ्फुसिऑन ऑफ आईटी (पीपी.242-251). स्प्रिंगर, चाम.

आनंद, ए. (2020, दिसंबर) *एक्सप्लोरिंग नेट बेनेफिट्स इन द कान्टेक्स्ट्स ऑफ एन इ-गवर्नमेंट प्रोजेक्ट.* इन इंटरनेशनल वर्किंग कांफ्रेंस ऑन ट्रंसफर एंड डिफ्फुसिऑन ऑफ आईटी (पीपी.415.421). स्प्रिंगर, चाम.

सिंह, एस.पी., कुंडू, टी., **अधिकारी, ए.,** एण्ड बसु, एस. (2020, 8-11 नवंबर). एन इंटीग्रेटेड वेटिंग बेस्ड मॉडिफाइड WASPAS मेथोडोलॉजी फॉर अस्सेसिंग पेशेंट सओस्फाच्सन, प्रेजेन्टेड इन 2020 इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन डिसीजनएडसाइंसेस एंड अप्लिकेशन (डीएएसए) (पीपी. 592-596). आईईईइ.

सिंह, एस.पी., **अधिकारी, ए.,** एण्ड बीसी, ए. (2020, नवंबर 8-9). *कॉन्ट्रैक्ट एनालिसिस फॉर ए ग्रीन सप्लाई चौन अंडर फेयरनेस कंसर्न.* इंफोर्म्स एनुअल मीटिंग (वर्चुअल प्रेजेंटेशन)

सिंह, एस.पी., **अधिकारी, ए., सचान, ए.,** एण्ड **कुंडू, एस.** (2020, 2-3 नवंबर). *कम्पेटिसन, फैरनेस कंसर्न एंड कोरडीनेशन इन हाइटेक प्रोडक्ट सप्लाई चेन. इंटरनेशलन कांफ्रेंस ऑन इनोवेटिव इंटेलिजेंट स्ट्रियल प्रोडक्शन एंड लोजिस्टिक्स* (वर्चुअल प्रेजेंटेशन)

रत्नासिरी, एस, **रे, पी.,** इस्लाम, एसण एमण एनण (2020, 10-14 अगस्त) *एप्लीकेशन ऑफ ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी इन ओप्टीमिजिंग ई-टेलर सप्लाई चैन कास्ट्स: पब्लिक एंड कंसोर्टियम ब्लॉकचेन.* प्रजेंटेड इन द 5th नॉर्थ अमेरिकन इंटरनेशलन कांफ्रेंस ऑन इंडस्ट्रयल इंजीनियनिंग एंड ओपेर संस मैनेजमेंट (IEOM 2020), डेट्रायट, मिशिगन, यूएसए.

रत्नासिरी, एस, **रे, पी.,** इस्लाम, एस. एम. एन. (2020, जुलाई 18-21). ब्लॉकचौन टेक्नोलॉजी इम्प्लीमेंटेशन फॉर ई-टेलर्स सप्लाई चेन्स: पब्लिक एंड कंसोर्टियम ब्लॉकचौनस? प्रेसेंटेड इन द 14th इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन ऑपरेशन्स एंड सप्लाई चौन मैनेजमेंट (आईसीओएससीएम 2020), सिडनी, ऑस्ट्रेलिया.

चक्रवर्ती, पी., शंकर, आर.एल. एण्ड कुमार, के.के. (2020, 28 जून से 1 जुलाई). क्रॉस-सेक्शनल ड्राइवर्स ऑफ सिस्टेमेटिक वोलैटिलिटी रिस्क: एविडेंस फ्रॉम स्टॉक ऑपशन. प्रेजेंटेड एट द 27th एनुअल कांफ्रेंस ऑफ द मल्टीनेशनल फाइनेंस सोसाइटी 2020. पोलैंड. http://www.mfsociety.org/modules/modDashboard/uploadFiles/conferences/MC27th Annual Conference~184~p1dupepgok120e1dgj163spjrmqk4.pdf

पुरस्कार, उपलब्धियां और छात्रवृत्ति

पुरस्कार/उपलब्धियां

प्रो. विजया दीक्षित को 5 मार्च 2021 को 18वें AIMS अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान AIMS-जयपुरिया उत्कृष्ट युवा महिला प्रबंधन शोधकर्ता पुरस्कार से प्रबंधन पर सम्मानित किया गया।

प्रो. रोहित कुमार को 08 फरवरी, 2021 को IIHMR विश्वविद्यालय, जयपुर की अकादमिक परिषद में पूर्व छात्र प्रतिनिधि के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. विराज वर्मा को 2021-23 की अवधि के लिए एचआरसीआई, यूएसए द्वारा सीनियर प्रोफेशनल इन ह्यूमन रिसोर्सेज (एसपीएचआर) के रूप में पुनः प्रमाणित किया गया।

प्रो. रोहित कुमार, 9वें वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन एप्लाइड साइंसेज, इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट (WCSEM) सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्य वक्ता थे। यह समारोह (थीम: एंटरप्रेनरशिप एंड इनोवेशन इन द ऐज ऑफ सस्टेनेबिलिटी) अमेरिकन बिजनेस स्कूल ऑफ पेरिस, फ्रांस में 17 दिसंबर 2020 को हुआ।

प्रो. प्रीती रे को इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड ऑपरेशन मैनेजमेंट की दूसरे अफ्रीकी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हरारे ''इम्पैक्ट ऑफ एकाउंटिंग मेथड्स इन सप्लाई चैन कॉन्ट्रैक्ट्स: एनालिसिस ऑन इ-टेलर सप्लाई चैन कॉस्ट'' नामक पेपर के लिए 'सप्लाई चैन मैनेजमेंट' में सर्वश्रेष्ठ ट्रैक पेपर पुरस्कार मिला। यह सम्मेलन जिम्बाम्बे में 7-10 दिसंबर, 2020 के दौरान आयोजित किया गया।

प्रो. दिव्या अग्रवाल को 25 सितंबर 2020 को वर्चुअल रूप से आयोजित एसोसिएशन ऑफ इंटरनेशनल वेल्थ मैनेजमेंट ऑफ इंडिया (AIWMI) द्वारा भारत में तीसरे वार्षिक ''वीमेन इन फाइनेंस'' लीडरशिप समिट में 'वित्त 2020 में भारत की शीर्ष 100 महिलाएं: प्रगतिशील श्रेणी' में चित्रित किया गया था।

प्रो. पियाली घोष 05-06 सितंबर 2020 के दौरान राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर और महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, देहरादून द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'राष्ट्र विकास में महिलाओं की भूमिका (NCRWND-2020)' पर राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य वक्ता थीं।

प्रो. प्रीती रे को 10-14 अगस्त, 2020 में औद्योगिक इंजीनियरिंग पर 5वें उत्तर अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत ''इ -टेलर सप्लाई चैन कॉस्ट'' को अनुकूलित करने में ''एप्लीकेशन ऑफ ब्लॉकचैन टेक्नोलॉजी इन ऑप्टिमिजिंग इ-टेलर सप्लाई चैन कॉस्ट्स: पब्लिक एंड कंसोर्टियम ब्लॉकचैन्स'' शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ ट्रैक पेपर पुरस्कार मिला।

प्रो. रोहित कुमार अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार ''स्टार्टअप्स एंड एंटरप्रेन्योरशिप: अपॉर्चुनिटीज एंड चौलेंजेज इन पोस्ट COVID 19'' में मुख्य वक्ता थे जो संयुक्त रूप से मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, (एमआईएमएस), और सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किल डेवलपमेंट, (सीईएसडी), स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, मणिपुर विश्वविद्यालय, इंफाल में 06 जुलाई, 2020 को आयोजित किया गया।

प्रो. असित बरन मोहापात्रा ने 27-28 जून, 2020 को मिंडलर द्वारा आयोजित इंटरनेशनल सर्टिफाइड करियर कोच प्रोग्राम (फाउंडेशन लेवल -1) के 15 क्रेडिट सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं।

छात्रों की उपलब्धियां

क्र.सं.	भाग लेने वाले कंपनी का नाम	के द्वारा आयोजित	स्टूडेंटस का नाम	उपलब्धि का स्तर
1	इन्वेस्ट-ओ-मेनिया-स्टॉक पिचिंग चौलेंज	एसजेएमएसओएम (आईआईटी बॉम्बे)	दिशांत	नेशनल रनर अप
2	प्लूटस 7.0 – बिजनेस वैल्यूएशन	आईआईएम रांची	दिशांत	नेशनल फर्स्ट रनर अप
3	फिनोविट्ज	एसआईबीएम पुणे	दिशांत	नेशनल सेकेंड रनर अप
4	रिलायंस टीयूपी 6.0	रिलायंस	दिशांत	कैंपस फाइनलिस्ट
5	वेरिटास केस स्टडी कम्पटीशन	आईआईएम कलकत्ता	दिशांत	राष्ट्रीय विजेता
6	कोनसेकुएस्ट 2021 - केस स्टडी चौलेंज	एफएमएस दिल्ली	दिशांत	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
7	एस्टीमेटस 7.0 फाइनेंसियल वैल्यूएशन कम्पटीशन	आईआईएम काशीपुरी	दिशांत	राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
8	मेक दी केस एस -1	सीएपीपी इंडिया	केल्ला वेंकट काव्या	एनजीओ श्रेणी में राष्ट्रीय विजेता
9	ऑपेराजोइन	आईआईएम रोहतक	केल्ला वेंकट काव्या	राष्ट्रीय उपविजेता
10	राइज टू दी चौलेंज	टाटा पावर	केल्ला वेंकट काव्या	विजेता
11	फ्लिपकार्ट वायर्ड 4.0	फ्लिपकार्ट	केल्ला वेंकट काव्या	नेशनल सेमी फाइनलिस्ट
12	ओप्सिमाइज	सिओम नासिको	केल्ला वेंकट काव्या	राष्ट्रीय उपविजेता
13	एजीएस कैंपस कनेक्ट 2.0	एजीएस होराइजन	केल्ला वेंकट काव्या	राष्ट्रीय शीर्ष 20
14	ऑप्टम स्ट्रैटन 2.0	ऑप्टम	अभिषेक कुमार	नेशनल सेमी-फाइनलिस्ट
15	एशियन पेंट्स कॉग्नोसेंटी	एशियन पेंट्स	अभिषेक कुमार	कैंपस विजेता
16	जीईपी गेमप्लान सीजन	जीईपी	अभिषेक कुमार	कैंपस फाइनलिस्ट

विभिन्न मंत्रालयों के तहत छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले छात्रों की सूची 2020-21:

क्र.सं.	छात्र का नाम	कायर्क्रम	योजना का नाम
1	निहारिका मुरला	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए सर्वोच्च कक्षा शिक्षा की केंद्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति
2	अभिषेक कुमारी	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति – छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
3	सुदीप दास बैराग्य	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	विकलांग छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति।
4	मीत सोलंकी	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	व्यावसायिक पाठ्यक्रम करने के लिए अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति योजना
5	शेरोन शशि	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति – छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
6	आयुश्री एस टुडू	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति – छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
7	बिन्नी लकरा	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति – छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए

क्र.सं.	छात्र का नाम	कार्यक्रम	योजना का नाम
8	श्रृष्टि श्रेया सिंकु	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति - छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
9	मोनिका टोप्पो	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति - छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
10	नवीन कुमारी	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति - छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
11	राहुल भगत	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति - छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
12	आकाश बोराले	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	विकलांग छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति।
13	श्रद्धानन्द निन्नेकरी	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति
14	मनीष बाबू चव्हाण	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति
15	लैफंगबम गुनजीत रॉय	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) ह्यूमन रिसोर्स	एनईआर के छात्रों को उच्च व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता (एनईसी मेरिट छात्रवृत्ति)
16	नारायण हेम्ब्रम	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति - छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
17	विवेक	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जाति के छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति
18	कुराकुला महेश	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	अनुसूचित जनजाति के छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप और छात्रवृत्ति - छात्रवृत्ति (अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए औपचारिक रूप से शीर्ष श्रेणी की शिक्षा) केवल छात्रवृत्ति के लिए
19	शशांक सिंह	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	विकलांग छात्रों के लिए शीर्ष श्रेणी की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति।
20	मुसाब खान	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)	व्यावसायिक और तकनीकी पाठ्यक्रमों के लिए योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्ति सीएस

प्रवेश

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (एमबीए) 2020-22

प्रवेश मानदंड

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची एमबीए कार्यक्रम में प्रवेश कैट, व्यक्तिगत साक्षात्कार और लिखित विश्लेषण परीक्षा के प्रदर्शन तथा उनके प्रोफाइल पर आधारित था। बोधगया, जम्मू, काशीपुर, रायपुर, रांची, संबलपुर, सिरमौर, त्रिची और उदयपुर के सभी भारतीय प्रबन्धन संस्थान के लिए वैट और पीआई प्रक्रिया समान थी।

वैट / पीआई प्रक्रिया के लिए प्रारंभिक शॉर्टलिस्टिंग

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के एमबीए 2020-22 बैच में प्रवेश के लिए वैट / पीआई प्रक्रिया के लिए प्रारंभिक शॉर्टलिस्टिंग कैट के प्रदर्शन के आधार पर किया गया। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में प्रवेश के लिए कैट 2019 के कट-ऑफ पर्सेंटाइल कैट स्कोर नीचे तालिका 1 में दिया गया हैं:

तालिका 1: भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का कट-ऑफ परसेंटाइल

तालिका 1: भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का कट-ऑफ परसेंटाइल

		कट-ऑफ परसेंटाइल			
श्रेणी	उम्मीदवारों का भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के लिए आवेदन	वर्बल एंड रीडिंग कॉम्प्रिहेंशन का न्यूनतम अंक	क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड का न्यूनतम अंक	डाटा इंटरप्रिटेशन एंड लॉजिकल रीजनिंग का न्यूनतम अंक	शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के कैट का न्यूनतम अंक
सामान्य	111610	80.56	80.12	80.2	94.00
एनसी-ओबीसी	25659	60.66	60.61	61.19	75.02
अनुसूचित जाति	10431	45.00	45.42	46.05	55.03
अनुसूचित जनजाति	2689	30.82	30.21	30.64	40.25
डीएपी	610	30.82	31.96	32.43	40.18
ईडब्ल्यूएस	3318	60.66	60.61	61.19	75.01
कुल	**154317**				

समेकित योग्यता सूची (सीएमएल) को कैट स्कोर के 30%, पीआई के 30%, डब्लूएटी स्कोर के 10% और प्रोफाइल के 30% के आधार पर संकलित की गई थी। प्रोफाइल में, चार घटक थे: शिक्षाविद, कार्य अनुभव, शैक्षणिक विविधता और लिंग विविधता। बेहतर शैक्षणिक विविधता और लिंग विविधता के लिए, क्रमशः गैर-इंजीनियरिंग और महिला छात्रों को 5 अंक दिए गए थे। शॉर्टलिस्ट किए गए 16247 उम्मीदवारों में से 9894 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए, 2677 प्रस्ताव दिए गए और 256 उम्मीदवार अंततः दाखिल हुए। विस्तृत जानकारी तालिका 2 में प्रस्तुत की गई है।

तालिका 2: विभिन्न चरणों में एमबीए प्रोग्राम में उम्मीदवारों की स्थिति

श्रेणी	उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया	उम्मीदवारों ने साक्षात्कार में भाग लिया	भेजे गये प्रस्ताव पत्र	उम्मीदवार शुरू में शामिल हुए	वापसी के मामले	अंततः दाखिल हुए उम्मीदवार	दाखिल हुए उम्मीदवार का न्यूनतम कैट परसेंटाइल
सामान्य	7484	4642	1163	169	70	99	94.00
एनसी-ओबीसी	4243	2656	582	88	23	65	75.05
अनुसूचित जाति	2432	1310	442	70	35	35	57.02
अनुसूचित जनजाति	896	437	159	30	10	20	44.41
डीएपी	278	145	199	24	12	12	41.16
ईडब्ल्यूएस	914	704	132	39	14	25	76.96
कुल	**16247**	**9894**	**2677**	**420**	**164**	**256**	

***डीएपी ऑफर प्रत्येक श्रेणी के लिए क्षैतिज रूप से बनाए गए थे।**

प्रोफाइल

निम्नलिखित तालिका 3 से 7 में 256 एमबीए छात्रों के विभिन्न मापदंड के वितरण को प्रस्तुत करती हैं।

तालिका 3: एमबीए छात्रों का भौगोलिक वितरण

क्रमांक	कैट डेटा के अनुसार राज्य	एम.बी.ए. छात्रों की संख्या	क्रमांक	कैट डेटा के अनुसार राज्य	एम.बी.ए. छात्रों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	7	13	मध्य प्रदेश	13
2	असम	4	14	महाराष्ट्र	22
3	बिहार	13	15	नागालैंड	1
4	चंडीगढ़	2	16	उड़ीसा	12
5	छत्तीसगढ	3	17	पंजाब	1
6	दिल्ली	27	18	राजस्थान	7
7	गुजरात	9	19	तमिल नाडु	9
8	हरयाणा	16	20	तेलंगाना	7
9	हिमाचल प्रदेश	2	21	त्रिपुरा	1
10	झारखंड	23	22	उत्तर प्रदेश	39
11	कर्नाटक	6	23	उत्तराखंड	4
12	केरल	7	24	पश्चिम बंगाल	21

तालिका 4: एमबीए छात्रों का कार्य अनुभव

क्र.सं.	कार्य अनुभव महीनों में	एमबीए छात्रों की संख्या
1	6 तक	145
2	7 से 12	26
3	13 से 18	11
4	19 से 24	22
5	25 से 30	24

क्र.सं.	कार्य अनुभव महीनों में	एमबीए छात्रों की संख्या
6	31 से 36	19
7	37 से 42	6
8	43 से 48	2
9	48 महीने से अधिक	1
	कुल	**256**

तालिका 5: एमबीए छात्रों की लिंग विविधता

लिंग	छात्रों की संख्या	प्रतिशत
महिला	102	39.84
पुरूष	154	60.16
कुल	**256**	**100.00**

तालिका 6: एमबीए छात्रों का स्नातक डिग्री का विषय

क्रमांक	स्नातक डिग्री का विषय	एमबीए छात्रों की संख्या
	इंजीनियरिंग	
1.	बायोटेक्नोलॉजी	2
2.	कंप्यूटर साइंस	22
3.	इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी	92
4.	इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी	10
5.	अन्य	12
	कुल (ए)	**138**
	गैर इंजीनियरिंग	
6.	एकाउंटेंसी	4
7.	एग्रीकल्चर	6
8.	अपैरल डिजाइन /प्रोडक्शन	1
9.	आर्ट्स	3
10.	बैंकिंग	1
11.	बायोटेक्नोलॉजी	1
12.	बॉटनी	1
13.	केमिस्ट्री	2
14.	कॉमर्स	38
15.	कंप्यूटर एप्लीकेशन	1
16.	कंप्यूटर साइंस	3
17.	इकोनॉमिक्स	10
18.	फूड टेक्नॉलजी	1
19.	होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट	1
20.	ह्यूमैनीटीज़	1
21.	लाइफ साइंस	3
22.	लिटरेचर	1
23.	मैनेजमेंट	14
24.	मैथमेटिक्स	7
25.	मीडिया साइंस / टेक्नोलॉजी	1
26.	अन्य	3
27.	फार्माकोलॉजी /फार्मेसी	1
28.	फिलोसोफी	1
29.	फिजिक्स	3
30.	पोलिटिकल साइंस	1
31.	पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन	1
32.	साइंस	5
33.	सोशियोलॉजी	1
34.	स्टेटिस्टिक्स	2
	कुल (बी)	**118**
	कुल (ए+बी)	**256**

तालिका 7: एमबीए छात्रों के एसएससी, एचएससी, स्नातक और कैट परसेंटाइल का वितरण

एमबीए छात्रों की संख्या: कक्षा अंतराल के अनुसार प्रत्येक शैक्षणिक पृष्ठभूमि के लिए				
कक्षा अंतराल	एसएससी	एचएससी	स्नातक	कैट पर्सेंटाइल
60 से कम	1	3	11	17
60 - 65	1	3	21	10
65 - 70	4	7	21	8
70 - 75	8	11	43	11
75 - 80	14	29	51	24
80 - 85	19	45	65	34
85 - 90	68	72	35	31
90 - 95	77	69	7	50
95 - 100	64	17	2	71
कुल	**256**			

पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एमबीए-एचआरएम) 2020-22

एमबीए-एचआर कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय समाचार पत्रों में 23 और 24 फरवरी, 2020 को एक विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। कार्यक्रम के लिए 2012 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। 2012 उम्मीदवारों में से 1073 को साक्षात्कार के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया। यह शॉर्टलिस्ट कैट के प्रदर्शन, कार्य अनुभव और स्नातक के डिग्री पर आधारित थी। उम्मीदवारों का श्रेणी-वार शॉर्टलिस्ट विवरण तालिका 8 में दिया गया है।

तालिका 8: एमबीए-एचआर कार्यक्रम के लिए उम्मीदवारों का श्रेणी-वार विवरण

श्रेणी	आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या	साक्षात्कार के लिए चुने गए छात्रों की संख्या	शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का न्यूनतम कैट परसेंटाइल
सामान्य	1082	432	90.00
एनसी-ओबीसी	354	288	75.21
अनुसूचित जाति	296	160	50.94
अनुसूचित जनजाति	164	80	42.71
डीएपी	28	26	40.08
ईडब्ल्यूएस	88	87	71.17
कुल योग	**2012**	**1073**	

समेकित योग्यता सूची (सीएमएल) कैट स्कोर के 30%, पीआई के 30%, डब्लूएटी स्कोर के 10%, प्रोफाइल के 30% के आधार पर संकलित की गई थी। प्रोफाइल में, तीन घटक थे: शैक्षणिक, कार्य अनुभव और लिंग विविधता। शॉर्टलिस्ट किए गए 1073 उम्मीदवारों में से, 712 उम्मीदवार साक्षात्कार के लिए उपस्थित हुए, 239 को प्रस्ताव दिया गया और 75 उम्मीदवार अंततः दाखिल हुए। विस्तृत जानकारी तालिका 9 में प्रस्तुत की गई है।
*वैट की परीक्षा नहीं करायी गई थी इसीलिए सीएमएल कुल अंकों में से 90 अंकों के आधार पर तैयार किया गया था।

तालिका 9: विभिन्न चरणों में एमबीए-एचआर कार्यक्रम में उम्मीदवारों की स्थिति

श्रेणी	साक्षत्कार में उपस्थित उम्मीदवार	भेजे गए प्रस्ताव पत्र	उम्मीदवार शुरू में शामिल हुए	वापसी के मामले	अंततः दाखिल हुए	शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों का न्यूनतम कैट परसेंटाइल
सामान्य	310	72	39	10	29	90.17
एनसी-ओबीसी	186	57	26	7	19	76.08
अनुसूचित जाति	92	35	14	3	11	69.00
अनुसूचित जनजाति	38	30	9	5	4	42.71
डीएपी	16	14	5	1	4	40.95
ईडब्ल्यूएस	70	31	15	7	8	74.16
कुल योग	**712**	**239**	**108**	**33**	**75**	

प्रोफाइल

निम्नलिखित तालिका 10 से 14 में 75 एमबीए-एचआर छात्रों का विभिन्न मापदंड का वितरण को प्रस्तुत करती हैं।

तालिका 10: एमबीए-एचआर छात्रों का भौगोलिक वितरण

क्रमांक	कैट डेटा के अनुसार राज्य	एमबीए-एचआर छात्रों की संख्या	क्रमांक	कैट डेटा के अनुसार राज्य	एमबीए-एचआर छात्रों की संख्या
1	आंध्र प्रदेश	5	9	महाराष्ट्र	8
2	बिहार	1	10	उड़ीसा	4
3	दिल्ली	9	11	तमिल नाडु	2
4	हरयाणा	2	12	तेलंगाना	7
5	झारखंड	6	13	उत्तर प्रदेश	7
6	कर्नाटक	7	14	उत्तराखंड	3
7	केरल	3	15	पश्चिम बंगाल	7
8	मध्य प्रदेश	4			

तालिका 11: एमबीए-एचआर छात्रों का महीनों में कार्य अनुभव

कार्य का अनुभव महीनों में	एमबीए-एचआर छात्रों की संख्या
6 तक	13
7 से 12	0
13 से 18	15
19 से 24	22
25 से 30	14
31 से 36	9
37 से 42	1
43 से 48	0
48 महीने से अधिक	1
कुल	**75**

तालिका 12: एमबीए-एचआर छात्रों की लिंग विविधता

लिंग	एमबीए-एचआर छात्रों की संख्या	प्रतिशत
महिला	43	56.58
पुरुष	32	43.42
कुल	75	100.00

तालिका 13: एमबीए-एचआर छात्रों का स्नातक डिग्री का विषय

क्र. संख्या	स्नातक डिग्री का विषय	एमबीए एचआर छात्रों की संख्या
	इंजीनियरिंग	
1.	बायोटेक्नोलॉजी	1
2.	कंप्यूटर साइंस	11
3.	इंजीनियरिंग/टेक्नोलॉजी	33
4.	इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी	4
5.	अन्य	3
	कुल (A)	**52**
	गैर-इंजीनियरिंग	
6.	अपैरल डिजाइन /प्रोडक्शन	1
7.	बायोटेक्नोलॉजी	1
8.	केमिस्ट्री	1
9.	कॉमर्स	6
10.	कंप्यूटर साइंस	1
11.	हिस्टरी	1
12.	होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट	1
13.	मैनेजमेंट	2
14.	मैथमेटिक्स	1
15.	फार्माकोलॉजी /फार्मेसी	1
16.	फिजिक्स	1
17.	प्लानिंग	1
18.	साइकोलॉजी	3
19.	साइंस	1
20.	स्टेटिस्टिक्स	1
	कुल (B)	**23**
	कुल (A+B)	**75**

तालिका 14: एमबीए-एचआर छात्रों के एसएससी, एचएससी और कैट परसेंटाइल का वितरण

एमबीए-एचआर छात्रों की संख्या: प्रत्येक शैक्षणिक पृष्ठभूमि के लिए कक्षा अंतराल के अनुसार				
कक्षा अंतराल	**एसएससी**	**एचएससी**	**स्नातक**	**कैट परसेंटाइल**
60 से कम	0	0	3	6
60-65	0	1	3	1
65-70	2	6	13	1
70-75	1	6	16	4
75-80	4	13	18	10
80-85	13	10	12	16
85-90	23	17	9	6
90-95	18	17	1	31
95-100	14	5	0	0
कुल	**75**			

डाक्टरल प्रोग्राम 2020-24

(ए) शैक्षिक योग्यता पर पात्रता:

पात्रता के लिए शैक्षिक योग्यता पर एमएचआरडी के परिपत्र के अनुसार, कार्यक्रम के लिए एक उम्मीदवार के पास किसी भी विश्वविद्यालय से प्राप्त निम्नलिखित योग्यता शामिल होनी चाहिए, जो भारत में केंद्रीय या राज्य विधायिका के अधिनियम या अन्य शैक्षणिक संस्थानों का संसद अधिनियम या यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत एक विश्वविद्यालय के रूप में समझा जाने वाला घोषित या मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता या एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थान से समकक्ष योग्यता, या कोई भी मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालयों या संस्थानों से समकक्ष योग्यता हो।

I) किसी भी विषय में प्रथम श्रेणी के साथ मास्टर डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा या इसके समकक्ष हो।

या

II) बी.टेक / 4वर्ष की डिग्री के साथ 6.5 सीजीपीए या समकक्ष।

या

III) कोई भी व्यावसायिक योग्यता बीकॉम / डिग्री के साथ सीए / आईसीडब्ल्यूए / सीएस जैसी कुल अंकों का कम से कम 55% या समकक्ष ग्रेड पॉइंट औसत के साथ।

इसके अलावा, हमारे विज्ञापन के अनुसार, उम्मीदवार ने माध्यमिक स्तर से शुरू होने वाली अपनी सभी सार्वजनिक परीक्षाओं में न्यूनतम 55% अंक (या समकक्ष) प्राप्त किए होंगे। हालांकि, उद्योग या शिक्षाविदों में कार्य अनुभव अनिवार्य नहीं है, किन्तु चयन प्रक्रिया में उचित श्रेय दिया गया था।

जो वर्तमान शैक्षणिक वर्ष में अंतिम वर्ष की परीक्षा दे रहे हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, कार्यक्रम में उनका प्रवेश अनंतिम होगा बशर्ते कि वे 30 जून 2020 से पहले प्रासंगिक डिग्री प्राप्त करने के लिए सभी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा कर लें।

(बी) आयु सीमा:

उम्मीदवार की आयु 30 जून, 2020 को 55 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।

(सी) मानक परीक्षण स्कोर पर पात्रता मानदंड

	सामान्य	एनसी-ओबीसी	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी	ईडब्ल्यूएस
कैट (प्रतिशत)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीआरई	292 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक
गेट (प्रतिशत)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीमैट	565 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक
नेट-जेआरएफ (यूजीसी/ सीएसआईआर)	विज्ञापन के पत्र के अनुसार जेआरएफ पत्र के साथ केवल योग्य उम्मीदवारों को। (केवल नेट उत्तीर्ण उम्मीदवार पात्र नहीं होंगे।)					

इनमें से किसी भी मानक परीक्षा (कैट/गेट/जीआरई/जीमैट/नेट-जेआरएफ (यूजीसी/सीएसआईआर) के अंकों को पिछले दो वर्षों (यानी, 1 जुलाई, 2018 या उसके बाद) के दौरान ली गई पीएच.डी. में प्रवेश के लिए वैध माना गया है।

उपरोक्त मानक परीक्षण स्कोर में छुट:

ऐसे उम्मीदवार जिन्होंने पहले से ही किसी भी प्रबन्धन संस्थान में एक/दो साल का पूर्णकालिक कक्षा-आधारित पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट (पीजीडीएम) या प्रबन्धन के किसी विशेष क्षेत्र (जैसे, एचआरएम में पीजीडी, एग्री-बिजनस मैनेजमेंट आदि) 6.5 के न्यूनतम सीजीपीए या समकक्ष के साथ पिछले 4 वर्षों में 30 जून, 2020 से पहले प्राप्त कर लिया है, को छूट दी गई है।

कार्यक्रम के लिए कुल 220 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। 220 आवेदकों में से 118 को प्रेजेंटेशन और पर्सनल इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था। यह शॉर्टलिस्ट कैट/जीमैट/गेट/यूजीसी या सीएसआईआर-जेआरएफ प्रदर्शन, कार्य अनुभव और मास्टर डिग्री पर आधारित थी। अंत में, अठारह (18) को पीएच.डी. 2020 में प्रवेश दिया गया।

प्रोफाइल

1. राहुल कुमार

क्षेत्र : स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

योग्यता : एम.एससी (पर्यावरण विज्ञान)-टीईआरआई
बीएससी (बॉटनी मेजर के साथ लाइफ साइंस) - फर्ग्यूसन कॉलेज
यूजीसी नेट (पर्यावरण विज्ञान), सीएसआईआर नेट जेआरएफ (जीवन विज्ञान), गेट (ईवाई) क्वालिफाइड

पृष्ठभूमि : अनुसंधान अनुभव [टेरी-बीसीसीएल]: लैंडस्केप बहाली परियोजना, धनबाद-नई दिल्ली - 1.2 वर्ष
सहायक प्रबन्धक (अंबुजा-एसीसी सीमेंट): 1 वर्ष
सामरिक सलाहकार (भारत पढो) -1 वर्ष

2. शशिरंजन

क्षेत्र : स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट

योग्यता : बीई (इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग), टेक्नोक्रेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, आरजीपीवी भोपाल

पृष्ठभूमि : प्रोग्राम अफसर एट वर्ल्ड विथाउट ऑब्स्टैकल्स (14 महीने), टीच फॉर इंडिया (33 महीने)

3. रजनीगंधा

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट

योग्यता : पीजीडीएम (मार्केटिंग), आईटीएम बिजनेस स्कूल नवी मुंबई;
बी.टेक (बायोटेक्नोलॉजी), बंगाल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, यूजीसी नेट जेआरएफ (प्रबंधन)

पृष्ठभूमि : क्षेत्रीय बिक्री प्रमुख, अधिग्रहण विपणन और सूचना समाधान प्राइवेट लिमिटेड के रूप में बिक्री और विपणन में 4.5 वर्ष का अनुभव; मैनेजर सेल्स, एक्मे हाउसिंग और असिस्टेंट मैनेजर सेल्स एंड मार्केटिंग, वीवीएफ इंडिया लिमिटेड।

4. चाहत मारू

क्षेत्र : मार्केटिंग मैनेजमेंट

योग्यता : इलेक्ट्रॉनिक और संचार में बी.टेक - वीआईटी विश्वविद्यालय, वेल्लोर

पृष्ठभूमि : एचसीएल प्रौद्योगिकियों में सदस्य तकनीकी कर्मचारी, वीएलएसआई डोमेन: 22 महीने

5. रीना कुमारी

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस

योग्यता : एसीएस (कंपनी सचिव), सीए फाइनल, एम.कॉम (दिल्ली विश्वविद्यालय) यूजीसी नेट जेआरएफ (वाणिज्य)

पृष्ठभूमि : सेंट जेवियर्स कॉलेज, पटना और पटना महिला कॉलेज, पटना में वाणिज्य विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में 2 साल 3 महीने का अनुभव, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में 1 साल का सीए औद्योगिक प्रशिक्षण, सीए फर्म में ऑडिट सहायक के रूप में 2 साल का अनुभव

6. संतोषी गुप्ता

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस

योग्यता : एसोसिएट कंपनी सचिव: आईसीएसआई,
एम.कॉम (बिजनेस पॉलिसी एंड कॉरपोरेट गवर्नेंस): स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, इग्नू,
बी.कॉम दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, यूजीसी-जेआरएफ (वाणिज्य)

पृष्ठभूमि : संध्या प्रकाश लिमिटेड में नामित कंपनी सचिव: 1 वर्ष 2 महीने
प्रबन्धन विभाग, एनआईटी भोपाल में सहायक प्रोफेसर (वित्त): 6 महीने
गुप्ता और पोपली में वरिष्ठ सलाहकार (चार्टर्ड एकाउंटेंट्स): 18 महीने

7. फैजान अहमद

क्षेत्र : एकाउंटिंग एंड फाइनेंस

योग्यता : पीजीडी फाइनेंस, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूके बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (फाइनेंस), हल्ट इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, बोस्टन, यूएसए डिप्लोमा इन इकोनॉमिक्स, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूके

पृष्ठभूमि : प्रबन्धक-एम एंड ए डील ऑर्गनाइजेशन, टीआईएसएक्स कैपिटल एडवाइजर्स (32 महीने)
निवेश रणनीतिकार, ओल्ड ओक्स एसेट मैनेजमेंट (18 महीने)
बैट टीम लीडर, ब्लूमबर्ग एल.पी. (15 महीने)

8. शुभ मजूमदार

क्षेत्र : जनरल मैनेजमेंट
योग्यता : इलेक्ट्रॉनिक और संचार में बी.टेक (विशिष्टता), बिरला विश्वकर्मा महाविद्यालय
पृष्ठभूमि : बिजनेस एनालिस्ट एट स्त्रीबो इंक (6 महीने)
आईआईएम अहमदाबाद में विंटर इंटर्न (6 महीने)
शोध अनुभव : बिड़ला विश्वकर्मा महाविद्यालय में इंजीनियरिंग की पढ़ाई के दौरान सीएस जर्नल (यूएसए) में प्रकाशित शोध पत्र।
एक शोध परियोजना के लिए गुजरात सरकार (एसएसआईपी) से 1.35 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया।

9. भावेश भटनागर

क्षेत्र : ऑपरेशन्स मैनेजमेंट
योग्यता : एमई (औद्योगिक इंजीनियरिंग और प्रबंधन): एसजीएसआईटीएस इंदौर
बीई (मैकेनिकल इंजीनियरिंग): एलएनसीटी इंदौर
गेट 2015 एआईआर 1588 (मैकेनिकल) गेट 2019 एआईआर 73 (पीआई)
पृष्ठभूमि : सहायक प्रबंधक औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग: किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड: 18 महीने
सहायक प्रबंधक औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग: रोका इंडिया: 30 महीने

10. गौरव तिवारी

क्षेत्र : ऑपरेशन्स मैनेजमेंट
योग्यता : एम.टेक, कंप्यूटर इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, वारंगल बीई, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, दुर्ग
पृष्ठभूमि : सहायक प्रोफेसर, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, वीएनआर वीजेआईईटी, हैदराबाद (यूजीसी स्वायत्त): 3.5 वर्ष

11. वंदना कुमारी

क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिजनेस एनालिस्ट
योग्यता : सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक, यूआईईटी, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर
पृष्ठभूमि : प्रोमॉर्फ सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड में बिजनेस एनालिस्ट - 14 महीने

12. अनन्या एचआर

क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिजनेस एनालिस्ट
योग्यता : इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (विशिष्टता), डीएससीई, बैंगलोर में बी.ई
पृष्ठभूमि : इंफोसिस लिमिटेड में सिस्टम इंजीनियर (10.5 महीने), इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड में इंटर्नशिप (गुरुग्राम)

13. आनंद कुमार

क्षेत्र : इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिजनेस एनालिस्ट
योग्यता : इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग (विशिष्टता) में बी.ई., बिट मेसरा, रांची
पृष्ठभूमि : विप्रो लिमिटेड में बीआई डेवलपर के रूप में 3 वर्ष

14. खुशबू कुमारी

क्षेत्र : इकोनॉमिक्स
योग्यता : अर्थशास्त्र में एमए, सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय
अर्थशास्त्र में बीए ऑनर्स, सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची विश्वविद्यालय
यूजीसी-नेट जेआरएफ (अर्थशास्त्र) दिसंबर 2019

15. ऋचा सिंह

क्षेत्र : इकोनॉमिक्स
योग्यता : एमएससी अर्थशास्त्र, मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, अन्ना विश्वविद्यालय
बी.ए.अर्थशास्त्र, सेंट जेवियर्स मुंबई
पृष्ठभूमि : सहायक प्रबंधक, भविष्य कहनेवाला विश्लेषिकी: सिटीग्रुप ग्लोबल सर्विस, मुंबई -1.5 वर्ष,
ग्रुप मैनेजर, प्रेडिक्टिव एनालिटिक्स ैछै-बैंगलोर-5 साल

16. जयेश पांडेय

क्षेत्र : ओर्गनइजेशनल बेहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

योग्यता : पीजीडीएम - गोवा इंस्टीट्यूट ऑफ मेनेजमेंट, बी-टेक. इन इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग - चारोटर यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी

पृष्ठभूमि : करियर लॉन्चर में अकादमिक प्रमुख (15 महीने), एंडेवर करियर में वरिष्ठ प्रबंधक (36 महीने) इंफोसिस लिमिटेड में एसोसिएट सलाहकार (9 महीने)

17. शांति बनिशेट्टी

क्षेत्र : ओर्गनइजेशनल बेहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

योग्यता : GITAM विश्वविद्यालय, विशावापत्तनम से अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान में एमएससी,
आंध्र विश्वविद्यालय, विशावापत्तनम से बायोटेक में एमएससी,
आईबीएबी, बैंगलोर से जैव सूचना विज्ञान में पीजी डिप्लोमा
एंकरएनएलपी, नई दिल्ली से एनएलपी प्रैक्टिशनर प्रमाणन,
जीआरई 2020, एसपीएसपी छात्र सदस्य

पृष्ठभूमि : ओक्रिज इंटरनेशनल स्कूल में छात्र परामर्शदाता (बाल मनोवैज्ञानिक) (3 वर्ष)
प्रकिया अकादमी में शैक्षिक मनोवैज्ञानिक आर एंड डी (6 महीने)
राइज इंडिया प्राइवेट में यु एक्स रिसर्चर लीड। लिमिटेड (1.5 वर्ष)

18. स्नेहल चंद्र

क्षेत्र : ओर्गनइजेशनल बेहेवियर एंड ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट

योग्यता : बी.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग) - बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम कैट 2019

पृष्ठभूमि : स्नेहरशा एंटरप्राइजेज में 14 महीने के लिए सहायक प्रबंधक।

शोध अनुभव : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण लिमिटेड (एएआई), रांची (झारखंड)।

एग्जीक्यूटिव डाक्टरल प्रोग्राम 2020-24

(a) न्यूनतम कार्य अनुभवः

एक उम्मीदवार के पास संस्थान के ईपीएचडी कार्यक्रम में नामांकन के लिए शिक्षा के लक्षित वर्ष के 31 मार्च तक न्यूनतम 5 वर्ष का कार्य अनुभव होना चाहिए।

(b) शैक्षिक योग्यता पर पात्रताः

एमएचआरडी के परिपत्र के अनुसार, शैक्षिक योग्यता पर पात्रता के लिए, कार्यक्रम के लिए एक उम्मीदवार के पास किसी भी विश्वविद्यालय से प्राप्त निम्नलिखित योग्यता होनी चाहिए, जो भारत में केंद्रीय या राज्य विधायिका के अधिनियम या अन्य शैक्षणिक संस्थानों द्वारा स्थापित संसद का एक अधिनियम या यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत एक विश्वविद्यालय के रूप में समझा जाने वाला घोषित, या मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष योग्यता, या एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थान से समकक्ष योग्यता, या कोई भी मान्यता प्राप्त विदेशी विश्वविद्यालयों या संस्थानों से समकक्ष योग्यता हो।

(i) किसी भी विषय में प्रथम श्रेणी के साथ मास्टर डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा या इसके समकक्ष हो

या

(ii) बी.टेक / 4 साल की डिग्री के साथ 6.5 सीजीपीए या समकक्ष

या

(iii) कोई भी व्यावसायिक योग्यता बीकॉम / डिग्री के साथ सीए / आईसीडब्ल्यूए / सीएस जैसीकम से कम 55% कुल अंकों या समकक्ष ग्रेड बिंदु औसत के साथ।

(c) मानक टेस्ट स्कोरः

उम्मीदवारों को मानक टेस्ट के अंकों के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया था, अर्थात, i) कैट या ii) गेट या iii) नेट-जेआरएफ या iv) जीमैट या v) जीआरई, कैट, गेट, और नेट-जेआरएफ के लिए टेस्ट स्कोर की वैधता 2 साल (यानी 1 जुलाई 2018 या उसके बाद) होगी, जबकि जीमैट और जीआरआई के लिए 5 साल (यानी 1 जुलाई 2015 या उसके बाद) होंगी।

विभिन्न मानक परीक्षण स्कोर पर पात्रता मानदंड

	सामान्य	एनसी-ओबीसी	एससी	एसटी	पीडब्ल्यूडी	ईडब्ल्यूएस
कैट (प्रतिशत)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीआरई	292 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक	277 या उससे अधिक
गेट (प्रतिशत)	80 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर	75 या ऊपर
जीमैट	565 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक	537 या उससे अधिक
नेट-जेआरएफ (यूजीसी/ सीएसआईआर)	विज्ञापन के पत्र के अनुसार जेआरएफ पत्र के साथ केवल योग्य उम्मीदवारों को (केवल नेट उत्तीर्ण उम्मीदवार पात्र नहीं होंगे।)					

उम्मीदवारों की निम्नलिखित श्रेणियों को उपरोक्त मानक परीक्षण स्कोर से छूट दी गई है:

- 10.00 में से न्यूनतम 6.50 सीजीपीए (से) या समकक्ष के साथ किसी भी भारतीय प्रबन्धन संस्थान या मान्यता प्राप्त संस्थानों (एएसीएसबी/एएमबीए/ईक्यूयूआईएस)के पीजीपी कार्यक्रमों के पूर्व छात्र

या

- सरकारी कर्मचारी कम से कम 10 वर्षों के प्रशासनिक अनुभव (केंद्रीय/राज्य सिविल सेवा/सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक/पीएसयू आदि)

या

- कम से कम 10 वर्षों के प्रबंधकीय अनुभव के साथ कॉर्पोरेट अधिकारी/परामर्शदाता/एनजीओ पेशेवर

या

- किसी प्रतिष्ठित संस्थान से अंतिम योग्यता और स्नातकोत्तर स्तर के शिक्षण अनुभव के न्यूनतम 3 वर्ष के साथ प्रबंध शिक्षक।

कार्यक्रम के लिए कुल 246 उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। 246 आवेदकों में से 115 प्रस्तुति और व्यक्तिगत साक्षात्कार के लिए चुना गया था। यह शॉर्टलिस्ट कैट/जीमैट/गेट/यूजीसी या सीएसआईआर-जेआरएफ प्रदर्शन, कार्य अनुभव और मास्टर डिग्री पर आधारित थी। अंततः, पच्चीस (25) को ईपीएच.डी (2020) में प्रवेश दिया गया।

ई.पी.एच.डी. 2020 के छात्रों की सूची		
क्र.सं.	**क्षेत्र**	**छात्र का नाम**
1	**एकाउंटिंग एंड फाइनेंस**	कौशिक देसरकर
2		संजय शानभागी
3		सौमिक भूषण
4	**जनरल मैनेजमेंट**	भुवना नटराजन
5		कृष्ण कुमार महालिंगम
6		उज्जवल ताही
7	**इनफार्मेशन सिस्टम एंड बिजनेस एनालिटिक्स**	जगदीश वाराणसी
8		नागंबम अजीत कुमार सिंह
9		सिद्धार्थ वदेहरा
10		सुधांशु शेवर सेनापति
11	**मार्केटिंग मैनेजमेंट**	अनुपम भट्टाचार्जी
12		एस श्रीराम
13		सुबिमल कुमार सरमाह
14	**ओबी एंड एचआर**	बिभु रंजन साहू
15		हर्ष सिंह
16		रेणुका वर्मा
17	**ऑपरेशन्स मैनेजमेंट**	ए वी एस एस सूर्य श्रीनिवास
18		आलोक कुमार
19		कपिल देब
20		नवीन ठाकुर
21		सचिन शेवर
22	**स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट**	आरोहिणी नारायण
23		देबाशीष दासो
24		दीपक माथुरी
25		संदीप भटनागर

प्लेसमेंट

फाइनल प्लेसमेंट एमबीए और एमबीए एचआर

एमबीए फैनल प्लेसमेंट	
कुल छात्र	201
कुल कंपनियों का दौरा	128
नई कंपनियों का दौरा	97
औसत सीटीसी	₹14.69 लाख प्रति वर्ष
माध्य सीटीसी	₹14.95 लाख प्रति वर्ष
उच्चतम सीटीसी	₹26.50 लाख प्रति वर्ष

एमबीए-एचआर फैनल प्लेसमेंट	
कुल छात्र	72
कुल कंपनियों का दौरा	50
नई कंपनियों का दौरा	22
औसत सीटीसी	₹ 29.75 कुल कंपनियों का दौरा
माध्य सीटीसी	₹ 14.68 कुल कंपनियों का दौरा
उच्चतम सीटीसी	₹ 14.00 कुल कंपनियों का दौरा

एमबीए फाइनल प्लेसमेंट डोमेन-वाइज हाइलाइट्स:

स्ट्रेटेजी एंड कंसल्टिंग	
पेशकश की गई शीर्ष प्रोफाइल	**प्रमुख नियोक्ता**
आईटी कंसल्टिंग बिजनेस स्ट्रैटेजिस्ट अकाउंट मैनेजमेंट स्ट्रेटेजिक एडवाइजरी मैनेजमेंट कंसल्टिंग आदि	डेलॉइट, केपीएमजी, O9 सॉल्यूशंस, एक्सेंचर, कॉग्निजेंट, सैमसंग आर एंड डी और कई अन्य

फाइनेंस	
पेशकश की गई शीर्ष प्रोफाइल	**प्रमुख नियोक्ता**
असेस्ट मैनेजमेंट वेल्थ मैनेजमेंट इन्वेस्टमेंट एनालिस्ट कॉर्पोरेट बैंकिंग रिटेल बैंकिंग आदि	आईसीआईसीआई बैंक, जेपीएमसी, एचएसबीसी, ऑक्सेन पार्टनर्स, आरबीएल बैंक, ट्रेविस्टा, यस बैंक आदि।

सेल्स एंड मार्केटिंग	
पेशकश की गई शीर्ष प्रोफाइल	**प्रमुख नियोक्ता**
कैंपेन मैनेजर टेरिटरी सेल्स मैनेजर एजाइल सेल्स ब्रांड मैनेजर बी2बी सेल्स आदी	श्याओमी, गोदरेज सीपी, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, आदित्य बिड़ला कैपिटल, लोरियल, टीवीएस मोटर्स, कोटक महिंद्रा बैंक, एयरटेल, एशियन पेंट्स, वंडरबॉट्ज आदि।

ऑपरेशन एंड जनरल मैनेजमेंट	
पेशकश की गई शीर्ष प्रोफाइल	**प्रमुख नियोक्ता**
सप्लाई चौन मैनेजमेंट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट स्ट्रेटेजिक सोर्सिंग एंड प्रोक्योरमेंट ऑपरेशन्स मैनेजमेंट कस्टमर सक्सेस मैनेजर आदि।	टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कमिंस, अल्ट्राटेक, वेदांत, अदानी विल्मर और कई अन्य

आईटी एंड एनालिटिक्स	
पेशकश की गई शीर्ष प्रोफाइल	**प्रमुख नियोक्ता**
प्रोडक्ट मैनेजमेंट बिजनेस एनालिस्ट एप्लीकेशन मैनेजर डिजिटल कंसलटेंट प्रोजेक्ट मैनेजमेंट आदि	कैपजेमिनी, इंफोसिस, एपिकिनडिफाई, डेल टेक्नोलॉजीज, टाटा एलेक्सी, बिरलासॉफ्ट

एमबीए एचआर के लिए ऑफर किए गए शीर्ष प्रोफाइल	
टॉप प्रोफाइल ऑफर	**प्रोमिनेंट एसोसिएशन**
कंपनसेशन एंड बेनिफिट्स एच आर एनालिटिक्स एच आर बिजनेस पार्टनर एच आर कंसलटेंट	एचआर ऑपरेशन्स इंडस्ट्रियल रिलेशन्स लर्निंग एंड डेवलोपमेन्ट परफॉरमेंस मैनेजमेंट

एमबीए और एमबीए एचआर बैचों के अंतिम प्लेसमेंट के लिए प्रमुख नियोक्ता

एक्सेंचर	डी शॉ	इंफोसिस	आरबीएल फिनसर्व
अदानी विल्मर	डैल	इंटेलो लैब्स	रेड फोर्ट कैपिटल
आदित्य बिड़ला कैपिटल	डेलॉयट	जेपी मॉर्गन चेस	रोलिंग ऐरे
एफिनिटी ग्लोबल	डीएस ग्रुप्स	कोटक महिंद्रा बैंक	रूट टू मार्केट
अगोइस	डीटीडीसी	केपीएमजी	सैमसंग आर एंड डी
एग्रोटेक फूड्स	ई एंड वाई	कुब्रीक	सोमानी इम्प्रेसा (हिंदवेयर)
एयरटेल	एपिकइन्डिफाई	एल एंड टी	सोनाटा सॉफ्टवेयर
एनालॉग डीवाईसेस	फ्लिपकार्ट	लॉरियल	टाटा एलेक्सी
आर्सेलर मित्तल निप्पॉन स्टील	फ्रीयर सॉल्यूशंस	महिंद्रा एंड महिंद्रा	टाटा स्टील
एशियन पेंट्स	गेल	मारुति सुजुकी प्रा. लिमिटेड	टाटा स्टील बीएसएल
एविग्नी	गोदरेज	मावेरिक	टेक महिंद्रा
बैन कैपेबीलिटी नेटवर्क	हैशेडइन	माइंडट्री	थेंकस
बिरलासॉफ्ट	एचएफसीएल	मोनोसेप्ट	ट्रेस्विस्ता
ब्रिटानिया	हिकल	एमपीएल गेमिंग	टीवीएस मोटर्स
बायजूस	हिंदवेयर	एनपीसीआई	अल्ट्राटेक
कैपजेमिनी	हाइवमाइंड्स	एनएसडीसी	उर्जानेट
कैपिटल फूड्स	एचएसबीसी	09 सोलूशन्स	उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक
सिपाल	आईबीएम	ऑक्सेन पार्टनर्स	वी2 रिटेल
कोडीफाईड	आईसीआईसीआई बैंक	पैंटालूंस	वेदान्त
कॉग्निजेंट	आईसीआईसीआई लोम्बार्ड	फैबल	विजन स्प्रिंग
कॉलेज दुनिया	इन्डिजेन	फार्माऐस	वंडरबोट्ज
क्राफ्ट सिलिकॉन	इंडियामार्ट	पाइन लैब्स	श्याओमी
क्युर्मिस	इंडेक्स कैपिटल	कुरे.ऐ	यस बैंक

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट एमबीए और एमबीए एचआर

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट	
एमबीए	
उच्चतम स्टाइपेंड	₹ 3,36,600
औसत स्टाइपेंड	₹ 97,500
माध्य स्टाइपेंड	₹ 73,000
नई कंपनियां	110

ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट	
एमबीए-एचआर	
उच्चतम स्टाइपेंड	₹ 2,89,000
औसत स्टाइपेंड	₹100,600
माध्य स्टाइपेंड	₹ 85,900
नई कंपनियां	39

एमबीए उद्योग-वार विवरण

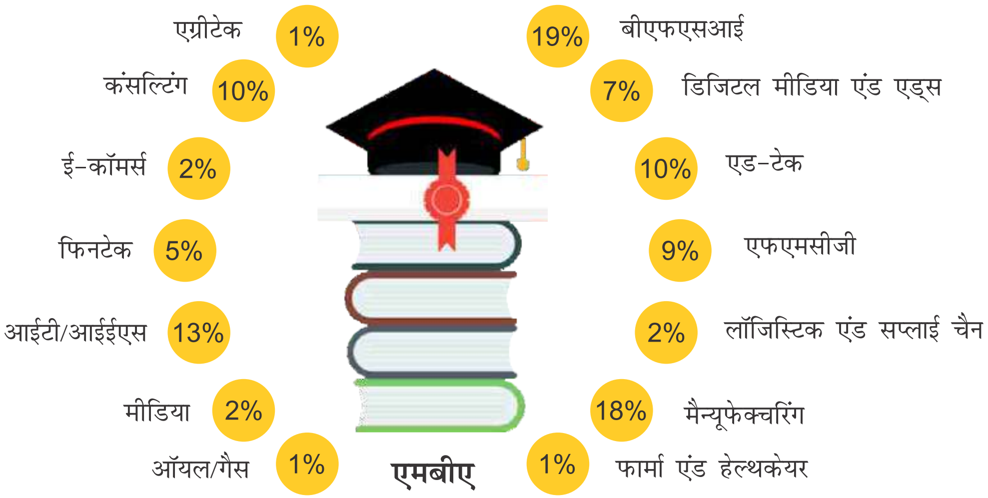

एमबीए एचआर उद्योग-वार विवरण

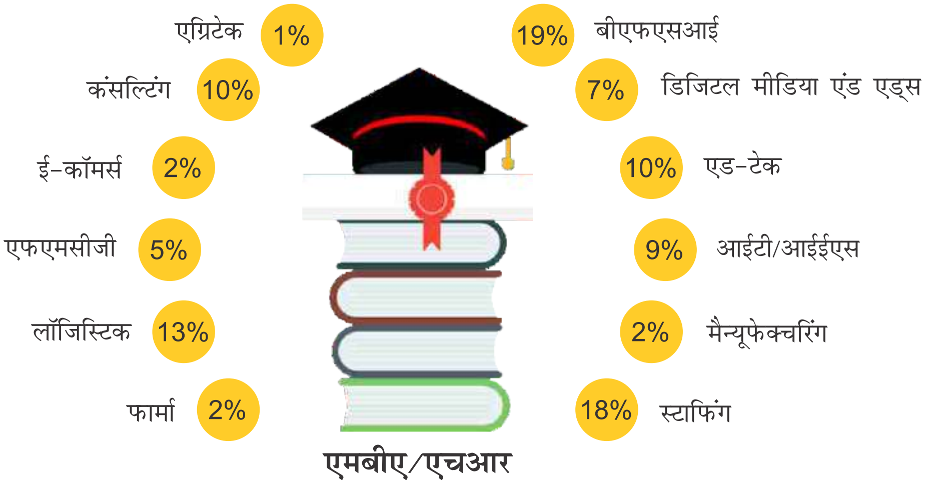

एमबीए ग्रीष्मकालीन प्लेसमेंट हाइलाइट्स

सेल्स एंड मार्केटिंग	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
डिजिटल एंड सोशल मीडिया मार्केटिंग, बिजनस डेवलपमेंट, मार्केट रिसर्च एंड इंटेलिजेंस, प्रोडक्ट मार्केटिंग आदि।	एशियन पेंट्स, एग्रोटेक फूड्स, इमामी एग्रोटेक, बर्गर किंग, काम आयुर्वेद, गोदरेज, ब्रिटानिया, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, मीरो टाटा स्टील, टाइटन, डीसीएम श्रीराम, लुब्रीजोल और अन्यकई
उच्चतम स्टाइपेंड 3,36,600 औसत स्टाइपेंड 97,187	

फाइनेंस	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
रिस्क एनालीटिक्स, लाइबिलिटी मैनेजमेंट, इन्वेस्टमेंट रिसर्च, कॉर्पोरेट फाइनेंस, इक्विटी रिसर्च आदि। रिस्क एनालीटिक्स, लाइबिलिटी मैनेजमेंट	डीई शॉ, जेपी मॉर्गन चेस, आईसीआईसीआई बैंक, अवीवा इंडिया, जीएम फाइनेंशियल सर्विसेज, आदित्य बिड़ला कैपिटल, कैपजेमिनी और अन्यकई
उच्चतम स्टाइपेंड: 2,89,700 औसत स्टिपेन्ड 1,02,600	

ऑपरेशन एंड जनरल मैनेजमेंट	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
ऑपरेशन्स एनालिटिक्स, स्ट्रेटेजिक सोर्सिंग, सप्लाई चौन एंड प्रोक्योरमेंट, ऑपरेशन्स एनालिटिक्स आदि	कैपजेमिनी, गोदरेज, कमिंस, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, बर्गर किंग, टाटा स्टील लॉन्ग प्रोडक्ट्स आदि।
उच्चतम स्टाइपेंड: 3,36,600 औसत स्टिपेन्ड 87,800	

स्ट्रेटेजी एंड कंसल्टिंग	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
स्ट्रेटेजी एंड कंसल्टिंग, बिजनेस डेवलपमेंट, कॉर्पोरेट स्ट्रेटेजी एंड प्लानिंग, टेक स्ट्रेटेजी एंड एनालिटिक्स आदि	कॉग्निजेंट, यस बैंक, ट्रैरिटी कंसल्टिंग आदि।
उच्चतम स्टाइपेंड: 1,43,900 औसत स्टिपेन्ड 86,500	

आईटी एंड एनालिटिक्स	
शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	**प्रमुख नियोक्ता**
प्रोजेक्ट मैनेजमेंट, बिजनस इंटेलिजेंस, डेटा एनालिस्ट, बिजनस एनालिस्ट, प्रोडक्ट एनालिस्ट आदि ।	आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, एपिकिनडिफाई कैपजेमिनी, लाइफसाइट नेविगेटर सॉफ्टवेयर आदि।
उच्चतम स्टाइपेंड: 1,96,900 औसत स्टिपेन्ड 1,30,800	

एमबीए एचआर ग्रीष्मकालीन (समर) प्लेसमेंट हाइलाइट

शीर्ष प्रोफाइल की पेशकश	प्रमुख नियोक्ता
ह्यूमन रिसोर्स जनरलिस्ट, इंडस्ट्रियल रिलेशस लर्निंग एड डेवलोपमेन्ट, कॉर्पोरेट सोशल रस्पोंसिबिलिटी एड सस्टेनेबिलिटी चेंज मैनेजमेंट, एचआर एनलिटिक्स, टैलेंट एक्वीजीशन आदि	आदित्य बिड़ला कैपिटल, आगमहिल नेचुरल्स, सिस्को, सीजे डारसेल लॉजिस्टिक्स, क्लोवर, कॉग्निजेंट, डीई शॉ, डेलॉइट, इमामी एग्रोटेक, एक्सली, माइस्कूट, फिनक्राफ्ट, फ्लिपकार्ट, हायरटेल, होमबाजार, कुब्रिक, एलएंडटी, लेटेंट व्यू एनालिटिक्स, मानेवा कंसल्टिंग, मेडजीनोम, नीडफिल, पॉलीप्लास्टिक इंडस्ट्रीज, पूर्णथा, कुरे.एई, रेफ्रैक्ट कंसल्टिंग, रोहन बिल्डर, सैमसंग, समुन्नती, सिंघी एडवाइजर्स, सोलरअप, सूथ हेल्थकेयर, सोलफ्लॉवर, सेरेस्टा नेचुरल बायोप्रोडक्ट्स, टैलेंटसर्व, टाटा स्टील, द डेटा टीम, अल्ट्राटेक, वोल्वो, विप्रो सीसीएल।

विमर्श 2020-21 (वर्चुअल कॉर्पोरेट लीडर्स लेक्चर सीरीज)

नाम	संगठन का नाम	पदनाम
कैप्टन प्रणव प्रसून	रेनॉल्ट इंडिया	मानव संसाधन प्रमुख
कैप्टन समीर भटनागर	एपी मोलर - मार्स्की	महाप्रबंधक - संचालन,
डॉ. प्रशांत पी. सालगांवकर	शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप ई एंड सी डिवीजन	सीएचआरओ
श्री अमनदीप एस मुनियाल	बीएमजीआई	सीनियर प्रिंसिपल कंसल्टेंट और बिजनेस हेड
श्री अनिल कुमार मिश्रा	प्लाडिस ग्लोबल	राष्ट्रीय रसद प्रमुख
श्री अनुज रंजन	भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई)	महाप्रबंधक
श्री चेतन प्रकाश	ब्रिटिश परिषद	मानव संसाधन प्रमुख, दक्षिण एशिया
श्री डेविड स्टीवन जैकोबी	बोस्टन रणनीतियाँ इंटरनेशनल	अध्यक्ष

नाम	संगठन का नाम	पदनाम
श्री दीपक भाटिया	एसएलके ग्लोबल सॉल्यूशंस	सीईओ
श्री कमल कुमार	मीरो	डिलीवरी हेड-इंडिया,
श्री केदार अपशंकर	आदित्य बिड़ला ग्रुप	अध्यक्ष और सीओओ
श्री कुमार राघवेंद्र	प्रोक्टर एंड गैंबल	क्लस्टर सीईओ, दिल्ली और मॉडर्न रिटेल ऑपरेशंस लीडर
श्री मितेश शाह	बुक माई शो	वित्त विभाग के प्रमुख
श्री मोहित सैनी	वेक्टर कंसल्टिंग ग्रुप	प्रोजेक्ट मैनेजर
श्री निखिल कामथ	जेरोधा	सह-संस्थापक और सीआईओ
श्री नीलांजन मुखर्जी	रिलैक्सो ग्रुप	उप महाप्रबंधक एचआर
श्री प्रमोद शाह	टाटा कैपिटल	डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट - एचआर
श्री प्रतीक जोशी	पतंजलि आयुर्वेद	व्यवसाय विकास प्रमुख
श्री राज साहू	यूटोबो	सह-संस्थापक और सीईओ
श्री रणदीप सिंह	होनो.एआई	मुख्य परिचालन अधिकारी
श्री रोहित हल्दांकर	विक्टोरिनॉक्स	हेड डिजिटल मार्केटिंग
श्री संदीप के रुहेला	एस्कॉर्ट्स लिमिटेड	प्रमुख समूह रणनीति
श्री संजय चतुर्वेदी	हिल्टी इंडिया	निदेशक मानव संसाधन
श्री संजय काओ	उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक	हेड एचआर
श्री शिशिर कुमार	एयरबस	प्रमुख पुरस्कार और विकास
श्री श्रीकांत चुंडी	डीसीएम श्रीराम लिमिटेड	उप व्यापार प्रमुख
श्री सुब्रमण्यम (सुब्बू) एन.एन	मावेरिक सिस्टम्स लिमिटेड	गुणवत्ता इंजीनियरिंग सेवा इकाई के निदेशक और वैश्विक प्रमुख
श्री सुमित नियोगी	लुब्रीजोल कॉर्पोरेशन	मानव संसाधन निदेशक
श्री तोजो जोस	मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड	मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
श्री विश्वनाथ राजू	एक्सिसकेदेस	प्रतिभा अधिग्रहण के वैश्विक प्रमुख
श्री अभिषेक सोंथालिया	टाटा म्यूचुअल फंड	फंड मैनेजर - क्रेडिट रणनीतियाँ
श्री आदित्य मलिक	रणनीति-	निदेशक
श्री अनिल भसीन	हैवेल्स इंडिया लिमिटेड	अध्यक्ष
श्री अंकुर गोयल	फोंटेरा फ्यूचर डेयरी प्राइवेट लिमिटेड	एचआरबीपी
श्री आशुतोष इनामदार	ल्यूपिन	महाप्रबंधक- रणनीति प्रकोष्ठ
श्री अतुलया गोस्वामी	यूपीएल	मानव संसाधन प्रमुख (भारतीय उपमहाद्वीप)
श्री आयुष दोशि	डैमैक प्रॉपर्टीज	उपाध्यक्ष - नेतृत्व की भर्ती
श्री दिनेश रेड्डी	पीपीडी	एपीएसी भर्ती लीड
श्री मैथ्यू जोसेफ	अपार टेक्नोलॉजीज	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस लैब्स के उपाध्यक्ष और प्रमुख (सीआईएमबी बैंक)
श्री मूर्ति एस एन	कोन्दुएन्त	वरिष्ठ निदेशक
श्री मुस्सरत हुसैन	मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड	प्रमुख - नेतृत्व और मानव संसाधन परिवर्तन
श्री प्रतीक ओसवाल	मोतीलाल ओसवाल एसेट मैनेजमेंट	हेड पैसिव फंड्स
श्री प्रवीण कामथ कुंबला	विप्रो	महाप्रबंधक और मानव संसाधन प्रमुख-वैश्विक वितरण और सक्षमता
श्री रवीन्द्र जेना	क्रेडिट सुइस इंडिया	रणनीति और कार्यक्रम प्रमुख
श्री राम गोपाल	बार्कलेज इन्वेस्टमेंट बैंक।	सीईओ

नाम	संगठन का नाम	पदनाम
श्री रेनी जॉन	आईबीएम	प्रैक्टिस लीडर-डिजिटल बिजनेस स्ट्रैटेजी, टेक्नोलॉजी एंड डेटा स्ट्रैटेजी और स्मार्ट सिटीज
श्री समीर शुक्ला	नीलसन ग्लोबल कनेक्ट	एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एंड रिटेल इंटेलिजेंस लीडर फॉर साउथ एशिया
श्री संदेश शेट्टी	एक्सप्लिको पीटीई लिमिटेड	सह संस्थापक
श्री संजय बी सह	रेडिंगटन इंडिया	राष्ट्रीय बिक्री प्रमुख
श्री श्रीकांत लोणीकार	पेरनोड रिकार्ड	सीएचआरओ और बोर्ड सदस्य
श्री सिद्धार्थ कपूर	दनोन	व्यापार प्रमुख, भारत एसईऐ क्षेत्र
श्री सोरबोजीत चटर्जी	हैप्प कोच	सह-संस्थापक और सीईओ
श्री श्रीपाल जैन	सीमांधर एजुकेशन	सह-संस्थापक और अध्यक्ष
श्री सुमित भाटिया	एसई 2	मानव संसाधन प्रमुख
श्री सुनील नायक	डीएचएल	निदेशक मानव संसाधन - भारत और दक्षिण एशिया
श्री तोजो ईपेन	स्टैंटन चेस	पार्टनर
श्री वरुण सखुजा	मास्टरकार्ड लैब्स, एशिया पैसिफिक	निदेशक, नवाचार प्रबंधन
श्री वेंकटरमन एस वी	एएनजेड बैंक	प्रबंध संचालक
श्री विनोद परूर	नीलकमल लिमिटेड	मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
सुश्री अनुराधा श्रीराम	आदित्य बिड़ला स्वास्थ्य बीमा	चीफ एक्चुरियल ऑफिस
सुश्री आशिमा दीपक कौल	ब्लैकबेरी	हेड एचआर एंड एडमिन
सुश्री भव्या मिश्रा	पेप्सिको	एचआर निदेशक- वाणिज्यिक, वित्त और आईटी
सुश्री गैब्रिएला एम	सीरियस ग्लोबल एकेडमिक डिप्लोमेसी 4.0	सह-संस्थापक और सीईओ
सुश्री मोनिका मारवाह	एनसीआर कॉरपोरेशन	यूनिवर्सिटी हायरिंग लीडर, एशिया पैसिफिक और जापान
सुश्री पल्लवी चौधरी	पेर्फेटी वैन मेल्ले	वैश्विक खरीद सेवाओं के प्रमुख
सुश्री रजिता सिंह	ब्रॉड्रिज	मानव संसाधन प्रमुख
सुश्री सौम्या चोपड़ा	कारस 24	वरिष्ठ प्रबंधक, ग्राहक अनुभव प्रक्रिया और प्रक्रिया उत्कृष्टता
सुश्री श्वेता गोएला	सेफएक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड	सहायक महाप्रबंधक, कॉर्पोरेट रणनीति
सुश्री अंकिता सोमानी	गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड	एचआर सीओई (भारत और सार्क व्यापार)
सुश्री आशा सुब्रमण्यम	गोआईबिबो	मानव संसाधन के वरिष्ठ निदेशक
सुश्री मानसी संघवी	ऐक्सिस बैंक	सहायक उपाध्यक्ष
सुश्री रतिका मित्तल	बीएमडब्ल्यू वित्तीय सेवाएं	पूर्व मुख्य बिक्री और विपणन अधिकारी

आंतरिक शिकायत समिति

यौन उत्पीड़न के मामलों पर वार्षिक विवरणी

अवधि: 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021

क्र.संख्या	विवरण	मंत्रालय विभाग	स्वायत्त निकाय
1.	वर्ष में प्राप्त उत्पीड़न की शिकायतों की संख्या	–	शून्य
2.	वर्ष के दौरान निपटाई गई शिकायतों की संख्या	–	शून्य
3.	90 दिनों से अधिक समय से लंबित मामलों की संख्या	–	शून्य
4.	वर्ष के दौरान यौन उत्पीड़न के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रमों पर आयोजित कार्यशालाओं की संख्या	–	इस अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां की गई हैं– • रासबेड़ा में महिला दिवस 2020 समारोह • वेबिनार: शी द पीपल टीवी • #21 डेजअल्लेचैलेंज : विजेता • बी एन अल्ले • पुरुष दिवस समारोह • सक्रियता के 16 दिन: लेख लेखन प्रतियोगिता • साल भर की सोशल मीडिया जागरूकता • महिला दिवस समारोह: सप्ताह भर चलने वाला अभियान मीट माय पिल्लर्स
5.	क्रिया की प्रकृति	–	लागू नहीं

गतिविधियां और कार्यक्रम

उत्कृष्टता के केंद्रः अटल बिहारी वाजपेयी फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस

लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस के लिए अटल बिहारी वाजपेयी केन्द्र (ABVCLPG) को दिवंगत प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के दर्शन के एक सक्रिय प्रतीक के रूप में देखा गया है। केंद्र नेतृत्व, नीति और कॉर्पोरेट एवं राजनीतिक शासन की पंक्ति में कार्यक्रम आयोजित करके स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण के अनुरूप काम कर रहा है। इसका उद्देश्य सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और स्थानीय प्रशासन को उनकी योजनाओं और नीतियों को लागू करने के लिए पेशेवर परामर्श, सलाह और समर्थन का लाभ उठाना है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि लक्ष्य झारखण्ड राज्य के अनुरूप हैं। केंद्र का उद्देश्य जीवंत ज्ञान केंद्र के रूप में उभरना है जो नेतृत्व, नीति और शासन में विद्वानों की बातचीत को बतलाता है। यह आगे एक थिंक-टैंक के रूप में प्रकट होने का प्रयास करेगा और नेतृत्व, नीति और शासन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बहु-विषयक अनुसंधान क्षेत्रों को कवर करेगा। दिवंगत प्रधान मंत्री अटल बिहारी वाजपेयी एक कुशल संचारक थे, जिनकी भाषा की महारत ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वह दूरसंचार क्रांति के शिल्पकार थे और लोगों, गांवों और शहरों को एक साथ लाते थे। यह विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से खुद को स्थापित करने और दृढ़ नीति और शासन रणनीतियों की नींव के साथ नेताओं, प्रशासकों और प्रबंधकों का एक पूल विकसित करने की भी इच्छा रखता है। इसके अलावा, केंद्र पूरे उत्तर-पूर्वी भारत में कई संस्थानों के साथ नेटवर्क स्थापित करेगा और ज्ञान को विभाजित करने के लिए एक संस्थागत नेटवर्क स्थापित करेगा।

इसके अतिरिक्त, यह विभिन्न नवोन्मेषी राउंड टेबल सम्मेलन, ई-संगोष्ठी और प्रभावशाली समर स्कूल/विंटर स्कूल कार्यक्रम भी आयोजित करता है। दुनिया भर में विभिन्न थिंक टैंक, नीति पेशेवरों और चिकित्सकों के साथ मजबूत सहयोगी नेटवर्क और साझेदारी के माध्यम से सार्वजनिक नीति के कई क्षेत्रों में केंद्र के काम को लगातार मजबूत किया जा रहा है।

मैनेजमेंट ऑफ द सेंटर

अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (ABVCLPG) शासी निकाय द्वारा शासित है जिसमें भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची (आईआईएम रांची) के संकाय सदस्य शामिल हैं।

शासी निकाय परिषद के सदस्यों की सूची नीचे दी गई हैः

- प्रो. गौरव मनोहर मराठे, सह-अध्यक्ष
- प्रो. आदित्य शंकर मिश्रा, सह-अध्यक्ष
- प्रो साक्षी
- प्रो. अंगशुमान हजारिका

1. वेबिनार ऑन फर्स्ट-अमंग इक्वलस

सम्मानित अतिथिः

प्रो. विशाल गुप्ता-आईआईएम, अहमदाबाद

दिनांक : 06 जुलाई, 2020

समय : 11:30 पूर्वाह्न से 12:30 अपराह्न

वेबिनार का विषय: ट्रीट फॉर लीप: लीडरशिप फॉर न्यू-एज ऑर्गेनाइजेशन

प्रो. गुप्ता ने अपनी प्रस्तुति द्वारा समर्थित वेबिनार में निम्न विषयों पर चर्चा की:

उन्होंने अपनी पुस्तक 'फर्स्ट एमंग इक्वल्स: टी-आर-ई-ए-टी' लीडरशिप फॉर 'एल-ई-ए-पी' इन ए नॉलेज-बेस्ड वर्ल्ड' के माध्यम से जो महत्वपूर्ण तर्क दिया है, वह यह है कि भविष्य में मनुष्य केवल नए युग के संगठनों के माध्यम से ज्ञान पर आधारित कार्य ही करेगा।

- ट्रीट में टी का मतलब टास्क ओरिएंटेशन है। इसका मतलब है कि एक नेता को कार्य-उन्मुख होना चाहिए। एक नेता के चार व्यवहार होते हैं- दृष्टि-सेटिंग (स्पष्टीकरण), निगरानी, समस्या-समाधान और बफरिंग। कार्य अभिविन्यास आवश्यक है लेकिन पर्याप्त शर्त नहीं है।

- ट्रीट में आर का मतलब रिलेशन ओरिएंटेशन है। मजबूत पारस्परिक संबंधों के विकास की आवश्यकता है। इसमें प्रेरक, समर्थन और व्यवहार को पहचानना शामिल है। वह घटना जो एसएलवी -3 परप्रकाश डाला गया था जहां प्रो. साराभाई ने असफल प्रक्षेपण के लिए दोष लिया, लेकिन डॉ एपीजे अब्दुल कलाम को सफल प्रक्षेपण का श्रेय लेने की अनुमति दी। उदाहरण बताता है कि एक नेता को असफलता की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और अपनी टीम को सफलता का श्रेय देना चाहिए।

- ट्रीट में ई का मतलब सशक्तिकरण है। नेताओं को ऐसे लोगों के साथ खड़ा होना चाहिए जो ईमानदार हो और ईमानदारी से प्रयास करते हैं। नेताओं को अधीनस्थों को सशक्त बनाने की आवश्यकता होती है, जिससे उन्हें अन्य गतिविधियों के लिए समर्पित करने के लिए अधिक समय मिलता है। इसके अतिरिक्त, अधीनस्थ कर्मचारियों को शामिल करने और उन्हें निर्णयों का हिस्सा बनाने के परिणामस्वरूप भी वे निष्कर्षों को बेहतर तरीके से स्वीकार करेंगे।

- ट्रीट में ए का मतलब प्रामाणिकता है। वक्ता अनुशंसा करता है कि लोग एक आईने के सामने खड़े हों और यह मूल्यांकन करें कि क्या उन्हें अपने कार्यों और व्यवहार पर गर्व है। हमें खुद को आईने के सामने देखना चाहिए और खुद को समझना चाहिए। नेताओं को नम्रता, सत्यनिष्ठा, साहस और कड़ी मेहनत में उच्च मानक स्थापित करना चाहिए।

- ट्रीट में टी का मतलब टीम-बिल्डिंग है। एक आदर्श टीम बनाने वाले आवश्यक गुण मनोवैज्ञानिक सुरक्षा, सभी के लिए योगदान करने का अवसर और सामाजिक संवेदनशीलता हैं। कर्मचारियों के लिए टीम से जुड़ाव विकसित करना और नेताओं के रूप में विकसित होना भी आवश्यक है।

- लीप की अवधारणा के बारे में बोलते हुए, वह उन चार मूलभूत मूल्यों पर विचार करता है जिन पर नेतृत्व आधारित है। नेतृत्व, आनंद और स्वायत्तता ये तीन मूल्य हैं जो ''प्रदर्शन'', चौथा मूल्य लाता हैं। आम नेतृत्व व्याख्यान में, लोग प्रदर्शन के बारे में बात करते हैं लेकिन अन्य मूल्यों पर जोर नहीं देते हैं। वेबिनार और प्रस्तुति के अंत में प्रो. गुप्ता ने दर्शकों के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने माननीय निदेशक को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनके शोध का पर्यवेक्षण किया।

2. वेबिनार ऑन डेयर टू लीड थ्रू क्राइसिस

सम्मानित अतिथि:

डॉ. पी जी रघु रमन-प्रबंध निदेशक, मुख्य जोखिम अधिकारी- विकास बाजार, एक्सेंचर

दिनांक : 24 जुलाई, 2020

समय : दोपहर 12 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक

Excerpts from the Webinar:

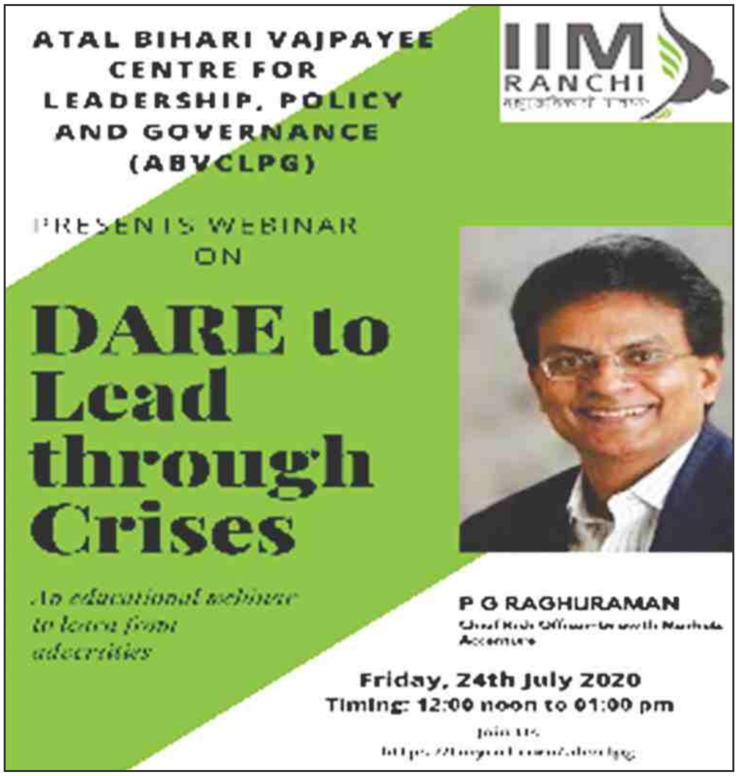

वेबिनार के अंश:

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (ABVCLPG) ने ''डेयर टू लीड थ्रू क्राइसिस'' नामक एक वेबिनार का सफलतापूर्वक आयोजन किया था, जो शुक्रवार, 24 जुलाई, 2020 को आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. पी जी रघुरामन थे।

डॉ. पी जी रघुरामन, प्रबंध निदेशक, मुख्य जोखिम अधिकारी - ग्रोथ मार्केट्स, एक्सेंचर जिन्हें 31 वर्षों का समग्र अनुभव है। उन्होंने एमबीए और पीएच.डी. की डिग्री भारतीय प्रबन्धन संस्थान लखनऊ से प्राप्त की, डॉ. पी जी रघुरामन ने सीईओ के लचीलेपन के विषय पर कुछ व्यावहारिक सुझाव और तरकीबें साझा कीं। इन विषयों में व्यापक श्रेणी के व्यापक आर्थिक संकट, व्यापार युद्ध, महामारी जैसे कोविड-19, नई डिजिटल और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे प्रौद्योगिकियों का तेजी से उदय, गहन जनसांख्यिकीय बदलाव शामिल थे। उन्होंने लचीलेपन पर जोर दिया और अंत में यह कहा कि संकट से जानबूझकर गुजरना और प्रेरणादायक होता है। यह याद रखना चाहिए कि डेयर में डी-डिसरप्शन -रेडी एंड डिजिटली सेवी, ए -अडाप्टिव एंड ऑथेंटिक, आर-रेसिलिएंट और इ-एक्सेक्यूटिव एक्सीलेंस का प्रतीक है।

3. इ-सिम्पोजियम सीरीज:वीमेन ऑफ फेथ-सीरीज

सम्मानित अतिथि:

1. पायल अग्रवाल, चायओम के संस्थापक, जेलेना ट्रैंक्विलिटा,
2. दिशा सिंह, जौक की संस्थापक,
3. जपना ऋषि कौशिक, हंग्री फॉल के सह-संस्थापक

दिनांक : 7 अगस्त, 2020

समय : अपराह्न 03:30 से संध्या 05:00 बजे तक

ई-संगोष्ठी के अंश :

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर ऑफ लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (ABVCLPG) को ऑनलाइन और प्रिंट मीडिया में समाचार कवरेज साझा करने की खुशी है।

इस ई-संगोष्ठी में चायओम की संस्थापक पायल अग्रवाल, जेलेना ट्रैंक्विलिटा, जौक की संस्थापक दिशा सिंह, हंग्री फॉल की सह-संस्थापक, जपना ऋषि कौशिक ने महिला उद्यमियों के रूप में अपनी सफर के बारे में बात की। उन्होंने अपनी उद्यमिता यात्रा की चुनौतियों के बारे में बात की और बताया कि उन्होंने उनसे कैसे निपटा और अपने उपक्रमों में कैसे सफल हुई।

यात्रा दृढ़ संकल्प, इच्छा और दृष्टि से शुरू होती है। ये सब रास्ते की रुकावटें हैं। लेकिन उन्होंने अपने संघर्ष का आनंद लिया। उनमें आत्म-विश्वास था और उन्होंने अपने स्टार्ट-अप के लिए जो चाहा है, वह हासिल किया है। तीन सलाह वे देते हैं जो कुछ उन्होंने अपने अनुभव से सीखा है वो ये है कि-

1. एक ताकतवर सपोर्ट सिस्टम रखें। चाहे वह प्रोफेसर हों, परिवार हों, दोस्त हों।
2. मदद के लिए भी किसी से पूछना चाहिए। उन्हें अपने अहंकार को एक तरफ रखना चाहिए और मदद मांगनी चाहिए क्योंकि यह एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है, और हमारे पास सीमित समय और संसाधन हैं।
3. एक सलाहकार रखें, जहां आप अपने व्यवसायी जीवन पर चर्चा कर सकें। यह पहली बार उद्यमियों के लिए आवश्यक है। कोई फर्क नहीं पड़ता इससे कि आप कितने बड़े हो गए हैं, हमेशा एक ऐसा सलाहकार रखें जिस पर आप भरोसा करते हैं।

संक्षेप में, सभी वक्ताओं ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां महिलाएं प्रयास नहीं कर सकतीं। कुछ लोग आपको नीचा दिखाएंगे, वहाँ आपके लिए एक सपोर्ट सिस्टम होगा जो आपको आपका मार्गदर्शन करेगा। तीनों उद्यमियों ने शून्य से शुरुआत की।कारोबार के शुरूआती दौर में उन्हें कई बार रिजेक्शन का सामना भी करना पड़ा। लेकिन उन्होंने कड़ी मेहनत की, और अब वे उभरते उद्यमियों में से सफल व्यवसायी महिला हैं। चलते रहने का मंत्र है, ''चाहे कुछ भी हो, अगर आप काम पूरा करना चाहते हैं, तो इसे पूरा करें।''

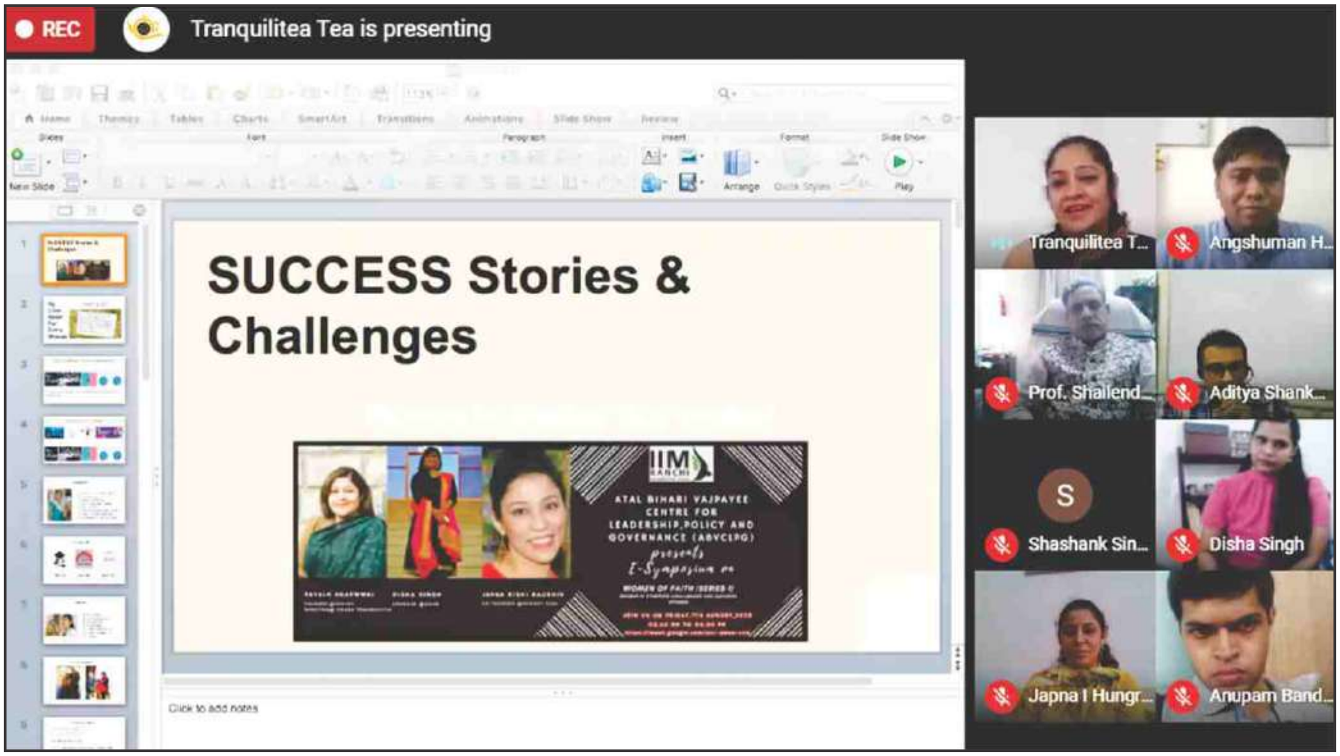

4. इ-सिम्पोजियम सीरीज:वीमेन ऑफ फेथ-सीरीज-प्प

सम्मानित अतिथि:

1. सुश्री दीप माला, विजुअल हाउस की संस्थापक;
2. सुश्री सैली लाड, वोक्सारा टेक्नो सॉल्यूशंस में निदेशक;
3. सुश्री नीता अदप्पा, प्रकृति हर्बल्स की संस्थापक

दिनांक : 27 अगस्त, 2020

समय : अपराह्न 03:30 से संध्या 05:00 बजे तक

ई-संगोष्ठी के अंश:

इस ई-सिम्पोजियम में, द विजुअल हाउस की संस्थापक सुश्री दीप माला, वोक्सारा टेक्नो सॉल्यूशंस की निदेशक सुश्री सैली लाड, प्रकृति हर्बल्स की संस्थापक सुश्री नीता अदप्पा ने महिला उद्यमियों के रूप में अपनी सफर के बारे में साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने चुनौतियों को अवसरों में और अवसरों को सफलता की कहानियों में बदल दिया।

नवोदित उद्यमियों के लिए जीवन में कुछ भी आसान नहीं होता। उनकी उद्यमशीलता यात्रा एक रोलर कोस्टर की सवारी जैसी थी। उनका व्यवसाय एक गैरेज में काफी कम राशि के साथ शुरू हुआ और अब अपनी सफल यात्रा पर चल रहा है। सफलता प्राप्त करने का मंत्र है निरीक्षण करना, सीखना, टीम बनाना, छोटे कदम उठाना, रणनीति बनाना, नए लक्ष्य हासिल करना। सफलता सुनिश्चित करने के लिए, एक उद्यमी को सभी विभागों को संभालना पड़ता है। चाहे मानव संसाधन, वित्त, विपणन, संचालन या कुछ भी हो। हर विभाग को लगातार काम करना है।

उनकी यात्रा अनुकरणीय रही है। भारत में, सामाजिक अपेक्षाएँ और लैंगिक रूढ़ियाँ अभी भी प्रचलित हैं। वे जिस क्षेत्र में वे काम कर रहे थे वह पुरुष प्रधान था, और उन्होंने अपने और अपने उद्यम के लिए एक जगह बनाई। इन महिला उद्यमियों के लिए लचीलापन सबसे महत्वपूर्ण लाभ था। यह सब प्रबंधन के बारे में था: काम का प्रबंधन, घर चलाना, देखभाल करने वाली टीम, और अन्य। कोविड -19 उनके स्टार्ट-अप के लिए एक चुनौती थी। वक्ताओं ने इसे स्वीकार किया और उसी के अनुसार कार्य किया।

ऐसा करते हुए, उन्होंने तत्काल परिणाम की तलाश नहीं की। उन्होंने त्वरित कार्रवाई की तलाश की, जिससे शांति और प्रगति हुई। आगे बढ़ने का रहस्य शुरू हो चुका है।

कुल मिलाकर, ''अगर आपको अवसर नहीं मिलता है, तो आपको एक अवसर बनाना होगा।''

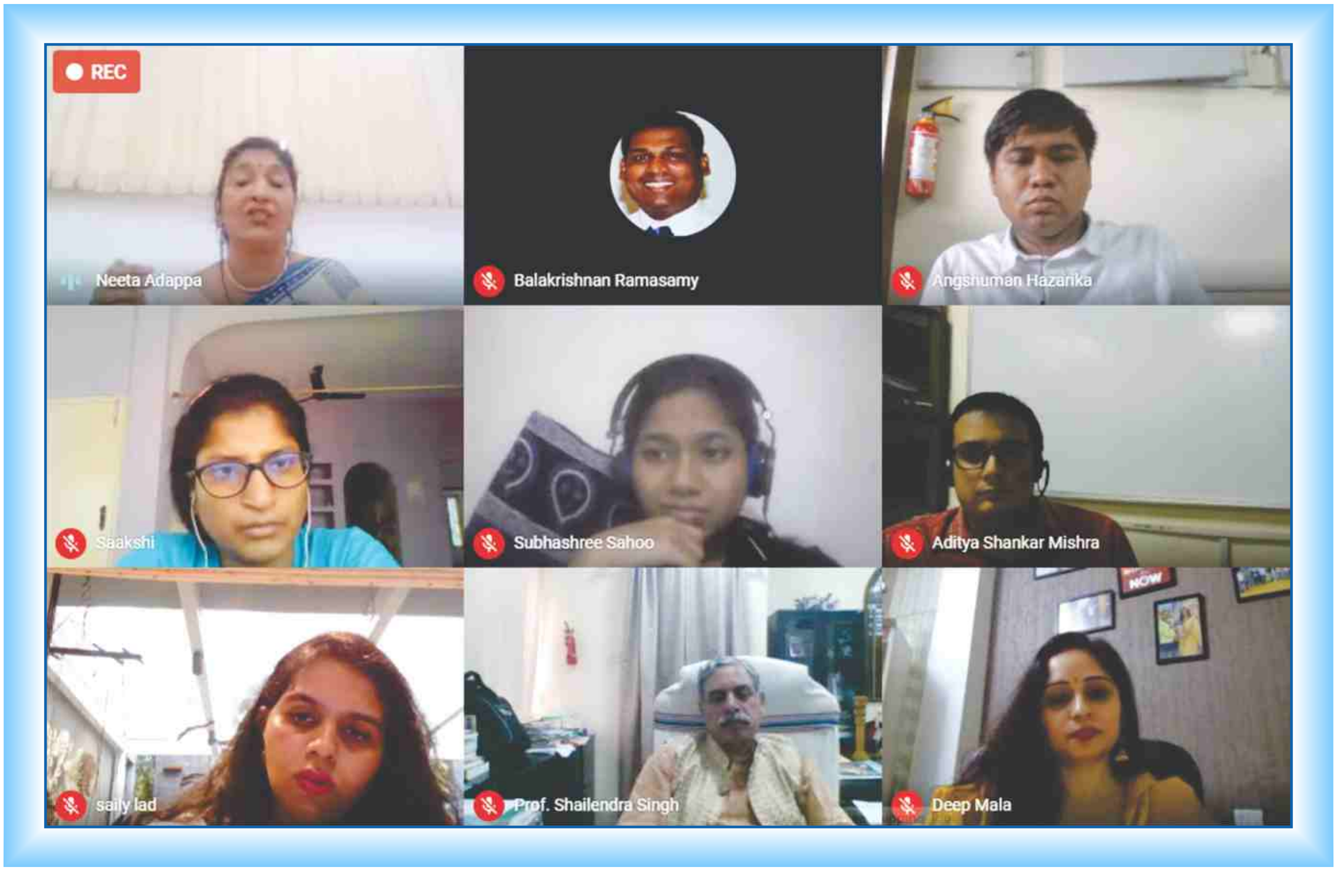

5. राउंड टेबल ऑन ''नेशनल एजुकेशन पालिसी 2020 : ए पाराडाइम शिफ्ट''

सम्मानित अतिथिः

1. प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची
2. प्रो. मनोज कुमार तिवारी, निदेशक, नीटी मुंबई
3. प्रो. गिरीश्वर मिश्रा, पूर्व कुलपति, महात्मागांधी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय
4. प्रो. भरत भास्कर, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रायपुर
5. प्रो देबाशीष चटर्जी, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान कोझीकोड और
6. प्रो. हिमांशु राय, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान इंदौर

दिनांक : 18 सितंबर, 2020

समय : अपराह्न 04:00 से शाम 06:00 बजे तक

वेबिनार के अंश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर एक वेबिनार: अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (ABVCLPG), सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची द्वारा शुक्रवार, 18 सितंबर, 2020 को एक प्रतिमान बदलाव का आयोजन किया गया।

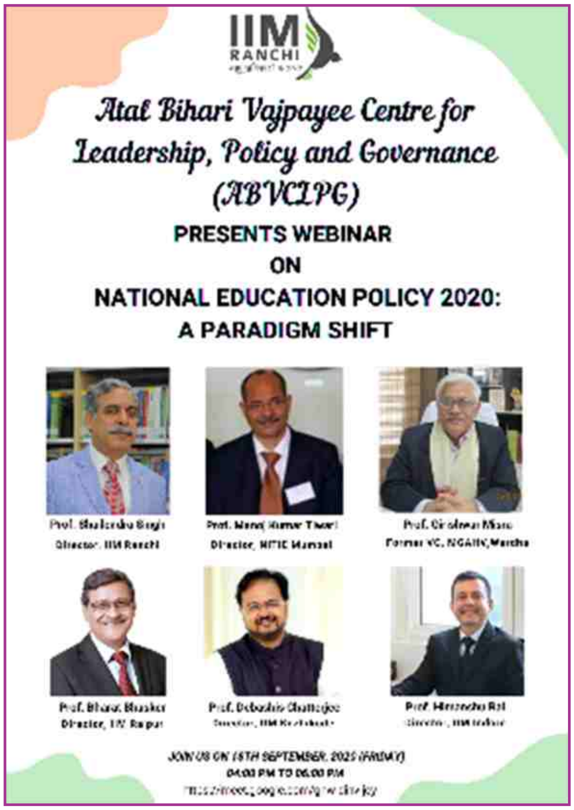

वक्ताओं के अनुसार एनईपी 2020 की ताकत के तीन स्तंभ हैं

1. स्नातक स्तर पर समग्र बहु-विषयक शिक्षा में विज्ञान, कला, मानविकी, गणित और अन्य पेशेवर क्षेत्रों में कठोर अनुभव होगा। यह व्यक्तियों को विकसित करने में मदद करेगा।
2. सीखने के कठोर मॉडल से मुक्त होकर, कॉलेजों में छात्रों के पास कई प्रविष्टियाँ और निकास बिंदु होंगे, जिसका मतलब है कि सख्त सेमेस्टर प्रणाली जो आखिरकार समाप्त हो गई है।
3 विदेशी संस्थानों के सहयोग से उच्च शिक्षा को फैलाना। विश्व के विदेशी शिक्षण संस्थानों को भारत आने और कैंपस की स्थापना के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।इस कदम से ब्रेन ड्रेन को कम करने में मदद मिलेगी और वैश्विक शिक्षा को अधिक सुलभ बनाने में भी मदद मिलेगी।

विद्वान वक्ताओं ने आगे कहा कि इसे निम्नलिखित द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। पहला अगर हमारे पास अच्छे फैकल्टी हैं, तो इंफ्रास्ट्रक्चर सेकेंडरी हो जाता है। प्रख्यात वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि जीडीपी का 6% अब तक शिक्षा पर खर्च नहीं किया गया है। नीति अधिक है विचारों के एक ढांचे के रूप में और इसे अच्छी तरह से लागू किया जाना चाहिए। केवल शुद्ध विचारक होने के बजाय व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष निकालने के लिए,डीकंस्ट्रक्शन को फिर से शुरू करें एक नई शिक्षा प्रणालीएनईपी 2020 के माध्यम से।

6. वेबिनार ऑन ''सोशल एंटरप्रेन्योर्स, थीम : वोकल फॉर लोकल''

सम्मानित अतिथिः

1. श्री वीरेंद्र कुमार, संस्थापक, माटी घर और
2. सुश्री अलका सिंह, मार्केटिंग हेड, अविका ऑनलाइन

दिनांक : 6 अक्टूबर, 2020

समय : शाम 04:30 से 05:30 बजे तक

वेबिनार के अंश

अटल बिहारी वाजपेयी सेंटर फॉर लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस (ABVCLPG) ने भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के तत्वावधान में ''सोशल एंटरप्रेन्योर्स, थीम : वोकल फॉर लोकल'' शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन किया। श्री वीरेंद्र कुमार, संस्थापक, माटी घर, और सुश्री अलका सिंह, मार्केटिंग हेड, अविका ऑनलाइन, कार्यक्रम के वक्ता थे।

वेबिनार में चर्चा की गई कि पिरामिड के निचले हिस्से में रहने वाले और काम करने वाले उद्यमी कैसे चुनौतियों से पार पाते हैं और सफल उद्यम बनाते हैं। इन नंगे पांव उद्यमियों का लक्ष्य जनजातीय कारीगरों को सशक्त बनाना है।

माटी घर के संस्थापक श्री वीरेंद्र कुमार का लक्ष्य पारंपरिक चित्रों (सोहराई, खोवर, पैटकर, जादूपतुआ) को संरक्षित और बढ़ावा देना और झारखण्ड के पारंपरिक कारीगरों को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड में कला रूप और कलाकार बहुत ही प्रारंभिक अवस्था में हैं। झारखण्ड के चित्र अन्य राज्यों की तुलना में प्रसिद्ध नहीं हैं। क्योंकि उन्हें वह प्लेटफॉर्म नहीं दिया जाता जिसकी उन्हें जरूरत होती है। उन्हें सोहराई पेंटिंग के बारे में तीन साल पहले तब पता चला जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके बारे में बात की और हजारीबाग का दौरा किया।

इसी तरह अन्य चित्रों का भी पता नहीं है। उनमें मधुबनी पेंटिंग्स की तरह ध्वजवाहक बनने की जबरदस्त क्षमता है। माटी घर उद्यम ऑनलाइन मीडिया और प्रदर्शनियों के माध्यम से चित्रों को बढ़ावा देता है। वे छात्रों को इस कला के रूप में प्रशिक्षण भी दे रहे हैं। स्कूलों में छात्र इन चित्रों को पारंपरिक शैली में सीखते हैं और ऐक्रेलिक या कृत्रिम रंगों का उपयोग नहीं करते हैं। वे इसे स्वाभाविक रूप से कर रहे हैं, जैसे पत्थरों को रगड़ना और फूलों से रंग निकालना।

सुश्री अलका सिंह, मार्केटिंग हेड, अविका, मधुबनी पेंटिंग, परिधान पर हाथ की कढ़ाई, परिधान पर जरदोजी और जैविक वाद्य उत्पादों जैसे डेयरी, ताजा दूध, शहद, वर्मीकम्पोस्टिंग सभी पौधों के लिए परिधान पर काम करता है इसे बेचने के लिए झारखण्ड में ग्रामीण महिलाओं को एक मंच प्रदान करके आर्थिक सशक्तिकरण लाने का प्रयास करती हैं।

स्थानीय सिर्फ जरूरत नहीं है; यह हमारी भी जिम्मेदारी है।''

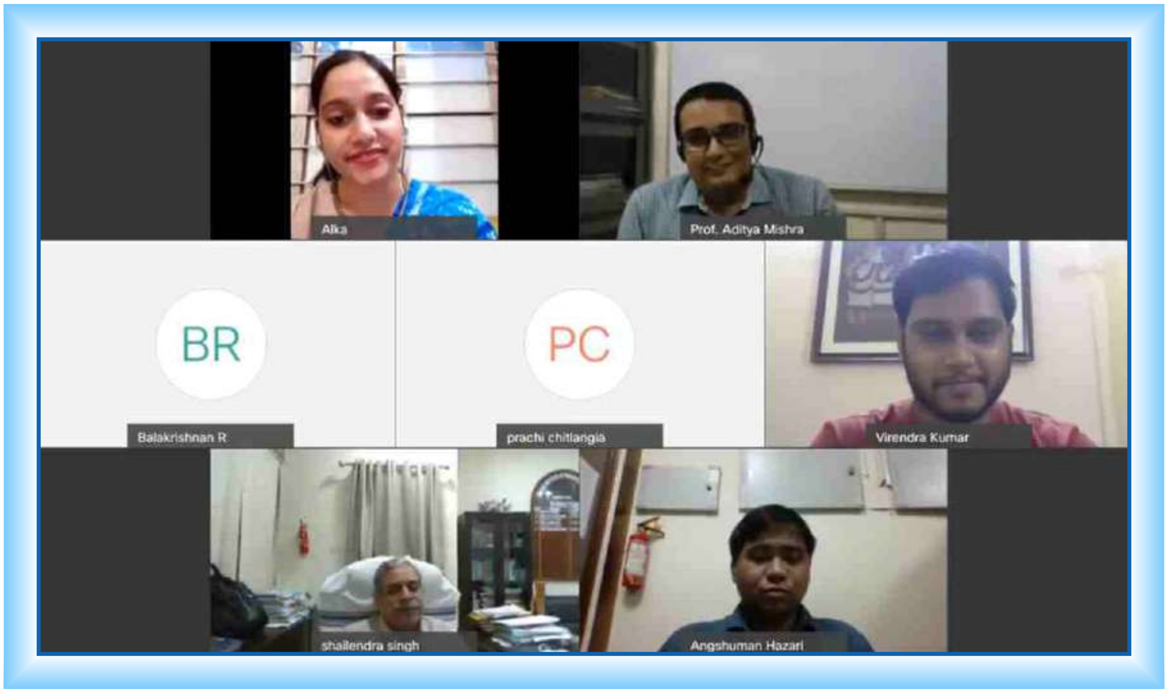

7. वेबिनार ऑन ''एनईपी 2020: इम्पैक्ट ऑन हायर एजुकेशन''

सम्मानित अतिथि:

प्रो. जगदीश सेठ

दिनांक : 16 अक्टूबर, 2020

समय : रात 08:00 से 09:00 बजे रात तक

वेबिनार के अंश

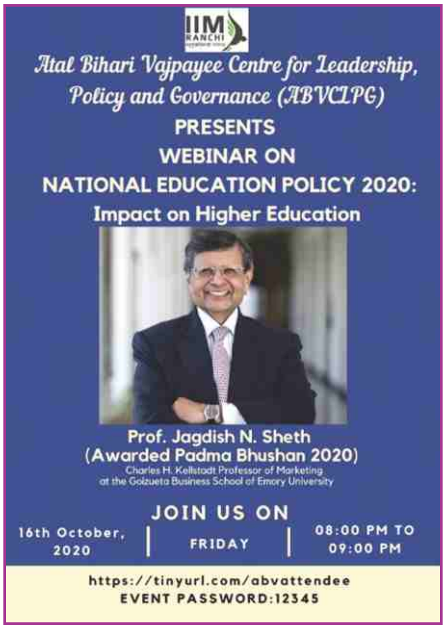

प्रो. जगदीश एन. सेठ, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता, एमोरी विश्वविद्यालय के गोइजुएटा बिजनेस स्कूल में चार्ल्स एच. केलस्टाड व्यवसाय के प्रोफेसर हैं। वह अकादमी ऑफ इंडियन मार्केटिंग (एआईएम) के संस्थापक और अध्यक्ष हैं, जो भारतीय विद्वानों के बीच विपणन और प्रबंधन में अनुसंधान और छात्रवृत्ति का समर्थन करता है।

प्रो. सेठ ने कहा कि एनईपी 2020 सरकार द्वारा बनाई गई एक परिवर्तनकारी और महत्वाकांक्षी नीति है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि एनईपी 2020 व्यावहारिक स्व-नियामक ढांचे के माध्यम से संस्थानों के लिए कम विनियमन और अधिक स्वायत्तता का मार्ग प्रशस्त करता है। स्व-नियमन का अभ्यास करने वाले पश्चिमी संस्थानों के विपरीत, भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में हमेशा से अधिक नियमन का अभ्यास किया गया है। एनईपी 2020 के माध्यम से सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को धीरे-धीरे स्वायत्तता और मान्यता प्रदान की जाएगी।

विदेशी विश्वविद्यालयों को भारत में कैंपस स्थापित करने की अनुमति दी जाएगी। यह अनुसंधान को बढ़ावा देगा और एक लचीला दृष्टिकोण लाएगा। विदेशी विश्वविद्यालय कार्यक्रम और संस्था में गतिशीलता लाएंगे। उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण का विचार पूरे देश में छात्रों, संकाय सदस्यों, कार्यक्रमों और संस्थानों की गतिशीलता पर आधारित है।

नई शिक्षा नीति सिर्फ डिग्री के बारे में नहीं है। यह जीवन कौशल और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करने के बारे में है। यह एक छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण होगा जहां सामर्थ्य और पहुंच होगी, और छात्र शिक्षा का अधिक से अधिक लाभ उठा सकते हैं। ओपन स्कूलिंग, ऑनलाइन शिक्षा और ओपन डिस्टेंस लर्निंग के जरिए पहुंच, समानता और समावेश को बढ़ावा दिया जाएगा।

8. वेबिनार ऑन ''अन्नदाताः रेव्रोलुशनीजिंग एग्रीकल्चर थीमःडॉबलिंग फार्मरस इनकम''

सम्मानित अतिथिः

1. श्री अनिल कुमार एसजी, समुनाती के संस्थापक और सीईओ
2. श्री कौशिक के, सह-संस्थापक और सीईओ-खेती

दिनांक : 13 नवंबर, 2020

समय : शाम 04:30 बजे से शाम 05:30 बजे तक

वेबिनार के अंश

आईआईएम रांची, एबीवीसीएलपीजी ने ''अन्नदाताः रेव्रोलुशनीजिंग एग्रीकल्चर थीमःडॉबलिंग फार्मरस इनकम'' पर एक वेबिनार का आयोजन किया।

श्री अनिल कुमार एसजी, समुनाती के संस्थापक और सीईओ, श्री कौशिक के, सह-संस्थापक और एग्रीकल्चर के सीईओ, इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे।

भारत एक कृषि अर्थव्यवस्था है। हालाँकि, युवा निम्न कारणों से इस क्षेत्र की ओर आकर्षित होते हैं:

- साक्षरता और शिक्षा का बढ़ता स्तर
- आर्थिक उदारीकरण और व्यावसायीकरण
- कृषि मंडियों को नियंत्रणमुक्त करना या वोलना
- संचार और परिवहन के बेहतर साधन
- सरकार ने कई कार्यक्रम और पहल की शुरुआत की।

समुन्नति के श्री अनिल कुमार ने एएमएलए दृष्टिकोण पर जोर दिया, जो एग्रीगेशन, मार्केट, लिंकेज, एंड एडवाइजरी सर्विसेज के लिए है। समुन्नति किसान उत्पादक संगठनों को बाजारों की आपूर्ति को पूरा करने में मदद करती है। एकत्रीकरण, बाजार से जुड़ाव और सलाहकार सेवाओं के साथ, समुन्नती किसान उत्पादक संगठनों को विकसित होने के अवसर प्रदान करती है। इसके माध्यम से, समुन्नति भारतीय किसानों को विकास को गति प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

खेती के श्री कौशिक कम लागत वाले कृषि समाधान लागू करते हैं जो छोटे किसानों को उपज और उपज की भविष्यवाणी बढ़ाने में मदद करते हैं। वे 'ग्रीनहाउस-इन-द-बॉक्स' का विपणन करते हैं जो 90% कम पानी का उपयोग करता है, सात गुना अधिक भोजन उगाता है और किसानों को एक स्थिर आय देता है। निष्कर्ष निकालने के लिए, कृषि क्षेत्र में उत्पादन और लाभप्रदता में सुधार के लिए कृषि उद्यमी एक अवसर और एक आवश्यकता है। भारत को एक आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत बनने के लिए सशक्त बनाने की शुरुआत यहीं से होती है।

9. वेबिनार ऑन ''लीडरशिप सीरीज-1 बिजनेस ग्रोथ इन द शैडो ऑफ ए ''ब्लैक स्वान'' इवेंट: द कोविड क्राइसिस

सम्मानित अतिथि:

1. श्री अभिजीत बनर्जी-प्रबंध निदेशक, लिंडे इंडिया, और
2. श्री अरुण बालकृष्णन- गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक, लिंडे इंडिया

दिनांक : 2 दिसंबर, 2020

समय : शाम 04:30 बजे से शाम 05:30 बजे तक

वेबिनार के अंश

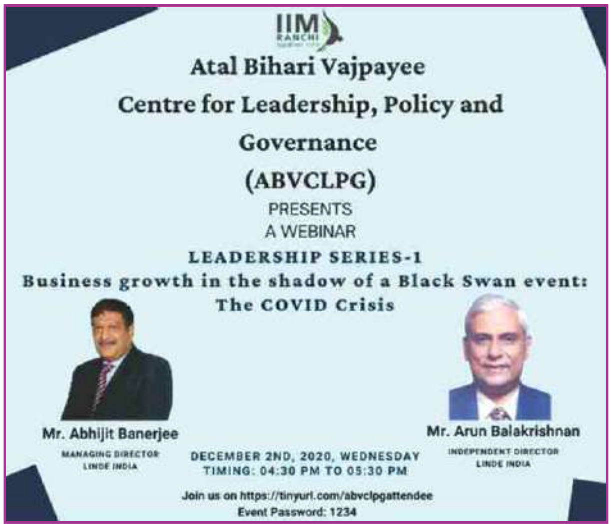

श्री अभिजीत बनर्जी-प्रबंध निदेशक, लिंडे इंडिया, और श्री अरुण बालकृष्णन-गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक, लिंडे इंडिया, इस कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता थे।

श्री अभिजीत बनर्जी ने कंपनी का संक्षिप्त परिचय दिया। लिंडे इंडिया औद्योगिक गैसों में दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। उन्होंने गैसों की आकर्षक दुनिया के बारे में बताया। ज्वेलरी टच, ऑप्टिक्स, बेवरेज, पेपर, फूड फ्रॉड का पता लगाने, हार्ट सर्जरी और ट्रांसप्लांट के लिए औद्योगिक गैसों का उपयोग किया जाता है, जो हमें स्पेस और ब्रह्मांड का पता लगाने में मदद करता है। और सबसे बढ़कर बिना गैस के, हम मोबाइल फोन का उपयोग तक नहीं कर पायेंगे।

महामारी के महीनों के दौरान, लिंडे इंडिया ने निजी और सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा ऑक्सीजन के व्यापक उपयोग की आपूर्ति की। चूंकि औद्योगिक गैसें सभी व्यवसायों का सार हैं, महामारियों ने हर क्षेत्र की मात्रा और योगदान को प्रभावित किया। वे अन्य कंपनियों के लिए प्रवर्तक हैं। महामारी में औद्योगिक गैसें महत्वपूर्ण थीं जिन्हें केंद्र और राज्य सरकारों ने भी मान्यता दी थी।

श्री अरुण बालकृष्णन ने गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक की भूमिका के बारे में बताया। वे संगठन की तीसरी आँख की तरह हैं, एक प्रहरी के रूप में कार्य करते हैं कि कंपनी अपने मानकों का पालन कर रही है या नहीं। उनकी भूमिका कंपनी की मजबूत स्थिति की देखभाल करना और क्या कर्मचारियों को अच्छी तरह से भुगतान किया जाता है या नहीं।

कंपनी आने वाले समय में मीडियम से लॉन्ग टर्म आउटलुक को लेकर सतर्क है। हर चुनौती में, कंपनी अपने ग्राहकों पर ध्यान केंद्रित करके, प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर, नए गैस अनुप्रयोगों का प्रचार करके, और सुरक्षा और ग्राहक अनुभव पर ध्यान केंद्रित करते हुए, लाभदायक विकास को चलाने के लिए संभावित रास्ते के लिए तैयार है।

10. विंटर स्कूल ऑन लीडरशिप, पालिसी एंड गवर्नेंस

विंटर स्कूल एक गहन पूर्णकालिक कार्यक्रम था और इसमें कम से कम 30 संपर्क घंटे शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान तीनों विषयों पर व्याख्यान, प्रस्तुतीकरण की गयी। यह कार्यक्रम छात्रों - यूजी/पीजी और कामकाजी पेशेवरों के लिए हुआ था।

दिनांक: कार्यक्रम 19 जनवरी से 23 जनवरी 2021 तक आयोजित किया गया था

सत्र का समय सुबह 10:00 बजे से शाम 05:30 बजे (आईएसटी) था। आयोजन ऑनलाइन आयोजित किया गया था, पाठ्यक्रम पूरा होने पर प्रत्येक प्रतिभागी को ई-प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

प्रख्यात वक्ता:

बाहरी वक्ता:

1. डॉ. अविक सरकार- एसोसिएट प्रोफेसर ऑफ डेटा, टेक्नोलॉजी एंड पब्लिक पॉलिसी, आईएसबी, हैदराबाद
2. डॉ. हीरा लाल, आईएएस-अतिरिक्त मिशन निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश
3. सुश्री इरा सिंघल, आईएएस, समाज कल्याण विभाग, दिल्ली में संयुक्त निदेशक
4. डॉ कल्पना गोपालन, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, लोक शिकायत निवारण और युवा अधिकारिता विभाग, कर्नाटक सरकार
5. डॉ नितिन मदन कुलकर्णी, आईएएस, प्रमुख सचिव (एच एंड एफडब्ल्यू), झारखंड सरकार
6. श्री आर.पी. सिंह, आईएफएस, सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक रांची
7. श्री ऋत्विक विकास मिश्रा, प्रधान सलाहकार, पीडब्ल्यूसी इंडिया
8. श्री शशांक कुमार, दी हाट में सह-संस्थापक और सीईओ
9. श्री शेखर सरन-सीएमडी, सीएमपीडीआई, रांची
10. डॉ. सुनील बरनवाल, आईएएस-संयुक्त सचिव, गृह मंत्रालय
11. डॉ. मधुकर गुप्ता, आईएएस-अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं प्रधान निवासी आयुक्त

आंतरिक वक्ता:

1. प्रो. शैलेंद्र सिंह-निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची
2. प्रो. रेखा सिंघल- प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची
3. प्रो. साक्षी- सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची
4. प्रो. रोहित कुमार- सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची
5. प्रो. अंगशुमान हजारिका- सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची
6. प्रो. आदित्य शंकर मिश्रा- सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची
7. प्रो गौरव मनोहर मराठे- सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची

11. एबीवीसीएलपीजी (ABVCLPG) ब्लॉग का उद्घाटन

एबीवीसीएलपीजी ब्लॉग का उद्घाटन भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के निदेशक प्रो. शैलेंद्र सिंह द्वारा विंटर स्कूल के समापन सत्र में नेतृत्व, नीति और शासन पर 23 जनवरी, 2021 को किया गया था। ब्लॉग के लिंक https://iimranchi.ac.in/p/blog पर एक्सेस किया जा सकता है। नीति, शासन और नेतृत्व से संबंधित पेशेवर नीतिगत मुद्दों पर आधारित लेखों में योगदान कर सकते हैं। एमएसपी: मोस्ट सपोर्टेड पॉलिटिकली ओर मियर्ली सम प्राइस? शीर्षक वाला उद्घाटन ब्लॉग लेखक प्रो. शैलेंद्र सिंह और प्रो. अंगशुमान हजारिका द्वारा योगदान दिया गया है।

ब्लॉग हमारी वेबसाइट (ABVCLPG ब्लॉग, आईआईएम रांची) पर प्रकाशित किया जाएगा। प्रस्तुतियाँ रोलिंग के आधार पर की जाती हैं और इसे abvclpg@iimranchi.ac.in पर भेजा जा सकता है।

उत्कृष्टता के केंद्रः : बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स

आदिवासी मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र का उद्देश्य जनजातीय मुद्दों और अवसरों के क्षेत्र में हस्तक्षेप परियोजनाओं के साथ-साथ अनुसंधान करना है। केंद्र झारखण्ड राज्य और पूरे भारत में आदिवासी लोगों के विकास से संबंधित गतिविधियों के लिए प्रतिबद्ध है।

पृष्ठभूमि (बैकग्राउंड)

झारखण्ड राज्य के आदिवासियों ने समाज के वंचित वर्ग से होने के कारण भगवान बिरसा मुंडा, सिदो मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में हमारे देश की स्वतंत्रता में बहुत योगदान दिया है और नीति निर्माताओं, योजनाकारों और सामाजिक वैज्ञानिकों का ध्यान आकर्षित किया है। जनजातीय समूहों के लिए सामाजिक-आर्थिक आंकड़े भारत की जनगणना और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा तैयार किए जाते हैं। इन सभी कारकों ने जनजातीय विकास में तेजी लाने के लिए जनजातीय अध्ययन में वृद्धि की, जो जनजातीय समुदायों और संस्कृतियों की विविधता को पहचानता है।

इस पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए, देश में आदिवासी समुदायों के विकास के लिए सिफारिशों और गतिविधियों के साथ आने के लिए भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में एक उत्कृष्टता केन्द्र 'बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स' (बीएमसीटीए) की स्थापना की गई है।

लक्ष्यों का विवरण (विजन स्टेटमेंट)

अनुसंधान, शिक्षण, कौशल विकास और नवाचार के माध्यम से आदिवासी समुदायों के हितों को उजागर करना, प्राथमिकता देना और उन्हें सुरक्षा प्रदान करना।

मिशन वक्तव्य (मिशन स्टेटमेंट)

आदिवासी मामलों में अनुसंधान और प्रशिक्षण के माध्यम से शैक्षणिक गुणवत्ता, विद्वानों की भागीदारी और सेवा में उत्कृष्टता प्राप्त करना।

केंद्र का उद्देश्य निम्नलिवित उद्देश्यों की पूर्ति करना है:-

- जनजातीय समुदाय के लिए आय सृजन और आजीविका को बढ़ाने के लिए अंत:विषय अनुसंधान का संचालन करना।
- आय सृजन और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए जनजातीय समूहों/समुदायों द्वारा उद्यमशीलता गतिविधियों को शुरू करने के लिए कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना।
- सहयोगात्मक नेटवर्क और संस्थानों के साथ साझेदारी के माध्यम से केंद्र को मजबूत करने के लिए, विशेष रूप से आय सृजन, आजीविका कार्यक्रम से संबंधित अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए; और उद्यमशीलता की गतिविधियों का समर्थन करना।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर जनजातीय समुदाय को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने वाले किसी भी मुद्दे के लिए जनजातीय समुदाय के लिए एक उत्तरदायी केंद्र के रूप में विकसित करना।

जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र - सदस्य

1. प्रो. रंजीत आर. - चेयर
2. प्रो गौरव मनोहर मराठे
3. प्रो. रोहित कुमार

जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केन्द्र का उद्घाटन

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने सूचना भवन में बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स का 24 फरवरी, 2021 को उद्घाटन किया। आदिवासी विकास, उद्यमिता और योजना के क्षेत्र में अनुसंधान और प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए बिरसा मुंडा सेंटर फॉर ट्राइबल अफेयर्स (बीएमसीटीए) की स्थापना की गई। राज्य के साथ-साथ राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी संस्कृति और संदर्भ में योगदान दें सकता है। इस आयोजन के दौरान भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए विकास भारती बिशुनपुर और फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची जनजातीय मामलों में अनुसंधान और प्रशिक्षण का केंद्र होगा।

झारखण्ड की माननीय राज्यपाल, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने वस्तुतः केंद्र का उद्घाटन किया और इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि थेः प्रो. (डॉ.) रमेश पांडे (कुलपति- रांची विश्वविद्यालय), पद्मश्री श्री अशोक भगत- प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और संस्थापक सचिव विकास भारती (बिशुनपुर), श्रीमती नमिता पंड्या- उपाध्यक्ष मुंबई चैप्टर के लिए फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी और वेस्ट जोन की ग्रामीण महिला विंग की प्रभारी और रांची चैप्टर के लिए फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी की अध्यक्ष श्रीमती रेखा जैन। उन्होंने छात्रों का मार्गदर्शन करते हुए बीएमसीटीए और भारत के मूल्यों को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची की सराहना की। उन्होंने कहा, ''जनजातीय मूल्यों को लेना और जनजातियों की सांस्कृतिक विरासत से लोगों को अवगत कराना हमारी जिम्मेदारी है। छात्र इस केंद्र के माध्यम से आदिवासी समुदाय के बारे में अधिक जान सकते हैं। सरकार इस पहल के माध्यम से उन्हें और अधिक विकास प्रदान करने में सक्षम होगी।'' मुझे आशा है कि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची झारखण्ड राज्य में उद्यमिता विकास के लिए छात्रों को तैयार करेगा। इस प्रकार, आदिवासी समुदायों के विकास को संरक्षित किया जाएगा, और इन पहलों से जनजातियों को विलुप्त होने से बचाया जा सकता है। यह आदिवासी संस्कृति और विरासत को संरक्षित करने में भी मदद करेगा। हमें आदिवासी समुदाय की सराहना करनी चाहिए और उनके कल्याण के लिए हमें काम करना चाहिए।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में यूएनजीसी-पीआरएमई

द प्रिंसिपल्स फॉर रेस्पोंसबिल मैनेजमेंट एजुकेशन (पीआरएमई) एक संयुक्त राष्ट्र समर्थित पहल है, जिसे 2007 में दुनिया भर के बिजनेस स्कूलों में प्रोफाइल की स्थिरता को बढ़ाने और व्यवसायिक छात्रों को बेहतर और उज्जवल भविष्य बनाने के लिए ज्ञान और कौशल से लैस करने के इरादे से एक मंच के रुप में गठित किया गया है। यह संयुक्त राष्ट्र और बिजनेस स्कूलों के बीच सबसे महत्वपूर्ण संगठित संबंध है। भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची 2017 में, पीआरएमई पहल का हस्ताक्षरकर्ता बना, जिससे यह इसका पहला भारतीय प्रबन्धन संस्थान हस्ताक्षरकर्ता बन गया।

छह सिद्धांतों (उद्देश्य, मूल्य, पद्धति, अनुसंधान, साझेदारी और संवाद) के द्वारा काम करते हुए पीआरएमई व्यापार एवं प्रबंधन स्कूलों को यह सुनिश्चित करने के लिए संलग्न करता है कि वे भविष्य के नेताओं को आर्थिक और स्थिर लक्ष्यों को संतुलित करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करेंगे, जबकि सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) 2030 शैक्षणिक संस्थानों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यूएन ग्लोबल कॉम्केक्टके काम के साथ जोड़ेगे।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची पीआरएमई के विजन को प्राप्त करने की दिशा में अथक प्रयास कर रहा है जो ''प्रबंधन शिक्षा के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने का जिम्मेदार'' है। 2020-21 में, यूएनजीसी - पीआरएमई, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने भविष्य के नेताओं के बीच स्थिरता के मूल्यों को स्थापित करने के लिए पीआरएमई के उपरोक्त छह सिद्धांतों के अनुरुप अनेकों पहल की हैं।

2020-21 में हुई प्रमुख पहलें नीचे सूचीबद्ध हैं:

(1)	दिल से दिवाली	(2)	रोपण की वुशी	(3)	नोबेल पुरस्कार विजेता श्रृंवला
(4)	न्यूट्री विजार्ड	(5)	परिवारिधि	(6)	एसडीजी बिंग रीड
(7)	सस्टेनवर्स	(8)	टोस्टमास्टर मीट	(9)	अनसब्सक्राइब द कार्बन
(10)	वॉकथॉन				

दिल से दिवाली

सिद्धांत संरक्षण: उद्देश्य और मूल्य

फोकस में एसडीजी: एसडीजी 8 - सभ्य कार्य और आर्थिक विकास

दिवाली के अवसर पर एक यूएनजीसी पीआरएमई पहल, दिल से दिवाली को स्थानीय सड़क व्यापारियों को उनकी बिक्री बढ़ाने में मदद करने के लिए विकसित किया गया था। यह पहल स्थानीय विक्रेताओं के उत्थान पर केंद्रित थी, जिन्होंने महामारी के कारण वित्तीय नुकसान उठाया था। कारीगरों की सहायता करने के लिए, यूएनजीसी पीआरएमई के टीम ने, सभी को वोकल फॉर लोकल के लिए प्रेरित किया।

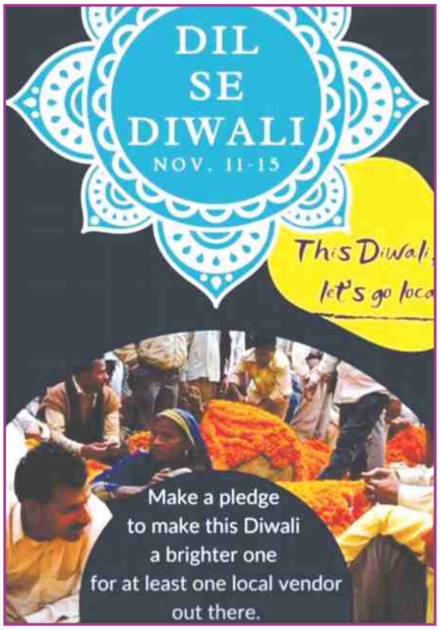

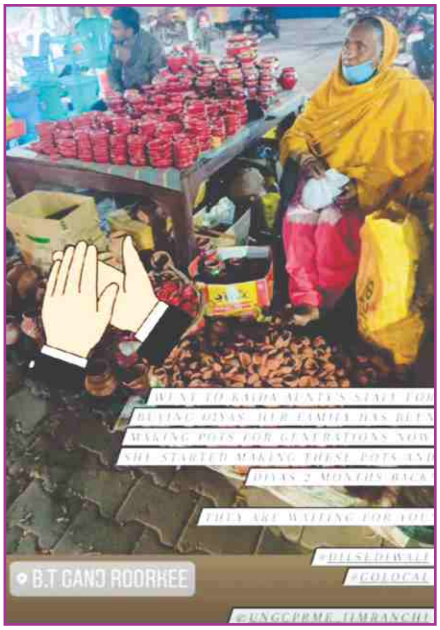

एसडीजी-8 (सभ्य काम और आर्थिक विकास) पर केंद्रित, यह 10 नवंबर 2020 से 17 नवंबर 2020 तक आयोजित किया गया था। सभी को दीवाली के लिए जरूरी चीजें जैसे मोमबत्तीयाँ, फूलें, लालटेन आदि खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया गया था। सोशल मीडिया पर खरीदे गए सामान की तस्वीरें शेयर कर इवेंट को प्रमोट करने के लिए रुदिल से दिवाली का इस्तेमाल किया गया। प्रतिभागियों को हमारे पहल में भागीदार होने पर, नर्चर इंडिया द्वारा उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें उपहार कूपन प्रदान किए गए।

यूएनजीसी पीआरएमई ने इस परियोजना को टेक्सटाइल मंत्रालय, भारत के आधिकारिक ट्विटर अकाउंट से इस परियोजना का नेतृत्व करने के लिए प्रशंसा मिली।

रोपण की खुशी

सिद्धांत संरक्षणः मूल्य
फोकस में एसडीजीः एसडीजी 15 - भूमि पर जीवन

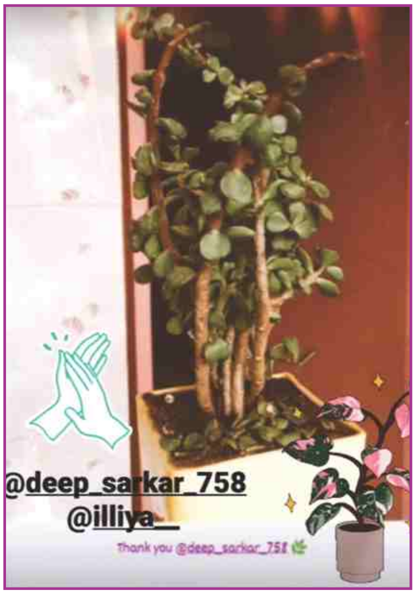

यूएनजीसी-पीआरएमई, नें भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के संयुक्त तत्वाधान में समर्पण (भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची का सीएसआर क्लब) के साथ मिलकर जॉय ऑफ गिविंग के रुप में वार्षिक अनुदान संचय कार्यक्रम के सहयोग से रोशन कार्यक्रम का आयोजन करने का भी अनुभव किया। रोपण की खुशी का उद्देश्य करुणा एनएमओ अनाथालय, रांची में रहने वाले बच्चों के लिए हीटर, मच्छर भगाने वाले फ्लैशर, डायपर आदि जैसी चीजें दान करके क्रिसमस को वुशनुमा बनाना है, जिससे उन्हें कड़ाके की ठंड में गर्म रहने में मदद मिलेगी ।

एसडीजी 15 द्वारा संचालित 'जॉय ऑफ प्लांटिंग' यानी लाइफ ऑन लैंड, स्थिरता पर केंद्रित है, लोगों को एक पौधा खरीदने और एक हरित और बेहतर कल में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। भले ही यह आयोजन ऑनलाइन हुआ हो, लेकिन भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची सर्कल ने अत्यधिक उत्साह के साथ भाग लिया और जेड और सिनगोनियम जैसे वायु शोधक संयंत्रों को अपनाया, जो प्रदूषक के रूप में कार्य करते हैं। जैसे ही पौधों की होम-डिलीवरी की गई, छात्रों ने भी आभार व्यक्त करते हुए और नेक काम का समर्थन करते हुए अपनी तस्वीरें साझा कीं।

नोबेल पुरस्कार विजेता

सिद्धांत संरक्षणः उद्देश्य और मूल्य
फोकस में एसडीजीः एसडीजी 3, एसडीजी 8, एसडीजी 9, एसडीजी 10, एसडीजी 13, एसडीजी 16

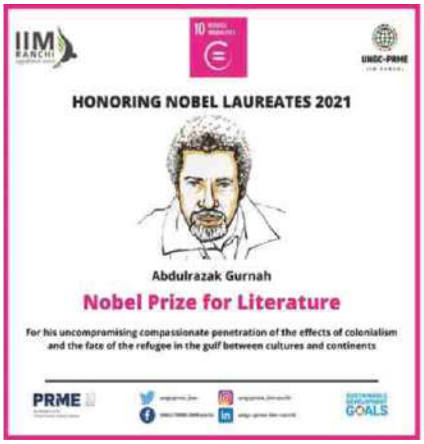

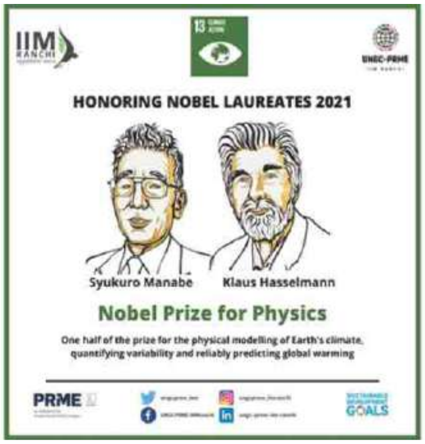

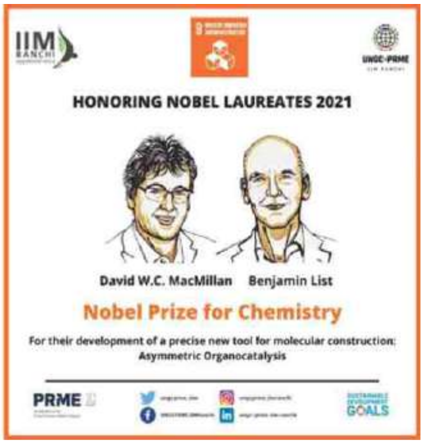

महान वैज्ञानिकों और अन्वेषकों ने हमारी अधिक टिकाऊ भविष्य की खोज में हमेशा एक आवश्यक भूमिका निभाई है। यूएनजीसी–पीआरएमई टीम ने स्थिरता की दिशा में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए नोबेल पुरस्कार विजेताओं की स्मृति में एक अभियान शुरू किया। उदाहरण के लिए, अब्दुलराजाक गुरनाह को उपनिवेशवाद के प्रभावों और संस्कृतियों और महाद्वीपों के बीच की वाई में शरणार्थी के भाग्य के उनके अडिग, करुणामय प्रवेश के लिए याद किया गया था।

इस प्रयास का उद्देश्य प्रसिद्ध वैज्ञानिकों को स्थिरता के लक्ष्यों में उनके योगदान के लिए पहचानना और हमारे छात्रों को नवीनतम वैज्ञानिक सफलताओं पर अप टू डेट रखें जो हमारे ग्रह को रहने के लिए एक बेहतर स्थान बना देंगी।

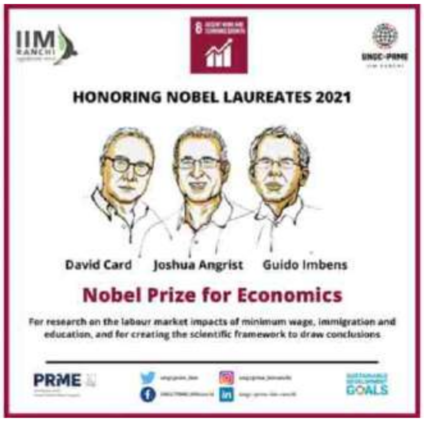

न्यूट्री विजार्ड

सिद्धांत संरक्षण: उद्देश्य और मूल्य
फोकस में एसडीजी: एसडीजी - 3, अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण

यूएनजीसी पीआरएमई, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने एक स्वस्थ खाना बनाने की प्रतियोगिता, न्यूट्री विजार्ड नामक एक ऑनलाइन कार्यक्रम की मेजबानी की।

न्यूट्री विजार्ड के प्रतिभागियों को एक पौष्टिक डिनर तैयार करने और अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने भोजन की एक तस्वीर या वीडियो पोस्ट करने के लिए कहा गया था, जिसमें उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्री का उल्लेख था।

न्यूट्री विजार्ड के प्रतिभागियों को एक पौष्टिक रात्रिभोज तैयार करने और अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अपने भोजन की एक तस्वीर या वीडियो पोस्ट करने के लिए कहा गया था, और इसमें उनके द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्री का उल्लेख किया गया था। उपस्थित लोगों को आकर्षित करने की दृष्टि से यह आयोजन सफल रहा। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में बड़ी संख्या में प्रतिभागी शामिल हुए। विभिन्न कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और निगमों के लोगों ने भी इस आयोजन में भाग लेने में रुचि दिखाई।

तीन विजेताओं को उनकी सामग्री में कैलोरी की संख्या और भोजन को एक साथ रखने से बचाई गई ऊर्जा की मात्रा के आधार पर चुना गया था। हमारी आभार के प्रतीक के रूप में, इस कार्यक्रम के प्रायोजक रेडियेट ग्रीनर्जी ने हमारे विजेताओं को अमेजन का उपहार कार्ड उपहार के रुप में दिए।

इस आयोजन का प्रमुख लक्ष्य स्वस्थ जीवन शैली, स्वस्थ भोजन और स्वस्थ जीवन जीने के तरीकों के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना था। इसके अलावा, दैनिक भोजन तैयार करते समय नवीकरणीय और हरित ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने का प्रयास किया गया था।

परिवृधि

सिद्धांत संरक्षण: साझेदारी और संवाद
फोकस में एसडीजी: एसडीजी 8 – अच्छा काम और आर्थिक विकास

परिवृधि 3.0 भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में संयुक्त राष्ट्र ग्लोबल कॉम्पेक्ट – प्रिंसिपल्स फॉर रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन स्टीयरिंग का प्रमुख कार्यक्रम एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से प्रसारित हुआ।

भारत के शीर्ष बी–स्कूलों की एक सौ बारह उत्साही टीमों ने राउंड 1 में एक ''क्विज'' था जिसके प्रश्न 17 एसडीजी से संबंधित थे। शीर्ष 6 टीमें राउंड 2 में गई, जहां उन्हें हमारे नॉलेज पार्टनर एसबीआई फाउंडेशन के यूथ फॉर इंडिया द्वारा डिजाइन किए गए एसडीजी 8, यानी डिसेंट वर्क एंड इकोनॉमिक ग्रोथ से जुड़े केस स्टडी को हल करना था। प्रत्येक टीम ने परिरक्षित केस का विस्तृत समाधान प्रस्तुत किया और अपनी स्थिरता भागफल और व्यावसायिक कौशल के साथ बेजोड़ तरीके से प्रश्नोत्तर दौर का सामना किया।

इस प्रतियोगिता का उद्देश्य भविष्य के प्रबंधकों को समाज में वास्तविक दुनिया की स्थिरता के मुद्दों के बारे में जानने और बेहतर भविष्य के लिए लागू किए जा सकने वाले नवीन और दीर्घकालिक समाधानों पर मंथन करने की अनुमति देना है।

एसडीजी बिंग रीड्स

सिद्धांत संरक्षण: उद्देश्य

फोकस में एसडीजी: सभी एसडीजी

सतत विकास लक्ष्यों में और उसके आसपास संज्ञान को प्रज्वलित करने और इसके महत्व को समझने के लिए, यूएनजीसी–पीआरएमई टीम एसडीजी बिंग रीड्स जैसी सिद्धांत लेकर आई है। जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया हैंडल पर गरीबी, अच्छे स्वास्थ्य, जलवायु कार्रवाई आदि जैसे विषयों पर सभी 17 एसडीजी को कवर करने वाली पुस्तकों की एक क्यूरेटेड सूची साझा की गई।

द बिंग रीड्स सुझावों में सिक्स डिग्री, डिफाइंग ओशन एंड, कैपिटल इन द 21 सेंचुरी, हाउ चिल्ड्रन फेल, पुअर इकोनॉमिक्स, द गोल, इंडिपेंडेंट पीपल आदि शामिल थे।

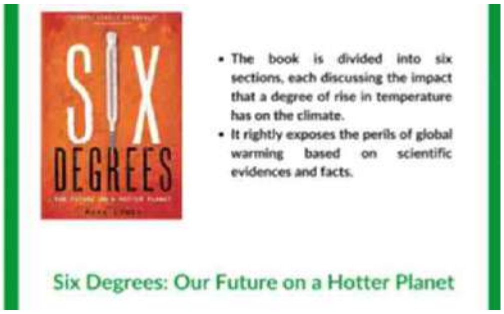

सस्टेनवर्स

सिद्धांत संरक्षण: साझेदारी और संवाद

फोकस में एसडीजी: सभी एसडीजी

यूएनजीसी–पीआरएमई भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 'सस्टेनवर्स – सस्टेनेबिलिटी एंड रिस्पॉन्सिबल मैनेजमेंट एजुकेशन वेबिनार सीरीज' की शुरुआत की । इस वेबिनार श्रृंवला का उद्देश्य आगामी प्रबंधकों और कॉर्पोरेट नेताओं में स्थायी प्रथाओं के बारे में ज्ञान और जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है।

ऑनलाइन आयोजित सस्टेनवर्स अनुभवी सत्रों के संस्थापक वर्ष, और भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के वक्ताओं और मेधावी छात्रों के बीच विचारों और दृष्टिकोणों का एक उपयोगी आदान-प्रदान हुआ। उद्योग के वर्तमान स्थायी दृष्टिकोण और स्थायी फर्मों के लिए आगे की राह के बारे में रोमांचक बातचीत हुई।

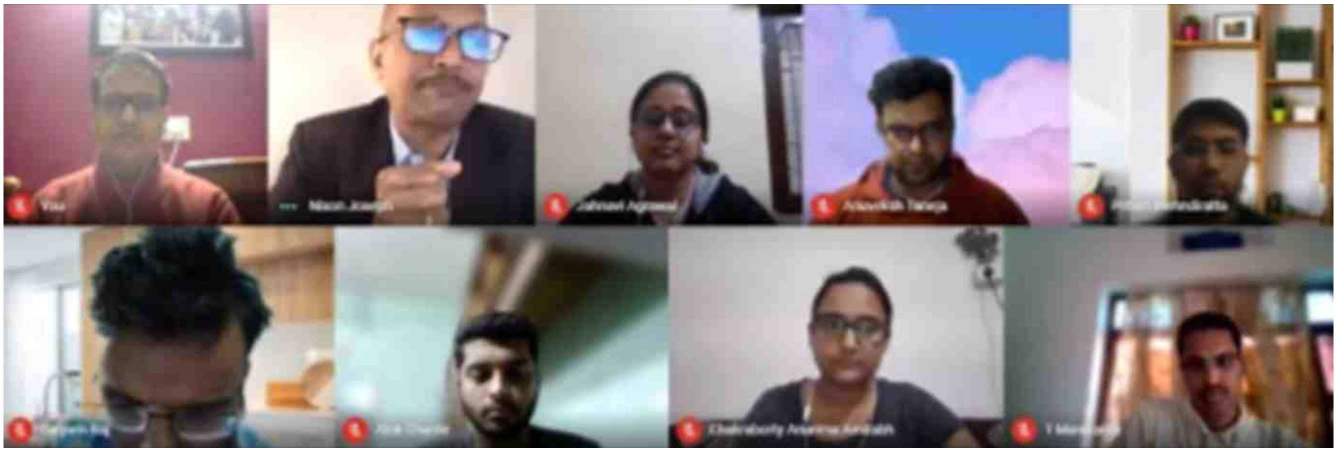

यूएनजीसी-पीआरएमई भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची को ICICI फाउंडेशन, SBI फाउंडेशन, सुपर ह्यूमन रेस, श्रैं फाउंडेशन, आदि जैसे प्रमुख संगठनों के प्रतिष्ठित वक्ताओं की मेजबानी करने के लिए सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने बढ़ते व्यवसायों और समग्र रूप से समाज के संदर्भ में स्थिरता से संबंधित विषयों पर अपने विचार और अनुभव साझा किए। सत्रों ने कनिष्ठ समूह को भविष्य के स्थायी प्रबंधकों के रूप में खुद को अवधारणा देने में सहायता की।

टोस्टमास्टर्स

सिद्धांत संरक्षण: साझेदारी

फोकस में एसडीजी: सभी एसडीजी

यूएनजीसी-पीआरएमई ने टोस्टमास्टर्स (भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची चैपटर) के सहयोग से स्थिरता और इसकी प्रथाओं पर चर्चा की। टेबल विषय ''प्रबंधकों और स्थिरता'' के आसपास, बैठक ने स्थिरता के प्रबंध के बारे में बात की और कैसे हम भविष्य के प्रबंधकों के रूप में, दुनिया में हम जो बदलाव देखना चाहते हैं, उसे लाने के लिए कैसे हम छोटे कार्यों को कर सकते हैं।

यूएनजीसी-पीआरएमई टीम के तीन सदस्यों, दोहरथी, श्रवण और अनुरिमा ने इस विषय पर बात की और बताया कि कार्य करने की इच्छा शक्ति होने की आवश्यकता है, और इसी तरह से हम निरंतरता के अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं।

अनसब्सक्राइब द कार्बन

सिद्धांत संरक्षण: उद्देश्य

फोकस मेंएसडीजी: एसडीजी 13 - क्लाइमेट एक्शन

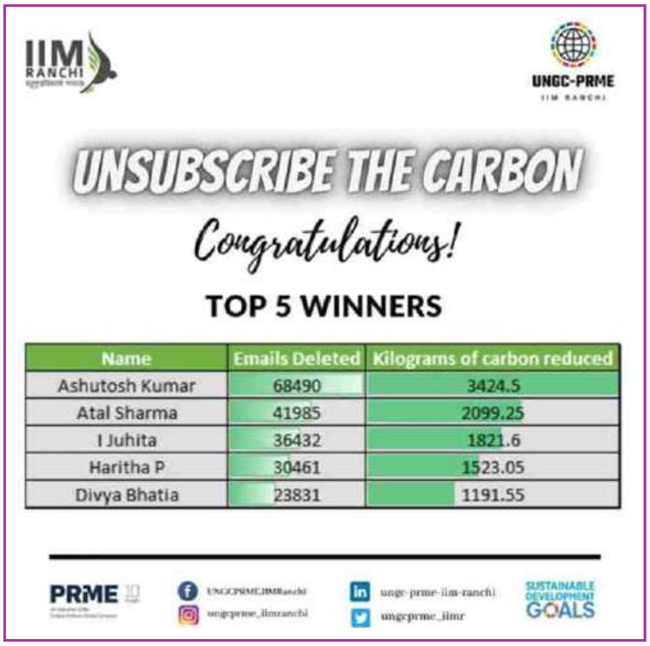

Name	Emails Deleted	Kilograms of carbon reduced
Ashutosh Kumar	68490	3424.5
Atal Sharma	41985	2099.25
I Juhita	36432	1821.6
Haritha P	30461	1523.05
Divya Bhatia	23831	1191.55

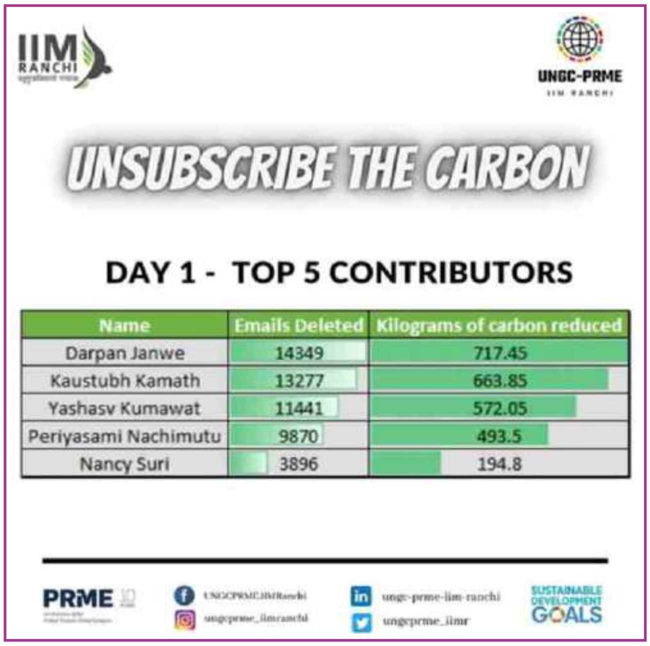

Name	Emails Deleted	Kilograms of carbon reduced
Darpan Janwe	14349	717.45
Kaustubh Kamath	13277	663.85
Yashasv Kumawat	11441	572.05
Periyasami Nachimutu	9870	493.5
Nancy Suri	3896	194.8

यूएनजीसी-पीआरएमई ने डिजिटल कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के लिए एक प्रयास शुरू किया था। 29 अक्टूबर, 2020 को यूएनजीसी-पीआरएमई के टीम ने जंक मेल से होने वाले कार्बन उत्सर्जन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक अभियान शुरू किया। छात्रों को निर्देश दिया गया कि उनके पास जो भी पुराना जंक मेल है उसे हटा दें। वे यह तब गणना कर सकते थे कि उनकी बढ़ी हुई जागरूकता के परिणामस्वरूप वे कितने कार्बन उत्सर्जन से परहेज करते है।

अभियान 'अनसब्सक्राइब द कार्बन' को पूरे भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची की तरफ से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के बिरादरी की पहल और संयुक्त प्रयासों के कारण, यह आयोजन सफल रहा और इससे 18,020 किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी आई। 'अनसब्सक्राइब द कार्बन' एसडीजी 13 के सिद्धांतों से प्रेरित था, जो जलवायु कार्रवाई पर ध्यान केंद्रित करता है और जलवायु परिवर्तन और उसके प्रभावों से निपटने के लिए कार्रवाई करने का भी आग्रह करता है।

वॉकथॉन

सिद्धांत संरक्षणः साझेदारी

फोकस में एसडीजी: एसडीजी 10 – कम असमानताएं, एसडीजी 3 – अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण, एसडीजी 5 – लैंगिक समानता

यूएनजीसी-पीआरएमई, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने एगॉन रश (भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के प्रबंधन, सांस्कृतिक और वेल उत्सव) के सहयोग से 5 से 7 फरवरी, 2021 तक 'वॉकथॉन 2021' का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ट्रांसजेंडर के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और समुदाय के सामाजिक कलंक का मुकाबला करना था। 'ट्रांस राइट्स ह्यूमन राइट्स हैं: ए वॉक टू फोस्टर जेंडर इक्वेलिटी वॉकथॉन 2021 का विषय था। एसडीजी रु5 (लैंगिक समानता), एसडीजी रु10 (घटी हुई असमानता), एसडीजी रु3(अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण), और एसडीजी रु17(लक्ष्यों के लिए साझेदारी) ये सारे सतत विकास लक्ष्य थे जिन पर चर्चा की गई थी।

इस आयोजन के लिए 120 से अधिक लोगों ने अपने सेल फोन पर गूगल फिट और वैनटेज फिट ऐप का उपयोग करके इस कार्यक्रम में भागीदारी के लिए ऑनलाइन साइन अप किया। एक वर्चुअल लीडरबोर्ड ने उनके द्वारा उठाए गए कदमों की संख्या के आधार पर अपनी स्थिति प्रदर्शित की। सुश्री जैनब पटेल, केपीएमजी इंडिया में निदेशक-समावेशन और विविधता, इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं और उन्होंने इस अवसर को एक आभासी झंडी दिवाकर आगे बढ़ी।

टीडब्ल्यूईईटी (ट्रांसजेंडर वेलफेयर, इक्विटी और एम्पावरमेंट ट्रस्ट) फाउंडेशन को कोई भी प्रतिभागी राशि दान कर सकते हैं, जो इस पहल के लिए हमारे साथ भागीदार हैं। सभी प्रतियोगियों को जिसने 2000 कदम या उससे भी अधिक चला हो उन्हें एक फिनिशर का पदक और एक ई-प्रमाण पत्र दिया गया। लीडरबोर्ड पर शीर्ष 100 लोगों को बोनस हैम्पर प्राप्त हुआ। एक निश्चित राशि का न्यूनतम उपहार देने वाले प्रतिभागियों को एक और हैम्पर दिया गया। ट्वीट फाउंडेशन (एनजीओ पार्टनर), वेंटेज सर्कल (कॉर्पोरेट फिटनेस पार्टनर), वैंटेज फिट (पॉवरिंग पार्टनर), और श्रीली फूड्स (प्रायोजन पार्टनर) ने इस आयोजन के लिए हमारे साथ सहयोग किया। कार्यक्रम के लिए सद्भावना और समर्थन के एक संकेत के रूप में, श्रीली फूड्स ने भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में ग्रुप डी के सभी कर्मचारियों को फूड हैम्पर्स दान किए।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में उन्नत भारत अभियान

11 नवंबर 2014 को, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा उन्नत भारत अभियान योजना की शुरूआत की गई।

उन्नत भारत अभियान का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को विकास के चुनौतियों की पहचान करने और सतत विकास में तेजी लाने के लिए उपयुक्त समाधान विकसित करने में ग्रामीण भारत के लोगों के साथ काम करने में सक्षम बनाना है। इसका उद्देश्य उभरते व्यवसायों के लिए ज्ञान और अभ्यास प्रदान करके समाज और समावेशी शैक्षिक प्रणाली के बीच एक अच्छा सहयोग बनाना और ग्रामीण भारत की विकास आवश्यकताओं के जवाब में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों की क्षमताओं का उन्नयन करना है।

उन्नत भारत अभियान के तहत भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची 5 गांवों में काम कर रहा है। इन गांवों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इनमें मुख्य रूप से सभी गांवों का विस्तृत सर्वेक्षण, गांव के लोगों के साथ उनकी समस्याओं को जानने के लिए ग्राम सभा, पीने के पानी के लिए प्राकृतिक पानी के स्रोत, गांव में पानी के प्रवाह की व्यवस्था, कृषि का मॉडल और पर्यावरण पर्यटन, आजीविका आदि के लिए विभिन्न प्रशिक्षण किया गया। इन गांवों के सतत विकास के लिए भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के प्रोफेसर और छात्र लगातार इन गांवों का दौरा कर रहे हैं।

इस वर्ष भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने इन गांवों में आजीविका उन्मुव कार्य करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत साल के पेड़ की पत्तियों से बने पत्ते की प्लेट, औषधीय पौधों के मूल्य वर्धित उत्पाद और अन्य वनोपज आधारित व्यवसाय को फोकस कर रहे हैं। इसी पहल के लिए इन गांवों में ग्राम स्तरीय सर्वेक्षण और बैठकें की गई हैं और जल्द ही इन गांवों में एक समुदाय आधारित उद्यम केंद्र स्थापित किया जाएगा।

रासाबेड़ा गांव में महिलाओं के साथ बैठक कर आजीविका अवसरों पर चर्चा की गई।

जराटोली, लेप्सर और जिदु की महिलाओं द्वारा पत्तल और डोना के हस्तक्षेप को अंतिम रूप देने के लिए बैठक की गई।

आजीविका के अवसरों पर चर्चा के लिए रासबेड़ा गांव में महिलाओं के साथ बैठक

जराटोली, लेप्सर और जिदु की महिलाओं द्वारा पत्तल और डोना के हस्तक्षेप को अंतिम रूप देने के लिए बैठक

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची और एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (ईडीआईआई), अहमदाबाद ने 22 मई, 2020 को अधिक से अधिक युवाओं को एक उद्यमी कैरियर की ओर उन्मुख करने के लिए हाथ मिलाया है। इसे सुनिश्चित करने के लिए संस्थान छात्रों को उद्यमिता और प्रबंधन में प्रशिक्षण और परामर्श प्रदान करेंगे, संकाय सदस्यों के लिए उन्मुखीकरण के साथ-साथ परिणाम और नतिजा टिकाऊ बन जाए। कुल मिलाकर, रांची में कार्यक्रमों की पेशकश के माध्यम से ऊष्मायन केंद्र की स्थापना और दोनों संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों के लिए कई अनुकूल उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। छात्रों के बीच उद्यमशीलता की सोच को बढ़ावा देने और इस प्रकार अभिनव स्टार्ट-अप के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए, एक साझेदारी समझौते के तहत, ईडीआईआई अपने रांची, झारखण्ड परिसर में भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ऊष्मायन केंद्र स्थापित करने में तकनीकी सहायता प्रदान करेगा। दोनों संस्थान संयुक्त रूप से उद्यमिता विकास और कौशल वृद्धि पर सर्टिफिकेट कोर्स भी विकसित करेंगे। इसके अलावा छात्र आदान-प्रदान और संकाय विकास कार्यक्रमों के तहत झारखण्ड और अन्य पड़ोसी राज्यों में एक उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और इसे मजबूत बनाने के लिए प्रयास करेंगे। इस सहयोग से दोनों संस्थानों के लिए ज्ञान साझा करने, शिक्षण, अनुसंधान और संस्थागत समर्थन को बढ़ावा मिलेगा।

हिंदी पखवाड़े के समारोह

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने सितंबर 2020 में हिंदी पखवाड़े को मनाया। संस्थान ने पखवाड़े के दौरान शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच पखवाड़े और एक्सटेम्पोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। पखवाड़े का समापन समारोह 25 सितंबर 2020 को आयोजित किया गया था। इस अवसर के मुख्य अतिथि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के निदेशक प्रो शैलेंद्र सिंह थे। प्रो. नितिन सिंह और प्रो. रेखा सिंघल विशिष्ट अतिथि थे। हिंदी पववाड़े के समापन समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

गांधी जयंती

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 2 अक्टूबर 2020 को राष्ट्र के दो महान सपूतों महात्मा गांधी और देश के दूसरे प्रधान मंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई। प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने राष्ट्र के इन दो महान सपूतों के जीवन से संबंधित विभिन्न यादों और घटनाओं को याद करते हुए एक प्रेरक भाषण दिए। उन्होंने आगे इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी लोगों को सत्य, अहिंसा, ईमानदारी और कर्तव्य की भावना का अभ्यास करने की सलाह दी, जैसा कि हम देश के इतिहास से सीखते हैं कि कैसे इन दो व्यक्तित्वों ने अपने जीवन में इन बातों पर अभ्यास किया। प्रो. सिंह ने इस घटना को साझा किया कि कैसे महात्मा गांधी को 'राष्ट्रपिता' की उपाधि मिली। प्रो. सिंह ने यह भी कहा कि महात्मा गांधी इस बात का उदाहरण हैं कि एक नेता को कैसा होना चाहिए क्योंकि एक सच्चा नेता व्यक्ति को वह सबको अच्छा बनने के लिए प्रोत्साहित करता है, प्रेरित करता है और सशक्त बनाता है। उन्होंने यह भी कहा कि 'महात्मा गांधी' नाम ने भारत को एक अंतरराष्ट्रीय पहचान दी। प्रो. रेखा सिंघल ने एक प्रेरक भाषण दिया और महान गांधी जी और श्री शास्त्री जी की जीवन शैली के बारे में अपनी सीख और अनुभव को बांटा। प्रो. सिंघल ने 'बापू' की जीवन शैली पर एक संक्षिप्त जानकारी भी साझा की। उसने कहा कि 'वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो जो वो कहा करते थे उसका अभ्यास किया करते थे और उसने अपने जीवन में पांच सिद्धांतों का पालन किए, अर्थात् सत्य, अहिंसा, सहयोग, शांति और प्रेम'।

कोविड-19 के लिए उचित व्यवहार जन आंदोलन की शपथ

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने कोविड-19 उचित व्यवहार के लिए जन आंदोलन पर शपथ समारोह का आयोजन किया। 14 अक्टूबर 2020 को प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची द्वारा संकाय, छात्रों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। कोविड -19 उचित व्यवहार के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया के मद्देनजर प्रतिज्ञा को आयोजित किया गया था। 8 अक्टूबर 2020 को माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने एक ट्वीट के जरिए कोविड -19 के पर एक जन आंदोलन अभियान को शुरू किया गया। संदर्भित अभियान के तहत सभी संस्थानों को एक वादा करना था जो इस घातक वायरस के प्रसार के विलाफ, सावधानी बरतने के लिए उचित व्यवहार के लिए था।

शपथ को इस प्रकार पढ़ी गई:

- मैं हर समय सतर्क रहने एवं अपने और अपने सहयोगियों के लिए कोविड - 19 से होने वाले जोखिम को ध्यान में रखने के लिए वचनबद्ध हूँ।
- मैं इस घातक वायरस के प्रसार को रोकने के लिए सभी आवश्यक सावधानी बरतने का वादा करता हूं।
- मैं वादा करता हूँ प्रमुव कोविड उपयुक्त व्यवहारों का पालन करने के लिए दूसरों का अनुसरण करने और उन्हें प्रोत्साहित करने में।
- हमेशा मास्क या फेस कवर पहनें, खासकर जब सार्वजनिक स्थानों पर हों।
- दूसरों से कम से कम 6 फीट की दूरी बनाए रखना।
- साबुन और पानी के साथ बार-बार और अच्छी तरह से अपना हाथ धोना।
- हम सब मिलकर कोविड-19 के खिलाफ लड़ेंगे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 पर एक सत्यनिष्ठा शपथ समारोह का आयोजन किया जिसमें सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा, उत्तरदायित्व, पारदर्शिता और ईमानदारी के महत्व पर बल दिया गया था। इस वर्ष, केंद्रीय सतर्कता आयोग ने 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक ''सतर्क भारत, समृद्ध भारत'' विषय के साथ सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने का निर्णय लिया है। प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने संकाय, छात्रों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई, जो भी वहाँ शारीरिक रूप से और वर्चुअल मोड के माध्यम से जुड़े हुए थे।

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 2 नवंबर, 2020 को आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह मनाया। प्रो. शैलेंद्र सिंह ने कहा कि भ्रष्ट मानसिकता की जगह ईमानदार मानसिकता का परिचय देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि हमें अपने कार्यों में जिम्मेदार होना चाहिए ताकि पारदर्शिता जैसे मूल्य हों। जवाबदेही और ईमानदारी हमारे अच्छे और ईमानदार कार्यों से पैदा हो सकती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री उपकार कुमार केडिया, मुख्य सतर्कता अधिकारी, मेकॉन लिमिटेड, रांची ने श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जितना अधिक जागरूक समाज होगा भ्रष्टाचार उतना ही कम होगा। उन्होंने कहा कि सतर्कता केवल उच्च अधिकारियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि एक शिक्षण संस्थान में भी छात्रों का कर्तव्य है कि वे अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार बनें। कार्यक्रम का समापन सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत एक मिथक है'इस विषय पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा के साथ हुआ था।

राष्ट्रीय एकता दिवस

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया। प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने संकाय, छात्रों और कर्मचारियों को शपथ दिलाई, उन्होंने रियासतों को एकजुट करने और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान के बारे में बात की। इसके अलावा, उन्होंने महात्मा गांधी के साथ सरदार वल्लभ भाई पटेल के जुड़ाव के बारे में भी बताया। प्रो. रेखा सिंघल ने आगे यह भी कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल वह व्यक्ति थे जिसने देश को बचाया था। यह दिन उनके योगदान को याद करने का दिन है। प्रो. नितिन सिंह ने भी एक भाषण दिया और राष्ट्र की एकता के महत्व पर जोर दिया और कहा, 'एक साझा दृष्टिकोण होना बहुत महत्वपूर्ण है चाहे वह एक राष्ट्र हो या संगठन एक साझा दृष्टि के बिना राष्ट्र/संगठन ध्वस्त हो जाएगा''। कार्यक्रम के अंत में सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन पर छोटा सा क्विज का आयोजन किया गया था।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 11 नवंबर, 2020 को आयोजित मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती के उपलक्ष्य पर राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया। मौलाना अबुल कलाम आजाद वह एक महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रख्यात शिक्षाविद् और भारत के पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री थे। प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने शारीरिक रूप से मौजूद और वर्चुअल मोड के माध्यम से जुड़े हुए शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया। प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने कहा, ''न चोरहार्यं न च राज्यहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारी । व्यये कृते वर्धत एव नित्यं विद्या धनं सर्वधनप्रधानम्।।'' जिसका अर्थ: धन के अन्य रूपों के विपरीत, विद्वता और विद्या को न तो चोर चुरा सकता है और न ही सरकार इसे जब्त कर सकती है, यह पैतृक धन में हिस्से के रूप में भाइयों के बीच भी विभाजित नहीं होता है। दूसरी ओर जितना अधिक आप इसे खर्च करते हैं (दूसरों के साथ बांटा करते हैं) उतना ही यह दिन-ब-दिन बढ़ता जाता है। निःसंदेह ज्ञान, विद्या के रूप में धन है, जो सभी प्रकार के धन में सबसे अहम है। उन्होंने आगे कहा कि एक अच्छी संगत छात्रों को सभी संदेहों से छुटकारा पाने और जीवन में अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकती है और कहा कि शिक्षा प्रणाली को इस तरह से तैयार किया जाना चाहिए कि यह स्वायत्त और पारदर्शी बनी रहे। प्रो. पियाली घोष ने भी दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा, 'एक राष्ट्र के रूप में, हम आत्मनिर्भरता और जीविका को बढ़ावा देने के लिए एक कौशल-आधारित मॉडल को शुरू करने और लागू करने की दिशा में महान कदम उठा रहे हैं। यह साहसिक कदम तभी फल देगा जब हम शिक्षाविद के रूप में, इस युग के छात्रों में पाई जाने वाली विभिन्न प्रकार की सीखने की प्राथमिकताओं और जरूरतों को शामिल करने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में आवश्यक शर्तें प्रदान करेंगे।" अध्यक्ष (पीजीपी) प्रो. प्रदीप कुमार बाला ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा जीवन का आधार है और इसकी शुरुआत बचपन से होती है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा समाज के कमजोरों के साथ-साथ अभिजात्य वर्ग को भी सशक्त बनाती है और यह केवल चार दीवारों तक सीमित नहीं होती है। कार्यक्रम के अंत में इस अवसर पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया, जिसका विषय था: नई शिक्षा नीति बहुत आदर्श है, भारत जैसे देश में लागू होने के लिए।

राष्ट्रीय संविधान दिवस

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची द्वारा भारत के संविधान को अपनाने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संविधान दिवस 26 नवंबर, 2020 को मनाया गया। प्रोफेसर शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने संकाय, छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया और कहा कि हमारे संविधान सबसे कीमती

दस्तावेज है और हमें इसका सम्मान करना चाहिए क्योंकि यह गहन विचार-मंथन और संघर्ष के बाद बनाया गया है। उन्होंने दर्शकों को प्रोत्साहित किया कि प्रत्येक व्यक्ति को सही भावना से संविधान का पालन करके हमारे देश की संप्रभुता की रक्षा करने का प्रयास करना चाहिए। प्रो रेखा सिंघल ने बताया कि कैसे भारतीय संविधान के विभिन्न वर्गों को अन्य देशों से अपनाया गया है जो इसे सभी पीढ़ियों के लिए एक गतिशील और प्रासंगिक दस्तावेज बनाया गया है। प्रो. अंगशुमान हजारिका ने संविधान दिवस की पृष्ठभूमि देते हुए अपने भाषण की शुरुआत की। उन्होंने इस संविधान सभा के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय संविधान के दस मौलिक कर्तव्यों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने भारत में 11वें मौलिक कर्तव्यों के बारे में भी शुरूआत से बताया जिसे अभी तक अधिसूचित नहीं किया गया है। उन्होंने मौलिक कर्तव्यों के कार्यान्वयन के विभिन्न उदाहरणों का हवाला दिया।

फिट इंडिया मूवमेंट

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 08 दिसंबर, 2020 को 'फिटनेस का डोज आधा घंटा हर रोज' विषय के साथ फिट इंडिया मूवमेंट मनाया। फिट इंडिया अभियान के तहत, विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे वॉकथॉन / रनिंग, योग सत्र, ट्रेडमिल पर व्यायाम/मिनी जिम। प्रो. जी नरेश ने योग अभ्यास के तीन मुख्य भागों के बारे में बात की: अष्टांग-योग, ज्ञान-योग, और भक्ति-योग, जिसका उल्लेख भगवत गीता में किया गया है। उन्होंने पतंजलि के योग सूत्र के बारे में भी चर्चा की, अष्टांग पथ को अष्टांग कहा जाता है, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'आठ अंग' (अष्ट = आठ, अंग = अंग)। प्रोफेसर अंगशुमान हजारिका ने कहा कि खेलों को पढ़ाई के साथ जोड़ा जाना चाहिए और कबड्डी और वो जैसे पारंपरिक खेलों का व्यवसायीकरण किया जाना चाहिए।

सेमिनार हॉल का उद्घाटन

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने राज्यसभा के माननीय सदस्य श्री परिमल नाथवानी जी द्वारा अपने पहले भवन का 14 दिसंबर 2020 को उद्घाटन कराया।

आज जिस भवन का उद्घाटन किया गया है वह भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का पूरी तरह से वातानुकूलित सभागार है। यह सभागार एक समय में लगभग 650 लोगों को समायोजित करने के लिए ऑडियो-वीडियो समर्थन की सभी आधुनिक आईटी सुविधाओं के साथ बनाया गया है।

राज्यसभा सांसद श्री परिमल नथवानी ने कहा, 'भारत के शीर्ष प्रबन्धन संस्थान, भारतीय प्रबन्धन संस्थान, रांची में इस विश्व स्तरीय सेमिनार हॉल का उद्घाटन करना मेरे लिए बहुत गर्व का क्षण है। मेरे संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीलैड) फंड से कुल 13.56 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस सबसे आधुनिक सुविधा में लगभग 40,000 वर्ग फुट में फैले 650 लोगों की बैठने की क्षमता वाला सभागार है। स्थापना के बाद से भारतीय प्रबन्धन संस्थान राँची पाठ्यक्रम के एक प्रबन्धन संस्थान में जो पढ़ाया जाता है और वास्तव में व्यवसायों द्वारा क्या आवश्यक है, के बीच की दुरी को कम करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह सेमिनार हॉल शिक्षा जगत और कॉरपोरेट जगत के बीच एक पुल (ब्रिज) होगा। मुझे उम्मीद है कि यह एक प्रमुख शिक्षण केंद्र के रूप में उभरेगा जहां भारत और दुनिया भर के शीर्ष सीईओ, उद्योग विशेषज्ञ और प्रबंधन गुरु आयेंगे और छात्रों को पढ़ा पायेंगे, उनसे बातचीत कर सकेंगे और अपने ज्ञान को छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बांट पायेंगे।

एगॉन रश 2021

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची द्वारा आयोजित अपने वार्षिक प्रबन्धन, सांस्कृतिक और खेल उत्सव का 5 फरवरी से 7 फरवरी 2020 तक आयोजन किया गया। इस बार छात्रों ने दो सबसे अधिक मनाए जाने वाली गतिविधियों को एक साथ दोगुना उत्साह के साथ आयोजित किया। भारत के तामाम छात्रों ने इन कार्यक्रमों में भाग लिया है, जिसमें शीर्ष बी-स्कूलों, आईआईटी वालों ने अपने नाम दर्ज करवाए। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के मार्केटिंग क्लब मार्क्वेस ने 45,000 रुपये की कुल पुरस्कार राशि की पेशकश की, जबकि कंसल्टिंग क्लब कोन्ड्रम ने उपलब्धि हासिल करने वालों को 50,000 रुपये पुरस्कार के रुप में प्रदान किए। रश के अंतर्गत आयोजित विभिन्न खेल आयोजनों में 90,000 रुपये के पुरस्कार दांव पर लगे थे। इलिप्सिस, लिटरेरी क्लब ने रु. 55,000 और भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के फाइनेंस क्लब फिनोप्सिस ने 63,000 रुपये के रुप में पुरस्कार प्रदान किए। । सांस्कृतिक समिति ने भी दिलचस्प प्रतियोगिताओं की एक विस्तृत श्रृंखला का आयोजन किया, जिसमें रु. 92,000 मूल्य के नकद पुरस्कार इन आयोजनों के विजेताओं के लिए था। अन्य क्लबों ने भी विजेताओं को ईसेल के साथ भारी पुरस्कार प्रदान किए, 63,000 रुपये में एंटरप्रेन्योरशिप क्लब, और आईयर, एचआर क्लब, डिजिटलीटिक्स, एनालिटिक्स क्लब और समरपन, सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी क्लब प्रत्येक ने 45,000 रुपये प्रदान किये। सांक्रिया, ऑपरेशंस क्लब ने अपने आयोजनों के लिए 4,00,000 रुपये से अधिक की कुल पुरस्कार राशि की पेशकश की। क्लबों के अलावा, अन्य छात्र निकायों, जैसे यूएनजीसी, आईआईसी और पॉलीनॉमिक्स ने भी कुल 31,000 रुपये के पुरस्कार प्रदान किए।

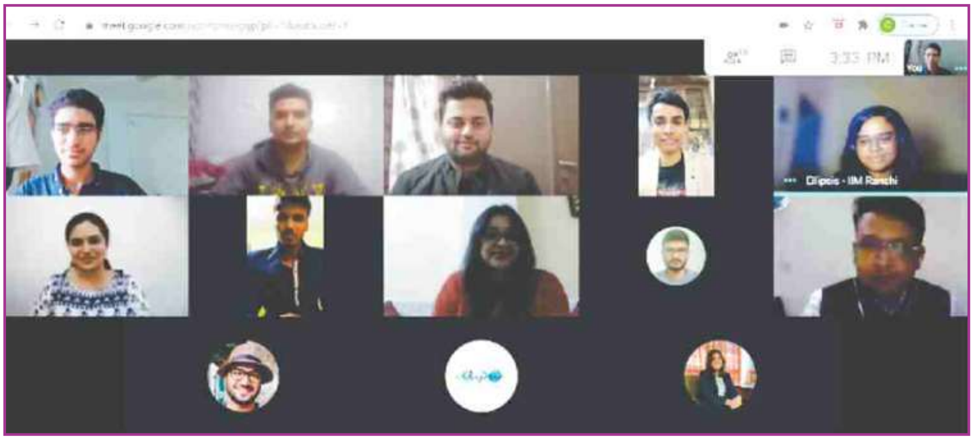

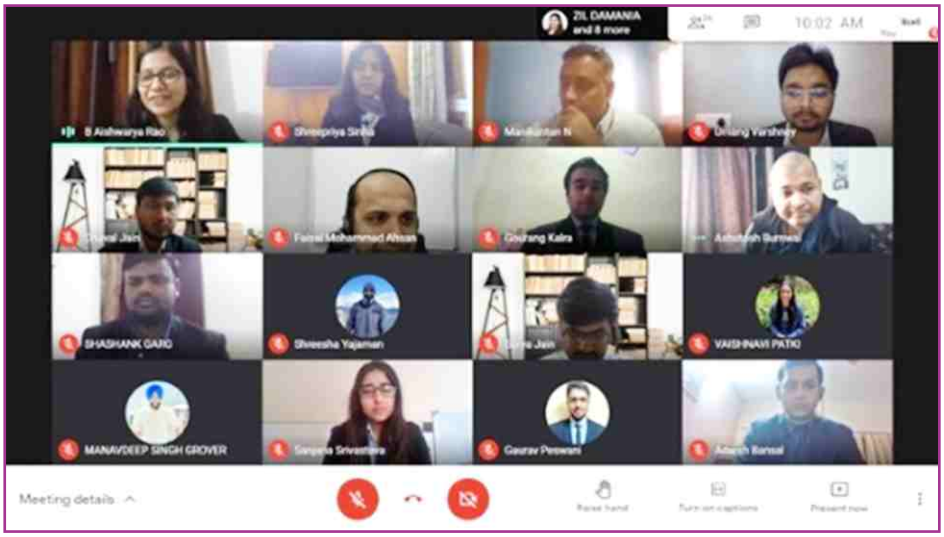

यातायात जागरूकता सत्र

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 15 फरवरी, 2021 को यातायात जागरूकता सत्र का आयोजन किया। श्री अजीत पीटर डुंगडुंग, एसपी ट्रैफिक इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मोटर वाहन अधिनियम के तहत यातायात नियमों और विनियमों और सड़क सुरक्षा से संबंधित इसके महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट और दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने के महत्व पर जोर दिया।

एम्स (AIIMS), देवघर के साथ समझौता ज्ञापन

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची ने 26 मार्च, 2021 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, देवघर के साथ एक समझौता ज्ञापन में भाग लिया है। यह समझौता ज्ञापन सहयोगात्मक व्यवस्था विकसित करने के लिए शिक्षा, अनुसंधान और सेवा क्षेत्र में सहयोग के लिए है, जिससे संस्थान दो संस्थानों के बीच संबंधों को और बढ़ाने के लिए सहयोगी शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान और अन्य सहमत गतिविधियों में भाग ले सकते हैं।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रबन्धन, अनुसंधान और सेवा के क्षेत्रों के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। एमओयू की हस्ताक्षरित प्रतियों का आदान-प्रदान प्रो. शैलेंद्र सिंह, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची और प्रो. सौरभ वार्ष्णेय, कार्यकारी निदेशक और एम्स, देवघर के सीईओ के बीच किया गया। इस अवसर पर प्रो. पी के बाला एवं प्रो. रोहित कुमार भी उपस्थित थे।

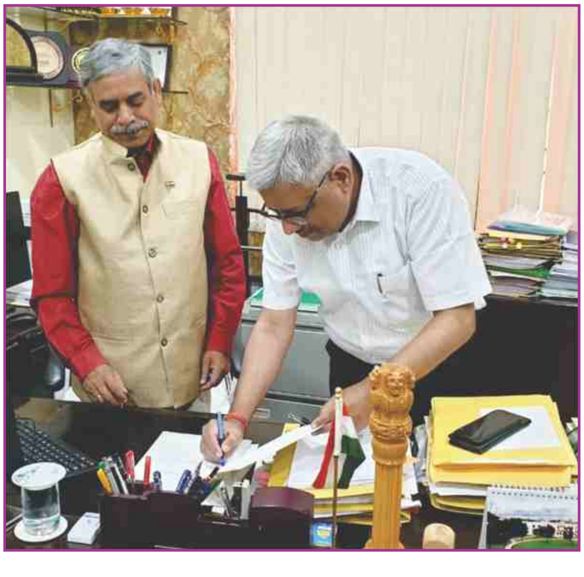

छात्र गतिविधियां

1. लोजिस्टिक्स एंड सप्लाई चैन वर्कशॉप:

प्रो अर्नब अधिकारी (संचालन प्रबंधन) द्वारा रसद और आपूर्ति श्रृंखला की दुनिया में आने वाली समस्याओं और अवसरों पर आयोजित वेबिनार।

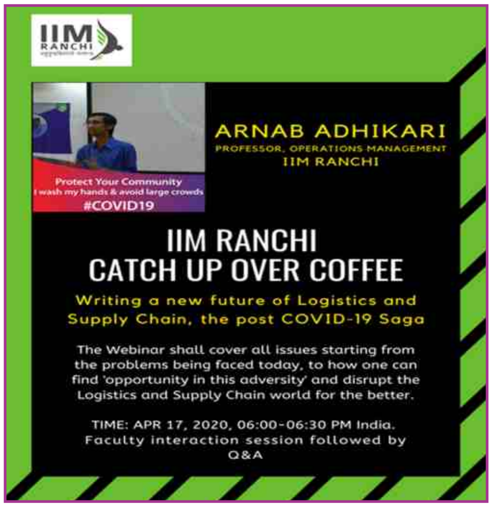

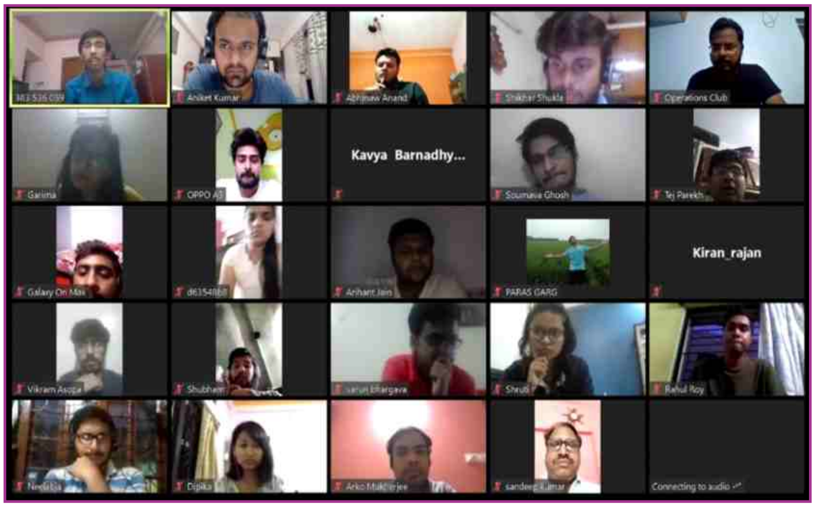

2. क्रैक द केस 6.0 – बिजनेस केस कम्पटीशन इन एगॉन रश'21

क्रैक द केस 6.0, आईएससीईए एससी नेक्स्ट के सहयोग से सांक्रिया का प्रमुख कार्यक्रम हुआ।

900+ प्रतिभागियों के साथ, पूरे भारत में बी-स्कूलों के छात्रों की भारी भागीदारी भी शामिल थी।

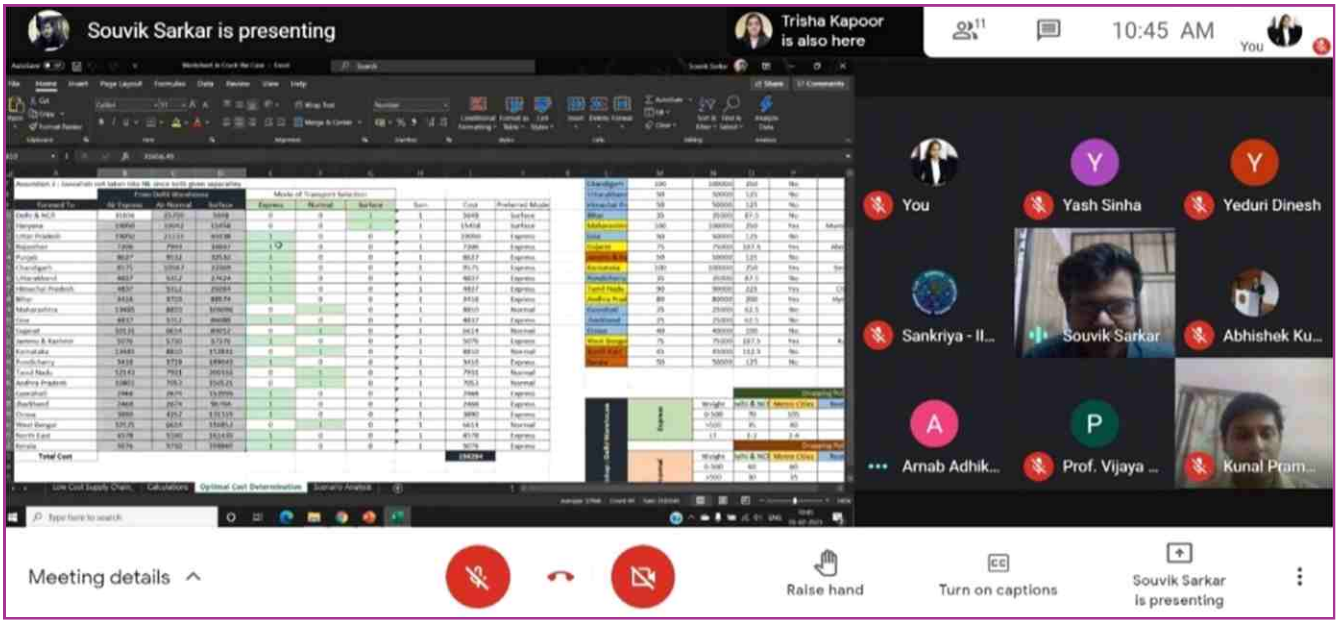

3. बिजसिम 6.0 – ऑनलाइन बिजनेस सिमुलेशन इवेंट इन एगॉन रश' 21:

बिजसिम 6.0 ऑनलाइन बिजनेस सिमुलेशन इवेंट है जिसमें मांग का पूर्वानुमान करना एक बड़ी उत्पादन सुविधा स्थापित करने के लिए रणनीतिक तैयार करने का निर्णय लेना जैसी गतिविधियाँ शामिल है।

IIM RANCHI
PANEL DISCUSSION
UNION BUDGET
2021
Dr. Amarendu Nandy
Dr. Manasi Phadke
Dr. Sayantan Kundu
Date
25th February 2021
Timings
17:00hrs - 18:00 hrs

QR Code
Quiz SIG of IIM Ranchi
Presents
IIM RANCHI
"EXTRA TIME"
THE MEGA SPORTS QUIZ
5TH SEPTEMBER, 2020 - 10:00 PM
/QuizClub.IIMRanchi
/quizclubiimranchi
@quizclub_iimranchi
@quizclub_iimr

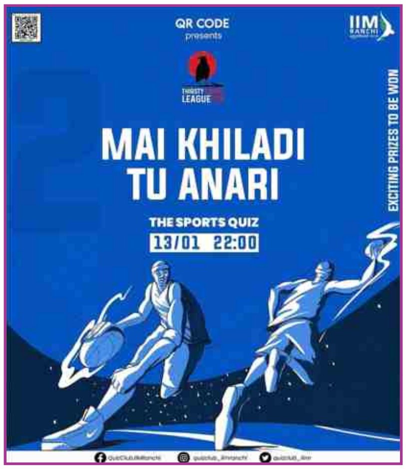
QR CODE
presents
IIM RANCHI
MAI KHILADI
TU ANARI
THE SPORTS QUIZ
13/01 22:00
EXCITING PRIZES TO BE WON

DAY 2 AT A GLANCE
WE THANK EVERYONE
FOR THEIR PARTICIPATION!
JOY OF GIVING
SPORTS COMMITTEE: UNO
QR CODE: F2020
FROGGY FEET: BOL DO NA ZARA
GRAYSCALE: SHAKA LAKA BOOM BOOM
POLYNOMICS: PAISA, POWER, POLITICS

IIM
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT RANCHI
LIVE WEBINAR
NAVIGATING CAREER WITH A GLOBAL
MINDSET
MONIKA NAVANDAR
PERSPECTIVE

वर्ष के दौरान प्रतिष्ठित अतिथि

संस्थान में वर्ष के दौरान कई विशिष्ट अतिथियों की आगमन हुआ (ऑन-लाइन/ऑफ-लाइन):-

क्र.संख्या	अतिथि का नाम	दिनांक	विवरण
1	डॉ सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई	22.05.2020	समझौता ज्ञापन
2	डॉ. पी जी रघुरामन प्रबंध निदेशक, मुख्य जोखिम अधिकारी - ग्रोथ मार्केट्स, एक्सेंचर	24.07.2020	'डेयर टू लीड थ्रू क्राईसेस' पर वेबिनार
3	सुश्री दीप माला, संस्थापक-द विजुअल हाउस	27.08.2020	वक्ता ABVCLPG द्वारा 'वूमन ऑफ फेथ, सीरीज-II' पर केंद्रित ई-संगोष्ठी
4	सुश्री सैली लाड, निदेशक-वोक्सरा टेक्नो सॉल्यूशंस	27.08.2020	वक्ता ABVCLPG द्वारा 'वूमन ऑफ फेथ, सीरीज-II' पर केंद्रित ई-संगोष्ठी
5	सुश्री नीता अदप्पा, संस्थापक-प्रकृति हर्बल्स	27.08.2020	वक्ता ABVCLPG द्वारा 'वूमन ऑफ फेथ, सीरीज-II' पर केंद्रित ई-संगोष्ठी
6	प्रो. मनोज कुमार तिवारी, निदेशक, नीटी मुंबई	18.09.2020	वक्ता 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक प्रतिमान बदलाव' पर वेबिनार
7	प्रो गिरीश्वर मिश्रा, पूर्व कुलपति, महात्मा गांधी हिंदी अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय	18.09.2020	वक्ता 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक प्रतिमान बदलाव' पर वेबिनार
8	प्रो. भरत भास्कर, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रायपुर	18.09.2020	वक्ता 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक प्रतिमान बदलाव' पर वेबिनार
9	प्रो. देबाशीष चटर्जी, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान कोझीकोड	18.09.2020	वक्ता 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक प्रतिमान बदलाव' पर वेबिनार
10	प्रो हिमांशु राय, निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान इंदौर	18.09.2020	वक्ता 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: एक प्रतिमान बदलाव' पर वेबिनार
11	श्री वीरेंद्र कुमार, माटी घर	06.10.2020	वक्ता ABVCLPG द्वारा 'सोशल एंटरप्रेन्योर्स, थीम: वोकल फॉर लोकल' पर केंद्रित वेबिनार
12	सुश्री मालविका शर्मा, अविका ऑनलाइन	06.10.2020	वक्ता ABVCLPG द्वारा 'सोशल एंटरप्रेन्योर्स, थीम: वोकल फॉर लोकल' पर केंद्रित वेबिनार
13	प्रो. जगदीश एन. शेठ पद्म भूषण 2020 से सम्मानित चार्ल्स एच. केल्स्टैंट मार्केटिंग के प्रोफेसर, एमोरी विश्वविद्यालय के गोइजुएटा बिजनेस स्कूल	17.10.2020	वक्ता 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उच्च शिक्षा पर प्रभाव' पर केंद्रित वेबिनार
14	श्री उपकार कुमार केडिया मुख्य सतर्कता अधिकारी, मेकॉन लिमिटेड, रांची	02.11.2020	मुख्य अतिथि सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह
15	श्री अनिल कुमार एसजी, समुनाती के संस्थापक और सीईओ	13.11.2020	वक्ता एबीवीसीएलपीजी द्वारा 'अन्नदाता: कृषि में क्रांति, थीम: किसानों की आय को दोगुना करना' पर केंद्रित वेबिनार
16	श्री अमरेन्द्र सिंह, देहात के सह-संस्थापक और निदेशक	13.11.2020	वक्ता एबीवीसीएलपीजी द्वारा 'अन्नदाता: कृषि में क्रांति, थीम: किसानों की आय को दोगुना करना' पर केंद्रित वेबिनार

क्र.संख्या	अतिथि का नाम	दिनांक	विवरण
17	श्री कौशिक के, खेती के सह-संस्थापक और सीईओ	13.11.2020	वक्ता एबीवीसीएलपीजी द्वारा 'अन्नदाता: कृषि में क्रांति, थीम: किसानों की आय को दोगुना करना' पर केंद्रित वेबिनार
18	श्री अभिजीत बनर्जी, प्रबंध निदेशक, लिंडे इंडिया लिमिटेड	04.12.2020	वक्ता 'लीडरशिप सीरीज -1 'ब्लैक स्वान' इवेंट के साये में बिजनेस ग्रोथ: द कोविड क्राइसिस'
19	श्री अरुण बालकृष्णन, स्वतंत्र निदेशक, लिंडे इंडिया	04.12.2020	वक्ता 'लीडरशिप सीरीज -1 'ब्लैक स्वान' इवेंट के साये में बिजनेस ग्रोथ: द कोविड क्राइसिस'
20	श्री परिमल नथवानी, राज्यसभा सांसद	14.12.2020	मुख्य अतिथि - संगोष्ठी हॉल का उद्घाटन
21	श्री. हरिवंश नारायण सिंह उपसभापति- राज्य सभा	15.12.2020	मुख्य अतिथि - 12वां स्थापना दिवस समारोह
22	श्री राजू बिस्ता, संसद सदस्य एवं एमडी सूर्य रोशनी लिमिटेड	15.12.2020	सम्मानित अतिथि - 12वां स्थापना दिवस समारोह
23	प्रो. केआरएस मूर्ति, पूर्व निदेशक, भारतीय प्रबन्धन संस्थान बैंगलोर	21.12.2020	22वें एसएमएफ सम्मेलन का उद्घाटन
24	प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय	21.12.2020	22वें एसएमएफ सम्मेलन का उद्घाटन
25	प्रो. कृष्ण कुमार, पूर्व निदेशक भारतीय प्रबन्धन संस्थान कोझीकोड	21.12.2020	22वें एसएमएफ सम्मेलन का उद्घाटन
26	प्रो. सुनील शुक्ला, महानिदेशक, ईडीआईआई	21.12.2020	22वें एसएमएफ सम्मेलन का उद्घाटन
27	प्रो. ए. सहाय, डीन (अनुसंधान), प्रोफेसर सामरिक प्रबंधन, बिमटेक	21.12.2020	22वें एसएमएफ सम्मेलन का उद्घाटन
28	प्रो. ऋषिकेश टी कृष्णन, निदेशक भारतीय प्रबन्धन संस्थान बैंगलोर	23.12.2020	22वें एसएमएफ सम्मेलन का समापन सत्र
29	प्रो. भीमराया मेत्री, निदेशक भारतीय प्रबन्धन संस्थान नागपुर	23.12.2020	22वें एसएमएफ सम्मेलन का समापन सत्र
30	श्री राजनाथ सिंह, माननीय रक्षा मंत्री, भारत सरकार	28.12.2020	मुख्य अतिथि- नौवां दीक्षांत समारोह
31	डॉ. नितिन मदन कुलकर्णी, आईएएस सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), झारखण्ड सरकार	02.01.2021	वक्ता विंटर स्कूल, एबीवीसीएलपीजी
32	डॉ. हीरा लाल, आईएएस, सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), झारखण्ड सरकार	02.01.2021	वक्ता विंटर स्कूल, एबीवीसीएलपीजी
33	श्री शेखर शरन, सीएमडी, सीएमपीडीआई, रांची	02.01.2021	वक्ता विंटर स्कूल, एबीवीसीएलपीजी
34	डॉ मधुकर गुप्ता, पूर्व. आईएएस अधिकारी, सीएसआर विशेषज्ञ, अतिरिक्त मुख्य सचिव, राजस्थान सरकार	19.01.2021	एबीवीसीएलपीजी द्वारा लीडरशिप, पॉलिसी एंड गवर्नेंस पर विंटर स्कूल के अवसर पर मुख्य अतिथि
35	डॉ कल्पना गोपालन, आईएएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, पशुपालन और पशु चिकित्सा विज्ञान, मत्स्य पालन और जनस्पंदन-लोक शिकायत	23.01.2021	'नेतृत्व, नीति और शासन पर शीतकालीन विद्यालय' के लिए समापन सत्र

क्र.संख्या	अतिथि का नाम	दिनांक	विवरण
36	श्री अजीत पीटर डुंगडुंग एसपी ट्रैफिक, रांची	15.02.2021	यातायात जागरूकता कार्यक्रम के मुख्य अतिथि
37	श्रीमती द्रौपदी मुर्मू झारखण्ड के माननीय राज्यपाल	24.02.2021	मुख्य अतिथि-जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र का उद्घाटन
38	प्रो. (डॉ.) रमेश पाण्डेय कुलपति . रांची विश्वविद्यालय	24.02.2021	सम्मानित अतिथि- जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र का उद्घाटन
39	पद्मश्री श्री अशोक भगत प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता	24.02.2021	सम्मानित अतिथि-जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र का उद्घाटन
40	श्रीमती नमिता पंड्या मुंबई चौप्टर के लिए फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी की उपाध्यक्ष	24.02.2021	सम्मानित अतिथि-जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र का उद्घाटन
41	श्रीमती रेखा जैन रांची चौप्टर के फ्रेंड्स ऑफ ट्राइबल सोसाइटी के अध्यक्ष	24.02.2021	सम्मानित अतिथि-जनजातीय मामलों के लिए बिरसा मुंडा केंद्र का उद्घाटन
42	प्रो सौरभ वार्ष्णे, कार्यकारी निदेशक और सीईओ एम्स, देवघर	26.03.2021	एम्स, देवघर के साथ समझौता ज्ञापन

छात्र समितियां और क्लब

समितियाँ

शैक्षणिक समिति

शैक्षणिक समिति एक ऐसा वातावरण प्रदान करने का प्रयास करती है जहां छात्र शैक्षणिक कार्यक्रमों से अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। यह समिति प्रशासन, संकाय और छात्रों के बीच सेतु का काम करती है। शैक्षणिक समिति के निर्वाचित सदस्य अपने संबंधित कक्षाओं और पाठ्यक्रमों के लिए कक्षा प्रतिनिधियों का पद धारण करते हैं। शैक्षणिक समिति को संकाय और कार्यक्रम सहायकों के साथ बैच को प्रस्तुतियाँ, समूह गठन और विभिन्न सुझाव आदि देने होते है।

खेल समिति

खेल समिति भविष्य के प्रबंधकों को उनके तनाव से राहत देने और साल भर खेल गतिविधियों के माध्यम से एक स्वस्थ मन और शरीर रखने में सक्षम बनाने के लिए काम करती है। हमारे प्रमुख इंट्रा इवेंट्स में शामिल हैं- फुटसल, आरपीएल (रांची प्रीमियर लीग), बीपीएल (बैडमिंटन प्रीमियर लीग) और इंटर बैच मैच। यह समिति क्रिकेट, फुटबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, थ्रो बॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज और एथलेटिक्स जैसे खेलों के लिए सुविधाएं प्रदान करने के साथ इग्नेशिया और रश जैसे इंटर कॉलेज खेल आयोजनों में भाग लेने की दिशा में भी काम करती है। हमारे छात्रों को मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स नेशनल स्टेडियम में अत्याधुनिक सुविधाओं का उपयोग करने को मिलता है, जो छात्रावास से कुछ मिनट की दूरी पर ही है।

छात्र सुविधा समिति

छात्र सुविधा समिति भारतीय प्रबंधन संस्थान में ''द एसएफसी'' के रूप में लोकप्रिय है, यह समिति छात्रों को सभी दैनिक सुविधाएं प्रदान करने के लिए जिम्मेदार है और यह दिन-प्रतिदिन के गतिविधियों का परिचालन करती है। एसएफसी भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के छात्रों के लिए सभी लॉजिस्टिक्स, भोजन और बुनियादी सुविधाओं के लिए छात्रों और प्रशासन के बीच एक चैनल के रूप में कार्य करता है।

प्रौद्योगिकी समिति

प्रौद्योगिकी समिति मुख्य रूप से इंटरनेट के बुनियादी ढांचे के प्रबंधन और सांस्कृतिक व प्रबन्धन के कार्यक्रमों के लिए तकनीकी समाधान प्रदान करने के लिए काम करती है। यह समिति वर्ष भर भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची परिवार को सर्वोत्तम इंटरनेट सुविधाएं प्रदान करने और किसी भी इंटरनेट से संबंधित मुद्दों के लिए संपर्क के पहले बिंदु के रूप में कार्य करती है। यह समिति छात्र संघ की आवश्यकता अनुसार तकनीकी समाधान भी प्रदान करती है।

पूर्व छात्र और अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति

कॉर्पोरेट जगत में किसी बिजनस-स्कूल की प्रतिष्ठा बनाने में इसके पूर्व छात्रों की सफलता की भूमिका अहम होती है। वे हमेशा अपने मातृ संस्था में बिताए दो वर्षो को संजोते हैं, यह वह स्थान है जिसने उन्हें उद्योग जगत में संघर्ष के लिए तैयार किया। इसके अलावा, बीज़नस-स्कूल में छात्रों को मिला अंतरराष्ट्रीय अनुभव एक छात्र में सांस्कृतिक चेतना को जागृत करने में एक अहम भूमिका निभाता है। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची की इस समिति का काम यहाँ के पूर्व छात्रों के हितों पर ध्यान देना है। साथ ही छात्र विनिमय कार्यक्रमों के उद्देश्य से दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ बिजनस-स्कूलों के साथ संबंध स्थापित करना है।

मीडिया और जनसंपर्क प्रकोष्ठ

मीडिया और जनसंपर्क प्रकोष्ठ भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची को सभी मीडिया प्लेटफार्मों पर इसकी ब्रांड छवि को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। यह वह समिति है, जो संस्थान को सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिष्ठित करने में मदद करती है। एमपीआर सभी बाहरी संचार, जनसंपर्क और संस्थान के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को भी संभालता है। मीडिया और जनसंपर्क प्रकोष्ठ भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के ब्रांड का निर्माण और छात्रों को दुनिया के सामने अपने विचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। एमपीआर दुनिया के नजर में भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची को हमारे छात्रों के लिए एक प्रतिष्ठित ब्रांड के रूप में बनाये रखने का प्रयास करता है।

सांस्कृतिक समिति

सांस्कृतिक समिति संगीतकारों, नर्तकों, अभिनेताओं, चित्रकारों, लेखकों, फोटोग्राफरों और रचना के क्षेत्र सहित पाठ्येतर गतिविधियों के लिए अपने जुनून को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करके उनके छात्रों के जीवंत व्यक्तित्व को प्रोत्साहित करने का एक प्रयास है। सांस्कृतिक समिति सबके लिए आनंद का माहौल बनाती है। सांस्कृतिक समिति निम्नलिखित गतिविधियों के लिए जिम्मेदार है: एंड टू एंड आर्गेनाइजेशन ऑफ रश, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का इंटर बिजनस-स्कूल सांस्कृतिक और खेल उत्सव। यह हर साल नवंबर में होने वाले इस आयोजन में देश भर की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएँ भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में प्रतिस्पर्धा करने के लिए आती है। सांस्कृतिक समिति विभिन्न त्योहारों को भी मनाती है ताकि भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची में जीवन दिलचस्प और मजेदार हो।

क्लब

संचालन क्लब

''सांक्रिया'' यह क्लब अपने नाम के अनुरूप भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का परिचालन और सामान्य प्रबन्धन क्लब है। यह क्लब शैक्षणिक अनुशासन से परे परिचालन अनुसंधान और प्रबन्धन के क्षेत्र में छात्र समुदाय में रुचि पैदा करने की परिकल्पना करता है। क्लब में अपने क्षेत्रों में विभिन्न बदलाओं का पता लगाने और इसके व्यावसायिक प्रभावों को समझने का प्रयास किया जाता है। क्लब सिक्स सिग्मा, लीन मैन्युफैक्चरिंग जैसी विभिन्न उद्योग प्रथाओं पर नियमित रुप से प्रस्तुतियां भी देता है और उसी पर चर्चा की सुविधा प्रदान की जाती है।क्लब छात्रों के लिए औद्योगिक यात्राओं की व्यवस्था करता है ताकि कक्षा में पढ़ी जाने वाली अवधारणाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त किया जा सके। क्लब फ्रेशर्स छात्रों के लिए आई2बी (बिजनेश का परिचय) सत्र आयोजित करता है। क्लब ने भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के दो सबसे बड़े आयोजनों को भी आयोजित किया, जैसे एगोन- मैनेजमेंट फेस्टिवल और रेडिक्स-बिजनेस कॉन्क्लेव। वर्ष के दौरान आयोजित किए गए कुछ कार्यक्रमों में क्रैक द केस, बिजसिम, बीयर गेम आदि शामिल हैं।

साहित्यिक क्लब

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का साहित्यिक क्लब एकमात्र ऐसा क्लब है जिसमें कठिन एमबीए पाठ्यक्रम से परे बात की जाती है और इसका उद्देश्य भाषा और रचनात्मकता के प्रति प्रेम को बढ़ावा देना है। क्लब छात्रों के बीच सभी भाषाओं में साहित्यिक प्रशंसाकी भावना पैदा करने का प्रयास करता है। न केवल साहित्य, बल्कि फिल्में और संगीत भी समान रूप से मूल्यवान हैं। इसका उद्देश्य छात्रों में साहित्यिक रचनात्मकता को बढ़ावा देना और आत्म-अभिव्यक्ति के लिए एक अवसर प्रदान करना है। पैरेबल, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का आधिकारिक मासिक समाचार पत्र, यह साहित्यिक क्लब द्वारा तैयार कर निर्मित और जारी किया जाता है। इस क्लब द्वारा पूरे वर्ष व्यस्त एमबीए जीवन से कुछ राहत प्रदान करने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है। कुछ आयोजनों में सिनेमा परदिसो, साइलेज, मूनलाइट सेरेनेड, इग्निस और सांग्रियल हैं जबकि प्रमुख कार्यक्रम टेरा न्यूलियस है।

वित्त क्लब

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का फाइनेंस क्लब एक छात्र - चालित क्लब है, जिसका उद्देश्य विभिन्न बिजनेस सिमुलेशन गेम्स, ऑनलाइन ट्रेडिंग इवेंट्स, बिजनेस वैल्यूएशन केस स्टडीज और नियमित रूप से वित्तीय क्वैरी जैसे विभिन्न इंटर और इंट्रा-कॉलेज इवेंट आयोजित करके छात्रों के वित्तीय ज्ञान को लगातार बढ़ाना है। क्लब ने एक भारतीय प्रबन्धन संस्थान भारतीय प्रबन्धन संस्थान राँची 40 पोर्टफोलियो भी शुरू किया है, जिसमें लार्ज-कैप, मिड-कैप और स्मॉल-कैप सेगमेंट के 40 शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शेयर शामिल हैं। भारतीय प्रबन्धन संस्थान आईआईएम राँची 40 इंडेक्स का उद्देश्य नियमित आधार पर लगातार रिटर्न देना और निफ्टी को मात देना है। क्लब के सदस्यों द्वारा किए गए गहन मौलिक और तकनीकी विश्लेषण द्वारा कंपनियों का चयन किया जाता है, जो वित्तीय अवधारणाओं के व्यावहारिक अनुप्रयोग को सुनिश्चित करने के साथ-साथ छात्रों के ज्ञान को समृद्ध करने में मदद करता है।

समर्पण क्लब

समर्पण भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का सामाजिक उत्तरदायित्व क्लब है और इसकी पहल कॉर्पोरेट्स और सरकारी हस्तक्षेपों के साथ साझेदारी के माध्यम से की गई है। जैसा कि नाम से ही पता चलता है, 'समर्पण' उन सभी को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने मानव जाति को आगे ले जाने के लिए सराहनीय भावना और साहस का प्रदर्शन किया है, और उन लोगों के प्रति एकजुटता का प्रदर्शन किया है, जो हमारे सामाजिक वर्ग भेद के कारण समाज में पीड़ित थे या पीड़ित रहे हैं। समर्पण केस स्टडी प्रतियोगिताओं और सीएसआर प्रश्नोत्तरी जैसे व्यावसायिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है। क्लबने वालंटियर टू टीच, सुभेच्छा, विकास भारती को पुस्तक दान, संकल्प, समावेशी और प्रभावशाली सीएसआर पर राष्ट्रीय सम्मेलन, बापू, रक्तदान शिविर, कपड़ा दान अभियान, स्वच्छ भारत अभियान, जीरो फूड वेस्टेज चौलेंज, द जॉय गिविंग, सहायक विकास आदि जैसी कई पहल अपने स्थापना काल से ही कर रही हैं । क्लब उन्नत भारत अभियान परियोजना का आधिकारिक समन्वयक भी है।

मार्किस क्लब

मार्किस, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची का मार्केटिंग क्लब, छात्रों के बीच बिक्री और विपणन के लिए रुचि और जुनून को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता और उत्साही लोगों को उनके कौशल को सुधारने में मदद करता है। इसका उद्देश्य विभिन्न विपणन अवधारणाओं और रणनीतियों के लिए छात्रों के प्रदर्शन को सुविधाजनक बनाना है, इस प्रकार भागीदारी के माध्यम से समग्र सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देना है। हमारा उद्देश्य प्रबन्धन शिक्षा के एक अभिन्न क्षेत्र के रूप में विपणन की दुनिया में छात्रों और भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची बिरादरी के सभी सदस्यों को पहचान दिलाना, और इसे समृद्ध करना हैं। क्लब द्वारा कई गतिविधियों का संचालन किया गया है, जिसमें दुनिया भर में विपणन और बिक्री के क्षेत्र में नवीनतम घटनाओं को कवर करने वाले पाक्षिक समाचार पत्र का निकालना भी शामिल है। मार्केजिन एक वार्षिक पत्रिका है जिसमें दुनिया भर में हो रही घटनाओं के बारे में उनके विचारों पर लिखे गए विभिन्न लेखों को प्रकाशित किया जाता है। यह क्लब, मारकेस की भी मेजबानी करता है, जो कि क्लब का प्रमुख कार्यक्रम है, इसमें प्रतिभागियों को उपयोगी और कार्यान्वयन योग्य विचारों को लाने के लिए उनकी रणनीति पर पूर्ण स्वतंत्रता रहती है । क्लब रणनीतिक आईएमसी

प्रस्तुति अगोरा नाम की प्रतियोगिता से की जाती है और लाइव विज्ञापन बनाने की प्रतियोगिता 'सब बिकता है' का आयोजन किया जाता है। क्लब नवीनतम उद्योग रुझानों और सीखने के लिए उत्साहित लोगों की संख्या बढ़ाने के लिए कई कॉर्पोरेट कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है।

परामर्श क्लब

कोननड्रम - भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के परामर्श क्लब का उद्देश्य छात्रों को कैरियर के विकल्प के रूप में परामर्श चुनने के लिए तैयार करना है। क्लब संसाधन प्रदान करके रणनीति के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए सही लॉन्च पैड प्रदान करता है जो आधुनिक व्यापारिक दुनिया की बदलती गतिशीलता को समझने में मदद करेगा।यह उन्हें सलाहकार के रूप में सोचने में सक्षम करेगा एवं उद्योग उन्मुव कार्यशालाओं,उद्योग-पूर्व छात्रों-संकाय-छात्रों की बातचीत, लाइव प्रोजेक्ट, केस स्टडी और क्लब द्वारा आयोजित कई गतिविधियों के माध्यम से, हम छात्रों को रणनीति के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने की सुविधा प्रदान करते हैं।

ई-सेल

भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में ई-सेल छात्रों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। ई-सेल द्वारा वर्ष भर आयोजित होने वाले बिजनेस प्लान वर्कशॉप, केसस्टडी और ज्ञान शिविरों के साथ-साथ अपने अनुभव साझा करने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित उद्यमियों और वक्ताओं को आमंत्रित करके समाज में उद्यमिता की संस्कृति को प्रोत्साहित और पोषित करने का प्रयास किया जाता है। ई-सेल का उद्देश्य उन कारकों से परिचित कराना है जो एक उद्यमी के लिए आवश्यक हैं और जो हमारे समाज को आगे बढ़ने में मदद करेंगे। विचार, जुनून, विजन और लचीलापन सीखना इसके मूल में हैं और क्लब छात्रों में उसी को विकसित करने का प्रयास करता है।

एचआर क्लब

हाईयर भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची में मानव संसाधन का अग्रणी क्लब है, जो प्रबंधन पेशेवरों के बीच मानव संसाधन के समग्र विकास और समझ के लिए स्थापित किया गया है। हायर का उद्देश्य पूरे देश में मौजूद कारोबारी दुनिया में मानव संसाधन प्रबन्धन के पेशे के बारे में जागरूकता और बढ़ावा देना है।

हम भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची और विभिन्न अन्य बिजनेस - स्कूलों में चल रहे मानव संसाधन प्रबंधन को बनाए रखने के लिए विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के घटनाओं जैसे कॉन्क्लेव, क्विज और केस स्टडी प्रतियोगिताओं का आयोजन करते हैं। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के छात्रों को जन प्रबंधन के क्षेत्र में मजबूत रखने के लिए, हायर कार्यशालाओं का भी आयोजन करता है, जो छात्रों को मानव संसाधन की दुनिया की झलक प्रदान करते हैं । हम अपने मासिक न्यूजलेटर एचआरवाणी और वार्षिक न्यूजलेटर एचआर नीति का भी प्रकाशन करते हैं, ताकि छात्रों को मानव संसाधन में नवीनतम घटनाओं के बारे जानकारी दी जा सके।

हायर ने हाल ही में 'एचआर वार्ता' शुरू की है, जो मानव संसाधन में उद्योग जगत के नेतृत्वकर्ताओं के साथ एक साक्षात्कार श्रृंखला है, ताकि वे उनके विचार प्राप्त कर सकें। इससे छात्रों को सीधे मानव संसाधन पंडितों से ज्ञान प्राप्त करने में मदद मिलती है।

हायर में, हम मानव संसाधन समुदाय के नेटवर्क को और अधिक मजबूत बनाने में योगदान देने का प्रयास करते हैं।

डिजिटलीटिक्स - भारतीय प्रबंधन संस्थान रांची का एनालिटिक्स क्लब

एनालिटिक्स अपने विघटनकारी मॉडलों के साथ दुनिया को टक्कर दे रही है। विमानन से लेकर बैंकिंग उद्योग तक, अस्पतालों से लेकर हॉस्पिटैलिटी उद्योग तक और बीमा से लेकर खेल क्षेत्र तक, हर संगठन आज अपने प्रतिस्पर्धियों से आगे रहने के लिए इस तकनीक का लाभ उठा रहा है। इसलिए नवोदित प्रबंधकों और नेतृत्वकर्ताओं के लिए इस विघटनकारी प्रौद्योगिकी के अंतर्निहित सिद्धांतों को सीखना और समझना अनिवार्य हो जाता है। भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के डिजिटलीटिक्स-एनालिटिक्स एसआईजी के पास शिक्षण सत्र और प्रतियोगिताओं के माध्यम से संस्थान के छात्रों को एनालिटिक्स की अवधारणाओं और मॉडलों के साथ शिक्षित करने का एक दृष्टिकोण है।

वित्तिय वर्ष 2020-21 के लिए निदेशक की रिपोर्ट

भारतीय प्रबन्धन संस्थान अधिनियम, 2017 की धारा 26(1) और धारा 27 के अनुसार निदेशक की रिपोर्ट नीचे प्रस्तुत है।

<table>
<tr><th>सेक्शन</th><th>विवरण</th><th>निदेशक द्वारा रिपोर्ट</th></tr>
<tr><td>26(1)(a</td><td>संस्थान के मामलों की स्थिति</td><td>विवरण वार्षिक रिपोर्ट और लेखा परीक्षा रिपोर्ट 2020-21 में उपलब्ध है।</td></tr>
<tr><td>26(1)(b)</td><td>राशि, यदि कोई हो, जिसे वह अपने तुलन पत्र में किसी अधिशेष भंडार में ले जाने का प्रस्ताव करता है</td><td>वर्ष 2020-21 के लेखापरीक्षित खातों के अनुसार, वर्ष 2020-21 के लिए कॉर्पस फंड में हस्तांतरित अधिशेष रु. 28,62,77,373.92। 31-03-2021 को संस्थान का कुल सरप्लस रिजर्व यानी कॉर्पस रुपये है। 2,29,67,59,611.44</td></tr>
<tr><td>26(1)(c)</td><td>लेखापरीक्षक की रिपोर्ट में किसी सीमा तक अधिशेष का अतियोक्ति या नयूनोक्ति आय के रूप में या आय से कम व्यय को इंगित किया गया है यदि ऐसे कोई अतियोक्ति या न्युनोक्ति है तो इसका कारण</td><td>लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुसार आय की तुलना में व्यय में कोई अतियोक्ति या नयूनोक्ति कम या अधिक वरण नहीं है या व्यय की तुलना में आय में कोई कमी नहीं पायी गई है
<table>
<tr><th rowspan="2">विवरण</th><th colspan="2">रकम (करोड़ों में)</th></tr>
<tr><th>2020-21</th><th>2019-20</th></tr>
<tr><td>कुल आय (अनुदान सहित)</td><td>60.79</td><td>62.30</td></tr>
<tr><td>कुल खर्च</td><td>32.16</td><td>30.03</td></tr>
<tr><td>व्यय से अधिक आय</td><td>28.63</td><td>32.27</td></tr>
</table></td></tr>
<tr><td>26(1)(d)</td><td>बोर्ड द्वारा निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार संस्थान द्वारा अनुसंधान परियोजनाओं की उत्पादकता का माप</td><td>वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान निम्नलिखित अनुसंधान परियोजनाएं प्रगति पर हैं:
<table>
<tr><th>क्र. सं.</th><th>संकाय का नाम</th><th>परियोजना अवधि</th><th>परियोजना अनुसंधान का शीर्षक</th></tr>
<tr><td>1</td><td>प्रो. राजीव अरिकैट एवं प्रो. शिल्पी ए दासगुप्ता</td><td>18 माह</td><td>झारखंड और केरल में इन/आउटबाउंड प्रवासियों के बीच जीवन-अनुभव, संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग और विकास: एक मिश्रित-विधि अध्ययन</td></tr>
<tr><td>2</td><td>प्रो. विजया दिक्षित</td><td>18 माह</td><td>उद्योग 4.0 के कार्यान्वयन का एक क्रॉस-क्षेत्रीय अध्ययन</td></tr>
<tr><td>3</td><td>प्रो. प्रसेनजीत चक्रवर्ती</td><td>24 माह</td><td>ओपिनियन मार्केट पर निपटान का प्रभाव?</td></tr>
<tr><td>4</td><td>प्रो. तनुश्री दत्ता</td><td>18 माह</td><td>थर्मल इमेजिंग का उपयोग करके मानवीय भावनाओं को वर्गीकृत करना</td></tr>
<tr><td>5</td><td>प्रो. साक्षी</td><td>12 माह</td><td>झारखंड के बीस साल और उसका आर्थिक प्रदर्शन</td></tr>
<tr><td>6</td><td>प्रो. देबजनी घोष</td><td>18 माह</td><td>विविधता और संगठनात्मक एम्बेडेडनेस: मलेशिया में संज्ञानात्मक विविधता, लक्ष्य अन्योन्याश्रय और टीम जलवायु का एक अध्ययन</td></tr>
</table></td></tr>
</table>

<table>
<tr><th>सेक्शन</th><th>विवरण</th><th>निदेशक द्वारा रिपोर्ट</th></tr>
<tr><td>26(1)(e)</td><td>वर्ष 2020-21 के दौरान संस्थान में अधिकारियों और संकाय सदस्यों की नियुक्ति:</td><td>वर्ष 2020-21 के दौरान सात संकाय सदस्य और दो अधिकारी संस्थान से जुड़े

<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>संकाय का नाम</th><th>पद</th></tr>
<tr><td>1</td><td>प्रो. अंगशुमान हजारिका</td><td>असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड - II</td></tr>
<tr><td>2</td><td>प्रो. अरुलानंथा प्रभु पी एम</td><td>असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड - II</td></tr>
<tr><td>3</td><td>प्रो. दिव्या अग्रवाल</td><td>असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड - II</td></tr>
<tr><td>4</td><td>प्रो. फैसल मोहम्मद अहसन</td><td>असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड - I</td></tr>
<tr><td>5</td><td>प्रो. जी. नरेश</td><td>एसोसिएट प्रोफेसर</td></tr>
<tr><td>6</td><td>प्रो. सुभाश्री मुखर्जी</td><td>असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड - II</td></tr>
<tr><td>7</td><td>प्रो. विराजानंद वर्मा</td><td>असिस्टेंट प्रोफेसर ग्रेड - I</td></tr>
</table>
<table>
<tr><th>क्र.सं.</th><th>स्टाफ का नाम</th><th>पद</th></tr>
<tr><td>1</td><td>श्री. बिपिन कुमार</td><td>प्रोजेक्ट मैनेजर-कैंपस डेवलपमेंट</td></tr>
<tr><td>2</td><td>श्री. एम. विजयनन्द</td><td>मुख्य प्रशासनिक अधिकारी</td></tr>
</table>
</td></tr>
<tr><td>26(1)(f)</td><td>शिक्षण, शोध और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित संस्थान द्वारा निर्धारित प्रदर्शन संकेतक और आंतरिक मानक।</td><td>शिक्षण, शोध और ज्ञान के अनुप्रयोग में नवाचारों की प्रकृति सहित संस्थान द्वारा निर्धारित आंतरिक मानक। संस्थान निश्चित मूल्यांकन मानकों, मूल्यांकन प्रक्रिया और पदोन्नति मानदंडों का पालन करता है और पदोन्नति आवेदनों के प्रसंस्करण के लिए समयरेखा निर्धारित करता है। मूल्यांकन अनुसंधान आउटपुट, शिक्षण और प्रशिक्षण, परामर्श और अकादमिक प्रशासन में योगदान पर आधारित है।

प्रत्येक संकाय सदस्य को प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत में गतिविधियों को दर्शाते हुए एक कार्य योजना तैयार करनी होती है और निदेशक से अनुमोदित करना होता है। शैक्षणिक वर्ष के अंत में व्यक्ति के वार्षिक प्रदर्शन का मूल्यांकन उनकी कार्य योजना और वास्तविक प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है।</td></tr>
<tr><td>26 (2)</td><td>संस्थान के संकाय सदस्यों और अन्य कर्मचारियों सहित पांच अधिकारियों के नाम जिन्हें वित्तीय वर्ष के दौरान उच्चतम पारिश्रमिक (ऐसे कर्मचारियों को किए गए भत्ते और अन्य भुगतान सहित) प्राप्त हुआ और वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे कर्मचारी द्वारा किया गया योगदान।</td><td>संकाय
1. प्रो. रेखा सिंघल
2. प्रो. प्रदीप कुमार बाला
3. प्रो. नितिन सिंह
4. प्रो. ससाधर बेरा
5. प्रो अमरेंदु नंदी

स्टाफ के सदस्य
1. डॉ. जयंत कुमार त्रिपाठी
2. श्री नरोत्तम साहू
3. श्री असिस चक्रवर्ती
4. डॉ. प्रशांत कुमार
5. श्री शिव प्रताप वर्मा</td></tr>
</table>

सेक्शन	विवरण	निदेशक द्वारा रिपोर्ट
		वर्ष 2020-21 के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा किया गया योगदान **जर्नल आर्टिकलस्** **रेखा सिंघल** तांबे, एस., पटनायक, एस., उपाध्याय, ए.पी., एडगांवकर, ए., **सिंघल, आर.,** बिसारिया, जे., श्रीवास्तव, पी., दाहके, के., हीरालाल, एम.एच., टोफा, डी., तेलहरकर, एस., एडलबडकर, वी., देठे, वी., एंड शेखर, के. (2021). अस्सेस्सिन्ग द सस्टेनेबिलिटी ऑफ बम्बू मैनेजमेंट इन सेंट्रल इंडियन फॉरेस्ट्स. *फॉरेस्ट्स, ट्री एंड लिवेलीहुड्स,* 30(1), 28-46. https://doi.org/10.1080/14728028.2020.1852975 तांबे, एस., पटनायक, एस., उपाध्याय, ए.पी., एडगांवकर, ए., **सिंघल, आर.,** बिसारिया, जे., श्रीवास्तव, पी., हीरालाल, एम.एच., दाहके, के., गावंडे, ए., एंड सुरकर, पी. पी. (2020). एविडेंस-बेस्ड पॉलिसी फॉर बम्बू डेवलपमेंट इन इंडिया: फ्रॉम ''सप्लाई पुश'' टू ''डिमांड पुल्ल''. *फॉरेस्ट पालिसी एंड इकोनॉमिक्सए* 116 (जुलाई), 102187. https://doi.org/10.1016/j.forpol.2020.102187 **प्रदीप कुमार बाला** राय, ए., **बाला, पी. के., चक्रवर्ती, स.** एंड **दास गुप्ता, एस. ए.** (2021). एक्सप्लोरिंग द इंपैक्ट ऑफ डिफरेंट फैक्टर्स ऑन ब्रांड इक्विटी एंड इंटेंशन टू टेक अप ऑनलाईन कोर्सेस फ्रॉम ई-लर्निंग प्लैटफॉर्म्स. *जरनल ऑफ रिटेलिंग एंड कंज्यूमर सर्विसेस,* 59(मार्च), 102351. https://doi.org/10.1016/j.jretconser.2020.102351 राय, ए., **बाला, पी. के.,** एंड जैन, र. (2021). यूटिलाइजिंग इमोशन स्कोरस फॉरइम्प्रोविंग क्लासीफाइ परफॉरमेंस फॉर प्रेडिक्टिंग कस्टमर्स इंटेंडेड रेटिंग फ्रॉम सोशल मीडिया पोस्ट्स. *बेंचमार्किंग : एन इंटरनेशनल जरनल,* 28(2), 438-464. https://doi.org/10.1108/BIJ-01-2020-0004 रे, ए., एंड **बाला, पी. के.** (2021). यूजर जेनरेटेड कंटेंट फॉर एकसफलोरिंग फैक्टरस एफेकटिंग इंटएनसन टू यूज टरऐवल एनड फूड डिलीवरी सर्विस *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट,* 92(जनवरी), 102730. https://doi.org/10.1016/j.ijhm.2020.102730 बेहेरा, एर.के., **बाला, पी.के.,** एंड जैन,एर. (2020). ए रूल - बासेड ऑटोमेटेड मशीन लियरनिंग अप्रोच इन द एवल्यूशन ऑफ रिकमेंडर इंजन. *बेंचमर्किंग : एन इंटरनेशनल जरनल,* 27(10,2721-2757. https://doi.org/10.1108/BIJ-01-2020-0051 कुमार, आर., **बाला, पी.के.,** एंड मुखर्जी, एस. (2020). इम्प्रोविंग रिकमेन्डेशन क्वालिटी बय इडेन्टिफ्यिंग मोर सिमिलर नेइबोर इन ए कलोबोरेटिव फिल्टरिंग मैकेनिज्म. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑपरेशनल रिसच,* 38(3). 321.342. https://doi.org/10.1504/IJOR.2020.107532

सेक्शन	विवरण	निदेशक द्वारा रिपोर्ट
		कुमार, आर., **बाला, पी.के.,** एंड मुवर्जी, एस. (2020). ए न्यू नेइबोरहुड फॉरमेशन अप्रोच फॉर सॉल्विंग कोल्ड स्टार्ट यूजर प्रॉब्लम इन कोलैबोरेटिव फिल्टरिंग. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाइड मैनेजमेंट साइंस,* 12(2), 118-141. https://doi-org/10-1504/IJAMS-2020-106734 रे, ए., **बाला, पी.के., दासगुप्ता, एस.ए.,** एंड शिवशंकरन, एन. (2020). फैक्टर्स इनफ्लुएंसिंग एडॉप्शन ऑफ ई सर्विसेज इन रूरल इंडिया : पर्सपेक्टिव्स ऑफ कंस्यूमर्स एंड सर्विस प्रोवाइडर्स.*जर्नल ऑफ इंडियन बिजनेस रिसर्च,* 12(2), 215-230. https://doi-org/10-1108/JIBR-11-2018&0295 **नितिन सिंह** **सिंह, एन.** (2020). मिटिगेटिंग इकनोमिक लॉसेस ऑफ ऑफ फ्रॉड: डाटा एनालिटिक पर्सपेक्टिव. *वर्ल्ड इकोनॉमिक्स,* 21(3), 111-124. https://www.world-economics journal.com/Journal/Papers/ Mitigating%20Economic%20Los323ses%20of%20Fraud.details? ID=808 **सिंह, एन.** (2020). स्पोर्ट एनालिटिक: ए रिव्यु. द *इंटरनेशनल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट रिव्यु,* 9(1), 64.69. https://doi.org/10.2991/itmr.k.200831.001 **सिंह, एन.** (2020). ए नैरेटिव रिव्यू इन सपोर्ट एनालिटिक्स. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैनेजमेंट,* 11(6), 637-648. http://www.iaeme.com/IJM/issues.asp?JType=IJM&VType=11&IType=6 **सशाधर बेरा** विरमानी , एन., **बेरा, एस.** एंड **कुमार, आर.** (2021). आइडेंटिफिकेशन एंड टेस्टिंग ऑफ बेर्रिएर्स टू सस्टेनेबल मैन्युफैक्चरिंग इन द ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री : ए फोकस ऑन इंडियन एमएसएमइस. *बेंचमार्किंग : एन इंटरनैशनल जर्नल,* 28(3), 857-880. https://doi.org/10.1108/BIJ-08-2020-0413 **सम्मेलन प्रस्तुति/कार्यवाही** **प्रो. प्रदीप कुमार बाला** जावेद, ए.एफ., **बाला, पी.के.,** एंड **चक्रवर्ती, एस.** (2020, 21-23 दिसंबर). *एनटेरप्रीनिएरशिप-व्हाई अरे फ्रेश मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स रिलक्टेंट तो टेक एनटेरप्रीनियनशिप एज दे आर करिअर ओपिनियन* प्रजेंटेड इन द 22 एनुअल कन्वेंशन ऑफ स्ट्रैटजिक मैनेजमेंट फोरम, रांची: इंडियन इंस्टिट्यूट मैनेजमेंट रांची इंडिया. **प्रो. सशाधर बेरा** कुमारी, एस., एंड **बेरा, एस.** (2020, 14-17 दिसंबर). एन एनालिसिसऑफ डिसिशन टू रेत्रोफित्कोलबेस्डपावर प्लांट विथ कार्बन कैप्चर टेक्नोलॉजी हविंग अनसर्टेन पैरामीटर्स. इन 2020 आईईईइ इंटरनेशनल कोंफेरेन्स ऑन इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड इंजीनियरिंग मैनेजमेंट (आईईईएम)(पीपी. 215-219). आईईईई.

सेक्शन	विवरण	निदेशक द्वारा रिपोर्ट
		राय, पी., एंड **बेरा, एस.** (2020, 14-16 दिसंबर). *ए फ्रेमवर्क फॉर मेजरिंग सप्लाई चौन क्वालिटी फॉर ए हेल्थकेयर आर्गेनाइजेशन.* इन ओएससीएम 2020. **पुस्तकें/पुस्तक अध्याय** **प्रो. प्रदीप कुमार बाला** रे, ए., एंड **बाला, पी.के.** (2021). इनोवेटिव डिस्टीब्यूशन एंड डिलीवरी ऑफ फूड. इनः गलानाकिस, सी.एम. (एड.) *फूड टेक्नोलॉजी डिसरूपशंस* (पीपी. 213-246). अकादमिक प्रेस, लंदन. **पत्रिका / समाचार पत्र लेख** **प्रो अमरेंदु नंदी** रॉय, डी. एंड **नंदी, ए.** (2021, 23 मार्च). चौकिंग द रोड अहेड फॉर ए बैड बैंक. द *हिंदू बिजनेस लाइन.* https://www.thehindubusinessline.com/opinion/chalking-the-road-ahead-for-a-bad-bank/article34134154.ece **नंदी, ए.** एंड त्रिपाठी, ए. (2021, फरवरी 12). डिकोडिंग बेयर नीसेसिटीज इंडेक्सः मूव फ्रॉम बारेतो बेसिक *फाइनेंसियल एक्सप्रेस.* https://www.financialexpress.com/opinion/decoding-bare-necessities-index-move-from-bare-to-basic/2193046/ **नंदी, ए.** एंड **कुंडू, एस.** (2021, 28 जनवरी). बजट शूड सस्टेन ग्रीन शूटर ऑफ रिकवरी. द *हिंदू बिजनेस लाइन.* https://www.thehindubusinessline.com/opinion/budget-should-sustain-green-shoots-of-recovery/article33678203.ece **नंदी, ए.** एंड बिंद्रा, जे.एस. (2020, 25 जुलाई). व्हाई इन्टेग्रेटिंग विथ ग्लोबल चेन्स करिसिअल फॉर इंडिया *फाइनेंसियल एक्सप्रेस.* https://www.financialexpress.com/opinion/why-integrating-with-global-value-chains-crucial-for-india/2034458/ सेन, एन. एंड **नंदी, ए.** (2020, 29 जून). व्हाट एल्स इंडियाश्स मॉडल बीआईटी?. द *हिंदू बिजनेस लाइन.* https://www.thehindubusinessline.com/opinion/what-ails-indias-model-bit/article31939413.ece **नंदी, ए.** (2020, 21 मई). इंडिया श्साइलिंग रेमिटेंसः आइमटूरे अस्सेसपालिसी प्रिओरिती एस. *फाइनेंसियल एक्सप्रेस.* https://www.financialexpress.com/opinion/indias-ailing-remittances-time-to-reassess-policy-priorities/1965663/ **नंदी, ए.** एंड त्रिपाठी, ए. (2020, 3 मई). व्हाई रूरल रेसुर्गस मैंटर्स बिजनेस स्टैंडर्ड. https://www.business-standard.com/article/opinion/why-rural-resurgence-matters-120050200928_1.html

सेक्शन	विवरण	निदेशक द्वारा रिपोर्ट
26 (3)	उप-धारा (2) में निर्दिष्ट विवरण में यह इंगित किया जाएगा कि क्या ऐसा कोई कर्मचारी संस्थान के बोर्ड या अकादमिक परिषद के किसी सदस्य का रिश्तेदार है और यदि हां, तो ऐसे सदस्य का नाम: और ऐसे अन्य विवरण जो बोर्ड द्वारा निर्धारित किए जा सकते हैं।	उपर्युक्त में से कोई भी कर्मचारी संस्थान की अकादमिक परिषद के बोर्ड के किसी सदस्य का रिश्तेदार नहीं है।
26 (4)	लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट में निहित प्रत्येक आरक्षण, योग्यता या प्रतिकूल टिप्पणी पर उप-धारा (1) में संदर्भित रिपोर्ट में पूरी जानकारी और स्पष्टीकरण।	सी एंड एजी रिपोर्ट 2020-21 में उप खंड (1) के संबंध में ऐसा कोई आरक्षण, योग्यता और प्रतिकूल टिप्पणी नहीं है।

खातों का वार्षिक विवरण 2022-21

भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग
कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ

सत्यमेव जयते

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Director General of Audit (Central) Lucknow

सं.डीजीएसी/एलकेओ/एसएआर-आइआइएम राँची/2021-22/72 दिनांकः 19/05/2022

सेवा में,

सचिव,
शिक्षा मंत्रालय,
उच्च शिक्षा विभाग भारत सरकार
430-सी विंग, शास्त्री भवन
नयी दिल्ली-110115.

विषय : भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची के वर्ष 2020-21 के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन।

महाशय,

मैं भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची के वर्ष 2020-21 के वार्षिक लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की एक प्रति सूचनार्थ व आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज रहा हूँ

2. प्रबंधन को उनके लेखे, अभिलेख और प्रक्रिया में पायी गयी कमियों को इंगित करते हुए एक पत्र अलग से निर्गत किया जा रहा है।

3. लेखापरीक्षित वार्षिक लेखे और पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के पटल में प्रस्तुत किये जाने से पूर्व इसे संस्थान के शासी निकाय द्वारा इन पर चिंतन व इन्हें अंगीकृत किया जाना चाहिए।

4. संस्थान के शासी निकाय द्वारा विधिवत चिंतन व अंगीकृत किये गये लेखापरीक्षित वार्षिक लेखे और पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन की संसद के सदन के समक्ष प्रस्तुति की तिथि कृपया यथासमय इस कार्यालय को सूचित किया जाए।

5. कृपया इस पत्र व इसके संलग्नकों की पावती भेजी जाये।

भवदीय,

अनुलग्नकः यथोपरि।

तान्या सिंह

प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय) लखनऊ

भारतीय प्रबंध संस्थान राँची के वर्ष 31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लेखाओं पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का पृथक लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

हमने भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्ति एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम 1971 के अनुभाग 19(2) के अंतर्गत भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची के 31 मार्च 2021 तक के तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखाओं तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं का लेखापरीक्षा किया है। ये वित्तीय विवरणियाँ संस्थान के प्रबंधन के उतरदायित्व हैं। हमारा दायित्व अपनी लेखापरीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर मत व्यक्त करना है।

2. इस पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में केवल वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों, प्रकटन मानकों आदि के साथ अनुरूपता के संबंध में सिर्फ लेखांकन व्यवहारों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (सी॰ए॰जी॰) की टिप्पणियाँ सम्मिलित हैं। वित्तीय लेन-देनों पर विधि, नियमों और विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि के अनुपालन से संबंधित लेखा परीक्षा अवलोकन, यदि कोई हो, निरीक्षण प्रतिवेदन/भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा प्रतिवेदनों के माध्यम से अलग से सूचित किए जाते हैं।

3. हमने भारत में सामान्यत: स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों के आधार पर लेखापरीक्षा संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है वित्तीय विवरणियाँ तथ्यात्मक अशुद्धियों से मुक्त हैं या नहीं, इस संबंध में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिये हम लेखापरीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें। लेखापरीक्षा में प्रयुक्त लेखांकन सिद्धांतों तथा प्रबंधन द्वारा किए गए महत्वपूर्ण प्राक्कलनों के आकलन के साथ-साथ वित्तीय विवरणियों के समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल है। हमें विश्वास है कि हमारी लेखापरीक्षा हमारे मत हेतु एक उपयुक्त आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर हम प्रतिवेदित करते हैं किः

(i) हमने वो समस्त सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त किया है जो हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार लेखापरीक्षा उद्देश्य हेतु अनिवार्य थे।

(ii) इस प्रतिवेदन में संदर्भित तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखा और प्राप्ति एवं भुगतान लेखा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित प्रारूप में तैयार किया गया है।

(iii) हमारे मतानुसार भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम 2017 की धारा 23 एवं 24 के अधीन अपेक्षित समुचित लेखाबहियाँ एवं अन्य सुसंगत अभिलेख भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची द्वारा संधारित किये गये हैं जैसा कि इन बहियों के हमारे परीक्षण से प्रतीत होता है।

(iv) हम आगे प्रतिवेदित करते हैं कि:-

क. तुलन पत्र

क.1 देनदारियाँ

क.1.1.1 वर्तमान देनदारियाँ (अनुसूची-3) ₹ 11.18 करोड़

सामान्य वित्तीय नियमावली (जी.एफ.आर.) के नियम 230 के अनुसार सरकारी अनुदान या अग्रिमों पर अर्जित ब्याज एवं अन्य प्राप्तियों को लेखाओं को अंतिम रूप देने के तुरंत बाद भारत की संचित निधि में अनिवार्य रूप से प्रेषित किया जाना चाहिए।

वार्षिक लेखा वर्ष 2020-21 की जाँच से पता चला कि संस्थान ने वर्ष के दौरान सरकारी अनुदान पर ₹ 1.07 करोड़ का ब्याज अर्जित किया। इसके अलावा, मार्च 2020 तक अर्जित ब्याज की राशि ₹ 8.14 करोड़ थी। तथापि संस्थान ने जी.एफ.आर. के नियम 230 के उल्लंघन में ब्याज की राशि को सरकार को प्रेषित नहीं किया। राशि को तुलन पत्र में चालू देनदारियाँ शीर्ष के अधीन सरकार को वापसी योग्य के रूप में भी नहीं दर्शाया गया था। इसके परिणामस्वरूप ₹ 9.21 करोड़ से वर्तमान देनदारियों की न्यूनोक्ति और पूंजीगत निधि की अत्योक्ति हुई।

ख. लेखांकन नीतियाँ और लेखाओं पर टिप्पणी

यह पाया गया कि भूखंड का म्यूटेशन नहीं हुआ है। तथापि उक्त भूखंड पर 31.03.2021 तक ₹ 179.04 करोड़ का व्यय कर एक भवन का निर्माण किया गया था। लेखाओं की टिप्पणी में इसका उल्लेख नहीं किया गया।

ग. सामान्य

ग.1 मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एम.एच.आर.डी.) के प्रारूप के अनुसार अनुसूची का संधारण नहीं किया जाना

वार्षिक लेखाओं की जाँच के दौरान यह पाया गया कि संस्थान के लेखे मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार संधारित नहीं किये गये थे। विवरण निम्न हैं:

क्रम सं.	अनुसूची	एम.एच.आर.डी. के अनुसार सूचकांक	संस्थान के अनुसार सूचकांक
1	1	एमएचआरडी, यूजीसी, भारत सरकार एवं राज्य सरकार से प्राप्त अनुदान का पूंजीगत व्यय हेतु किया गया उपयोग	संधारित नहीं
2	2 क	तुलन पत्र का भाग बनने वाले "प्रयोजन विशिष्ट/अक्षय निधि" अनुसूची में "अक्षय निधि" कॉलम में आंकड़ों का समर्थन करने हेतु उप-अनुसूची	-वही-
3	3 क	वर्तमान देनदारियाँ के अंतर्गत प्रायोजित परियोजना का विवरण, यदि कोई हो	-वही-
	3 ख	वर्तमान देनदारियाँ के अंतर्गत प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति का विवरण	-वही-
	3 ग	वर्तमान देनदारियाँ के अंतर्गत यूजीसी, भारत सरकार एवं राज्य सरकार के उपयोग नहीं किए गए अनुदान	-वही-
4	7	नकद एवं बैंक शेष के अंतर्गत अनुसूचित बैंकों में बचत बैंक खाता, चालू खाता एवं सावधि जमा का अनुलग्नक	-वही-

घ. सहायता अनुदान

संस्थान के पास सरकारी अनुदान पर अर्जित ब्याज सहित अप्रयुक्त अनुदान का आरंभिक शेष ₹ 13.88 करोड़ (₹ 5.74 करोड़ + ₹8.14 करोड़ ब्याज) है। वर्ष के दौरान संस्थान ने पूंजीगत शीर्ष के अंतर्गत ₹ 51 करोड़ का सहायता अनुदान प्राप्त किया। संस्थान ने वर्ष के दौरान सरकारी अनुदान पर ₹1.07 करोड़ का ब्याज अर्जित किया। संस्थान ने सभागार-सह-संगोष्ठी हॉल निर्माण हेतु एम.पी.एल.ए.डी. निधि से ₹ 1.95 करोड़ का अनुदान भी प्राप्त किया। इस प्रकार, संस्थान के पास पूँजीगत व्यय के लिए ₹ 67.90 करोड़ (₹ 58.69 करोड़ + ₹ 9.21 करोड़ ब्याज) उपलब्ध था। इसमें से संस्थान ने वर्ष के दौरान पूंजीगत अनुदान का संपूर्ण उपयोग किया, और 31.03.2021 को अप्रयुक्त शेष के रूप में ₹ 9.21 करोड़ (ब्याज) की राशि मंत्रालय को वापसी योग्य बचा था।

ङ. प्रबंधन पत्र

जिन कमियों को इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में सम्मिलित नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/सुधारात्मक कार्यवाही हेतु अलग से निर्गत प्रबंधन पत्र के माध्यम से संस्थान के ध्यान में लाया गया है।

(v) पूर्ववर्ती अनुच्छेदों में हमारे अवलोकनों के अधीन हम प्रतिवेदित करते हैं कि तुलन पत्र तथा आय एवं व्यय लेखा, जो इस प्रतिवेदन में संदर्भित हैं लेखा बही के अनुरूप हैं।

(vi) हमारी राय में तथा हमारी श्रेष्ठ जानकारी एवं हमें दिये गये स्पष्टीकरण के अनुसार, लेखांकन नीतियों एवं लेखाओं पर टिप्पणियों के साथ पठित और उपरोक्त महत्वपूर्ण मामलों तथा इस लेखापरीक्षा प्रतिवेदन के अनुलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन उक्त वित्तीय विवरण भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप सत्य एवं निष्पक्ष दृश्य प्रस्तुत करते हैं:

क) जहाँ तक ये 31 मार्च 2021 को भारतीय प्रबंध संस्थान, राँची की स्थितियों के तुलन पत्र से संबंधित है, और

ख) जहाँ तक इसका उस तिथि को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय खाता के अधिशेष से संबंध है।

कृते भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की ओर से

स्थान: लखनऊ

तिथि: .05.2022

तान्या सिंह

प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय), लखनऊ

पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का अनुलग्नक

1. आंतरिक लेखापरीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान मे अपना आंतरिक लेखापरीक्षा स्कंध नही है। संस्थान का आंतरिक लेखापरीक्षा एक चार्टर्ड अकाउंटेंट फर्म द्वारा किया गया। संस्थान को आंतरिक लेखापरीक्षा मैनुअल तैयार करना शेष है।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

संस्थान में आंतरिक नियंत्रण प्रणाली ने निम्न क्षेत्रों में कमियाँ दर्शाया:

i) भारतीय प्रबंध संस्थान अधिनियम 2017 की धारा 25 (2) के अनुसार आंतरिक नियंत्रण प्रणाली, जोखिम प्रबंधन की प्रभावशीलता पर एक दक्ष परामर्श और लेखापरीक्षा प्रतिवेदन उपलब्ध कराने हेतु हर संस्थान का बोर्ड एक लेखापरीक्षा समिति का गठन करेगा। संस्थान ने अभी तक लेखापरीक्षा समिति का गठन नहीं किया है।

ii) संस्थान द्वारा दिये गये गए अभिलेखों और विवरणी की जाँच से उजागर हुआ कि संस्थान के निवेश के ब्याज पर बैंक द्वारा स्रोत पर आयकर (टीडीएस) की कटौती की जा रही है। वर्ष 2020-21 तक ₹ 62.64 लाख की राशि आयकर विभाग द्वारा वापस नहीं किया गया है जिसका विवरण निम्न है :

वर्ष	टी.डी.एस. की प्राप्य राशि (₹ में)
2013-14	21,56,528
2019-20	23,32,155
2020-21	17,75,478
कुल	**62,64,161**

iii) संस्थान में लेखांकन मैनुअल एवं कार्यालय प्रक्रिया मैनुअल नहीं है।

iv) रोकड़ बही निर्धारित प्रारूप में संधारित नहीं किया गया था, इसे टैली में संधारित किया जाता है।

3. अचल संपत्ति और वस्तुसूची की भौतिक सत्यापन की प्रणाली

संस्थान ने वर्ष 2020-21 के दौरान संपत्ति का भौतिक सत्यापन किया।

4. वैधानिक देय के भुगतान में नियमितता

संस्थान वैधानिक देयताओं के भुगतान में नियमित था।

11/5/22

निदेशक (केंद्रीय)

बैलेंस शीट 2020-21

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र

(राशि रू.में)

निधियों का स्रोत	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
कॉर्पस / पूंजी निधि	1	3,78,38,93,810.91	2,95,49,48,992.99
निर्दिष्ट / नामित / अक्षय	2	1,02,31,185.00	67,43,112.00
वर्तमान देनदारियां और प्रावधान	3	11,18,02,862.08	22,84,85,895.15
कुल		**3,90,59,27,857.99**	**3,19,01,78,000.14**

निधियों का आवेदन	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
संपत्ति	4		
अचल संपत्ति		12,28,08,958.10	13,11,20,013.15
चल संपत्ति		2,56,36,993.74	2,74,83,297.87
प्रगतिरत पूंजीकार्य		1,80,61,77,646.00	76,02,90,418.00
अर्जित / अंतराल फंड से निवेश	5		
लंबी अवधि		NIL	NIL
लघु अवधि		NIL	NIL
निधि का निवेश	6		-
चालु संपत्ति	7	1,81,98,57,502.65	1,88,04,11,610.79
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	13,14,46,757.50	39,08,72,660.33
कुल		**3,90,59,27,857.99**	**3,19,01,78,000.14**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23	-	
संदिग्ध दायित्त्व और खातों के लिए नोटस	24		-

हमारे स्वतंत्र अंकेक्षण प्रतिवेदन के अनूसार

मेसर्स अंजली जैन एसोसियेट्स
चार्टड एकाऊटेंटस
फर्म रजि० न० ००३२४७सी

साझेदार
सदस्यता सं० ४१७१६९

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची
29 जून 2021

UDIN: 21417169AAAAIN2285

Page 2

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय और व्यय खाता

(राशि रू.में)

विवरण	अनुसूची	चालू वर्ष	विगत वर्ष
आय			
शैक्षणिक आय	9	45,39,95,718.85	39,29,85,464.00
सरकारी अनुदान	10	-	-
निवेश से आय	11	8,77,94,546.00	14,77,32,795.66
ब्याज से आय	12		-
गैर–अनुदान और अन्य प्राप्तियां	13	6,61,48,247.54	8,22,33,884.76
पूर्व अवधि आय(गैर अनुदान)	14	-	-
कुल (क)		**60,79,38,512.39**	**62,29,52,144.42**
व्यय			
स्थापना व्यय	15	14,08,08,378.80	11,66,25,011.00
शैक्षिक व्यय	16	3,87,77,893.87	5,38,52,475.37
अन्य प्रशासनिक व्यय	17	7,98,06,967.68	8,11,36,213.10
यात्रा और वाहन व्यय	18	10,70,032.00	1,23,59,065.00
मरम्मत एवं रखरखाव	19	21,35,892.00	60,74,424.00
वित व्यय	20	74,008.79	1,04,200.83
मूल्यह्रास	4	4,91,18,783.16	3,72,11,352.82
गैर–अनुदान व्यय	21	92,58,506.17	3,00,63,066.50
पूर्व अवधि व्यय	22	6,10,676.00	76,537.00
कुल (ख)		**32,16,61,138.47**	**33,75,02,345.62**
व्यय पर आय की अधिकता (क–ख)		**28,62,77,373.92**	**28,54,49,798.80**
पूंजी निधि से स्थानांतरण		-	3,72,11,352.82
घटाएं :: वर्ष के दौरान समायोजित मूल्यह्रास संपत्तियां			
शेष कोर्पस फंड में स्थानांतरण		**28,62,77,373.92**	**32,26,61,151.62**

हमारे स्वतंत्र अंकेक्षण प्रतिवेदन के अनुसार

मेसर्स अंजली जैन एसोसियेट्स
चार्टड एकाऊटेंटस
फर्म रजि० न० 003२८९सी

अर्पित जैन

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

साझेदार
सदस्यता सं० ४१७१६६

वित्त एवं लेखा | **निदेशक**

राँची
29 जून 2021
UDIN: 21417169AAAACN2285

Page 3

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूचि – **1** पूंजी अनुदान

कॉर्पस निधि

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
पूंजी निधि का प्रारंभिक शेष	2,04,52,68,271.34	1,71,73,09,267.07
जोड़ें: कॉर्पस / पूंजीगत फंड का निवेश		
जोड़ें, अन्य	37,67,519.00	57,00,264.00
जोड़ें : आय और व्यय खाते से हस्तांतरण	28,62,77,373.92	32,26,61,151.62
कुल	**2,33,53,13,164.26**	**2,04,56,70,682.69**
घटायें: अन्य	3,85,53,552.82	4,02,411.35
कुल	**2,29,67,59,611.44**	**2,04,52,68,271.34**
(कटौती) आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा		
वर्ष के अंत में शेष	**2,29,67,59,611.44**	**2,04,52,68,271.34**

पूंजी निधि

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
प्रारंभिक शेष	90,96,80,721.65	20,22,22,477.47
जोड़ें		
एम.एच.आर.डी. भारत सरकार से प्राप्त अनुदान		-
संपत्ति खरीद	54,02,42,125.00	74,46,65,747.00
ह्रास का समायोजन	3,72,11,352.82	3,850.00
घटायें		
1. वर्ष के दौरान ह्रास	-	3,72,11,352.82
2. अनुपयोगी अनुदान	-	-
कुल	**1,48,71,34,199.47**	**90,96,80,721.65**
रिजव एवं प्रावधान		
जोड़ें	-	-
घटाएं	-	-
कुल	**1,48,71,34,199.47**	**90,96,80,721.65**
(कटौती) आय और व्यय खाते से स्थानांतरित घाटा		
वर्ष के अंत में शेष	**1,48,71,34,199.47**	**90,96,80,721.65**
कुल योगः (कॉर्पस+पूंजीगत निधि)	**3,78,38,93,810.91**	**2,95,49,48,992.99**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

राँची

29 जून 2021

Page 4

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची–2 निर्दिष्ट / नामित / अक्षय

(राशि रू.में)

विवरण	फंड वार ब्रेकअप					
	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	उन्नत भारत अभियान	पूर्व छात्र एसोसिएसन निधि	कुल	पूर्व छात्र एसोसिएसन निधि	उन्नत भारत अभियान	कुल
अ						
क) प्रारंभिक शेष	-	67,43,112.00	67,43,112.00	39,97,243.00	29,408.00	**40,26,651.00**
ख) वर्ष के दौरान जोड़	1,75,000.00	32,20,000.00	33,95,000.00	28,09,786.00	-	**28,09,786.00**
ग) निवेश से आय			-			-
घ) निवेश से अर्जित व्याज			-			-
ड) बचत खाता में व्याज	-	1,70,833.00	1,70,833.00			-
च) अन्य जोड़			-			-
कुल–(अ)	**1,75,000.00**	**1,01,33,945.00**	**1,03,08,945.00**	**68,07,029.00**	**29,408.00**	**68,36,437.00**
ब.			-			-
धन के उद्देश्यों के लिए उपयोग / व्यय			-			-
पूंजी गत व्यय			-			-
राजस्व व्यय	-	77,760.00	77,760.00	63,917.00	29,408.00	**93,325.00**
कुल (ब)	-	**77,760.00**	77,760.00	**63,917.00**	**29,408.00**	**93,325.00**
अंतिम शेष (अ–ब)	**1,75,000.00**	**1,00,56,185.00**	**1,02,31,185.00**	**67,43,112.00**	-	**67,43,112.00**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

रॉंची

29 जून 2021

Page 5

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 3. चालू दायित्त्व और प्रावधान (2020–21)

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
अ. चालू दायित्त्व		
1. कर्मचारियो से जमा		
2. विद्यार्थीयो से जमा	1,06,43,000.00	90,43,000.00
3. विविध लेनदार		
अ. माल एवं सेवा हेतू	3,90,02,158.43	16,42,12,532.30
ब. अन्य		
4.जमा–अन्य (ईएमडी, सुरक्षा जमा सहित)	11,41,352.00	11,19,659.00
5. सांविधिक देयताएं (जीपीएफ, टीडीस, डब्ल्यूसी टैक्स, सीपीएफ, जीआईएस, एनपीएस):		
ए.) अतिदेय		
बी.) अन्य	1,04,93,178.59	1,24,52,732.23
6. अन्य चालू दायित्त्व		
ए.) अग्रीम फीस प्राप्ति	-	1,00,000.00
बी.) वेतन		
सी) प्रायोजित परियोजनाओं (एमडीपी और परामर्श के खिलाफ रसीदें)	1,18,46,390.31	81,31,820.62
डी) प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्ति के खिलाफ रसीदें	37,13,000.00	48,57,000.00
ई) अप्रयुक्त अनुदान		-
एफ) अग्रिम अनुदान		
जी) अन्य देयताएं (चिकित्सा प्रतिपूर्ति)	68,935.00	76,907.00
एच) अन्य देयताएं (सामान्य पूल)	2,77,847.75	80,244.00
कुल (अ)	**7,71,85,862.08**	**20,00,73,895.15**
ब. प्रावधान		
1. कर हेतू		
2. ग्रेच्यूटी	1,45,34,000.00	1,15,05,000.00
3. सुपरन्यूसन पेंशन		
4. संचित छुट्टी इनकेशमेंट	1,85,83,000.00	1,54,07,000.00
5. व्यपार वारंटी / दावों		
6. अन्य संचय (केप)	15,00,000.00	15,00,000.00
कुल (ब)	**3,46,17,000.00**	**2,84,12,000.00**
कुल (अ+ब)	**11,18,02,862.08**	**22,84,85,895.15**

वित्त एवं लेखा   निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

Page 6

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 4

(राशि रू.में)

क्रम सं	मूर्त सम्पत्ति	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास ब्लॉक				शुद्ध ब्लॉक	
		वर्ष के प्रारंभ में लागत	बढ़ोत्तरी	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में कुल लागत	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष का कुल योग	31.03.2021	31.03.2020
1	भूमि	-			-	-			-	-	-
2	साइट का विकास	-			-	-			-	-	-
3	भवन	3,13,14,653.00	6,71,794.00		3,19,86,447.00	42,56,188.00	639728.00		48,95,916.00	2,70,90,531.00	2,70,58,465.00
	भवन (एच.ई.सी.)	3,25,10,565.00	17,50,945.00		3,42,61,510.00	13,00,422.00	685230.00		19,85,652.00	3,22,75,858.00	3,12,10,143.00
4	खेल उपकरण	-			-	-			-	-	-
5	ट्यूवेल एव जलआर्पूित	-			-	-			-	-	-
6	सीवरेज एवं जल निकासी	-			-	-			-	-	-
7	विद्युत अधिष्ठापन और उपकरण	2,19,20,929.00	2,08,256.00		2,21,29,185.00	55,49,081.45	1106374.80		66,55,456.25	1,54,73,728.75	1,63,71,847.55
8	प्लाट एवं मसीनरी	-			-	-			-	-	-
9	वैज्ञानिक और प्रयोगशाला के उपकरण	1,73,560.00			1,73,560.00	1,11,477.00	13886.00		1,25,363.00	48,197.00	62,083.00
10	कार्यालय उपकरण	29,74,966.00			29,74,966.00	17,30,611.00	230810.00		19,61,421.00	10,13,545.00	12,44,355.00
11	ऑडियो विजुअल उपकरण	34,59,414.00	34,000.00		34,93,414.00	8,15,685.00	271372.00		10,87,057.00	24,06,357.00	26,43,729.00
12	कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	3,70,01,748.00	5,01,453.00		3,75,03,201.00	2,48,38,065.00	5139013.40		2,99,77,078.40	75,26,122.60	1,21,63,683.00
13	फर्नीचर और फिटिंग	6,87,04,891.00	41,400.00		6,87,46,291.00	3,03,38,033.00	50,91,115.15		3,54,29,148.15	3,33,17,142.85	3,83,66,857.82
14	वाहन	6,75,288.00	19,15,511.00		25,90,799.00	5,40,416.00	2,59,080.10		7,99,496.10	17,91,302.90	1,34,871.78
15	पुस्तकालय की किताबें	40,59,471.00	4,23,772.00		44,83,243.00	21,95,493.00	421577.00		26,17,070.00	18,66,173.00	18,63,978.00
	कुल(अ)	**20,27,95,485.00**	**55,47,131.00**	-	**20,83,42,616.00**	**7,16,75,471.45**	**1,38,58,186.45**	-	**8,55,33,657.90**	**12,28,08,958.10**	**13,11,20,013.15**
16	**प्रगतिरत पूंजी कार्य (ब)**	**76,02,90,418.00**	**1,04,58,87,228.00**	-	**1,80,61,77,646.00**	-	-	-	-	**1,80,61,77,646.00**	**76,02,90,418.00**
	परिसर चाहरदीवारी (चेरी)	43,015.00			**43,015.00**	-	-	-	-	43,015.00	43,015.00
	परिसर चाहरदीवारी (नगड़ी)	1,57,73,969.00			**1,57,73,969.00**					1,57,73,969.00	1,57,73,969.00
	परिसर चाहरदीवारी (एच.ई.सी.)	-			-					-	-
	परिसर (एच.ई.सी.)	74,44,73,434.00	1,04,58,87,228.00		1,79,03,60,662.00					1,79,03,60,662.00	74,44,73,434.00
	छात्रावास	-			-	-	-	-	-	-	-
	सूचना भवन	-			-	-	-	-	-	-	-
क्रम सं	अमूर्त सम्पत्ति	वर्ष के प्रारंभ में लागत	बढ़ोत्तरी	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के अंत में कुल लागत	वर्ष के प्रारंभ में	वर्ष के दौरान मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष का कुल योग	31.03.2021	31.03.2020
17	सापटवयर	2,32,25,937.35	43,59,514.74		2,75,85,452.09	1,85,79,448.00	54,55,876.18		2,40,35,324.18	35,50,127.91	46,46,489.35
18	ई जरनल एवं किताब	7,45,50,660.11	2,90,54,778.24		10,36,05,438.35	5,17,13,851.99	2,98,04,720.53		8,15,18,572.52	2,20,86,865.83	2,28,36,808.52
	कुल (सी)	**9,77,76,597.46**	**3,34,14,292.98**	-	**13,11,90,890.44**	**7,02,93,299.99**	**3,52,60,596.71**	-	**10,55,53,896.70**	**2,56,36,993.74**	**2,74,83,297.87**
					-						
	महायोग (अ+ब+स)	**1,06,08,62,500.46**	**1,08,48,48,651.98**	-	**2,14,57,11,152.44**	**14,19,68,771.44**	**4,91,18,783.16**	-	**19,10,87,554.60**	**1,95,46,23,597.84**	**91,88,93,729.02**

वित्त एवं लेखा
रॉंची

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

निदेशक

29 जून 2021

Page 7

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 5: आवंटित / अंतराल फंड / अन्य से निवेश

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	-
अन्य स्वीकृत सिक्योरिटीज	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर और बांड	-	-
बैंकों के साथ सावधि जमा	शून्य	शून्य
दूसरों निर्दिष्ट करने के लिए	-	-
कुल	शून्य	शून्य

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

Page 8

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची–6 : **अन्य निवेश**

		(राशि रू.में)
विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
केंद्र सरकार की प्रतिभूतियों में	-	
राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में	-	
अन्य स्वीकृत सिक्योरिटीज	-	
शेयर	-	
डिबेंचर और बांड	-	
बैंकों के साथ सावधि जमा		
दूसरों निर्दिष्ट करने के लिए	-	
कुल	-	

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

29 जून 2021

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची–7-चालू सम्पत्ति

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1 स्टॉक		
स्टोर और स्पेयर		
लूज टूल्स		
प्रकाशन		
प्रयोगशाला रसायन उपभोग्य सामग्रियों और कांच के बर्तन		
निर्माण सामग्री		
विद्युत सामग्री		
स्टेशनरी एवं थैला	3,80,112.50	61,683.00
जल आपूर्ति सामग्री		
२.विविध **देनदार**		
छह महीने से अधिक अवधि के लिए बकाया ऋण		
अन्य	1,19,91,920.87	30,97,797.80
३.अर्जित ब्याज	2,52,94,315.00	**4,98,42,321.00**
४. एनपीएस की रिक्रेबल राशि		
५. नकद और बैंक शेष		
नकद शेष		
अनुसूचित बैंकों के साथ		
चालू खातों में	80,35,368.60	91,00,744.60
बचत खातों में	5,45,63,014.68	8,61,78,699.39
आर एंड डी वर्तमान ए		
सावधि जमा खातों	1,71,95,92,771.00	1,73,21,30,365.00
बचत खातों		
गैर अनुसूचित बैंकों के साथ		
सावधि जमा खातों में		
बचत खातों		
६. डाकघर बचत खाते		
कुल	**1,81,98,57,502.65**	**1,88,04,11,610.79**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

29 जून 2021

Page 10

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 8 - **ऋण, अग्रिम , जमा**

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. कर्मचारी अग्रिम		
वेतन		
त्योहार		
चिकित्सा अग्रिम		
अन्य	24,05,654.00	15,67,138.00
कर्मचारी को अग्रिम (अन्य)	58,937.00	3,15,153.00
2. कर्मचारी अग्रिम (लम्बी अवधि)		
वाहन ऋण		
गृह ऋण		
अन्य		
3. नगद या वस्तु का प्राप्त होने वाले मूल्य के लिए अग्रिम और अन्य रकम वसूल		
पूंजी खाता		
आपूर्ति कर्ता / देनदार		
टी.डी.एस. वसूली (आयकर एवं वस्तु सेवाकर)	80,05,074.00	1,58,09,179.51
सेवा कर (इनपुट क्रेडिट)		-
अन्य		
ईडसील इंडिया लि०		
कार्यपालक अभियंता (सीपीडब्लूडी)	94,38,024.00	1,18,60,763.00
कार्यपालक अभियंता इलेक्ट्रीकल रॉंची डिविजन	14,339.00	14,339.00
कार्यपालक अभियंता इलेक्ट्रीकल सीपीडब्लूडी		
मेसर्स एन.बी.सी.सी. (इंडिया) लि०	11,00,26,633.00	10,98,24,289.00
छात्र कल्याण संघ		69,000.00
4. प्रीपेड व्यय		
बीमा	69,707.00	
अन्य खर्च	1,73,268.00	1,46,773.82
5. जमा		
क) टेलिफोन	20,500.00	20,500.00
ख) रामदयाल मुंडा कला भवन	40,000.00	40,000.00
ग) बिजली	11,24,939.00	11,24,939.00
घ) सचिव झारखण्ड कला मंदिर	10,000.00	10,000.00
ङ) एल पी जी	7,850.00	7,850.00
च) सेटअप बॉक्स	3,996.00	3,996.00
छ) वाटर प्यूरीफायर	400.00	400.00
ज) डाटा कार्ड	600.00	600.00
झ) फ्रेनकिंग मसीन	13,434.50	24,338.00
ट) वरिष्ठ पोस्ट मास्टर	33,402.00	33,402.00
6. अर्जित आय		
निर्धारित / एंडोवमेंट फंड से निवेश पर		
अन्य निवेश		
ऋण एवं अग्रीम		
अन्य (आय अवछित)		
7. अन्य– यूजीसी / प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त होने वाली मौजूदा संपत्तियां		
क) डेबिट शेष प्रायोजित परियोजनाओं में		
ख) डेबिट शेष प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृत्तियां		
ग) अनुदान प्राप्य ; (एम एच आर डी)	-	25,00,00,000.00
घ) अन्य प्राप्य (प्लान प्राप्य अनुदान)		
8. प्राप्य दावा		
कुल	**13,14,46,757.50**	**39,08,72,660.33**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES RANCHI

रॉंची

29 जून 2021

Page 11

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 9. शैक्षणिक प्राप्ति

(राशि रू.में)

छात्र से फीस प्राप्ति	चालू वर्ष	विगत वर्ष
शैक्षणिक		
1. टयूशन एवं अन्य फीस	33,01,65,000.00	28,50,11,000.00
2. कम्पयूटर चार्ज	3,62,60,000.00	3,18,13,000.00
3. कोर्स मेटेरियल फीस	4,08,13,138.85	3,83,54,000.00
4. पुस्तकालय फीस	2,14,68,000.00	1,90,92,000.00
5. कमरा किराया	1,61,01,000.00	1,20,93,000.00
6. छात्र क्रियाकलाप फीस	32,90,000.00	28,80,000.00
7. अंकेक्षण कोर्स फीस	10,000.00	-
8. आवेदन फीस–एम बी ए एच आर	33,74,500.00	35,44,600.00
9. फीस जब्त	25,14,080.00	1,97,864.00
अन्य शुल्क		
1. छात्र एक्सचेंज कार्यक्रम		-
कुल	**45,39,95,718.85**	**39,29,85,464.00**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

29 जून 2021

Page 12

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 10. अनुदान / सब्सिडी (अचल अनुदान प्राप्त)

(राशि रू.में)

विवरण	योजना	चालू वर्ष	योजना	विगत वर्ष
	भारत सरकार		भारत सरकार	
प्रारंभिक शेष		-	-	45,13,73,359.00
जोड़: प्राप्ति साल अंतराल में	51,00,00,000.00	51,00,00,000.00	25,00,00,000.00	25,00,00,000.00
वर्ष के दौरान सांसद मद से प्राप्ति	1,95,00,000.00	1,95,00,000.00		
जोड़: पूँजीगत अनुदान से हस्तांतरित		-		-
जोड़: पूँजीगत अनुदान से हस्तांतरित		1,07,42,125.00		1,83,81,188.00
कुल		**54,02,42,125.00**		**71,97,54,547.00**
घटाये: यूजीसी को वापसी			-	-
शेष		54,02,42,125.00	-	71,97,54,547.00
घटाये: पूँजीगत व्यय (अ)		**54,02,42,125.00**		**71,96,65,747.00**
शेष		-		88,800.00
घटाये: राजस्व व्यय (ब)		-		-
घटाये: अन्य समायोजन		-		88,800.00
		-		
अंतिम शेष (स)		-		-

ब) आय और व्यय खाते में आय के रूप में प्रदर्शित।

स) 1. बैलेंस शीट में मौजूदा दायित्व के तहत दिखाई देता है जो कि अगले वर्ष प्रारंभिक शेष होगा।

2. संम्पत्ति के पक्ष में बैंक संतुलन, निवेश और अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

29 जून 2021

Page 13

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 11- निवेश से आय

(राशि रू.में)

विवरण	निर्धारित / एनडॉनमेंन्ट फंड		अन्य निवेश	
	चालू वर्ष	विगत वर्ष	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. ब्याज				
सरकारी सिक्योरिटीज पर				
अन्य बॉन्ड / डिवेन्चर				
2. सावधि जमा पर ब्याज			8,26,87,258.00	14,72,90,467.66
3. सावधिक जमा पर अर्जित आय				
कर्मचारी को ब्याज सहित अग्रिम				
4. बचत खाता पर ब्याज			51,07,288.00	4,42,328.00
5. अन्य (निर्दिष्ट करें)				
कुल			8,77,94,546.00	14,77,32,795.66
निर्धारित / एनडॉनमेंट फंड को हस्तांतरित				
शेष			**8,77,94,546.00**	**14,77,32,795.66**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

Page 14

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 12: ब्याज से आय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. अनुसूचित बैंक में खाता पर	-	
2- ऋण पर		
कर्मचारी	-	
अन्य	-	
3- देनदार एवं अन्य प्राप्य पर		
कुल	-	-

टिप्पनी

1. निर्धारित/एंडॉवमेंट फंड के बैंक खातों के संबंध में आइटम 1 के खिलाफ राशि का निपटारा किया जाता है। जो कि अनुसूची 11(प्रथम भाग) और अनुसूची 2 से संबंधित होता है

2. आइटम 2 (ए) केवल तभी लागू होता है जब इस तरह के अग्रिमों के लिए घूमने वाले फंडों का गठन नहीं किया गया है।

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

29 जून 2021

Page 15

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची– 13: अन्य आय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1- पी जी एक्स पी शुल्क	2,55,51,143.00	2,31,47,857.20
2. ई.एफ.पीएम कोर्स से आय	1,33,53,000.00	81,90,000.00
3 सी पी जी एम कोर्स से आय	14,30,494.00	31,02,000.00
4- निविदा शुल्क	-	14,153.00
5- मेस शुल्क प्राप्ति	25,02,557.00	2,38,04,976.40
6. परामर्श एवं प्रबंध विकास कार्यक्रम से आय	36,59,027.54	24,98,380.50
7. सम्मेलन से आय	2,72,088.00	-
8. एभ पी एम/पोस्ट डाक्टर फैलोसिप /एमेरिटस फेलोसिप के आवेदन फीस से आय	2,46,500.00	2,87,500.00
9. आइ पी एम कोर्स के आवेदन फीस से आय	8,93,000.00	-
7. कैट हिस्सेदारी	1,54,65,362.91	1,88,16,801.60
8. सम्पत्ति के विक्री से आय	-	-
अ) स्वंय अर्जित सम्पत्ति	-	-
ब) बिना लागत के प्राप्त सम्पत्ति	-	-
9.संस्थानों, कल्याण निकायों और अंर्तराष्ट्रीय संगठनों से अनुदान/दान	-	-
10. लाईसेंस शुल्क	24,420.00	22,560.00
11. अन्य	1,497.60	22,924.31
गेस्ट हाउस प्राप्ति	10,80,031.00	5,09,446.00
भर्ती शुल्क	4,000.00	87,707.30
ट्रांस्पोटेशन शुल्क प्राप्ति	4,900.00	8,400.00
बिजली एवं पानी	-	-
दंड	30,000.00	1,56,486.00
कुरियर शुल्क	1,06,000.00	49,300.00
टी डी एस रिफंड पर ब्याज	13,74,226.49	1,36,729.00
अटल बिहारी बाजपेयी (एल पी जी) केन्द्र से आय	1,50,000.00	13,78,663.45
कुल	**6,61,48,247.54**	**8,22,33,884.76**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

राँची

29 जून 2021

Page 16

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 14 –पूर्व अवधि आय

(राशि रू.में)

विवरण		चालू वर्ष	विगत वर्ष
1. शैक्षिणक प्राप्तियाँ			
2. निवेश से आय			
3. व्याज से आय			
4. अन्य आय			-
कुल			-

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
RANCHI

राँची

29 जून 2021

Page 17

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 15 –कर्मचारी लाभ भुगतान(स्थापना खर्च)

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
अ) वेतन एवं मजदूरी	8,76,96,672.00		8,76,96,672.00	7,10,92,479.00		7,10,92,479.00
शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक कर्मचारी	8,76,96,672.00		8,76,96,672.00	7,10,92,479.00		7,10,92,479.00
			-			-
अर्जित छुट्टि एनकैशमेंट / छुटटी वेतन में योगदान			-			-
ब) भत्ते और बोनस	2,78,66,564.00		2,78,66,564.00	2,11,72,242.00		2,11,72,242.00
महगाई भत्ता	1,27,66,358.00		1,27,66,358.00	86,04,493.00		86,04,493.00
अतिरिक्त कार्य भत्ता	-		-	23,352.00		23,352.00
घर किराया भत्ता (बकाया घर किराया भत्ता शामिल)	1,17,14,070.00		1,17,14,070.00	89,90,702.00		89,90,702.00
अधिक समय भत्ता	8,647.00		8,647.00	1,585.00		1,585.00
महगाई भत्ता बकाया	-		-	8,77,760.00		8,77,760.00
यात्रा भत्ता	32,25,519.00		32,25,519.00	25,29,610.00		25,29,610.00
बोनस	-		-			-
गैर पेशा भत्ता	1,41,970.00		1,41,970.00	1,39,740.00		1,39,740.00
वर्दी भत्ता	10,000.00		10,000.00	5,000.00		5,000.00
स) भविष्य निधि और पेंशन फंड में योगदान	29,52,390.00		29,52,390.00	18,34,128.00		18,34,128.00
द) अन्य फंड में योगदान						-
एन पी एस में नियोक्ता का अंशदान	-		-			-
प) सेवानिवृत्ति और टर्मिनल लाभ (ग्रेच्यिूटी)	1,72,09,879.00		1,72,09,879.00	1,86,13,875.00		1,86,13,875.00
फ) एल टी सी सुविधा	19,44,447.80		19,44,447.80	6,53,844.00		6,53,844.00
ब) चिकित्सा सुविधा	22,29,641.00		22,29,641.00	21,29,013.00		21,29,013.00
चिकित्सा और औषधालय	22,29,641.00		22,29,641.00	21,29,013.00		21,29,013.00
बच्चो के शिक्षा भत्ता	6,40,671.00		6,40,671.00	4,04,334.00		4,04,334.00
अन्य	2,68,114.00		2,68,114.00	7,25,096.00		7,25,096.00
कुल	14,08,08,378.80		14,08,08,378.80	11,66,25,011.00		11,66,25,011.00

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

Page 18

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 15 –कर्मचारी लाभ भुगतान(स्थापना खर्च)

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष				विगत वर्ष			
	पेंसन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी भुगतान	कुल	पेंसन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी भुगतान	कुल
1- प्रारंभिक शेष	-	1,15,05,000.00	1,54,07,000.00	2,69,12,000.00	-	73,48,000.00	99,56,000.00	1,73,04,000.00
जोड़: अन्य संस्थानों से प्राप्त अंशदान की पूंजीगत				-	-	-	-	-
कुल (अ)	-	1,15,05,000.00	1,54,07,000.00	2,69,12,000.00	-	73,48,000.00	99,56,000.00	1,73,04,000.00
				-				
घटायें: वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान (ब)	-	-	**9,24,235.00**	9,24,235.00	-	0	2,44,401.00	2,44,401.00
				-				
अंतिम शेष स=अ–ब	-	1,15,05,000.00	1,44,82,765.00	2,59,87,765.00	-	73,48,000.00	97,11,599.00	1,70,59,599.00
				-				
बीमांकिक मूल्यांकन का प्राक्कलन 31.03.2021 (द)		**1,45,34,000.00**	**1,85,83,000.00**	3,31,17,000.00	-	1,15,05,000.00	1,54,07,000.00	2,69,12,000.00
छुट्टी वेतन अंशदान का खर्च (द)	-	0	2,78,916.00	2,78,916.00	-	0	3,02,159.00	3,02,159.00
अ: चालू वर्ष मे प्राक्धान (द–स)	-	30,29,000.00	43,79,151.00	74,08,151.00	-	41,57,000.00	59,97,560.00	1,01,54,560.00
ब: एन पी एस मे अंशदान	98,01,728.00	-	-	98,01,728.00	84,59,315.00	-	-	84,59,315.00
स: चिकित्सा अदायगी सेवनिवृत कर्मचारी	-	-	-	-	-	-	-	-
द: रिटायमेंट गृहनगर यात्रा	-	-	-	-	-	-	-	-
इ: जमा लिंक बीमा भुगतान	-	-	-	-	-	-	-	-
	-	-	-	-				
कुल (अ+ब+स+द+इ)	**98,01,728.00**	**30,29,000.00**	**43,79,151.00**	1,72,09,879.00	**84,59,315.00**	**41,57,000.00**	**59,97,560.00**	**1,86,13,875.00**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची
29 जून 2021

Page 18

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 16 –शैक्षणिक खर्च

(राशि रू.में)

	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
I कोर्स सामग्री व्यय	81,69,763.87		**81,69,763.87**	1,14,09,636.87		**1,14,09,636.87**
II एफ पी एम खर्च	1,34,78,411.00		**1,34,78,411.00**	1,24,12,259.00		**1,24,12,259.00**
III आउटबाउंड और प्रेरणाकार्यक्रम	21,700.00		**21,700.00**	1,00,029.00		**1,00,029.00**
IV मानदेय	40,71,767.00		**40,71,767.00**	65,79,122.00		**65,79,122.00**
V संकाय विकास खर्च	27,62,822.00		**27,62,822.00**	24,49,567.00		**24,49,567.00**
VI छात्र कल्याण खर्च	1,60,507.00		**1,60,507.00**	2,21,809.00		**2,21,809.00**
VII प्रवेश खर्च	77,34,049.00		**77,34,049.00**	72,35,971.00		**72,35,971.00**
VIII दीक्षांत खर्च	1,81,856.00		**1,81,856.00**	-		-
IX आमंत्रित संकाय पर यात्रा खर्च	17,310.00		**17,310.00**	16,87,922.00		**16,87,922.00**
X अनुसंधान अनुदान खर्च	3,10,097.00		**3,10,097.00**	10,06,557.00		**10,06,557.00**
XI छात्र स्क्रिप्ट समर्थन	-		-	-		-
अन्य	**18,69,611.00**		**18,69,611.00**	**1,07,49,602.50**		**1,07,49,602.50**
शैक्षणिक परिषद मीटिंग खर्च	3,574.00		**3,574.00**	4,197.00		**4,197.00**
सॉफ्टवेयर लाईसेंस नवीनीकरण खर्च	6,48,885.00		**6,48,885.00**	8,93,991.50		**8,93,991.50**
प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट खर्च	2,21,810.00		**2,21,810.00**	42,83,606.00		**42,83,606.00**
पत्रिकाओं और डेटाबेस खर्च	-		-	92,295.00		**92,295.00**
छात्र संबंधित खर्च	8,53,095.00		**8,53,095.00**	32,89,102.00		**32,89,102.00**
राष्ट्रीय एवं अंर्तराष्ट्रीय सेमिनार खर्च	1,31,863.00		**1,31,863.00**	20,05,067.00		**20,05,067.00**
अंर्तराष्ट्रीय संबंध खर्च	10,384.00		**10,384.00**	1,81,344.00		**1,81,344.00**
कुल	3,87,77,893.87		3,87,77,893.87	**5,38,52,475.37**		5,38,52,475.37

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रांची

29 जून 2021

Page 19

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 17–प्रशासनिक और सामान्य व्यय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
अ. आधारभूत						-
बिजली एवं पावर	19,69,284.00		**19,69,284.00**	41,41,449.00		**41,41,449.00**
अतिथिशाला खर्च	5,78,772.00		**5,78,772.00**	16,64,519.00		**16,64,519.00**
बीमा	12,70,437.00		**12,70,437.00**	11,37,443.00		**11,37,443.00**
उपकरण किराया	-		-	-		-
लीज/भवन किराया	2,62,35,669.00		**2,62,35,669.00**	2,55,16,696.00		**2,55,16,696.00**
जेनेरेटर भाड़ा	65,85,952.00		**65,85,952.00**	82,48,439.00		**82,48,439.00**
ब. संचार			-			-
फाउंडेशन दिवस खर्च	1,25,966.00		**1,25,966.00**	4,59,769.00		**4,59,769.00**
पोस्टेज एवं स्टेशनरी	1,28,356.50		**1,28,356.50**	54,033.00		**54,033.00**
टेलिफोन, फैक्स एवं इंटरनेट	30,76,459.00		**30,76,459.00**	19,01,330.00		**19,01,330.00**
स. अन्य			-			
अन्य–राष्ट्रीय कार्यक्रम	1,70,312.50		**1,70,312.50**	1,30,977.00		**1,30,977.00**
मुद्रण और स्टेशनरी(खपत)			-			-
कंप्यूटर कंज़ूमेबल्स			-			-
मुद्रण और स्टेशनरी	10,98,752.00		**10,98,752.00**	12,42,781.50		**12,42,781.50**
यात्रा और वाहन व्यय	3,70,234.00		**3,70,234.00**	5,04,487.00		**5,04,487.00**
बोर्डिंग और लॉजिंग खर्च			-	-		-
लेखा परीक्षक पारिश्रमिक	6,40,204.00		**6,40,204.00**	2,65,054.00		**2,65,054.00**
व्यावसायिक शुल्क			-			-
प्रचार एवं प्रसार	11,78,352.00		**11,78,352.00**	2,58,724.00		**2,58,724.00**
सामाचार पत्र और आवधिक	23,915.00		**23,915.00**	59,792.00		**59,792.00**
अन्य उपयोगिता			-			
रखरखाव एवं साफ सफाई खर्च	97,23,159.00		**97,23,159.00**	92,66,160.00		**92,66,160.00**
मेन पावर परिनियोजन खर्च	2,28,08,382.00		**2,28,08,382.00**	1,96,24,920.00		**1,96,24,920.00**
अन्य			-			
सदस्यता शुल्क	65,432.00		**65,432.00**	44,604.00		**44,604.00**
रिफ्रेशमेंट खर्च	3,67,146.00		**3,67,146.00**	5,19,906.00		**5,19,906.00**
मनोरंजन खर्च	27,000.00		**27,000.00**	32,000.00		**32,000.00**
विविध खर्च	1,17,626.11		**1,17,626.11**	2,66,883.70		**2,66,883.70**
चिकित्सा खर्च	8,727.00		**8,727.00**	2,26,099.00		**2,26,099.00**
बोर्ड और समिति बैठक	7,29,955.00		**7,29,955.00**	20,48,970.00		**20,48,970.00**
सीआरए सर्विस चार्ज एवं ईपीएफओ मेंटेन खर्च	4,602.00		**4,602.00**	4,800.00		**4,800.00**
विधि खर्च	73,950.00		**73,950.00**	16,520.00		**16,520.00**
कार्यालय खर्च	-		-	1,61,580.00		**1,61,580.00**
अकेंक्षण खर्च	-		-	-		-
कर्मचारी विकास खर्च	-		-	5,000.00		**5,000.00**
संगोष्ठी और सम्मेलन	67,473.00		**67,473.00**	30,178.00		**30,178.00**
मान्यताएं	12,45,649.57		**12,45,649.57**	5,53,512.90		**5,53,512.90**
दरें एवं कर	97,226.00		**97,226.00**	4,63,598.00		**4,63,598.00**
कर्मचारी बहाली	7,61,703.00		**7,61,703.00**	19,01,751.00		**19,01,751.00**
कर्मचारी कल्याण खर्च	58,327.00		**58,327.00**	1,46,751.00		**1,46,751.00**
संयुक्त नामांकन खर्च	-		-	-		-
अटल बिहारी बाजपेयी केन्द्र (एल पी जी)	1,97,945.00		**1,97,945.00**	2,37,486.00		**2,37,486.00**
कुल	**7,98,06,967.68**		**7,98,06,967.68**	**8,11,36,213.10**		**8,11,36,213.10**

वित्त एवं लेखा

राँची

29 जून 2021

निदेशक

Page 20

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 18–परिवहन खर्च

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
वाहन (संस्था के स्वामित्व मे)						
संस्था के वाहन खर्च	99,538.00		99,538.00	1,19,310.00		1,19,310.00
चालू खर्च	84,700.00		84,700.00	1,07,759.00		1,07,759.00
मरम्मति खर्च			-			-
बीमा खर्च	14,838.00		14,838.00	11,551.00		11,551.00
भाड़े में वाहन	3,49,312.00		3,49,312.00	1,10,30,229.00		1,10,30,229.00
बस किराया	3,49,312.00		3,49,312.00	1,10,30,229.00		1,10,30,229.00
कार वाहन भाड़ा खर्च	6,21,182.00		6,21,182.00	12,09,526.00		12,09,526.00
कुल	10,70,032.00		10,70,032.00	1,23,59,065.00		1,23,59,065.00

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

Page 21

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 19–मरम्मति एवं रख–रखाव

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
भवन	**13,27,470.00**		**13,27,470.00**	**54,23,056.00**		**54,23,056.00**
सिविल मरम्मति	3,00,967.00		3,00,967.00	14,16,958.00		14,16,958.00
बिजली मरम्मति	82,095.00		82,095.00	83,563.00		83,563.00
छात्रावास मरम्मति	9,30,512.00		9,30,512.00	33,10,793.00		33,10,793.00
अन्य मरम्मति	13,896.00		13,896.00	6,11,742.00		6,11,742.00
फर्नीचर और फिक्स्चर			-			-
प्लांट एवं मशीनरी			-			-
डीजल एवं पेट्रोल			-			-
उपकरण मरम्मति			-			-
कार्यालय उपकरण			-			-
लघु उपकरण मरम्मति	1,508.00		1,508.00	67,059.00		67,059.00
कंप्यूटर मरम्मति	14,645.00		14,645.00	19,375.00		19,375.00
लिफ्ट मरम्मति	7,92,269.00		7,92,269.00	5,64,934.00		5,64,934.00
संपत्ति रखरखाव(सामान्य)			-			-
अन्य(निदृष्ट)			-			-
वेवसाइट			-			-
कुल	**21,35,892.00**		**21,35,892.00**	**60,74,424.00**		**60,74,424.00**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

Page 22

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 20–वित्त खर्च

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
बैंक चार्ज	74,008.79		74,008.79	1,04,200.83		1,04,200.83
अन्य (निदृष्ट)						-
कुल	74,008.79	-	74,008.79	1,04,200.83		1,04,200.83

वित्त एवं लेखा

निदेशक

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES
CHARTERED ACCOUNTANTS
RANCHI

राँची

29 जून 2021

Page 23

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 21–अन्य खर्च

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
खराब और संदिग्ध ऋण/अग्रिम के लिए प्रावधान			-			-
अपरिवर्तनीय शेष राशि लिखित			-			-
अन्य संस्थानों/संगठनों को अनुदान/सब्सिडी			-			-
अन्य(निदृष्ट)			-			-
शैक्षणिक खर्च			-			-
पीजीएक्सपी खर्च		34,66,780.26	34,66,780.26		38,97,181.50	38,97,181.50
मेस शुल्क खर्च		24,41,260.00	24,41,260.00		2,32,65,009.00	2,32,65,009.00
महिलाओं के लिए राष्ट्रीय आयोग खर्च			-			-
सी पी जी एम खर्च		15,70,116.91	15,70,116.91		12,64,470.00	12,64,470.00
ई एफ पी एम खर्च		5,05,926.00	5,05,926.00		11,12,315.00	11,12,315.00
अटल बिहारी बाजपेयी केन्द्र (एल पी जी) खर्च		94,509.00	94,509.00		5,24,091.00	5,24,091.00
आइ पी एम विज्ञापन खर्च		11,79,914.00	11,79,914.00		-	-
			-			-
कुल		**92,58,506.17**	**92,58,506.17**		**3,00,63,066.50**	**3,00,63,066.50**

वित्त एवं लेखा

निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

Page 24

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरूप अनुसूचियां

अनुसूची 22–पूर्व अवधि व्यय

(राशि रू.में)

विवरण	चालू वर्ष			विगत वर्ष		
	योजना	गैर योजना	कुल	योजना	गैर योजना	कुल
स्थापना खर्च	24,018.00		24,018.00			-
शैक्षणिक खर्च	35,952.00		35,952.00			-
प्रसाशनिक खर्च	65,146.00		65,146.00	76,537.00		76,537.00
परिवहन खर्च			-			-
मरम्मति खर्च	4,85,560.00		4,85,560.00			-
अन्य खर्च			-			-
कुल	**6,10,676.00**		6,10,676.00	**76,537.00**		**76,537.00**

वित्त एवं लेखा

रॉंची

29 जून 2021

निदेशक

Page 25

भारतीय प्रबंध संस्थान रांची

31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियां और भुगतान खाता

प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	विगत वर्ष	भुगतान	चालू वर्ष	विगत वर्ष
1- प्रारंभिक शेष			स्थापना व्यय	12,14,51,544.00	10,11,65,834.00
नगद शेष	-	-	शैक्षणिक व्यय	3,20,55,649.59	5,02,94,838.89
बैंक खाता शेष	9,52,79,443.99	8,31,37,150.15	प्रसाशनिक व्यय	8,20,96,717.75	7,88,02,323.69
एचडीएफसी बैंक खाता न० 50100083823902	5,27,09,865.80	4,55,51,504.06	यात्रा खर्च	19,29,643.00	1,27,15,341.00
आईसीईआईसीईआई बैंक खाता न० 115001000632	1,18,902.67	9,64,595.67	मरम्मति एवं रख–रखाव खर्च	4,43,615.00	61,53,704.00
आईसीईआईसीईआई बैंक खाता न० 115001000244	40,08,739.55	1,93,17,948.55	गैर अनुदान खर्च	87,98,336.00	3,08,70,693.34
सबीआई एन पीएस खाता न० 32034256093	32,07,718.37	30,15,434.57	गैर अनुदान आय	11,24,690.00	4,23,960.00
सबीआई खाता न० 31682147152	91,00,744.60	58,27,007.00			
यस बैंक खाता न० 008094600000174	1,00,177.50	56,45,639.30			
एकसिस बैंक खता न० 918010019035140	2,60,33,295.50	28,15,021.00			
			ईएमडी और सुरक्षा जमा वापसी	2,47,730.00	**6,17,248.00**
			कौशनमनी वापसी	25,88,313.00	**49,65,000.00**
2. अनुदान प्राप्ति			**III प्रायोजित परियोजना/आर एंड डी भुगतान**		
अ) भारत सरकार से	76,00,00,000.00		5. प्रायोजित परियोजना/आर एंड डी भुगतान	7,08,450.00	10,39,574.62
योजना अनुदान					
अन्य अनुदान प्राप्ति	1,95,00,000.00	2,50,00,000.00	**IV प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृति भुगतान**	52,91,127.00	2,13,75,840.00
			V निधारित फंड में निवेश		
3. शैक्षणिक प्राप्ति एवं जमा	48,75,03,313.00	41,22,92,392.40	V निधारित फंड में निवेश		
4. निधारित फंड में प्राप्तियां	39,25,000.00	29,60,000.00	अपने फंड से निवेश		
5. प्रायोजित परियोजना/आर एंड डी प्राप्तियां	13,03,409.00	27,83,920.00	VI अनुसूचित बैंक में सावधि जमा		73,00,00,000.00
6. प्रायोजित फैलोशिप और छात्रवृति प्राप्तियां	41,47,127.00	1,70,90,840.00	**VII** अचल संम्पति और कार्यशील पूंजी पर व्यय		
7. निवेश से आय			अचल संम्पत्ति	**3,99,93,377.38**	**4,04,36,588.23**
8. निवेश को भुनाया			कार्यशील पूंजी पर व्यय	1,14,65,24,155.00	53,31,34,362.90
कॉर्पस फंड के लिए निवेश					
सामान्य निर्धारित और अन्य के लिए निवेश			**VIII अन्य भुगतान**		
9. अनुसूचित बैंक में सावधि जमा को भुनाया	11,85,94,347.00	1,19,23,10,344.20	वैधानिक देयताएं	7,15,70,930.00	5,59,28,670.00
10. अन्य आय			शुल्क वापसी	3,01,54,133.00	1,48,63,316.63
अ) लाइसेंस शुल्क एवं परिवहन शुल्क	29,320.00	30,960.00	बैंक प्रभार	**75,823.79**	**18,000.00**
11. जमा एवं अग्रीम		**10,000.00**	विविध भुगतान	6,17,848.00	2,05,916.00
13. अन्य प्रांप्तियां चिकित्सा प्रतिपूर्ति सहित	3,29,406.00	2,93,745.09 Page 77	वस्तुसूची	3,25,470.00	5,21,574.00
			IX अनुदान की वापसी		

14. अन्य प्रांप्तियां			X जमा एवं अग्रीम		
एफडी आर पर अर्जित व्याज		2,20,31,928.00			
एफडी पर व्याज	1,70,580.00	3,34,62,451.00	कर्मचारी से जमा	38,78,488.80	28,17,703.00
देनदारो से वसूली	74,03,912.00	77,12,985.00	सुरक्षा जमा		60,000.00
अनुदान खाता को छोड कर बैंक बचत खाता पर ब्याज	52,78,121.00	66,20,983.00	ऋण एवं अग्रीम		14,04,50,115.00
अनुदान बचत खाता पर ब्याज	27,78,313.00	3,68,092.00			
वैधानिक दायित्व (कर एव अन्य) जमा / वापसी	2,70,05,907.00	2,33,13,374.00			
गैरअनुदान खर्च	15,750.00	1,600.00			
जमानत राशि की वापसी		20,000.00			
खर्च के लिए प्रावधान	3,37,773.00	5,65,168.00			
अचल सम्पत्ति		1,06,595.00			
आई टी एसेसमेंट टीडीएस की वापसी	95,79,583.51	13,02,291.00	XI अंतिम शेष		
स्थापना व्यय	3,14,153.00	8,16,472.00	नगद शेष		-
कैंप प्राप्तिया	97,54,872.00	28,74,330.00	बैंक खाता शेष	6,25,98,383.28	9,52,79,443.99
शैक्षणिक व्यय	1,49,736.00	3,81,298.00	एचडीएफसी बैंक खाता न० 50100083823902	97,05,005.89	5,27,09,865.80
प्रसाशनिक व्यय	1,48,193.00	5,58,533.90	आईसीईआईसीईआई बैंक खाता न० 1150010006	76,41,171.67	1,18,902.67
15. अग्रिम वापसी			आईसीईआईसीईआई बैंक खाता न० 115001000	79,78,873.75	40,08,739.55
वसूली योग्य अग्रीम	9,82,546.00	24,09,575.00	सबीआई एन पीएस खाता न० 32034256093	1,42,17,010.37	32,07,718.37
			सबीआई खाता न० 31682147152	80,35,368.60	91,00,744.60
अन्य प्राप्तियां (गैर अनुदान आय)	5,79,43,619.09	8,36,85,019.64	यस बैंक खाता न० 008094600000174	29,264.50	1,00,177.50
			एकसिस बैंक खता न० 918010019035140	47,34,703.50	2,60,33,295.50
			एचडीएफसी बैंक खाता न० 50100378143628	1,02,56,985.00	-
कुल	1,61,24,74,424.59	1,92,21,40,047.29	कुल	1,61,24,74,424.59	1,92,21,40,047.29

वित्त एवं लेखा

M/S ANJALI JAIN & ASSOCIATES CHARTERED ACCOUNTANTS RANCHI

निदेशक

रॉंची

29 जून 2021

Page 27

भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची
अनुसूचि – 23:

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरुप एवं अनुबद्ध महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

1. वित्तीय विवरण की तैयारी का आधारः

वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर स्वीकार्य लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार लेखांकन के उपार्जन आधार पर ऐतिहासिक लागत अवधारणा के तहत तैयार किए जाते हैं।

2. राजस्व मान्यताः

2.1 छात्रों से फीस (ट्युशन फीस को छोड़कर) और बचत बैंक खातों पर ब्याज नकदी आधार पर लेखांकित किए गए हैं।
2.2 निवेश पर ब्याज उपार्जन के आधार पर लिया गया है।

3. अचल संपत्तिः

अचल संपत्तियों की अधिग्रहण लागत को लिया गया है जिसमें आवक भाड़ा, शुल्क और कर, और अधिग्रहण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष खर्च शामिल हैं।

4. मूल्यह्रास और परिशोधन

क. मूल्यह्रास

4.1 मूर्त अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास का प्रावधान एमएचआरडी के पत्र क्र.29–4/2012/IFD दिनांकित 17/04/2015 के अनुसार केंद्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए निर्धारित दरों के आधार पर स्ट्रेट लाइन विधि के अनुसार किया गया है।

4.2 मूर्त अचल संपत्तियों की बुक वैल्यू का संबंधित निधि के साथ मिलान के लिए मूर्त अचल संपत्तियों पर लगाया गया मूल्यह्रास संबंधित निधि से आय एवं व्यय खाता (रेखा से नीचे) में स्थानांतरित किया गया है।

4.3 वर्ष के दौरान परिवर्धन पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यह्रास लगाया गया है।

4.4 जहाँ मूर्त अचल संपत्तियों का पूरी तरह मूल्यह्रास हो गया है, उन्हें तुलन–पत्र में रू.1 के अवशिष्ट मूल्य पर रखा गया है और आगे मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है।

4.5 मूर्त अचल संपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का अलग–अलग मूल्य रू 2000 रुपए या उससे कम है (पुस्तकालय की पुस्तकों को छोड़कर) को अल्प मूल्य की संपत्ति के रूप में माना गया है। ऐसी संपत्तियों पर उनके अधिग्रहण के समय 100% मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया है ।

4.6 किसी भी कंप्यूटर हार्डवेयर के साथ खरीदे गए सॉफ्टवेयर की लागत को, हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा होने के कारण, हार्डवेयर की कीमत के साथ ही पूंजीकृत किया गया है। तथापि, सॉफ्टवेयर (ईआरपी सहित) के अधिग्रहण पर किया गया व्यय, जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है, को अमूर्त माना गया है।

ख. परिशोधन

4.7 पेटेंट और कॉपीराइट, ई पत्रिकाएं और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त आस्तियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है और उन्हें एमएचआरडी द्वारा निर्दिष्ट दरों पर परिशोधित किया गया है।

Page - 31

5. निवेशः

5.1 निवेश मोटे तौर पर भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में ही किया गया है।

5.2 लंबी अवधि के निवेश को उनकी लागत या अंकित मूल्य, जो भी कम हो, पर लिया गया है। तथापि, तुलन–पत्र की तिथि पर उनके मूल्य में हुई किसी भी स्थायी कमी का प्रावधान किया गया है। इस तरह की सामग्री को अपने स्थान तक लाने के लिए व्यापार में सामान्य रुप से किए गए व्यय, जहां लागू हो, और उचित खर्च लागत में शामिल हैं।

6. वस्तुसूचीः

वस्तुसूचि में भंडार और स्टेशनरी भी शामिल है, जिसे लागत मूल्य पर लिया गया है। इस तरह की सामग्री को अपने स्थान तक लाने के लिए व्यापार में सामान्य रुप से किए गए व्यय, जहां लागू हो, और उचित खर्च लागत में शामिल हैं।

7. सरकारी अनुदानः

पूंजी और राजस्व अनुदान को एम.एच.आर.डी. के निर्देशानुसार उनके संबंधित मदों में विभाजित किया गया है।

8. कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति लाभः

8.1 परिभाषित योगदान योजनाओं के तहत कर्मचारी लाभ, जिसमें नई पेंशन योजना और भविष्य निधि शामिल है, को मान्य किया गया है और वास्तविक दायित्व के आधार पर राजस्व से लिया गया है।

8.2 नियमित सेवा के 5 साल पूरा होने के बाद ही किसी कर्मचारी को ग्रेच्युटी देय होती है। ग्रेच्युटी एवं छुट्टी के बदले नकद भुगतान का प्रावधान बीमांकिक मूल्यांकन के आधार पर ICAI के संशोधित लेखांकन मानक संख्या 15 का अनुशरण करते हुए किया गया है।

9. विदेशी मुद्रा लेनदेनः

विदेशी मुद्रा में प्राप्त आय और किए गए खर्च लेनदेन की तारीख की विनिमय दरों पर दर्ज किए गए हैं और भिन्नता (अगर कोई है) को आय एवं व्यय खाता में लिया गया है।

10. कैपिटल निधि और कॉर्पस निधिः

कैपिटल निधि अचल संपत्तियों के निर्माण के लिए निर्धारित है। यह निधि मुख्य रूप से भारत सरकार से प्राप्त अनुदान से बनाई गई है।
कॉर्पस निधि शासी मंडल के निर्देशों के अनुसार वर्ष के दौरान संस्थान द्वारा उत्पन्न अधिशेष (कुल निधि विभिन्न गतिविधियो से प्राप्त आय आयगत अनुदान के अलावा घटाव गैर अनुदान खर्च) से बनाई गई है।

नरोत्तम साहू	**प्रो० शैलेन्द्र सिंह**
वित्त एवं लेखा	**निदेशक**

स्थान : रांची
दिनाँक : २६.६.२०२१

भारतीय प्रबंध संस्थान, रांची

अनुसूची – 24:

31 मार्च 2021 को समाप्त वर्ष के लिए तुलन–पत्र के भाग स्वरुप एवं अनुबद्ध लेखांकन टिप्पणियां:–

1. आकस्मिक देयताएं:

i) प्रारंभिक तौर पर राजभवन में आयोजित की गई बैठक के अनुसार झारखंड सरकार द्वारा सूचना भवन के भवन में स्थान प्रदान किया गया है जिसका किराया और अन्य नियम व शर्त नहीं बताए गए हैं। इस तरह की जानकारी के अभाव में इस तरह के मामले का वित्तीय निहितार्थ निर्धारित नहीं किया जा सकता है। हालांकि संबंधित विभाग से प्राप्त दस्तावेज़ के अनुसार नगरपालिका कर का भुगतान किया जाता है।

2.पूंजीगत व्यय और मूल्यह्रास :

i) भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी किए गए लेखा मानक – 12 का प्रस्ताव है कि पूरी तरह से सब्सिडी वाली आस्तियों पर कोई भी मूल्यह्रास नहीं लगाया जाना चाहिए। लेकिन उचित रिकॉर्ड रखने के लिए, अचल संपत्ति पर मूल्यह्रास लगाया गया है और पूंजी निधि से घटाया गया है। मूल्यह्रास का प्रावधान एमएचआरडी के पत्र क्र.29. 4/2012/IFD दिनांकित 17/04/2015 के अनुसार । बेकार संपत्तियां के लिए नई परिसंपत्तियां ख़रीदी-बदली के अधीन निकाली गई, और निपटाए गए परिसंपत्तियों के मूल्य में कोई अतिरिक्त या घाटा आय और व्यय खाते के विरुद्ध समायोजित किया गया है।

ii) मूर्त अचल संपत्तियां, जिनमें से प्रत्येक का अलग–अलग मूल्य रू 2000 रुपए या उससे कम है, (लाइब्रेरी की किताबों को छोड़कर), को अल्प मूल्य की संपत्ति माना गया है (लेखांकन नीति 4.5 के अनुसार)। ऐसी संपत्ति के संबंध में उनके अधिग्रहण के समय 100% मूल्यह्रास का प्रावधान किया गया है। सभी मामलों में इसी नीति का पालन किया गया है स्टील ट्रंक के मामले को छोड़कर जो फर्नीचर और फिक्चर मद के तहत पूंजीकृत है।

3. सरकारी अनुदान :

मानव संसाधन विकास मंत्रालय उच्च शिक्षा एवं तकनिकि विभाग वित्तीय वर्ष २०–२१ में रू. 51,00,00,000/– अनुदान प्राप्त हुआ।

4. कॉर्पस निधि:

कॉर्पस निधि का निर्माण शासी मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया है। रू. 28,62,77,373.92 की राशि कॉर्पस निधि के लिए स्थानांतरित कर दी गई है। पूंजीगत एवं आयगत का विभाजन आंतरिक अभिलेख है।

5. निधि का उपयोग PWD के लिए और TSP के दिशा निर्देशों के आधार पर : एमएचआरडी द्वारा जारी पत्र लिखित पत्र के माध्यम से जारी किए गए मार्गनिर्देशों का कार्यान्वयन। F.No.2118 / 2015- TS.V (A) और पत्र संख्या सं। F.No.2118 / 2015- TS.V (B) दिनांक 28 मार्च 2016 को संस्थान के प्रबंधन द्वारा ध्यान रखा गया है।

6. परिसर के लिए पूंजी अनुदान :

स्थायी परिसर के लिए रु. 4,30,00,000/. का अनुदान वित्तीय वर्ष 2011 – 12 में आवंटित किया गया है, जिसमें से रू. 1,58,16,984.00 की राशि नगरी गांव में चाहरदीवारी के निर्माण के लिए और चेरी गांव में भूमि की सीमा के लिए खर्च की गई थी। निर्माण बाधित हो गया था और व्यय की गई राशि की लेखा–समाप्ति सक्षम पदाधिकार के अनुमोदन के पश्चात कर दी गई। रु 3,42,61,510.00 एच ई सी रांची झारखंड में स्थायी परिसर के लिए नए आवंटित क्षेत्र पर सीमा दीवार के लिए खर्च किए गए हैं। सीमा की दीवार के लिए कुल रु 5,00,78,494.00 खर्च किए गए हैं। इसके अलावा चालू वित्तीय वर्ष २०२०–२१ में रू. 1,79,03,60,662.00 पूंजीगत कार्य प्रगति के मद में परिसर निमार्ण हेतू खर्च किया गया है।

7. आईआईएम रांची कैम्पस के लिए आवंटित नई भूमि का प्रकटीकरण :

झारखंड सरकार ने आईआईएम रांची के परिसर के निर्माण के लिए एच ई सी क्षेत्र गांव में भूमि आवंटित की है। परिसर की सीमा की दीवार को ठेका के आधार पर सी पी डब्लू डी को निर्माण के लिए दी गई है।

8. आईआईएम रांची का अधिकार रहित भवन :

वर्तमान में संस्थान राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना भवन की इमारत में चल रहा है। जो आईआईएम रांची से संबंधित नहीं है। इसलिए सिर्फ अवस्थापना सुविधाओं में होने वाली वृद्धि को ही पूंजीकृत किया जा रहा है।

9. मौजूदा परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम :

प्रबंधन की राय में, मौजूदा परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम को सामान्य व्यापार क्रम में प्राप्य मूल्य पर लिया गया है जो कम से कम तुलन–पत्र में दी गई कुल राशि के बराबर है।

10. निवेश :

निवेश कॉर्पस निधि, छात्रों से जमा, परामर्श परियोजनाओं के लिए प्राप्त अग्रिम निधि, और एमएचआरडी से प्राप्त पूंजी अनुदान के शेष से समानुपात में किया जा रहा है।

11. कराधान : संस्थान, आय कर अधिनियम, **1961** की धारा **10 (23 सी)** (iiiab) के तहत आयकर से मुक्त है, इसलिए आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। इसके अलावा संस्थान आयकर अधिनियम **1961** की धारा 12A का तहत पंजीकृत है।

12. कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के लाभ :

i) संस्थान कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ के लिए एनएसडीएल द्वारा संचालित नई पेंशन योजना में शामिल है।

ii) सभी अनुबंधों के कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि, पूर्वव्यापी रुप से जुलाई, **2012** से भविष्य निधि नियामक विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) द्वारा नियंत्रित है। पीएफआरडीए को भुगतान की वास्तविक राशि वास्तविक दायित्व के आधार पर राजस्व से ली जाती है।

iii) ग्रेच्यूटि किसी कर्मचारी के पांच साल की नियमित सेवा के पूरा होने पर लागू होता है। ग्रेच्यूटि एवं सेवानिवृति पर छुट्टी नगदीकरन का प्रावधान चार्टड एकांडटेट संस्थान, भारत के संशोधित एकांउटिंग स्टेन्र्ड १५ के अनुसार बीमांकीक मूल्यांकन के आधार पर किया गया है।

13. परामर्श परियोजनाएं जो वित्तीय वर्ष के अंत में जारी हैं, उन पर साल के दौरान किए गए व्यय को व्यय के रुप में लेखांकित किया गया है और उतनी ही राशि परामर्श परियोजनाओं से होने वाली आय के रूप में लेखांकित की गई है ताकि आय और व्यय खाते का आंकड़े सही बने रहें।

14. जहां आवश्यक हुआ, पिछले साल के आंकड़ों को फिर से एकजुट और वर्गीकृत कर दिया गया है।

नरोत्तम साहू

नरोत्तम साहू

वित्त एवं लेखा

शैलेन्द्र सिंह

प्रो० शैलेन्द्र सिंह

निदेशक

स्थान : रांची

दिनाँक : २६.६.२०२१

परिसर के विकास पर संक्षिप्त रिपोर्ट

- **एचईसी क्षेत्र में नया स्थायी परिसर, मुड़मा, आलोक डीएवी स्कूल के पास, रांची (60.04 एकड़):**

1. झारखण्ड राज्य सरकार ने भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के स्थायी परिसर के लिए 60.04 एकड़ भूमि की पेशकश की। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा गठित स्थल चयन समिति ने दिनांक 28.12.2015 को भूमि का दौरा किया और भूमि के स्थान पर संतोष व्यक्त किया। समिति ने प्रस्तावित स्थल पर निम्नलिखित अड़चनों का अवलोकन किया :

   क) 33 केवी लाइन के 4 फीडरों को शिफ्ट किया जाना आवश्यक है।

   ख) क्षेत्र के एक कोने में दो अनधिकृत निजी घर।

   ग) स्थानीय लोगों ने कब्रिस्तान के लिए कुछ जगह छोड़ने की मांग की।

   घ) स्थानीय लोगों द्वारा कुछ अपुग्रहों की मांग की गई क्योंकि वे लंबे समय से इन जमीनों पर खेती कर रहे थे।

   ङ) राज्य सरकार ने भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची द्वारा आगे की कार्रवाई के लिए अतिक्रमण मुक्त भूमि प्रदान करने के मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया था।

2. उक्त भूमि भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची को अनुबंध दिनांक 21.04.2016 को डीसी, रांची द्वारा एक करार के माध्यमसे सौंप दी गयी। निर्माण विभाग, भारत सरकार द्वारा मुख्य सड़क से भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के प्रवेश द्वार तक पहुंच मार्ग का निर्माण किए जाने पर सहमति व्यक्त की गई। झारखण्ड बिजली वितरण निगम लिमिटेड द्वारा 33 केवी की चार फीडर लाइनों को अंडरग्राउंड कर शिफ्ट किया जाना था। यह कार्य भी मई, 2020 माह में पूर्ण कर लिया गया है।

3. चहारदीवारी के निर्माण का कार्य सीपीडब्ल्यूडी, रांची को मई, 2016 में सौंपा गया था। कार्य योजना, आकलन और औपचारिकताओं के निविदा के बाद जुलाई, 2016 में कार्य सौंपा गया था। हालांकि, असामाजिक तत्व और जनता के कारणों से कार्य के निष्पादन में नियमित रुप में बाधाएँ आती थी और कार्य वांछित गति से आगे नहीं बढ़ सका। स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की मदद से मुद्दों को सुलझाया जा सका ।

4. भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के लिए परियोजना स्थल की परिधीय चारदीवारी दो साल पहले पूरी हो चुकी है। यह कार्य सीपीडब्ल्यूडी द्वारा निष्पादित किया गया है। कार्य की अनुमानित लागत रू. 3.87 करोड़ है और कार्य का अंतिम लेखा अभी तक सीपीडब्ल्यूडी द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया है।

5. भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के स्थायी परिसर के लिए मास्टर प्लान और विस्तृत वास्तुकला डिजाइन तैयार करने का रू. 2.80 करोड़ की राशि का कार्य हमारे अवार्ड पत्र दिनांक 19.04.2018 के द्वारा मेसर्स सुरेश गोयल एंड एसोसिएट्स को दिया गया। आर्किटेक्ट्स द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियों और कैंपस डेवलपमेंट कमेटी द्वारा विस्तृत समीक्षा के बाद, सभी आर्किटेक्चरल ड्रॉइंग को सितंबर 2018 तक अंतिम रूप दिया गया। अंतिम ड्रॉइंग को भी आरआरडीए द्वारा अनुमोदित किया गया है।

6. भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची द्वारा ''सभी इंजीनियरिंग सेवाओं के साथ भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के स्थायी परिसर (चरण-I कार्यों) के विकास के लिए परियोजना प्रबन्धन सलाहकार की नियुक्ति के लिए भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची द्वारा खुली ई-निविदाएं आमंत्रित की गईं।'' बोर्ड ऑफ गवर्नर्स, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची द्वारा उचित निविदा संबंधी औपचारिकताओं और अनुमोदन के बाद, एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड, नई दिल्ली को काम सौंपा गया था। इसके बाद अनुबंध के कार्यक्षेत्र के अनुसार एनबीसीसी (इंडिया) लिमिटेड नई दिल्ली ने बोर्ड ऑफ गवर्नर, भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के अनुमोदन से भारतीय प्रबन्धन संस्थान रांची के स्थायी परिसर (चरण-I कार्य) के निर्माण के लिए ठेकेदार को नियुक्त किया है। विभिन्न भवनों के संरचनात्मक विवरण और अन्य अवसंरचनात्मक विवरण एनबीसी द्वारा विकसित किए गए हैं। निर्माण कार्यों का अनुबंध मेसर्स राम कृपाल सिंह कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड, रांची को प्रदान किया गया है। निम्नलिखित भवनों का निर्माण दो चरणों में किया जाना है:

क्र.सं.	मदें (आइटम्स)	कवर क्षेत्र (एम)			टिप्पणीयाँ
क	शैक्षणिक परिसर	चरण-I का निर्माण	चरण-II का निर्माण किया जाना है	कुल	
1.	प्रशासनिक ब्लॉक	4000	-	4000	
2.	कक्षा/शैक्षणिक ब्लॉक	6000	-	6000	
3.	पुस्तकालय	6000	-	6000	
4.	फैकल्टी ब्लॉक	7500	-	7500	
5.	कंप्यूटर केंद्र	6000	-	6000	

क्र.सं.	मदें (आइटम्स)	कवर क्षेत्र (एम)			टिप्पणीयाँ
क	शैक्षणिक परिसर	चरण-I का निर्माण	चरण-II का निर्माण किया जाना है	कुल	
6.	एमडीपी ब्लॉक	1196	2944	4140	कार्य को वैधानिक अनुमोदन प्राप्त होने और साइट को सौंपने के बाद ठेकेदार द्वारा साइट पर दिनांक 01.04.2015 से 02.05.2019 तक कार्य किया गया।
7.	सेमिनार हॉल	2354	-	2354	
ख	**आवासीय परिसर**				
8.	हॉस्टल	19676	12000	31676	
9.	छात्रों के लिए भोजन कक्ष	2594	-	2594	
10.	स्टाफ के लिए भोजन कक्ष	2500	-	2500	
11.	वाणिज्यिक केंद्र और औषधालय	2080	-	2080	
12.	सबस्टेशन और यूटिलिटिज	2420	-	2420	
13.	निदेशक निवास	520	-	520	
14.	संकाय निवास	9520	7950	17470	
15.	स्टाफ हाउसिंग (टाइप ए और बी)	1975	2943	4918	
16.	स्टाफ हाउसिंग (टाइप सी एंड डी)	1128		1128	
	कुल	**75463**	**25837**	**101300**	

7. चरण-I का कार्य ठेकेदार द्वारा रू. 296.85 करोड़ के मूल्य पर दिए गए हैं। सिविल कार्यों के अलावा अतिरिक्त कार्य एनबीसीसी (पीएमसी) द्वारा अलग-अलग अनुबंधों के माध्यम से किए जाने हैं। सिविल और एमईपी कार्य प्रगति पर हैं। हालाँकि, मार्च, 2020 और अप्रैल 2021 के अंतिम सप्ताह में कोविड-19 महामारी की दो लहरों के फैलने और उसके बाद लगाए गए लॉकडाउन के कारण काम की प्रगति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा, जिससे परियोजना के पूरा होने में देरी हो सकती है। पीएमसी के अनुसार परियोजना मार्च 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है।

एकेडमिक ब्लॉक - 1

डाइनिंग ब्लॉक

ऑडिटोरियम कम सेमिनार हॉल

टाइप-सी स्टाफ हाउसिंग

रांची के बारे में

रांची झारखंड राज्य की राजधानी है और भारत के राष्ट्रीय खनिज संसाधनों का लगभग अठारह प्रतिशत यहाँ पाया जाता है। यह समुद्र तल से 2150 फीट की ऊंचाई पर छोटानागपुर घाटी में स्थित है। इस सुंदर स्थल पर झरने, पहाड़ियाँ और हरी-भरी घाटियाँ शामिल हैं। इसकी ठंडी जलवायु और ऐतिहासिक महत्व के विभिन्न आकर्षण इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाते हैं। रांची अपने प्राकृतिक परिवेश और पहाड़ी हवा के कारण तत्कालीन बिहार राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी और हेल्थ रिसॉर्ट हुआ करता था। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद, रांची का क्षेत्रफल निरंतर बढता रहा है और शहर में व आसपास कई औद्योगिक सुविधाएं स्थापित होती गयी। अब यह झारखण्ड और अन्य पूर्वी भारत के जमशेदपुर और बोकारो के साथ साथ झारखण्ड में वाणिज्यिक और व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र है,यह झारखण्ड की औद्योगिक संरचना को पूरा करता है। यह झारखण्ड और अन्य पड़ोसी राज्यों के सभी कोनो से आए मेहनती और उद्यमी लोगों का शहर है। हमेशा एक औद्योगिक केंद्र के रूप में जाने जाना वाला, हाल के वर्षों में यहां जैसे विपणन, मीडिया, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा आदि जैसे सेवा उद्योगों में भी विस्तार देखा गया है। देश की अर्थव्यवस्था के भविष्य की महाशक्ति के रूप में रांची की क्षमता को व्यवसायों और सरकार द्वारा समान रूप से एक जैसी मान्यता दी गई है, क्योंकि रांची को महत्वपूर्ण निवेश प्राप्त होने के साथ यह तेजी से एक आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। आगामी भारतीय शहरों में सकल घरेलू उत्पाद में सबसे अधिक विकास दर और रोजगार सृजन रखते हुए, अपने लोगों की गतिशीलता के साथ चलते हुए रांची में एक गतिशील शहर के रुप में एक जबरदस्त परिवर्तन देखा है और यह भारत के भविष्य का शहर है।

शहर का नाम एक स्थानीय पक्षी 'रिंची' के नाम पर रखा गया है, जो ज्यादातर रांची के प्रसिद्ध 'पहाड़ी मंदिर', के आसपास पाया जाता है। छोटानागपुर पठार के दक्षिणी भाग में स्थित, रांची बड़े पैमाने पर गहन प्राकृतिक सुंदरता और सुरम्य वातावरण से संपन्न है। यहां कई झरने और झीलें हैं। इसकी पहाड़ी स्थलाकृति के कारण, यहां साल भर एक सुखद जलवायु का आनंद प्राप्त होता है। रांची खनिज संसाधनों से भरपूर है और इसे 'पूर्व के मैनचेस्टर'के रुप में जाना जाता है। रांची अन्य मेट्रो शहरों जैसे मुंबई, दिल्ली, कोलकाता, बैंगलोर और चेन्नई से थल एवं वायु मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।